शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

NIPUN BHARAT

LLF Language and Learning foundation
Strong Foundation, Stronger Future

1 आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका

कक्षा

सत्र 2022–2023

भाषा

इस संदर्शिका में अलग–अलग आइकन (icon) और रंगों का संकेत के रूप में उपयोग किया गया है, जिनके माध्यम से आप दी गई जानकारियों को समझ और पहचान सकते हैं।

शिक्षक संदर्शिका के मुख्य संसाधन

वार्षिक ट्रैकर

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर

सावधिक आकलन ट्रैकर

शिक्षण योजनाओं से संबंधित आइकन

सप्ताह

शिक्षण उद्देश्य

समय

तैयारी

शिक्षक के लिए बिंदु

बच्चों के लिए प्रश्न/निर्देश

मौखिक भाषा विकास

डिकोडिंग

पठन

लेखन कार्य

पोस्टर पर कार्य

शिक्षक द्वारा चर्चा

बच्चों के अनुभव पर चर्चा/बातचीत

लोगोग्राफिक पठन

डिकोडिंग से संबंधित गतिविधियाँ

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

बिग बुक पर कार्य

ध्वनि जागरूकता पर कार्य

शिक्षण–प्रक्रिया की समीक्षा

कार्यपुस्तिका से संबंधित आइकन

पाठ

साप्ताहिक पुनरावृत्ति

साप्ताहिक आकलन : मैंने सीख लिया

गृहकार्य

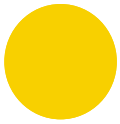
ग्रीष्म अवकाश : पाठ

सावधिक आकलन

सावधिक पुनरावृत्ति

इकाई आकलन : (1–4)

इकाई पुनरावृत्ति (1–4)

कार्यपुस्तिका ट्रैकर

आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका
कक्षा 1

सीखने–सिखाने के अनुभवों में विविधता एवं रोचकता !

इस अकादमिक सत्र में हम शिक्षण योजनाओं को काम में लेते हुए कक्षा–कक्ष में उपलब्ध विभिन्न शिक्षण अधिगम सामग्रियों और कार्यपुस्तिका पर बच्चों के साथ कार्य करेंगे.....

344
शिक्षण योजनाएं

3
ट्रैकर

144 पाठ
कार्यपुस्तिका में

.....ताकि हमारे सभी बच्चे लक्षित दक्षताओं को निपुणता एवं समय से प्राप्त कर सकें।

उत्तर प्रदेश शासन

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

NIPUN BHARAT

LLF Language and Learning foundation
Strong Foundation, Stronger Future

मुख्य संरक्षण : श्री दीपक कुमार, आई. ए. एस., प्रमुख सचिव (बेसिक शिक्षा), उत्तर प्रदेश शासन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

संरक्षण : श्रीमती अनामिका सिंह, आई. ए. एस., महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश

निर्देशन : डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह, निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समन्वयन : श्री आनंद कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ विशेषज्ञ एवं प्रभारी, गुणवत्ता, समग्र शिक्षा
डॉ. प्रदीप जायसवाल, प्रवक्ता (शोध), राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उत्तर प्रदेश, लखनऊ
श्री पी. एम. अन्सारी, राज्य सलाहकार, गुणवत्ता, समग्र शिक्षा

विशेष सयोग : श्री रमेश चंद्र एवं श्री अरविन्द सिंह, लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन
देबेत्रि सेनगुप्ता एवं शिवम् रावल, सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन
सुश्री जूही निझावन, कंसलटेंट

समीक्षा : श्रीमती रिचा शुक्ला, प्राचार्य, एस.आई.ई., प्रयागराज
श्री आशुतोष दुबे, प्राचार्या, राज्य हिंदी संस्थान, वाराणसी

लेखन मंडल : डॉ. अमरजीत (शोध प्रवक्ता, राज्य हिंदी संस्थान, उ.प्र., वाराणसी), मोहम्मद कसीम फ़ारुक़ी, (राज्य शिक्षा संस्थान प्रयागराज), श्री मनीष कुमार यादव (प्रवक्ता, डायट सिद्धार्थनगर), श्री अमित कुमार (प्रवक्ता, डायट सीतापुर), श्री ज्ञान बहादुर पासी (प्रवक्ता, डायट गोंडा), श्री मृदुल शर्मा (प्रधानाध्यापक, प्राथमिक विद्यालय बाबूगढ़, सकराया, मथुरा), सुश्री कुहु बैनर्जी (प्रधान अध्यापिका, प्राथमिक विद्यालय अटकोहना, नकहा लखीमपुर खीरी), श्रीमती रागिनी गुप्ता (प्रधानाध्यापिका, अभिनव प्राथमिक विद्यालय ककोरगहना, करंजाकला जौनपुर), श्री हृदयेश गोस्वामी (सहायक अध्यापक, पूर्व माध्यमिक विद्यालय नैनवारा, ललितपुर), श्री अनुज प्रताप पाण्डेय (सहायक अध्यापक, प्राथमिक विद्यालय हाजीपट्टी बडराव, मऊ), सुश्री रीना वर्मा सहायक (अध्यापिका, प्राथमिक विद्यालय धरमपुर, सीतापुर), सुश्री अर्चना यादव (सहायक अध्यापिका, प्राथमिक विद्यालय बैडीअलीपुर, कानपुर नगर), श्रीमती अनिता कुशवाहा (प्रधानाध्यापिका, प्राथमिक विद्यालय खग जोत द्वितीय, बलरामपुर), श्री आकाश तिवारी (प्राथमिक विद्यालय भदीड़-2, मऊ), लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन अकादमिक समूह – हिना परवीन, श्री मनोज कुमार गुप्ता, श्री विशाल कश्यप, श्री बिपिन कुमार पाण्डेय, श्री संजीव श्रीवास्तव, सुश्री ऋचा ज्योति, सुश्री अनुराधा जैन, सुश्री सुप्रिया घोष

प्रूफ–रीडर : श्री विमल किशोर (ए.आर.पी. काकोरी, लखनऊ)

लेआउट : श्री कौस्तुभ खरे

ग्राफिक्स : रामा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली

आभार : शिक्षक संदर्शिका के विकास में विभिन्न संस्थाओं की पाठ्य-सामग्री/साहित्य का उपयोग किया गया है। हम उन सभी के प्रति आभारी हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक :

संस्करण : प्रथम संस्करण

शिक्षा सत्र : 2022–2023

मुद्रित प्रतियों की संख्या :

अंत पृष्ठ के कागज का विशिष्टीकरण : प्रयुक्त कागज मिल सेन्चुरी पल्प एण्ड पेपर्स वर्जिन पल्प युक्त कागज बैम्बू अथवा वुड बेस्ड (Bamboo or wood based) के अतिरिक्त अन्य एग्रो बेस्ड (Agro based) अर्थात बगाज पर आधारित एवं क्रीम लेड एण्ड क्रीमवोब पेपर 70 जी.एस.एम. भार तथा आकार 50.8 सेमी. X 76.2 सेमी. का है। कागज की ब्राइटनेस न्यूनतम 80 प्रतिशत, वन मिनट कोब टेस्ट अधिकतम औसत 22, ब्रेकिंग लेन्थ क्रॉस डायरेक्शन 1700, मशीन डायरेक्शन 2500, ओपेसिटी न्यूनतम-85 प्रतिशत एवं रजिस्टेन्ट टू फेदरिंग-टू पास द टेस्ट, टियर इन्डेक्स सी.डी. 40 एवं एम.डी. 3.5 है। प्रयुक्त होने वाला कागज में अन्य विशिष्टियां बी.आई.एस. कोड-1848 (चौथा पुनरीक्षण) के अनुसार है। पुस्तकों में प्रिण्ट साइज : 15.9 सेमी. X 22.1 सेमी., ट्रिम साइज : 1841 सेमी. X 24.13 सेमी. है।

उत्पादन : पाठ्य पुस्तक विभाग, शिक्षा निदेशालय (बेसिक), उ.प्र.
© उत्तर प्रदेश शासन

संदेश

घर और समाज से शुरू हुई अनौपचारिक शिक्षा विद्यालय में औपचारिक और व्यवस्थित हो जाती है। प्राथमिक शिक्षा बच्चों के विकास की बुनियाद होती है। यह मजबूत बुनियाद बच्चों को एक सशक्त नागरिक के रुप में तैयार करती है और ऐसे बच्चे आगे चलकर एक प्रगतिशील एवं विकसित समाज का सृजन करने में महत्त्वपूर्ण एवं सक्रिय योगदान देते हैं।

उत्तर प्रदेश में 'मिशन प्रेरणा' कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम से राज्य में प्राथमिक कक्षाओं के शिक्षण को एक नई दिशा मिली है। 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' भी बुनियादी शिक्षा के महत्व को रेखांकित करती है। बुनियादी शिक्षा और कौशलों के महत्व को दृष्टि में रखते हुए भारत सरकार द्वारा देशव्यापी 'निपुण भारत मिशन' की शुरुआत की गयी है।

विगत दो वर्षों में कोविड महामारी ने बच्चों की शिक्षा, विशेष रुप से प्राथमिक शिक्षा के समक्ष अनेक चुनौतियाँ खड़ी की हैं, जिसके कारण बच्चों के अधिगम की क्षति हुई है। बच्चों की अधिगम क्षति को दूर कर, कक्षा के अनुसार निर्धारित शिक्षण संबंधी परिणामों को सुनिश्चित कराना एक बड़ी चुनौती है। इस परिप्रेक्ष्य में कार्ययोजना तैयार करायी गयी है। इस कार्ययोजना द्वारा आगामी वर्षों में बच्चों को सामाजिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनाते हुए, उनकी अधिगम क्षति को पूरा करने का प्रयास किया जायेगा। इससे सभी बच्चे आयु और कक्षा के अनुरूप निर्धारित दक्षताएँ प्राप्त कर पायें। इस कड़ी में कक्षा 1 से 3 के बच्चों के लिए 'कार्यपुस्तिकाओं' और शिक्षकों के लिए 'शिक्षक संदर्शिकाओं' का विकास कराया गया है।

बच्चों को केंद्र में रखकर तैयार की गयी ये संदर्शिकाएँ एवं कार्यपुस्तिकाएँ शिक्षकों को नई शिक्षण विधियों, गतिविधियों आदि से परिचित करायेंगी औरं बच्चों को अभ्यास के विविध अवसर प्रदान करेंगी।

भाषा की कार्यपुस्तिकाएँ मुख्य रूप से 'संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति' एवं गणित की कार्यपुस्तिकाएँ मुख्य रूप से (अनुभव, भाषा, चित्र, संकेत/प्रतीक) के सिद्धांतों पर तैयार की गयी हैं। कार्यपुस्तिकाओं में गतिविधियों एवं अभ्यास कार्यों को क्रमशः सरल से कठिन के क्रम में रखा गया है, ताकि बच्चे सतत रूप से सीखते हुए वांछित दक्षताओं को हासिल कर पाएँ। आकलन की भी सम्यक व्यवस्था की गई है, जिसमें साप्ताहिक और सावधिक आकलन के द्वारा एक तरफ शिक्षक बच्चों के सीखने की गति पर दृष्टि बनाए रख पाएंगे। वहीं आवश्यकता पड़ने पर अपनी शिक्षण विधि में भी बदलाव कर पाएंगे।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि ये शिक्षक संदर्शिकाएँ बच्चों और शिक्षकों के लिए उपयोगी सिद्ध होंगी। इनके द्वारा न केवल बच्चों के सीखने की शक्ति को पूरा किया जा सकेगा, बल्कि सीखने को गति प्रदान करते हुए प्राथमिक शिक्षा की नींव को सुदृढ़ किया जा सकेगा। ये संदर्शिकाएँ शिक्षा के वृहत्तर लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक होंगी।

शुभकामनाओं के साथ!

अप्रेल – 2022

डॉ0 (सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह)
निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
उ0प्र0, लखनऊ

वार्षिक ट्रैकर (2022–2023)

अकादमिक सत्र 2022–23 में 32–35 सप्ताह होंगे, जिनमें कम से कम 22 सप्ताह शिक्षण कार्य के लिए होंगे। भाषा के लिए प्रत्येक दिन 3 कालांश हैं। पहले और तीसरे कालांश में शिक्षण योजना के अनुसार कक्षा में शिक्षण कार्य करें। दूसरे कालांश में शिक्षण योजना के साथ–साथ कार्यपुस्तिका के पाठों पर भी कार्य करें। प्रत्येक दिन के कार्य के बाद, इस ट्रैकर को भरें। इससे आपको यह नियमित रूप से पता चलता रहेगा कि अभी तक कितना कार्य हो पाया है।

साप्ताहिक शिक्षण कार्य की शुरुआत और समाप्ति के दिनांक भरें।

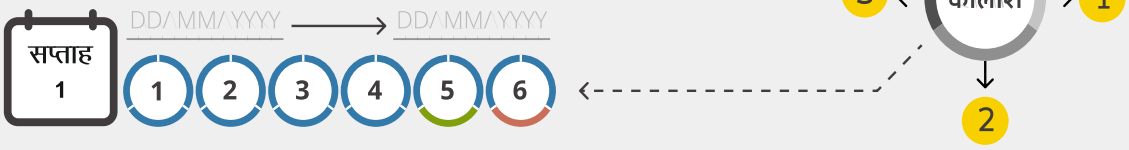

सावधिक आकलन एवं रेमेडियल/पुनरावृत्ति कार्य की शुरुआत और समाप्ति के दिनांक भरें।

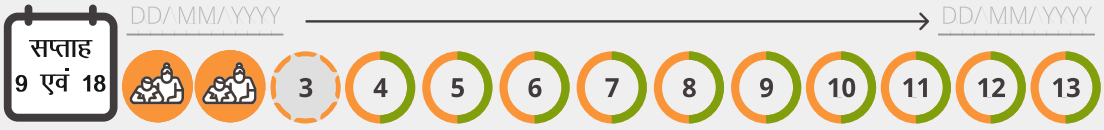

प्रत्येक दिन की शिक्षण योजना पर कार्य करने के बाद इस ट्रैकर के संबंधित गोले में सही का निशान लगाएं। अध्याय 'साप्ताहिक शिक्षण योजना', 'दैनिक शिक्षण योजना' और 'आकलन एवं पुनरावृत्ति' में अकादमिक सत्र के शिक्षण कार्य पर विस्तार से चर्चा की गई है। इन अध्यायों एवं शिक्षण योजनाओं को ध्यान से पढ़ें।

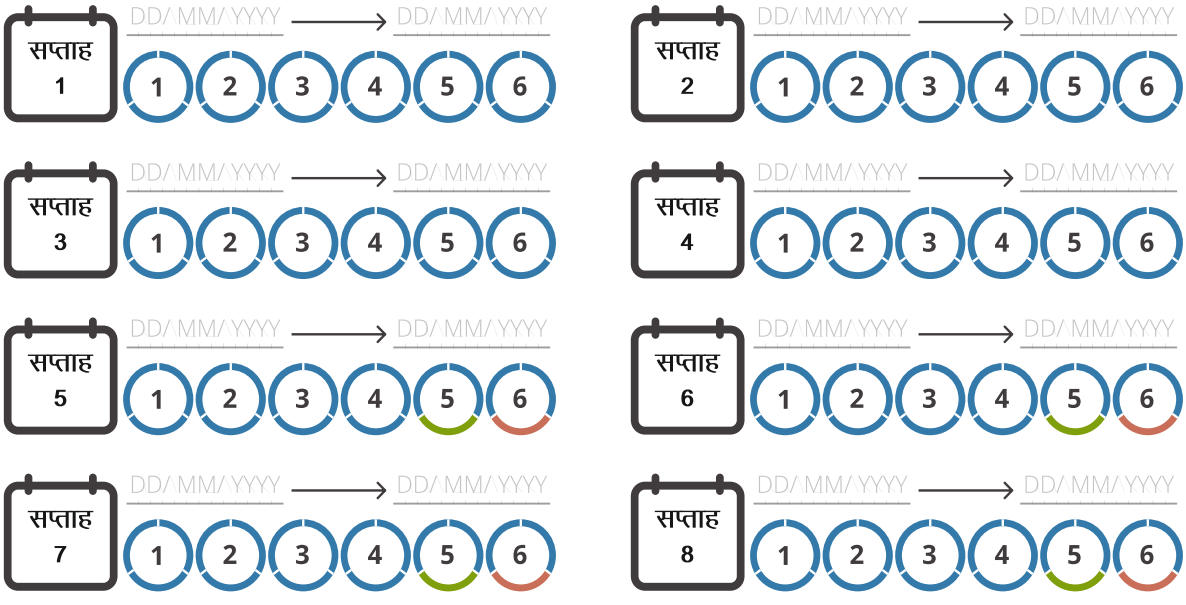

सप्ताह 9

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 10

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6

सप्ताह 11

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6

सप्ताह 12

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6

सप्ताह 13

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6

सप्ताह 14

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6

सप्ताह 15

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6

सप्ताह 16

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6

सप्ताह 17

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6

सप्ताह 18

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 19

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6

सप्ताह 20

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6

सप्ताह 21

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6

सप्ताह 22

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

1 2 3 4 5 6

संदर्शिका का उपयोग

बुनियादी भाषा से संबंधित सीखने के सिद्धांत

निपुण भारत मिशन के उद्देश्यों को केंद्र में रखकर इस संदर्शिका को बनाया गया है। यह बच्चों में विकासात्मक लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारा मार्गदर्शन करेगा।

14 दक्षताएं

पूरे वर्ष के साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्य

अकादमिक वर्ष 2022–23 में मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, पठन और लेखन के लक्षित दक्षताओं को साप्ताहिक एवं दैनिक शिक्षण उद्देश्य में विभाजित किया गया है।

साप्ताहिक एवं दैनिक शिक्षण योजना

प्रभावी शिक्षण कार्य के लिए प्रत्येक कालांश हेतु दैनिक शिक्षण योजना दी गई है। ये शिक्षण योजनाएं कक्षा में उपलब्ध सभी शिक्षण अधिगम सामग्रियों और लक्षित दक्षताओं के आधार पर बनाई गई हैं। प्रत्येक शिक्षण योजना के शिक्षण उद्देश्य निर्धारित हैं और समय के साथ इन उद्देश्यों एवं कार्य करने की रणनीतियों की जटिलता बढ़ती गई है।

शिक्षण अधिगम सामग्री और कक्षा प्रबंधन

प्रभावी शिक्षण कार्य के लिए आवश्यक शिक्षण अधिगम सामग्रियों को विद्यालय स्तर पर उपलब्ध कराया गया है जिनमें पाठ्यपुस्तक, चित्र चार्ट, कविता/कहानी पोस्टर, सहज आदि सम्मिलित हैं। दी गई शिक्षण योजनाओं और गतिविधियों में इन्हें पूर्ण रूप से उपयोग में लाया गया है।

बच्चों के सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में अभिभावकों की भूमिका

कक्षा में बच्चों द्वारा किए गए कार्यों का घर पर अभ्यास करने और अभिभावकों की भूमिका पर इस संदर्शिका में चर्चा की गई है। साप्ताहिक गृहकार्य और व्यवधान के प्रबंधन के लिए अभिभावकों के साथ संवाद के लिए दिशा निर्देश भी दिए गए हैं।

संदर्शिका का उपयोग

हर सप्ताह की शुरूआत में

- साप्ताहिक शिक्षण योजना के उद्देश्यों को पढ़ें।
- शिक्षण योजनाओं में दी गई संबंधित शिक्षण सामग्री को पहले से तैयार रखें।
- बच्चों द्वारा किए पिछले सप्ताह के गृहकार्य को जाँचें।

हर सप्ताह के अंत में

- प्रत्येक बच्चे की प्रगति को समझें व कठिनाइयों को चिन्हित कर उनपर आगामी सप्ताह में कार्य की योजना बनाएँ।
- साप्ताहिक गृहकार्य के लिए बच्चों को निर्देश दें और अभिभावकों के साथ संवाद करें।
- साप्ताहिक आकलन ट्रैकर में प्रत्येक बच्चे द्वारा लाए गए अंकों को दर्ज करें और रेमेडियल कार्य/पुनरावृत्ति शिक्षण पर कार्य करें।

हर दिन की शुरूआत में

- शिक्षण योजना या गतिविधि के अनुसार कालांश से पहले तैयारी करें।
- आवश्यक शिक्षण सामग्री लेकर कक्षा में प्रवेश करें।

हर दिन के अंत में

- प्रतिदिन बच्चों की कार्यपुस्तिका की जांच करें और जरूरी मार्गदर्शन दें।
- बच्चों द्वारा कार्यपुस्तिका ट्रैकर भरा जाना सुनिश्चित करें।
- दैनिक कार्य पूरा होने पर वार्षिक ट्रैकर भरें।

सावधिक आकलन : सप्ताह 9 और 18 में

- कार्यपुस्तिका में सावधिक आकलन प्रपत्र के माध्यम से सभी बच्चों के साथ पहले दो दिनों में आकलन करें।
- प्रत्येक बच्चे द्वारा प्राप्त अंकों को सावधिक आकलन ट्रैकर में दर्ज करें।
- क्रमशः सावधिक रेमेडियल /पुनरावृत्ति शिक्षण पर कार्य करें।

व्यवधान प्रबंधन की रणनीतियां

- अभिभावकों को बच्चों के दैनिक रूप से घर पर पढ़ाई के लिए प्रेरित करें।
- अभिभावकों और बच्चों के साथ नियमित रूप से संवाद करते रहें।
- व्यवधान के बाद इकाई आकलन एवं पुनरावृत्ति पर निर्धारित रणनीति के अनुसार कार्य करें।

विषय सूची

वार्षिक ट्रैकर - 2–3

आप अपने साप्ताहिक एवं दैनिक कार्य में प्रगति को समझने एवं दूसरों के साथ साझा करने के लिए इस वार्षिक ट्रैकर का उपयोग करें।

संदर्शिका का उपयोग - 4–5

यहाँ आप इस संदर्शिका के सभी भागों के मुख्य बिन्दुओं का संक्षिप्त विवरण पढ़ सकते हैं।

NIPUN BHARAT

निपुण भारत और मिशन प्रेरणा - 8–9

निपुण भारत मिशन के उद्देश्यों को केंद्र में रखकर इस संदर्शिका को बनाया गया है। यह बच्चों में विकासात्मक लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारा मार्गदर्शन करेगा।

बुनियादी भाषा सीखने–सिखाने के सिद्धांत - - - - - - - - - - - - - - 10–12

प्रारंभिक कक्षाओं के बच्चों के साथ सीखने–सिखाने के मूलभूत सिद्धांतों को इस अध्याय में प्रस्तुत किया गया है। पूरी अकादमिक योजना के निर्माण में इन सिद्धांतों को ध्यान में रखा गया है, जो प्रभावशाली शिक्षण कार्य के लिए महत्वपूर्ण है।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव - 13–14

बुनियादी भाषा की दक्षताओं पर कार्य करने के साथ–साथ सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव के महत्वपूर्ण पहलुओं पर इस अध्याय में बातचीत की गई है। शिक्षण योजनाओं के निर्माण में भी इसका ध्यान रखा गया है।

अकादमिक शिक्षण योजना - 15–24

वार्षिक योजना से दैनिक शिक्षण योजना तक की रूपरेखा को इस संदर्शिका में प्रस्तुत किया गया है। यह आपको लक्षित दक्षताओं और शिक्षण उद्देश्यों को प्राप्त करने में नियमित रूप से मदद करेगा। इस अकादमिक सत्र में सतत् आकलन को (साप्ताहिक एवं सावधिक) शिक्षण योजनाओं में एकीकृत किया गया है।

2022–23 **वार्षिक शिक्षण योजना** -16

सप्ताह **साप्ताहिक योजना** -17

दिन **दैनिक शिक्षण योजना** -18

①②③ **भाषा शिक्षण पर कार्य** - 19–20

आकलन एवं पुनरावृत्ति - 21–24

शिक्षण अधिगम सामग्री और संबंधित रणनीतियाँ - - - - - - - - - 25–218

इस भाग में भाषा शिक्षण के लिए उपयोग में आने वाली सभी शिक्षण सामग्रियों का विवरण दिया गया है। इस संदर्शिका की शिक्षण योजनाओं में इन शिक्षण सामग्रियों को उपयोग में लेते हुए, किस प्रकार चरणबद्ध तरीके से कार्य किया जाना है, इस पर विस्तृत चर्चा की गई है।

1 2 3 **कालांशों की रणनीतियां** - 25–26

दैनिक शिक्षण योजना - 35–218

व्यवधान प्रबंधन की रणनीतियां - - - - - - - - - - - - - - - - - 219–220

इस भाग में संभावित व्यवधानों को ध्यान में रखते हुए कुछ रणनीतियां दी गई हैं। व्यवधान के प्रबंधन के लिए अभिभावकों के साथ मिलकर बच्चों के सीखने को निरंतर रूप से जारी रखने पर बल दिया गया है।

कक्षा प्रबंधन एवं प्रिंट समृद्ध वातावरण - - - - - - - - - - - - - - 221–224

बच्चों के सक्रिय प्रतिभाग के लिए सौहार्दपूर्ण और भयरहित वातावरण आवश्यक है। इस भाग में कक्षा प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की गई है जो दैनिक रूप से आपको कक्षा संचालन में मदद करेगा। इसके साथ ही कक्षा में उपलब्ध प्रिंट सामग्रियों को किस प्रकार बच्चों के सीखने की प्रक्रिया से जोड़ सकते हैं, इस पर भी बातचीत की गई है।

अभिभावकों की भूमिका - 225–226

इस अध्याय में बच्चों के दैनिक शिक्षण कार्य में अभिभावक किस प्रकार नियमित रूप से सहयोग कर सकते हैं, इस पर चर्चा की गई है।

आकलन ट्रैकर

इस भाग में बच्चों के आकलन/अवलोकन के लिए ट्रैकर दिए गए हैं। ये ट्रैकर आपको अपने कार्य और बच्चों की प्रगति की जानकारी को व्यवस्थित रूप से रखने में मदद करेंगे।

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 1 - - - - - - - - - - - - - - - 227–230

सावधिक आकलन ट्रैकर 1 - - - - - - - - - - - - - - - 231–232

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 2 - - - - - - - - - - - - - - - 233–236

सावधिक आकलन ट्रैकर 2 - - - - - - - - - - - - - - - 237–238

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 3 - - - - - - - - - - - - - - - 239–240

निपुण भारत और मिशन प्रेरणा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान मिशन की स्थापना की गई है। इस मिशन के तहत हमारे विद्यालयों में ऐसा अनुकूल वातावरण बनाने पर जोर दिया गया है, जिसमें बच्चों की बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के सीखने को सुनिश्चित किया जा सके। इसके अंतर्गत, हमें मिलकर यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक बच्चा ग्रेड–3 के बाद पठन, लेखन और संख्या ज्ञान कौशल की अपेक्षित शिक्षण–क्षमताओं को प्राप्त कर ले। यह मिशन 3 से 9 वर्ष की आयु के बच्चों की अधिगम आवश्यकताओं पर केन्द्रित है। इस मिशन को निपुण भारत (आधारभूत साक्षरता और गणना में कुशलता के लिए राष्ट्रीय पहल) का नाम दिया गया है।

2026–27 : निपुण भारत मिशन का लक्ष्य

निपुण भारत मिशन के अंतर्गत कुछ दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राप्त करने की योजना है। इन दीर्घकालिक लक्ष्यों को 2026–27 तक प्राप्त करने के लिए देश भर में 'मिशन मोड' में काम किया जाएगा। निपुण भारत कार्यक्रम के वृहत्तर लक्ष्यों को नीचे देखा जा सकता है:

समझ के साथ पढ़ना

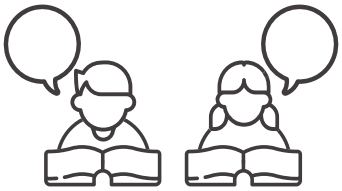

बुनियादी साक्षरता के महत्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक है 'समझ के साथ पढ़ना'। बच्चा जब किसी पाठ को पढ़कर उसका अर्थ समझने लगे तब माना जाता है कि वह समझ के साथ पढ़ रहा है। समझ के साथ पढ़ने के लिए कुछ बेहद जरुरी चरण होते हैं जैसे, ध्वनि जागरूकता, वर्ण पहचान, डिकोडिंग और पठन। इन पर योजनाबद्ध तरीके से काम किया जाना आवश्यक है।

लिखना

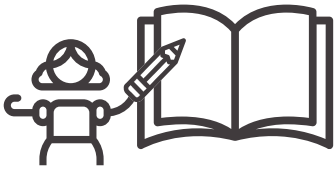

समझ के साथ पढ़ने के साथ ही लिखने के कौशल का विकास भी बुनियादी साक्षरता के महत्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक है। समझ के साथ लिखने का कौशल विकसित करने के लिए बच्चों को क्रमशः उभरता लेखन, देखकर लिखना, साझा लेखन, रचनात्मक लेखन आदि चरणों से गुजरना होगा।

बुनियादी गणितीय संक्रिया

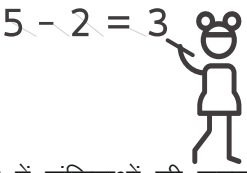

बुनियादी गणित में संक्रियाओं की समझ एक महत्वपूर्ण घटक है। जोड़, घटाव, गुणा और भाग केवल संख्याओं का अमूर्त उपयोग नहीं है। इन संक्रियाओं का अनुप्रयोग दैनिक जीवन में व्यापक रूप में होता है। ये संक्रियाएं विषयवस्तु के विश्लेषण, वर्णन और जीवन के संदर्भ में सरल समस्याओं की व्याख्या और समाधान के लिए उपयोगी हैं।

जीवन के बुनियादी कौशल

निपुण भारत मिशन के अंतर्गत केवल बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान पर ही ध्यान केंद्रित नहीं किया गया है बल्कि बच्चों को विद्यालय और घर में ऐसा माहौल देना प्रस्तावित है जिससे वो जीवन जीने के कुछ बुनियादी कौशल भी हासिल कर पाएं। इसके लिए बच्चों को सामाजिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनाने की गतिविधियाँ की जाएंगी।

बुनियादी शिक्षा के लिए सीखने के परिणामों के विकासात्मक लक्ष्य

निपुण भारत के अंतर्गत तीन विकासात्मक लक्ष्य भी दिए गए हैं :

बच्चे अच्छा स्वास्थ्य और तंदरुस्ती बनाए रखें

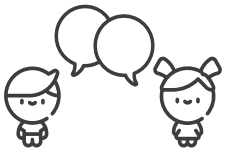

बच्चे प्रभावी संचारक बनें

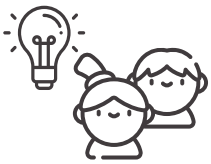

बच्चे विकसित शिक्षार्थी बनें और अपने परिवेश से जुड़ें

निपुण भारत मिशन का उद्देश्य

निपुण भारत मिशन के दीर्घकालीन वृहत्तर लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु कुछ उद्देश्य रखे गए हैं, इन उद्देश्यों पर काम करते हुए निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

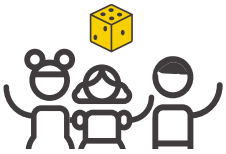

खेल, खोज और गतिविधि–आधारित शिक्षण

शिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षा प्रशासकों का क्षमतावर्धन

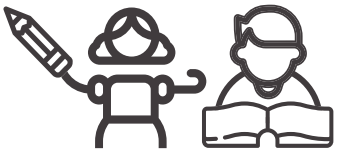

बच्चों को स्वतंत्र रूप से समझ के साथ पढ़ने और लिखने के योग्य बनाना

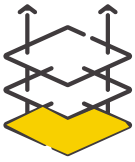

आजीवन सीखने की एक मज़बूत नींव बनाना

बच्चों की परिचित/घर/मातृभाषा (भाषाओं) में शिक्षण सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करना

सभी विधार्थियों के सीखने के स्तर को बेहतर करने के लिए सतत आकलन करना

निपुण भारत एवं मिशन प्रेरणा

हमारे प्रदेश में कक्षा 1–3 में 'मिशन प्रेरणा' के अंतर्गत कार्य किया जा रहा था। अब से हम निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों पर कार्य करेंगें एवं आकादमिक सत्र 2025–2026 तक इन लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास करेंगे।

इस शिक्षक संदर्शिका में हम भाषा से संबंधित उद्देश्यों, गतिविधियों और शिक्षण अधिगम सामग्री के उपयोग पर विस्तार से बात करेंगें।

बुनियादी भाषा सीखने के सिद्धांत

बच्चे कैसे सीखते हैं?

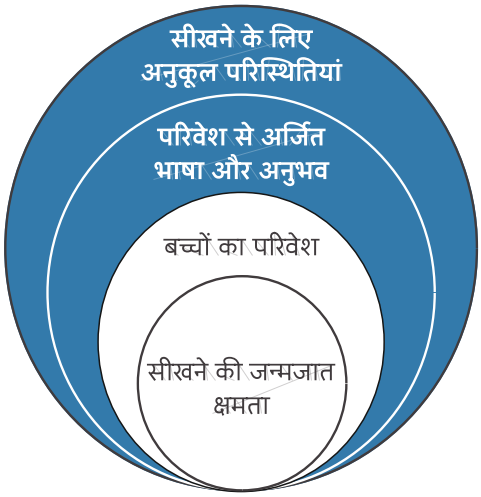

बच्चों में सीखने की जन्मजात क्षमता होती है। जन्मजात क्षमता के साथ–साथ सीखने के लिए अनुकूल एवं उत्साहजनक परिवेश का होना भी ज़रूरी है। ये दोनों घटक : 'जन्मजात क्षमता' एवं 'बच्चों का परिवेश' साथ मिलकर बच्चों के अनुभव और समझ को गढ़ते हैं।

बच्चे अपनी इस समझ और अनुभव को स्वाभाविक रूप से अपने हाव–भाव के द्वारा और घर की भाषा में सहजता से अभिव्यक्त करते हैं। इसलिए, यह कथन कि बच्चे जब पहली बार विद्यालय आते हैं तो वो खाली तख्ती की तरह नहीं होते हैं, बिलकुल सही है। बच्चे जब पहली बार विद्यालय आते हैं तो अपने साथ अपने घर की भाषा में समृद्ध मौखिक समझ लेकर आते हैं।

बच्चों के सीखने में विद्यालयों की भूमिका

ऐसे में अगर हम विद्यालयों में बच्चों के परिवेश, उनके अभी तक के अनुभव, समझ और उनके घर की भाषा के लिए जगह बनाते हैं और उनका प्रोत्साहन करते हैं तो उनके 'सीखने के अनुभव' और 'गति' को बल मिलता है। इसके साथ ही, इस तरह के अनुकूल वातावरण बच्चों में आत्मविश्वास और सीखने के प्रति रुचि एवं उत्साह को विकसित करते हैं।

सीखने की प्रक्रिया

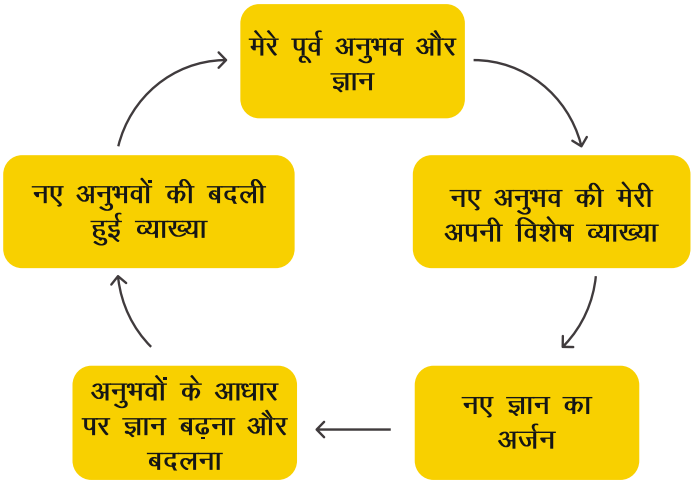

सीखना एक सतत् प्रक्रिया है – यह बच्चों के लिए उतनी ही स्वाभाविक एवं निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जितनी कि बड़ों के लिए। इस प्रक्रिया में सीखने वाले (बच्चे) सक्रिय तौर पर नए अनुभवों को ग्रहण करते एवं गढ़ते हैं। वे नए अनुभवों को अपने मस्तिष्क में व्यवस्थित करके नए विचारों को बनाते हैं। इस तरह, नए अनुभव, उनके पहले के (संबंधित) अनुभवों से जुड़ते हैं और उनकी समझ को बढ़ाते एवं समृद्ध करते हैं या इन नए अनुभवों के कारण पहले के अनुभवों की समझ में बदलाव या संशोधन होता है।

हम शिक्षकों को सीखने की इस प्रक्रिया को याद रखना चाहिए ताकि हम हमेशा सजग रहें कि हम अपने सिखाने के तरीकों, बच्चों को अभ्यास के लिए दिए जाने वाले मौकों, शिक्षण अधिगम सामग्री, बच्चों को दिए जा रहे प्रोत्साहन एवं सीखने में आ रही कठिनाई की पहचान कर, आवश्यकतानुसार दी जाने वाली मदद द्वारा लक्षित दक्षताओं को हासिल करने में बच्चों की मदद कर पाएं। इससे बच्चे अपने पुराने अनुभव और समझ को समृद्ध कर पाएंगे या उनमें संशोधन कर, बिलकुल नए अनुभव और समझ की रचना कर पाएंगे, जो उनके आगे के सीखने की यात्रा में उपयोगी सिद्ध होगा।

सीखने–सिखाने के कुछ सामान्य सिद्धांत

सीखने–सिखाने के कुछ सामान्य सिद्धांत हैं जो कक्षा–कक्ष में बच्चों के सीखने में प्रभावी होते हैं। शिक्षक कक्षा में इन सिद्धांतों को अपनाकर कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया को और बेहतर बना सकते हैं।

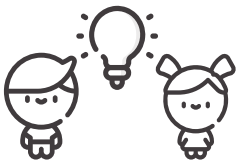

1. सभी बच्चे सीख सकते हैं : सभी बच्चों में मस्तिष्क की बनावट एक जैसी होती है, इस कारण भी बच्चे सीखने की लिए समान रूप से तैयार होते हैं। यह ज़रूर है कि कुछ बच्चों को दूसरे बच्चों की तुलना में थोड़े अधिक सहयोग एवं अभ्यास की आवश्यकता हो सकती है। यह प्रायः इस बात पर निर्भर करता है कि उन्हें सीखने के कितने मौके मिले या नियमित रूप से मिलते हैं और इस दौरान क्या बच्चे सक्रिय रूप से सहभाग कर पाते हैं।

2. कक्षा में बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभव का उपयोग करना : अगर हम कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया को बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभवों से जोड़ दें तो कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया में जहाँ एक तरफ बच्चों की समझ को मान्यता एवं जगह मिलती है, वहीं दूसरी तरफ, कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया रोचक हो जाती है। बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभवों को कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया में जोड़ने से उनकी अभिव्यक्ति के अवसर बढ़ जाते हैं जो सीखने के लिए बहुत ही आवश्यक है।

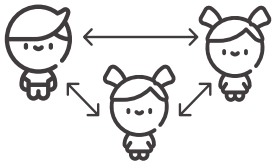

3. बच्चों को सहपाठियों के साथ सीखने के अवसर देना : कक्षा– कक्षीय प्रक्रिया केवल शिक्षक केन्द्रित नहीं होनी चाहिए। बच्चे अपनी उम्र के साथियों से ज्यादा सहज होते हैं और उनके साथ जुड़कर आसानी से नई बातें सीख सकते हैं। ऐसे में अगर योजनाबद्ध तरीके से बच्चों को उनके सहपाठियों से/के साथ सीखने के अवसर दिए जाएं तो इसके परिणाम बेहतर होंगे।

4. सीखने में बच्चों की मदद करना : शिक्षक शिक्षण प्रक्रिया में सबसे ज़्यादा समय एक मार्गदर्शक की भूमिका में रहें तो बच्चों को खुद से कार्य या अभ्यास करने के बहुत सारे अवसर मिलते हैं। इस मार्गदर्शन के दौरान शिक्षकों को बच्चों के कार्य का अवलोकन करना चाहिए और बच्चों को समस्या आने पर ज़रूरत के हिसाब से शिक्षकों को उनकी मदद करनी चाहिए।

5. कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाना : यह जरुरी है कि कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया सौहार्दपूर्ण वातावरण में हो। इसके लिए शिक्षक कक्षा की शुरुआत में गीत/कविता/खेल आदि करवा सकते हैं। शिक्षकों और बच्चों के बीच, बच्चों और बच्चों के बीच संबंध जितने सहज होंगे, सीखने की प्रक्रिया उतनी ही रोचक और बेहतर परिणाम देने वाली होगी।

6. सीखने की प्रक्रिया में सभी बच्चों का जुड़ाव सुनिश्चित करना : एक शिक्षक के तौर पर हमारी शिक्षण प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए जिससे सभी बच्चे सीख सकें। इसके लिए बच्चों के अनुभव और अधिगम स्तर को देखते हुए उन्हें समूहों में बाँटा जा सकता है और शिक्षण की अलग–अलग रणनीतियां बनाई जा सकती हैं।

7. सोचने की प्रक्रिया के मौके और प्रोत्साहन देना : कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया के दौरान हमारी शिक्षण रणनीति कुछ ऐसी होनी चाहिए जिसमें बच्चों को थोड़ा रुककर सोचने के मौके मिलें। साथ ही, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें सोचने और कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया में सहभागिता के दौरान नियमित रूप से प्रोत्साहन मिले।

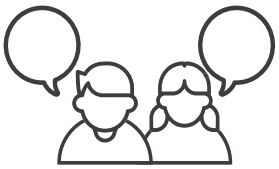

8. बच्चों के घर की भाषा का उपयोग एवं समृद्ध और विस्तृत बातचीत के अवसर देना : प्रारंभिक कक्षाओं के बच्चे सबसे ज्यादा अपने घर की भाषा में सहज होते हैं और इसके साथ ही इस भाषा में वे मौखिक रूप से बहुत सारा चिंतन संबंधी कार्य करते हैं। इसलिए, उनके घर की भाषा एवं इस चिंतन कौशल का उपयोग कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया में एक संसाधन के रूप में करना चाहिए। बच्चों को बातचीत के जितने अवसर मिलेंगे, वे भाषायी रूप से उतने ही बेहतर बनेंगे। साथ ही, उनमें अभिव्यक्ति–क्षमता और कल्पना–शक्ति का भी विकास होगा।

9. सतत् आकलन : कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया को बेहतर करने के लिए सतत् आकलन बहुत आवश्यक है। सतत् आकलन के द्वारा शिक्षक यह पता लगा सकते हैं कि कौन–सा बच्चा अभी किस स्तर पर है और उसके लिए कौन–सी शिक्षण रणनीति ज्यादा कारगर होगी।

10. सामाजिक और भावनात्मक विकास पर काम : अनेक शोध इस बात की पुष्टि करते हैं कि अगर बच्चे सामाजिक और भावनात्मक रूप से मजबूत हैं तो उनका संज्ञानात्मक विकास भी अच्छा होता है। ऐसे में, हमें बच्चों के सामाजिक और भावनात्मक विकास के अलग–अलग पहलुओं पर भी काम करते रहना होगा। सामाजिक और भावनात्मक विकास पर विस्तृत चर्चा इस संदर्शिका में आगे की जा रही है।

बच्चों को मदद देने की प्रक्रिया

सीखने में बच्चों को दी जाने वाली 'मदद' की भूमिका महत्वपूर्ण है। किसी भी नए कौशल या दक्षताओं पर कार्य करने के दौरान, बच्चों को शिक्षक द्वारा आदर्श रूप में निर्देश दिए जाते हैं या/और दक्षताओं का प्रदर्शन किया जाता हैं। इसके बाद, शिक्षक बच्चों के साथ–साथ लक्षित दक्षताओं का अभ्यास करते हैं और बच्चों को आपस में भी अभ्यास करने के भरपूर मौके देते हैं। जब बच्चे आपस में अभ्यास कर रहे होते हैं तब शिक्षक उनके कार्य का अवलोकन करते हैं और आवश्यकतानुसार मदद एवं मार्गदर्शन करते हैं। फिर, धीरे–धीरे शिक्षक बच्चों को स्वतंत्र रूप से लक्षित दक्षताओं के अभ्यास के मौके देते हैं। इस प्रकार की मदद की प्रक्रिया पूरी शिक्षण योजना एवं शिक्षण प्रक्रिया में महत्वपूर्ण होती है।

संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति

इस पद्धति के अंतर्गत भाषा की कक्षा में बच्चों के साथ दैनिक रूप से मौखिक भाषा विकास, पठन, लेखन और डिकोडिंग पर व्यवस्थित रूप से शिक्षण कार्य किया जाता है। यह संतुलन लक्षित दक्षताओं और बच्चों की वैयक्तिक आवश्यकताओं की भिन्नताओं पर आधारित होता है। इन भिन्नताओं को ध्यान में रखते हुए कक्षा में विविध प्रकार की स्तरानुकूल गतिविधियाँ और शिक्षण सामग्रियों को सम्मिलित किया जाता है। 'निपुण भारत' दस्तावेज में भाषा शिक्षण पर कार्य करने के लिए संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति के उपयोग पर बल दिया गया है। इस वर्ष के अकादमिक सत्र में इस बात का ध्यान रखा गया है और शिक्षण रणनीति एवं शिक्षण योजनाओं को इस पद्धति के अनुसार बनाया गया है।

व्यवस्थित डिकोडिंग

व्यवस्थित डिकोडिंग की चर्चा निपुण भारत मिशन में की गई है। इसमें दो प्रकार की प्रक्रियाएँ साथ–साथ चलती हैं : वर्ण/अक्षर की ध्वनि को पहचानना और ध्वनियों को आपस में जोड़कर एक साथ उच्चारित करना (ब्लेंडिंग)। इसके अंतर्गत एक खास वर्ण/मात्रा समूह के साथ डिकोडिंग की शुरुआत की जाती है। ये वर्ण/मात्रा समूह ऐसे होते हैं जिनसे बहुत सारे शब्द बन पाएँ। बच्चे सीखे गए वर्ण/मात्राओं की मदद से शब्द पढ़ना शुरू कर देते हैं। आगे, वे नए वर्ण/मात्राओं को भी सीखते रहते हैं तथा उनसे बनने वाले शब्दों को पढ़ने का अभ्यास कर रहे होते हैं। कुछ वर्ण/मात्राएँ सीख लेने के बाद, उन्हें संबंधित वर्ण/मात्राएँ से बने वाक्य और छोटे पाठ पढ़ने के लिए दिए जाते हैं। व्यवस्थित डिकोडिंग की यह प्रक्रिया बच्चों को प्रवाह एवं समझ के साथ पढ़ने में मदद करती है।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

बच्चों के साथ कक्षा–कक्ष में काम शुरू करने से पहले, आइए देखते हैं कि सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव में कौन–कौन से घटक शामिल हैं।

1. लक्ष्य तय करना

बच्चे स्वयं या शिक्षकों और अभिभावकों की मदद से यह तय कर पाएँ कि उन्हें किसी निश्चित समय में क्या करना है और उसके लिए क्या–क्या उपाय किए जा सकते हैं।

2. व्यवहार में संतुलन रखना

व्यवहार में संतुलन रखना भी एक महत्वपूर्ण आयाम है। इसमें एक–दूसरे के साथ समानुभूति का व्यवहार रखना, अपनी भावनाओं को कैसे, कब तथा कितना व्यक्त करना है इस पर ध्यान दिया जाता है।

3. सूचनाओं को समझना और निर्णय लेना

सूचनाओं की समझ और उसके आधार पर निर्णय लेने का कौशल भी इसमें सम्मिलित है। इनके आधार पर समाज सम्मत निर्णय के कौशलों का विकास किया जाता है।

4. बेहतर संबंध का निर्माण करना

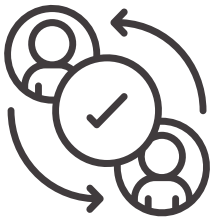

एक सामाजिक प्राणी के रूप में हम एक–दूसरे से कैसे बेहतर संबंध बनाकर रखें, टीम में कैसे काम करें जैसे आयाम भी सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव के हिस्से हैं।

कक्षा 1 से 3 में सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव की रणनीतियां

इस अकादमिक सत्र में सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव की गतिविधियों पर काम करने की योजना बनाई गई है। भाषा की कक्षाओं में कराई जाने वाली कुछ प्रमुख गतिविधियों का विवरण निम्नवत है :

अभिव्यक्ति के अवसर बढ़ाने वाली गतिविधियाँ (जैसे–अभिनय या रोल प्ले, कविता, कहानी, खेल गतिविधि आदि) : प्रत्येक सप्ताह एवं दैनिक रूप से बच्चों को इस प्रकार की गतिविधियों को करने के अवसर मिलेंगे।

भावनाओं को पहचानने की गतिविधियाँ : हम कुछ ऐसी गतिविधियों को बच्चों के साथ करेंगे जिनसे बच्चे अपने अंदर की भावनाओं को पहचान सकें, जैसे – वे कब गुस्सा होते हैं? कब उन्हें खुशी, दुःख या मायूसी का अनुभव होता है? इसके साथ ही, उन्हें इन भावनाओं पर बात करने के मौके दिए जाएंगे।

भावनाओं को व्यक्त करने वाली गतिविधियाँ : इन गतिविधियों से बच्चे अपनी भावनाओं को दूसरों को सामने रख पाएंगे। इसमें मुख्य रूप से ऐसी गतिविधियाँ हैं जिनमें खुशी, गम, गुस्सा आदि को अभिव्यक्त करने पर काम होता है।

नियम बनाने संबंधी गतिविधियाँ : कक्षा–कक्ष में कैसा व्यवहार होना चाहिए, एक दूसरे के साथ कैसा व्यवहार होना चाहिए, सहयोग, भरोसे से संबंधित गतिविधियाँ इसमें सम्मिलित हैं।

कक्षा–कक्षा में सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव पर कार्य की योजना

भाषा के कालांशों में सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव की गतिविधियों पर नियमित एवं व्यवस्थित रूप से कार्य किया जाना प्रस्तावित है। दैनिक एवं साप्ताहिक शिक्षण योजनाओं में इस पर चरणबद्ध तरीके से कार्य किया जाएगा।

कालांशः 1 2 3

5 – 7 मिनट

प्रतिदिन

- कालांश की शुरुआत में **5–7 मिनट** शिक्षक कविता/कहानी/मौखिक खेल द्वारा बच्चों को सहज करेंगे ताकि बच्चे आगे की गतिविधियों में उत्साह के साथ सक्रिय रूप से सहभागिता करें।

कालांशः 1 2 3

40 मिनट

दिवस 1 एवं 4

- 20 मिनट का समय गतिविधि के लिए होगा, जिसमें हम मौखिक भाषा विकास के साथ–साथ बच्चों द्वारा भावनाओं की पहचान, उन्हें व्यक्त करने, खुद को अभिव्यक्त करने जैसे मुद्दों पर काम करेंगे।
- 10–15 मिनट के समय में संबंधित रचनात्मक लेखन कार्य पर काम किया जाएगा।

साप्ताहिक एवं दैनिक शिक्षण योजना में सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव से संबंधित बातें एवं गतिविधियाँ सम्मिलित हैं।

2022–2023 के लिए लक्षित दक्षताएँ

एक शिक्षक के तौर पर आप यह बेहतर जानते और समझते हैं कि कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य बच्चों में कुछ दक्षताओं का विकास करना होता है। ये दक्षताएं विषयवार अलग–अलग होती हैं और कक्षावार क्रमिक रूप से आगे बढ़ती हैं। कक्षा 1 में भाषा शिक्षण में किन मुख्य दक्षताओं का विकास किया जाना अपेक्षित है, इस अध्याय में इस पर चर्चा करेंगे। कक्षा 1 में भाषा की मुख्य अधिगम दक्षताओं को नीचे दी जा रही सूची में देखा जा सकता है :

दक्षताएं 2022–2023

मौखिक भाषा विकास

- कविता / कहानी से जुड़े सरल तथ्यात्मक प्रश्नों के उत्तर दे पाना।
- कहानी से जुड़े तर्क, कल्पना और तुलना वाले प्रश्नों के उत्तर दे पाना।
- बातचीत में अपने अनुभव और विचार को घर की भाषा में स्पष्ट तरीके से व्यक्त कर पाना।
- चित्र / घटना / वस्तु के बारे में, अपनी भाषा में 2–3 वाक्यों में बता पाना।

डिकोडिंग

- शब्द की प्रथम ध्वनि और अंतिम ध्वनि को बदलकर नया शब्द बना पाना।
- 2–3 वर्ण / अक्षर वाले शब्द को प्रवाह के साथ पढ़ पाना।
- 4–5 सरल वाक्यों वाले पाठ को प्रवाह से पढ़ पाना।
- 30–40 शब्दों वाले पाठ को प्रवाह के साथ पढ़ पाना।

पठन

- कहानी की किताबों को देखकर पाठ के बारे में, अनुमान लगाना और कुछ शब्दों को पहचान पाना।
- कक्षा में उपलब्ध सामग्री से प्रिंट संबंधी अवधारणा समझ पाना।
- परिचित संदर्भ की मदद से परिचित शब्दों को चित्र की तरह पहचानना (लोगोग्रफिक शब्द) और उस पर बात कर पाना।
- 3–4 सरल वाक्यों वाले पाठ को पढ़ना और तथ्यात्मक प्रश्नों के उत्तर दे पाना।

लेखन

- 2–3 अक्षर वाले शब्द (1 से अधिक मात्रा वाले) को सुनकर लिखना एवं वाक्यांश / छोटे वाक्य को, चित्र देखकर पूरा कर पाना।
- किसी कहानी / बातचीत के प्रश्न का उत्तर या अपने अनुभव से जुड़ी घटना के लिए 1 शब्द लिख पाना।

52 शिक्षण उद्देश्य

इन दक्षताओं को अकादमिक सत्र में प्राप्त करने के लिए शिक्षण योजनाएं बनाई गई हैं जो इस शिक्षण संदर्शिका में दी गई हैं। इन शिक्षण योजनाओं में विभिन्न गतिविधियों एवं शिक्षण सामग्रियों को काम में लिया गया है, जो क्रमिक रूप से बच्चों को लक्षित दक्षताओं को प्राप्त करने में मदद करेंगी। प्रत्येक शिक्षण योजना किसी निर्धारित शिक्षण उद्देश्य पर आधारित हैं। जैसा कि हमने पहले भी बात की है कि ये शिक्षण योजनाएं 'संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति' पर आधारित हैं, अतः मौखिक भाषा, डिकोडिंग, पठन एवं लेखन पर साथ–साथ कार्य किया जाएगा।

वार्षिक शिक्षण योजना

अकादमिक सत्र 2022–23 में मौखिक भाषा, डिकोडिंग, पठन एवं लेखन की दक्षताओं पर साथ–साथ कार्य किया जाएगा ताकि बच्चे निर्धारित कौशल एवं दक्षताओं में निपुणता हासिल कर पाएँ। नीचे, अलग–अलग सप्ताह समूहों में किन दक्षताओं पर कार्य किया जाना है, इसे प्रदर्शित किया जा रहा है :

शिक्षण योजनाएं कार्यपुस्तिका

सप्ताह	साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्य	पृष्ठ संख्या	
सप्ताह 1–4	• विद्याप्रवेश	35 - 88	13 - 50
सप्ताह 5–8	• कहानियों, कविताओं के द्वारा मौखिक भाषा विकास और सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव पर काम एवं इससे संबंधित रचनात्मक लेखन • 7 वर्णों एवं 1 मात्रा की पहचान • ब्लेंडिंग और शब्द पठन पर कार्य • बिग बुक से पठन कार्य	89 - 132	51 - 78
सप्ताह 9	सावधिक आकलन • सप्ताह 1 से सप्ताह 8 तक सिखाई गईं सभी दक्षताओं का आकलन एवं अवलोकन • आकलन एवं अवलोकन के आधार पर रेमेडियल कार्य / पुनरावृत्ति की योजना	133	79 - 84
सप्ताह 10–14	• कविता, कहानी सुनकर चर्चा करना एवं इससे संबंधित रचनात्मक लेखन • 13 वर्णों और 2 मात्राओं के साथ छोटे–छोटे सरल वाक्य पठन • 12–15 शब्दों के छोटे–छोटे 3–4 वाक्य वाले सरल पाठ का पठन अभ्यास	134 - 183	85 - 119
सप्ताह 15–17	• चित्र पोस्टर एवं अनुभव पर चर्चा एवं इससे संबंधित रचनात्मक लेखन • 8 वर्णों और 2 मात्राओं के साथ सरल पाठ पढ़ने पर काम • 15–20 शब्दों के 3–4 छोटे वाक्य वाले सरल पाठ पर कार्य • मार्गदर्शन में पठन एवं स्वतंत्र पठन	184 - 213	120 - 140
सप्ताह 18	सावधिक आकलन • सप्ताह 1 से सप्ताह 17 तक सिखाई गई सभी दक्षताओं का आकलन एवं अवलोकन • आकलन एवं अवलोकन के आधार पर रेमेडियल कार्य / पुनरावृत्ति की योजना	214	141 - 146
सप्ताह 19–22	• कहानी, कविता पोस्टर पर चर्चा एवं इससे संबंधित रचनात्मक लेखन • 10 वर्णों और 3 मात्राओं के साथ 20–25 शब्दों वाले सरल पाठ पढ़ना और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में देना	215 - 252	147 - 174

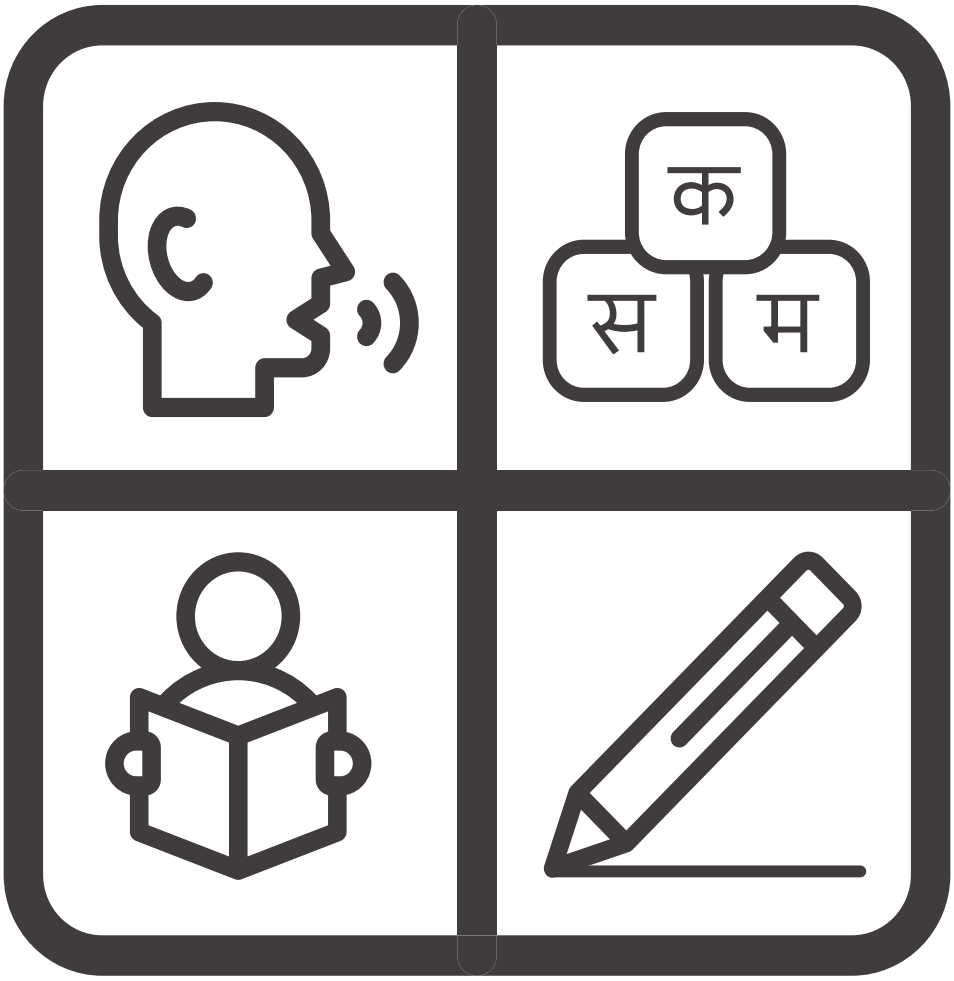

भाषा

साप्ताहिक एवं दैनिक योजना

साप्ताहिक योजना को 3 चरणों में बाँटा गया है। 1. दक्षताओं का शिक्षण 2. पुनरावृत्ति 3. आकलन एवं आगामी योजना के अंतर्गत रेमेडियल या पुनरावृत्ति पर कार्य। यह प्रक्रिया मुख्य रूप कालांश 2 का हिस्सा है।

दिन	कालांश 1	कालांश 2	कालांश 3	विवरण	ट्रैकर
1				• कालांश 1 एवं 3 में शिक्षण योजना के अनुसार कार्य किया जाएगा। • कालांश 2 में प्रत्येक सप्ताह के पहले चार दिनों में नए कौशलों एवं दक्षताओं पर कार्य किया जाएगा। इसके लिए शिक्षण योजनाओं, संबंधित शिक्षण सामग्री और कार्यपुस्तिका के पाठों पर कार्य किया जाएगा।	 वार्षिक ट्रैकर कार्यपुस्तिका ट्रैकर
2					
3					
4					
5				• कालांश 1 एवं 3 में शिक्षण योजना के अनुसार कार्य किया जाएगा। • कालांश 2 में सप्ताह के पहले चार दिनों में सिखाई गई दक्षताओं, जैसे : वर्ण/मात्रा पहचान, शब्द/वाक्य पठन पर पूरी कक्षा के साथ पुनरावृत्ति पर कार्य किया जाएगा।	
6			 	• कालांश 1 में शिक्षण योजना के अनुसार कार्य किया जाएगा। • कालांश 2 में सिखाई गई दक्षताओं के आधार पर बच्चों के साथ आकलन पर कार्य किया जाएगा। आकलन के आधार पर रेमेडियल/पुनरावृत्ति पर कार्य किया जाएगा। • बच्चों को गृहकार्य भी दिया जाएगा।	 साप्ताहिक आकलन ट्रैकर
सावधिक आकलन सप्ताह				• सप्ताह 9 एवं 18 में सावधिक आकलन/अवलोकन पर कार्य किया जाएगा। आकलन के आधार पर रेमेडियल/पुनरावृत्ति पर कार्य किया जाएगा।	 सावधिक आकलन ट्रैकर

कालांश 1 एवं 3 में नियमित रूप से कार्य होगा। इस संदर्शिका में इन तीनों कालांशों से जुड़ी शिक्षण योजनाएँ दी गई हैं। शिक्षक साप्ताहिक रूप से 2 ट्रैकर भरेंगे : वार्षिक ट्रैकर एवं साप्ताहिक आकलन ट्रैकर। बच्चे प्रतिदिन कार्यपुस्तिका ट्रैकर भरेंगे।

मौखिक भाषा विकास 1 2 3	डिकोडिंग 1 2 3	पठन 1 2 3
लक्षित दक्षताओं एवं शिक्षण उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षण सामग्री को उपयोग में लेते हुए शिक्षण योजना के अनुसार कार्य।	लक्षित दक्षताओं एवं शिक्षण उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षण सामग्री को उपयोग में लेते हुए शिक्षण योजना के अनुसार कार्य। इस कालांश में कार्यपुस्तिका के पाठों पर भी कार्य होगा।	लक्षित दक्षताओं एवं शिक्षण उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षण सामग्री को उपयोग में लेते हुए शिक्षण योजना के अनुसार कार्य।
लक्षित दक्षताओं एवं शिक्षण उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षण सामग्री को उपयोग में लेते हुए शिक्षण योजना के अनुसार कार्य।	दक्षताओं एवं शिक्षण उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षण सामग्री उपयोग में लेते हुए शिक्षण योजना के अनुसार कार्य। इस कालांश में कार्यपुस्तिका के पुनरावृत्ति की पाठों पर कार्य होगा।	लक्षित दक्षताओं एवं शिक्षण उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षण सामग्री को उपयोग में लेते हुए शिक्षण योजना के अनुसार कार्य।
लक्षित दक्षताओं एवं शिक्षण उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षण सामग्री को उपयोग में लेते हुए शिक्षण योजना के अनुसार कार्य।	लक्षित दक्षताओं एवं शिक्षण उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षण सामग्री को उपयोग में लेते हुए शिक्षण योजना के अनुसार कार्य। इस कालांश में कार्यपुस्तिका के आकलन (मैंने सीख लिया) पर कार्य। सप्ताह के अंत में बच्चों को गृहकार्य के पाठ करने का निर्देश दिया जाएगा।	

अकादमिक सत्र 2022–2023 में दो सावधिक आकलन की योजना है : सप्ताह 9 एवं 18 में

इसमें डिकोडिंग एवं मौखिक भाषा में सिखाए गए सभी दक्षताओं का आकलन या अवलोकन किया जाएगा। अध्याय 'आकलन एवं पुनरावृत्ति' के 'सावधिक आकलन' से संबंधित खंड में इस पर विस्तृत चर्चा की गई है। साथ ही, सप्ताह 9 एवं 18 की शिक्षण योजना को आधार बनाकर कार्य करें ।

भाषा शिक्षण पर कार्य

कहानी पोस्टर

इस अकादमिक सत्र में कुल 5 कहानी पोस्टर दिए गए हैं। मुख्य रूप से इन्हें मौखिक भाषा विकास के कालांश में उपयोग में लिया जाएगा। इसके अतिरिक्त इनका उपयोग कालांश 2 में भी प्रस्तावित है। शिक्षण योजनाओं में इसका विवरण है।

कविता पोस्टर

इस अकादमिक सत्र में कुल 5 कविता पोस्टर दिए गए हैं। मुख्य रूप से इन्हें मौखिक भाषा विकास के कालांश में उपयोग में लिया जाएगा। इसके अतिरिक्त इनका उपयोग कालांश 2 में भी प्रस्तावित है। शिक्षण योजनाओं में इसका विवरण है।

बिग बुक

बच्चों को प्रिंट से परिचित कराने एवं उन्हें पठन की प्रक्रिया से जोड़ने के लिए अकादमिक सत्र के शुरुआती 8 सप्ताहों में बिग बुक पर कार्य किया जाएगा। इस पर कैसे कार्य करना है, इसका विवरण शिक्षण योजनाओं में है।

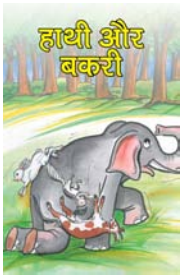

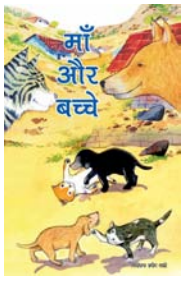

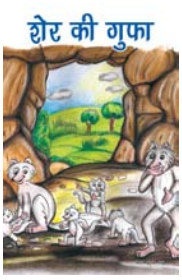

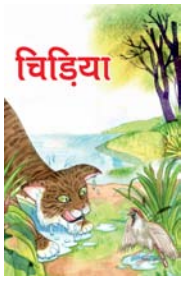

चित्र चार्ट

चित्र चार्ट के माध्यम से बच्चों के साथ चर्चा की जाएगी ताकि उनकी मौखिक अभिव्यक्ति मुखर हो सके। ये चार्ट अलग–अलग विषयों पर बने हैं और बच्चों के संदर्भ एवं परिवेश से जुड़े हैं। इनका उपयोग शुरूआती 10 सप्ताहों में किया जाएगा।

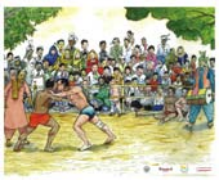

पाठ्यपुस्तक

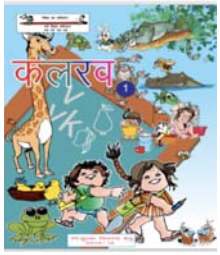

इस अकादमिक सत्र में पाठ्यपुस्तक का उपयोग मुख्य रूप से मौखिक भाषा विकास और पठन के लिए किया जाएगा। कालांश 2 में भी वर्ण और मात्रा की पहचान के लिए इसे उपयोग में लिया जाएगा।

सहज

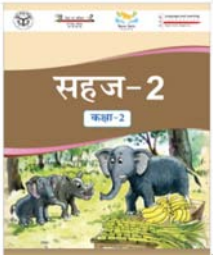

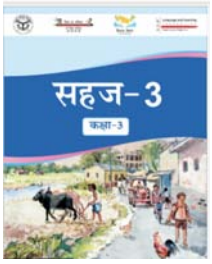

कक्षा 1 से लेकर 3 तक में पठन के लिए 'सहज' का उपयोग किया जाएगा, 'सहज' की कहानियों का उपयोग मौखिक भाषा विकास एवं पठन की गतिविधियों के लिए भी किया जाएगा।

आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका (2020–21)

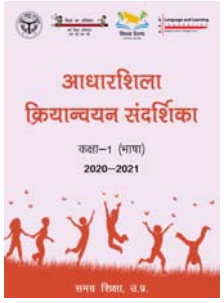

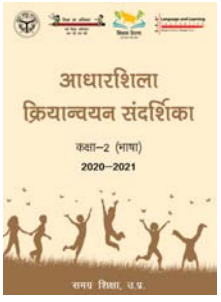

इस सत्र में कहानियों, कविताओं, खेलों पर कार्य करने के लिए **'आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका (2020–21)'** में उपलब्ध संग्रह को उपयोग में लिया जाएगा। पाठ योजना में इससे संबंधित चर्चा की गई है।

इन शिक्षण सामग्रियों का उपयोग कब और किस प्रकार से करना है, यह शिक्षण योजनाओं में सम्मिलित है। इसलिए, प्रतिदिन शिक्षण कार्य करने के एक दिन पहले, संबंधित शिक्षण योजनाओं को अवश्य पढ़ लें। यह आपकी शिक्षण प्रक्रिया को सुदृढ़ करेगी एवं बच्चे इन गतिविधियों में सक्रिय रूप से हिस्सा ले पाएंगे।

आकलन एवं पुनरावृत्ति

आकलन अपने आप में कोई अलग प्रक्रिया नहीं हैं, बल्कि यह शिक्षण कार्य का ही अभिन्न अंग हैं। सीखने को सुनिश्चित करने के लिए दक्षता के अनुसार सतत आकलन करना शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाता है। आकलन शिक्षण के उद्देश्य पर आधारित महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसे नियमित और योजनाबद्ध रूप से किया जाना आवश्यक है।

आकलन के उद्देश्य

1. बच्चों की प्रगति को जानना

हर बच्चे के सीखने की गति अलग–अलग होती है। कक्षा के किस बच्चे ने क्या सीख लिया और क्या छूट गया है, इसे तय करने में आकलन हमारी मदद करता है। निश्चित अंतराल में किया गया आकलन व्यवस्थित तौर पर बच्चों के सीखने के स्तरों के विश्लेषण में सहायता करता है।

2. सीखने में आ रही कठिनाइयों को जानना

बच्चों की अवधारणाओं को समझने या किसी भी अवधारणा के अनुप्रयोग में आ रही कठिनाइयों को जानने में सतत आकलन बहुत ही प्रभावी होता है। आकलन के दृष्टिकोण से आपके द्वारा पूछे गए प्रश्न और बच्चों द्वारा किए संवाद सामान्य भूल को उजागर करते हैं।

3. बच्चों की मदद के लिए प्रभावी रणनीतियां बनाना

सुनियोजित आकलन शिक्षण प्रक्रिया को बेहतर बनाने का कार्य करता है। यह शिक्षण कार्य की तैयारी एवं योजना बनाने में मदद करता है और बच्चों की आवश्यकता के अनुसार उनके लिए प्रभावी रणनीति बनाने में भी मार्गदर्शन करता है।

4. आगे की शिक्षण योजना बनाना

आकलन आगे की शिक्षण कार्ययोजना के लिए संदर्भ बिंदु की तरह है। आकलन बच्चों के लिए उनकी आवश्यकता के अनुसार शिक्षण योजना में बदलाव के विकल्प ढूँढने में मदद करता है।

आकलन और शिक्षण को एक समग्र और एकीकृत प्रक्रिया के रूप में देखना, अधिगम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए महत्वपूर्ण है।

- आप यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को सीखने के लिए न्यूनतम आवश्यक समय और अभ्यास के उचित अवसर मिलें।
- बच्चों की उपलब्धियों को जाँचते रहें और विश्लेषण के माध्यम से यह देखें कि कितने बच्चे लक्षित स्तर पर हैं और कितने बच्चे लक्षित स्तर से पीछे हैं।
- बच्चों को होने वाली कठिनाइयों को चिह्नित कर, लक्षित स्तर तक लाने के लिए उचित रणनीतियों का निर्धारण करें।
- शिक्षण प्रक्रिया में आवश्यकता के अनुसार बदलाव और नई–नई गतिविधियों को योजना में शामिल करें।

2022–23 की आकलन प्रक्रिया

इस अकादमिक सत्र में 2 प्रकार के आकलन हैं : साप्ताहिक एवं सावधिक। इस पर आगे एक–एक करके बात की जा रही है।

साप्ताहिक आकलन

हर सप्ताह : दिवस 6

सावधिक आकलन

सप्ताह 9 और 18

साप्ताहिक कार्ययोजना

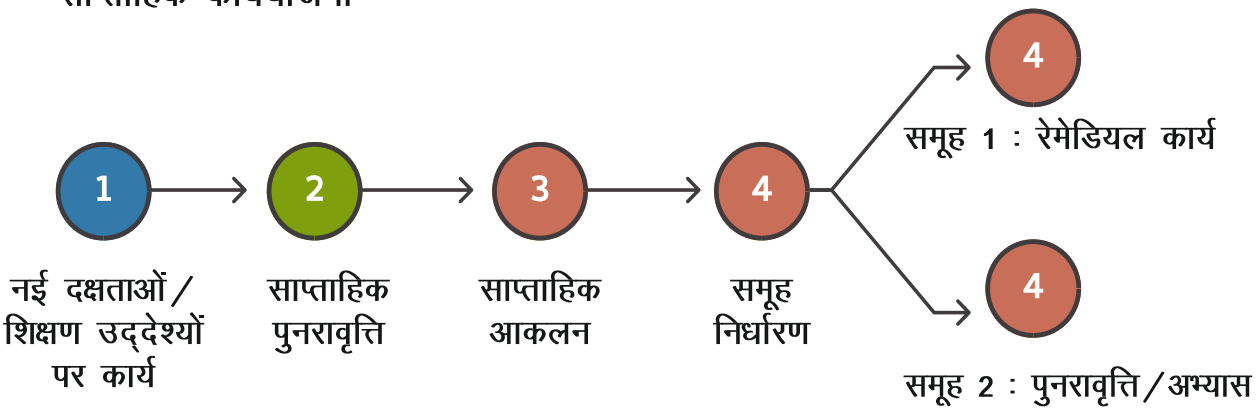

1. नई दक्षताओं/शिक्षण उद्देश्यों पर कार्य

हर सप्ताह
दिवस 1–4

कालांश
1 2 3

- सप्ताह के पहले चार दिनों में हम बच्चों के साथ नई दक्षताओं/शिक्षण उद्देश्यों पर कार्य करेंगे। इसके लिए हम हर सप्ताह से संबंधित शिक्षण योजनाओं को लेते हुए कार्य करेंगे।
- यह कार्य सभी कालांशों में योजनानुसार चलता रहेगा।

कालांश 2 डिकोडिंग से संबंधित कार्य किया जाएगा और शिक्षण योजना के साथ–साथ कार्यपुस्तिका का उपयोग होगा। कार्यपुस्तिका के प्रत्येक सप्ताह के पहले चार दिनों के लिए दिया गया पाठ नई दक्षताओं के शिक्षण के लिए है। इन पाठों के पृष्ठ नीले रंग के हैं।

2. साप्ताहिक पुनरावृत्ति

हर सप्ताह
दिवस 5

कालांश
1 2 3

- साप्ताहिक पुनरावृत्ति का कार्य प्रत्येक सप्ताह के 5 वें दिन रखा गया है। यह कार्य दूसरे कालांश में किया जाएगा। इसके लिए शिक्षण योजना और कार्यपुस्तिका को उपयोग में लेते हुए कार्य किया जाएगा। इस दौरान, कालांश 1 एवं 3 में नई दक्षताओं/ शिक्षण उद्देश्यों पर कार्य होगा।
- साप्ताहिक पुनरावृत्ति में आप इस सप्ताह में सिखाए गए वर्णों के साथ–साथ पहले सिखाए गए वर्णों और मात्राओं को सम्मिलित करते हुए पुनरावृत्ति का कार्य करवाएंगे। इससे बच्चों के सीखने के बेहतर परिणाम देखे जा सकते हैं। पुनरावृत्ति में वर्ण स्तर की गतिविधि के साथ–साथ ब्लेंडिंग, शब्द पठन, वाक्य पठन की गतिविधियों को सम्मिलित किया जाएगा। यह कार्य 'संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति' के अंतर्गत 'व्यवस्थित डिकोडिंग' के उद्देश्यों पर आधारित होगा जिसका उल्लेख निपुण भारत मिशन दस्तावेज में किया गया है। इस पर हमने पहले भी चर्चा की है।

कार्यपुस्तिका में प्रत्येक सप्ताह के पाँचवें दिन के लिए दिया गया पाठ, पुनरावृत्ति का है। इस पाठ का पृष्ठ हरे रंग का है।

3. साप्ताहिक आकलन और अवलोकन

हर सप्ताह दिवस 6

कालांशः
1 2 3

- डिकोडिंग से संबंधित दक्षताओं के साप्ताहिक आकलन का मुख्य उद्देश्य बच्चों द्वारा सीखी गई दक्षताओं को जानना और उन बच्चों को पहचानना है जो संबंधित दक्षताओं को हासिल नहीं कर पाए हैं।
- साथ–साथ उन बिन्दुओं को चिह्नित करना है जहाँ कक्षा के अधिकतर बच्चों को कठिनाई हो रही है और फिर से इन दक्षताओं का शिक्षण करना है।
- इस कार्य के लिए प्रत्येक सप्ताह के दिवस 6 में कालांश 2 एवं 3 में कार्य किया जाएगा। इस दौरान, आकलन के बाद जिन बच्चों ने लक्षित दक्षता प्राप्त नहीं की है, उनके साथ योजनाबद्ध तरीके के कार्य किया जाना है।

कार्यपुस्तिका के प्रत्येक सप्ताह के छठे दिन 'मैंने सीख लिया' दिया गया है। इस पृष्ठ का रंग लाल है। आकलन के बाद इस संदर्शिका के अंत में दिए गए साप्ताहिक आकलन ट्रैकर में बच्चों द्वारा लाए गए अंक को सप्ताहवार एवं नियमित रूप से दर्ज करना है।

प्रतिदिन

कालांशः
1 2 3

इसके अलावा नियमित रूप से **मौखिक भाषा विकास** की दक्षताओं/शिक्षण उद्देश्यों का अवलोकन भी किया जाना प्रस्तावित है, लेकिन इसके लिए आप कोई एक निश्चित दिन या सप्ताह तय न करें बल्कि इसको अपने दैनिक शिक्षण योजना में सम्मिलित करें और जो बच्चे लक्षित दक्षताओं को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं उनको प्रोत्साहित करें और अलग से भी आवश्यकतानुसार शिक्षण योजना बनाएं।

4. समूह निर्धारण : रेमेडियल एवं पुनरावृत्ति/अभ्यास कार्य

हर सप्ताह दिवस 6

कालांशः
1 2 3

आकलन के आधार पर शिक्षकों को बच्चों के सीखने के कई स्तर मिलेंगे, शिक्षक बच्चों को सीखी गई दक्षताओं के विश्लेषण के आधार पर दो समूहों में बांटेः

समूह 1 : डिकोडिंग से संबंधित आकलन में जिन बच्चों ने 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं।

समूह 2 : डिकोडिंग से संबंधित आकलन में जिन बच्चों ने 50% से अधिक अंक प्राप्त किए हैं।

समूह 1 : डिकोडिंग से संबंधित आकलन में जिन बच्चों ने 50% से कम अंक लाए हैं

- इन बच्चों के साथ आप आवश्यकतानुसार 'वर्ण/शब्द पठन' के स्तर पर कार्य करें। इसके लिए साप्ताहिक आकलन प्रपत्र में दी गई अभ्यास कार्य की जगह को उपयोग में लाएं।
- **वर्ण स्तर पर कार्य** : वर्णो/अक्षरों की पहचान दोबारा करवाना, वर्णों/अक्षरों को शब्दों में ढूँढ़कर गोला लगवाना, ग्रिड से वर्ण/अक्षर पहचान पर कार्य, कॉपी पर वर्णों को लिखना एवं अतिरिक्त गृहकार्य देना
- **शब्द पठन स्तर पर कार्य** : वर्णो/अक्षरों को जोड़कर शब्द पढ़ने का अभ्यास करवाना, वर्णो/अक्षरों को जोड़ कर कर शब्द पढ़ना और लिखना

समूह 2 : डिकोडिंग से संबंधित आकलन में जिन बच्चों ने 50% से अधिक अंक लाए हैं

- समूह 2 के बच्चे 'मैंने सीख लिया' में दिए गए अभ्यास पर खुद से कार्य करेंगे। इसके साथ वे स्वतंत्र रूप से पठन पर भी कार्य कर सकते हैं। जब आप समूह 1 के बच्चों के साथ कार्य कर रहे हों तब कक्षा के बाकी बच्चों को उनकी दक्षता के अनुसार स्वतंत्र पठन, लेखन, कार्यपुस्तिका और पाठ्यपुस्तक में कार्य करने दें।

सावधिक आकलन प्रक्रिया

सप्ताह 9 एवं 18

22 सप्ताह की शिक्षण योजना में दो बार सावधिक आकलन किया जाएगा। पहला आकलन 9वें सप्ताह में और दूसरा आकलन 18वें सप्ताह में किया जाना है । इसे आंतरिक प्रक्रिया के तौर पर देखा जाना चाहिए। इसका उद्देश्य भी बच्चों को कक्षा स्तर की दक्षताओं को हासिल करने में मदद करना है।

1. सावधिक आकलन एवं समूह निर्धारण

दिवस 1–3

कालांश:

1 2 3

सावधिक आकलन के सप्ताहों में, पहले एवं दूसरे दिन, कार्यपुस्तिका से सावधिक आकलन के पृष्ठों पर बच्चों के साथ कार्य किया जाएगा। यह कार्य प्रत्येक बच्चे के साथ व्यक्तिगत रूप से किया जाना है।

बच्चों द्वारा लाए गए अंकों को सावधिक आकलन के लिए बने ट्रैकर पर दर्ज करना होगा और समूह निर्धारण करना होगा।

- **समूह 1** : डिकोडिंग से संबंधित आकलन में जिन बच्चों ने 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं।
- **समूह 2** : डिकोडिंग से संबंधित आकलन में जिन बच्चों ने 50% से अधिक अंक प्राप्त किए हैं।

3 तीसरे दिन इन दोनों समूहों के साथ किस प्रकार से कार्य करना है, आप इसकी योजना बनाएंगे।

मौखिक भाषा विकास से संबंधित अवलोकन कार्य तीसरे दिन से शुरू करें और यह कार्य शिक्षण प्रक्रिया के अंतर्गत ही करें।

2. सावधिक रेमेडियल एवं पुनरावृत्ति/अभ्यास कार्य

दिवस 4–13

कालांश:

1 2 3

4 सावधिक पुनरावृत्ति पर चौथे दिन से लेकर अगले 8–10 दिनों में कार्य किया जाना है। साप्ताहिक आकलन की ही भाति यहाँ भी दो समूह बनाकर कार्य किया जाना है। इसके लिए पिछले पृष्ठ के खंड 'समूह निर्धारण : रेमेडियल एवं पुनरावृत्ति/अभ्यास कार्य' को दोबारा पढ़ें।

13 सावधिक पुनरावृत्ति के पाठों को दोनो समूहों (समूह 1 एवं 2) के बच्चों के लिए आवश्यकता के अनुसार उपयोग में लाएं।

मौखिक भाषा विकास से संबंधित अवलोकन पर कार्य कालांश 1 में करते रहें और जिन बच्चों को अधिक मदद की आवश्यकता है, उन्हें कक्षा की गतिविधियों में सहभाग करने के पर्याप्त मौके दें।

सप्ताह 9 एवं 18 के लिए बनी शिक्षण योजनाओं को अवश्य पढ़ें और सावधिक आकलन, रेमेडियल एवं पुनरावृत्ति/अभ्यास कार्य करें।

कालांशों की रणनीतियां

अब हम यह जानने और समझने की कोशिश करेंगे कि किस तरह भाषा के तीनों कालांशों में काम होगा और उन कालांशों में काम करने के लिए किन–किन शिक्षण अधिगम सामग्रियों का उपयोग किया जाएगा। हम यहाँ यह भी चर्चा करेंगे कि इन अधिगम सामग्रियों से संबंधित कौन–सी गतिविधियाँ कक्षा में करवाई जाएंगी एवं प्रत्येक कालांश में मुख्य रूप से किन–किन अधिगम दक्षताओं के विकास पर काम किया जाना प्रस्तावित है।

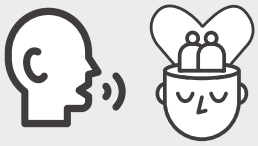

मौखिक भाषा विकास और सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

कालांश : 1 2 3

भाषा शिक्षण के प्रथम कालांश में मौखिक भाषा विकास से संबंधित दक्षताओं/लक्ष्यों को आधार बनाकर कार्य किया जाएगा। इस दौरान, बच्चों को मौखिक भाषा विकास के अंतर्गत अपने विचारों को एक–दूसरे के साथ साझा करने, सोचने, अनुमान लगाने, अपने विचार पर आधारित तर्क करने, किसी अन्य के विचार पर तर्क सहित सहमति या असहमति व्यक्त करने, आदि के मौके दिए जाएंगे। इसके साथ ही, सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव से संबंधित गतिविधियों पर भी कार्य किया जाएगा।

पाठ्यपुस्तक : आप भाषा शिक्षण की पाठ्यपुस्तक 'कलरव' के पाठ एवं कविताएं मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँगे तथा उस पर आधारित मौखिक चर्चा बच्चों के साथ योजनानुसार करें।

चित्र चार्ट पर कार्य : आप चित्र चार्ट के माध्यम से बच्चों के साथ चर्चा करेंगे ताकि उनकी मौखिक अभिव्यक्ति मुखर हो सके। ये चार्ट अलग–अलग विषयों पर बने हैं और बच्चों के संदर्भ एवं परिवेश से जुड़े हैं।

कविता पोस्टर पर कार्य : आप विद्यालय में उपलब्ध कविता पोस्टर के माध्यम से बच्चों के साथ कविता को हाव–भाव के साथ गाएं तथा इनसे संबंधित अन्य गतिविधियां करवाएं, जैसे– तुकांत शब्दों की पहचान एवं निर्माण, लोगोग्रफिक शब्दों की पहचान आदि।

अनुभव आधारित कार्य : इस गतिविधि के अंतर्गत आप बच्चों के साथ उनके पूर्व अनुभवों पर चर्चा करेंगे। ऐसी चर्चा के माध्यम से बच्चों को अपने जीवन से जुड़ी घटनाओं को सिलसिलेवार तरीके से अपने सहपाठियों के साथ साझा करने में मदद मिलती है। अनुभव पर चर्चा के लिए चयनित विषय सरल, परिवेशीय एवं परिचित होंगे।

कहानी पोस्टर पर कार्य : आप विद्यालय में उपलब्ध कहानी पोस्टर के माध्यम से बच्चों को कहानी सुनाने के साथ–साथ कहानी के बारे में अनुमान लगाने, कहानी के अंत के बारे में विचार करने, चिंतन करने और कहानी के पात्रों के स्थान पर खुद को रखकर सोच पाने के मौके दें।

स्थानीय गीत/कविता/कहानी पर कार्य : बच्चों को अपने परिवेश से जुड़ी और सुनी हुई कविता/गीत/कहानी को सुनने और उसे अपने शब्दों में सुनाने के साथ–साथ उसके पात्रों को बदलकर सुनाना बहुत रोचक लगता है। इस कार्य के लिए आप बच्चों के परिवेश से जुड़े गीत/कविता/कहानी आदि का उपयोग कर सकते हैं।

इसके लिए आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका–कक्षा 1,2 एवं 3 (2020–21) का उपयोग भी किया जा सकता है।

संबंधित लेखन कार्य : आप मौखिक भाषा विकास से संबंधित किसी भी गतिविधि को करवाने के पश्चात संबंधित लेखन कार्य बच्चों को दें, जिसे बच्चे अपनी कॉपी में करेंगे। यह कार्य रचनात्मकता से जुड़ा होगा।

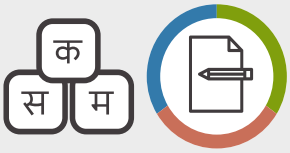

कालांश: 1 **2** 3

सत्र 2022–23 में भाषा के द्वितीय कालांश में हम बच्चों के साथ डिकोडिंग (वर्ण/मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द एवं वाक्य पठन) के अभ्यास से संबंधित गतिविधियाँ करेंगे। इसके लिए बच्चों के साथ डिकोडिंग पर आधारित व्यवस्थित शिक्षण कार्य शिक्षकों के द्वारा कक्षा में किया जाएगा। व्यवस्थित डिकोडिंग पर हमने अध्याय 'बुनियादी भाषा सीखने के सिद्धांत' पर बातचीत की है।

हमें इस कालांश में यह नियमित रूप से सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि सिखाए गए वर्णों/अक्षरों और मात्राओं पर बच्चों को अभ्यास के पर्याप्त मौके मिलें।

इस सत्र में हम प्रत्येक सप्ताह में सिखाए गए वर्ण/मात्रा की पहचान और इन्हें जोड़कर पढ़ने के अभ्यास से जुड़ी खेल गतिविधियों को भी कक्षा–कक्ष अभ्यास में शामिल करेंगे। कार्यपुस्तिका के अलावा शिक्षक बच्चों की कॉपी का उपयोग भी कर सकते हैं, जिससे बच्चों की डिकोडिंग कौशल पर मजबूत और अर्थपूर्ण पकड़ बन सके।

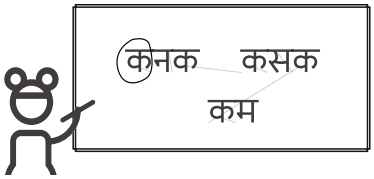

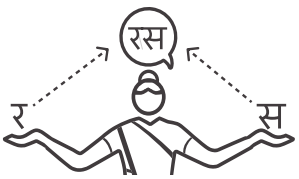

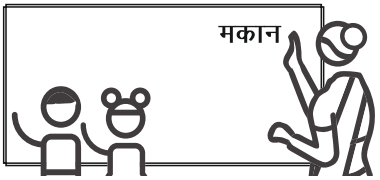

पठन पर कार्य

कालांशः ① ② ③

सत्र 2022–23 में भाषा के तृतीय कालांश में पठन कौशलों पर कार्य किया जाएगा। पठन कौशलों को समृद्ध करने के लिए इस सत्र में बिग बुक एवं 'सहज' की मदद से कार्य किया जाएगा। इस कालांश में बच्चों के साथ आदर्श पठन, साझा पठन, मार्गदर्शन में पठन एवं स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाएगा।

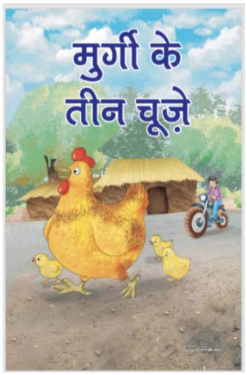

बिग बुक से पठन पर कार्य : बिग बुक कहानी की एक बड़ी पुस्तक होती है जिसके फॉन्ट और चित्र सामान्य पुस्तकों की तुलना में बड़े होते हैं। इसका उपयोग मुख्य रूप से शुरुआती कक्षाओं के बच्चों में पढ़ने के प्रति रुचि, प्रिंट चेतना और लिखित पाठ को सुनकर समझने की दक्षताओं को विकसित करने के लिए किया जाता है । आप बिग बुक के साथ अनेक प्रकार की रोचक गतिविधियाँ कर सकते हैं, जैसे– कहानी पढ़कर सुनाना, शीर्षक, चित्रों और कहानी से संबंधित अनुमान लगाना और समझ विकसित करना, साझा (साथ–साथ) पठन के अनुभव देना, लोगोग्रफिक पठन करना आदि। इसकी सहायता से बच्चों से विभिन्न प्रकार के प्रश्नों पर चर्चा की जा सकती है। जैसे– कहानी के घटनाक्रम से संबंधित बच्चों के अनुभव, चरित्रों के हाव–भाव एवं उनकी विशेषता, कहानी के शीर्षक एवं कहानी के बीच का संबंध इत्यादि।

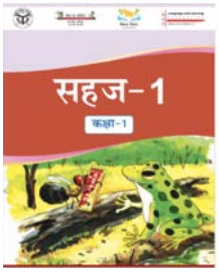

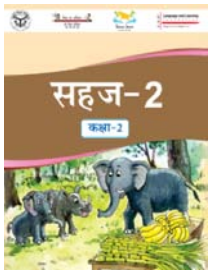

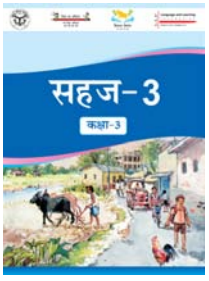

'सहज' से पठन पर कार्य : 'सहज' पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से कहानी सुनाकर पढ़ना, मार्गदर्शन में पठन एवं स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाएगा। इन पर किस प्रकार कार्य किया जाना है, इसका विवरण संबंधित शिक्षण योजनाओं में है।

स्वतंत्र पठन के अवसर : अकादमिक सत्र की शुरुआत से ही बच्चों को आप नियमित रूप से स्वतंत्र रूप से पढ़ने के मौके दें। इसके लिए शिक्षण योजना के अंतर्गत कुछ समय और प्रक्रिया प्रस्तावित की गई है। **लेकिन, यदि आपको अलग से समय मिले तो बच्चों को स्वतंत्र पठन के अवसर अवश्य दें।**

आप ध्यान दें कि इन सभी गतिविधियों एवं शिक्षण अधिगम सामग्री पर किस प्रकार चरणबद्ध तरीके से कार्य करना है, यह शिक्षण योजनाओं में विस्तार से दिया गया है। कक्षा में शिक्षण प्रक्रिया का क्रियान्वयन करने के पहले आप संबंधित शिक्षण योजना को पढ़ें और जरूरी तैयारी भी करें। सभी शिक्षण योजनाएं निश्चित शिक्षण उद्देश्यों से जुड़ी हुई है और अकादमिक सत्र के लक्षित दक्षताओं को प्राप्त करने में सहायक होंगीं।

दैनिक शिक्षण योजना

इस भाग में हम यह समझने की कोशिश करेंगे कि शिक्षण योजना क्या होती है एवं इसकी जरुरत क्यों है; प्राथमिक कक्षाओं में (विशेष रूप से कक्षा 1–3) भाषा की शिक्षण योजना बनाते समय हमें किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए; एक दिन की भाषा की शिक्षण योजना में भाषा के किन–किन घटकों पर मुख्य रूप से काम किया जाना है, आदि। साथ ही, यहाँ हम यह भी समझेंगे कि इस शिक्षक संदर्शिका में दी गई शिक्षण योजनाओं में क्या है और इन पर कैसे कार्य किया जाना प्रस्तावित है।

शिक्षण योजना की जरूरत

विद्यालय में होने वाली शिक्षण प्रक्रिया में बच्चों को एक निश्चित समय पर निर्धारित दक्षताएं सिखानी होती हैं। इस प्रकार का कार्य हो पाए, इसके लिए एक क्रमबद्ध योजना की जरुरत होती है। इसके अंतर्गत प्रत्येक दिन के हर कालांश को ध्यान में रखकर एक ऐसी योजना बनाई जानी चाहिए जिससे यह स्पष्ट हो सके कि किस दिन, किस कालांश में कौन–सी गतिविधि एवं अधिगम शिक्षण सामग्री को उपयोग में लेते हुए कार्य किया जाएगा एवं बच्चे इन शिक्षण प्रक्रियाओं से किन शिक्षण उद्देश्यों/दक्षता को निपुणता से हासिल कर पाएंगे।

इसके अतिरिक्त प्राथमिक कक्षाओं में भाषा की शिक्षण योजना बनाते समय बच्चों की भाषायी विविधता एवं शैक्षिणक स्तर में भिन्नता को भी ध्यान में रखकर शिक्षण रणनीतियां तय की जानी चाहिए।

इस अकादमिक सत्र के प्रत्येक दिन के तीनों कालांशों के लिए शिक्षण योजनाएँ दी गई हैं जिनमें से कुछ विस्तृत शिक्षण योजनाएँ हैं और कुछ संक्षिप्त शिक्षण योजनाएँ। आइए, इन पर हम थोड़ी और बातचीत करते हैं।

दो तरह की शिक्षण योजनाएँ

विस्तृत शिक्षण योजना

- किसी भी नई दक्षता/अधिगम शिक्षण सामग्री पर कार्य करने के दौरान
- गतिविधियों पर कार्य करने की चरणबद्ध रणनीति या प्रक्रिया का विस्तृत विवरण

संक्षिप्त शिक्षण योजना

- पहले से सीखी गई दक्षताओं/अधिगम शिक्षण सामग्री पर कार्य करने के दौरान
- गतिविधियों पर कार्य करने की चरणबद्ध रणनीति या प्रक्रिया का संक्षेप में विवरण

अगले कुछ पृष्ठों में विस्तृत एवं संक्षिप्त शिक्षण योजना पर बातचीत की गई है।

विस्तृत शिक्षण योजना

किसी भी नई दक्षता या नई शिक्षण सामग्री पर कार्य करने के पहले सप्ताह में विस्तृत शिक्षण योजना दी गई है। इससे आपको चरणबद्ध तरीके से किस प्रकार कार्य करना है, इसकी जानकारी प्राप्त होगी। शिक्षण योजना और शिक्षण सामग्री को काम में लेते हुए किस प्रकार के प्रश्न पूछे जा सकते हैं, किस प्रकार के निर्देश दिए जा सकते हैं, इनका विस्तृत विवरण इन शिक्षण योजनाओं में आपको पढ़ने को मिलेगा।

आइए, एक नमूने द्वारा हम यह समझें कि विस्तृत शिक्षण योजना के कितने खंड हैं और इनसे हमें क्या जानकारी मिलेगी।

शिक्षण योजना की समझ

- सप्ताह, दिवस एवं समय
- कालांश एवं लक्षित उद्देश्य
- गतिविधि से संबंधित पूर्व तैयारी एवं सामग्री
- गतिविधि से संबंधित मुख्य बातें

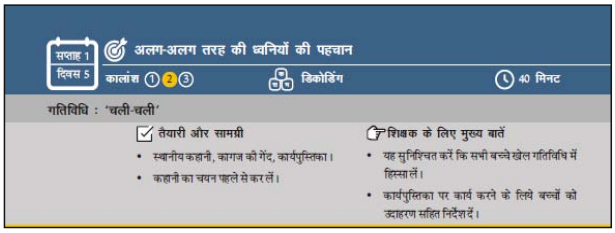

गतिविधि

- चरणबद्ध तरीके से गतिविधि की प्रक्रिया
- स्पष्ट निर्देश एवं उदाहरण

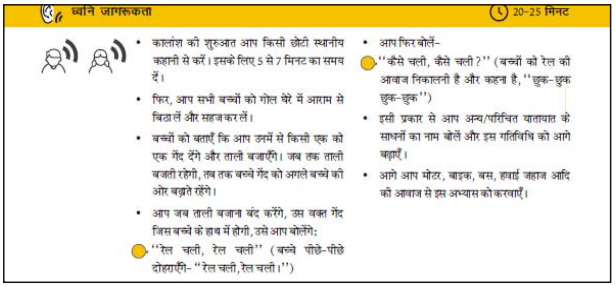

संबंधित लेखन कार्य

- 'कौशल संबंधित लेखन' या 'रचनात्मक लेखन'
- अवलोकन एवं बच्चों को मदद देने के लिए बिंदु

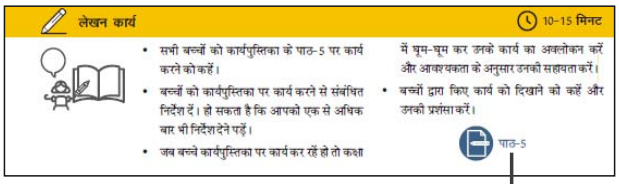

शिक्षक द्वारा समीक्षा

- अपनी शिक्षण प्रक्रिया पर आत्मचिंतन
- आगे की रणनीति तय करना
- बच्चों के व्यक्तिगत एवं सामूहिक कठिनाइयों का अवलोकन

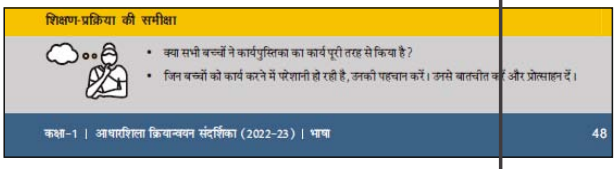

कार्यपुस्तिका के पाठ

- प्रत्येक सप्ताह के दिवस 1 से 4 तक, कालांश 2 में कार्यपुस्तिका के पाठों पर बच्चों द्वारा कार्य

संक्षिप्त शिक्षण योजना

किसी भी शिक्षण सामग्री या दक्षता पर कुछ समय (प्रायः 1 सप्ताह) तक कार्य कर लेने के बाद संक्षिप्त शिक्षण योजनाओं को उपयोग में लाया जाएगा। इन संक्षिप्त शिक्षण योजनाओं में प्रत्येक बिंदु पर विस्तृत विवरण नहीं होगा मगर आप कक्षा में पहले की ही तरह चरणबद्ध तरीके से कार्य करेंगे। इनमें आपको साधारण रूप से वो सारी जानकारियाँ मिलेंगी जो विस्तृत शिक्षण योजना में होती हैं।

सप्ताह एवं दिवस

कालांश : 1 2 3

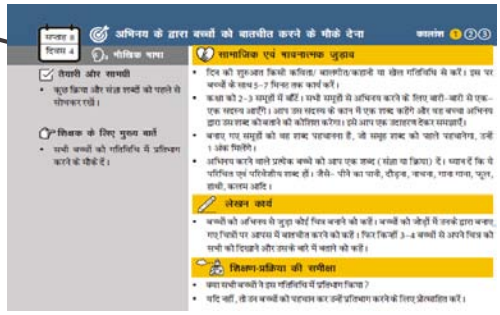

कालांश : 1 2 3

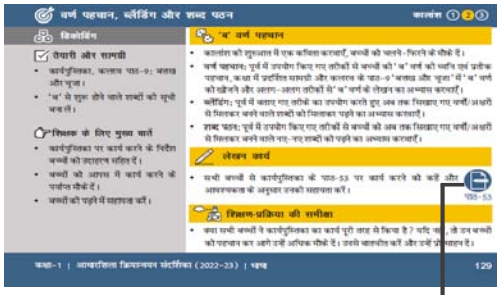

कालांश : 1 2 3

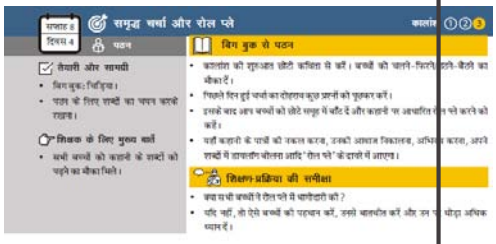

कालांश 1, 2 एवं 3

- गतिविधि का नाम एवं उद्देश्य, तैयारी और सामग्री और शिक्षक के लिए मुख्य बातें
- गतिविधि की चरणबद्ध संक्षिप्त प्रक्रिया
- शिक्षक द्वारा समीक्षा

कार्यपुस्तिका के पाठ

- प्रत्येक सप्ताह के दिवस 1 से 4 में, कालांश 2 में कार्यपुस्तिका के पाठों पर बच्चों द्वारा कार्य

दिवस 5 पुनरावृत्ति

कालांश : 1 **2** 3

कालांश 2 में सप्ताह के हर पाँचवें दिन पुनरावृत्ति का कार्य किया जाएगा। इस कालांश से संबंधित शिक्षण योजना एवं कार्यपुस्तिका के पाठ हरे रंग के हैं।

विस्तृत पाठ योजना

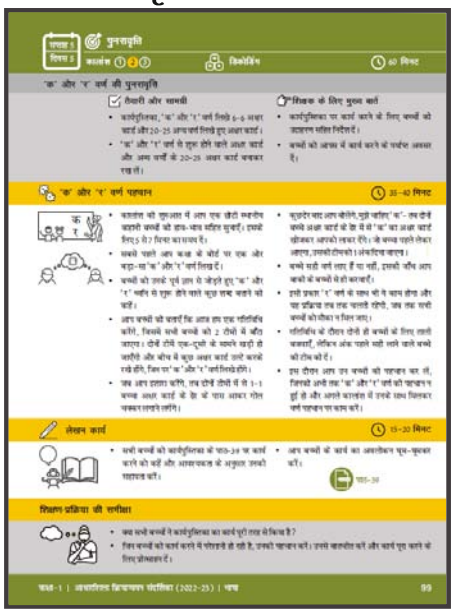

संक्षिप्त पाठ योजना

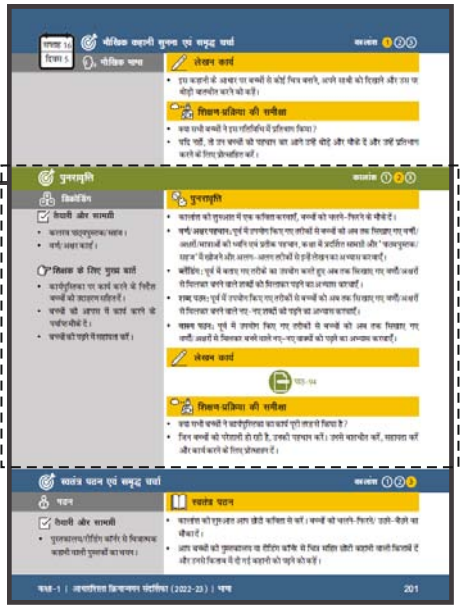

कार्यपुस्तिका : पुनरावृत्ति पाठ

- कार्यपुस्तिका के 'पुनरावृत्ति' पाठ पर साधारणतः सप्ताह के पाँचवें दिन कार्य किया जाना है।
- यह पुनरावृत्ति सप्ताह के पहले 4 दिन सिखाई गई दक्षताओं पर आधारित है।

दिवस 6 साप्ताहिक आकलन

कालांश : 1 2 3

कालांश 2 एवं 3 में सप्ताह के हर छठे दिन बच्चों के साथ आकलन पर कार्य किया जाएगा। इस दिन, इन दोनों कालांशों की शिक्षण योजना को एक साथ ही दिया गया है। इसलिए, आपको विस्तृत एवं संक्षिप्त शिक्षण योजना, दोनों में ही देखने को मिलेगा। साप्ताहिक आकलन से संबंधित शिक्षण योजना एवं कार्यपुस्तिका के कार्यपत्रक (मैंने सीख लिया) लाल रंग के हैं।

विस्तृत पाठ योजना

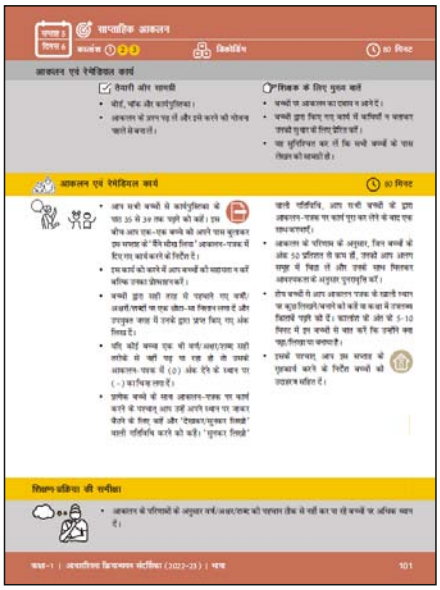

संक्षिप्त पाठ योजना

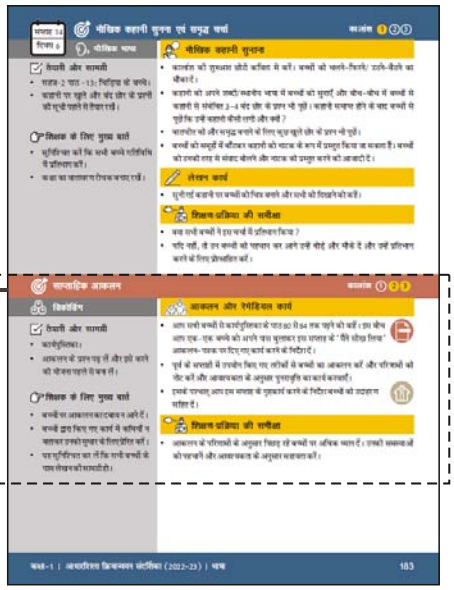

साप्ताहिक आकलन : मैंने सीख लिया

- वर्ण/अक्षर पहचान एवं शब्द पठन से संबंधित आकलन सभी बच्चों के साथ व्यक्तिगत रूप से करवाना
- 'सुनकर लिखो' अभ्यास कक्षा स्तर पर करवाना

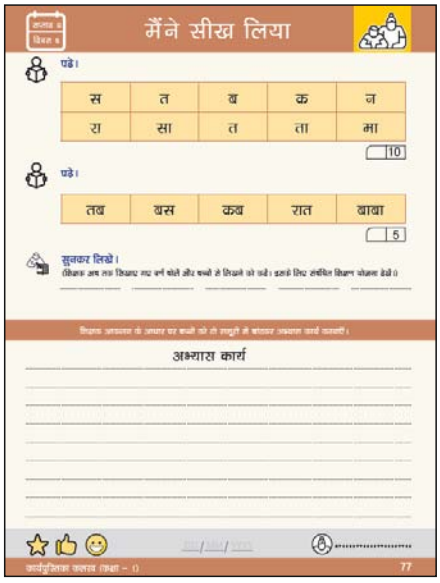

समूह 1 एवं 2 के बच्चों के साथ कार्य

- आकलन के अंकों के आधार पर समूह निर्धारण :
  समूह 1 के बच्चों के साथ रेमेडियल कार्य
  समूह 2 के बच्चों के साथ पुनरावृत्ति एवं अभ्यास कार्य

सप्ताह 9, 18

सावधिक आकलन

अकादमिक सत्र में दो सावधिक आकलन की योजना है – सप्ताह 9 एवं 18 में।

- इसके लिए आप अध्याय 'आकलन एवं पुनरावृत्ति' के 'सावधिक आकलन' से संबंधित खंड को ध्यान से पढ़ें।
- साथ ही, सप्ताह 9 एवं 18 की शिक्षण योजना को आधार बनाकर कार्य करें।

दिवस 1 एवं 2

कालांश 1 2 3

सावधिक आकलन (मैंने सीख लिया)

- डिकोडिंग से संबंधित आकलन के लिए दिवस 1 एवं 2 में तीनों कालांशों का प्रयोग करें।
- वर्ण/अक्षर पहचान एवं शब्द पठन से संबंधित आकलन सभी बच्चों के साथ व्यक्तिगत रूप से करें।
- 'सुनकर लिखो' अभ्यास कक्षा स्तर पर करवाएं।
- जब आप यह कार्य कर रहे हों तब दूसरे बच्चों को पुस्तकालय की किताबों से अपनी कॉपी में अभ्यास करने को कहें।
- व्यक्तिगत आकलन के साथ–साथ बच्चों द्वारा प्राप्त किए गए अंक सावधिक आकलन ट्रैकर में दर्ज करें।

दिवस 3 :

कालांश 1 2 3 1 2 3

सावधिक आकलन ट्रैकर एवं आगामी योजना

- **मौखिक भाषा विकास** से संबंधित अवलोकन, दोहराव एवं अभ्यास पर कार्य दिवस 3 से शुरू करें और जब तक रेमेडियल/पुनरावृत्ति पर कार्य चल रहा है, इस पर भी कार्य करते रहें।
- **डिकोडिंग** से संबंधित आकलन में बच्चों द्वारा लाए गए अंकों के आधार पर समूह निर्धारित करें। **समूह 1** में वे बच्चे आएंगे जिन्होंने 50% से कम अंक लाए हैं। इन बच्चों द्वारा लाए गए अंकों पर गोला लगाएं। **समूह 2** में वे बच्चे आएंगे जिन्होंने 50% से ज्यादा अंक लाए हैं।

दिवस 4 से 12

कालांश 1 2 3 1 2 3

रेमेडियल कार्य एवं पुनरावृत्ति/अभ्यास कार्य

- **मौखिक भाषा विकास** से संबंधित अवलोकन, दोहराव एवं अभ्यास पर कार्य करते रहें।
- **डिकोडिंग** के अंतर्गत **समूह 1** के बच्चों के साथ अगले 8–10 दिनों में रेमेडियल कार्य करें और उनकी अतिरिक्त सहायता करें।
- **समूह 2** के बच्चों के साथ अगले 8–10 दिनों में पुनरावृत्ति एवं अभ्यास कार्य करवाएं।

गृहकार्य और ग्रीष्म अवकाश

डिकोडिंग पर साप्ताहिक रूप से कार्य करने के साथ–साथ बच्चे गृहकार्य भी करेंगे और ग्रीष्म काल के अवकाश के दौरान भी सीखने–सिखाने की प्रक्रिया से लगातार जुड़े रहेंगे।

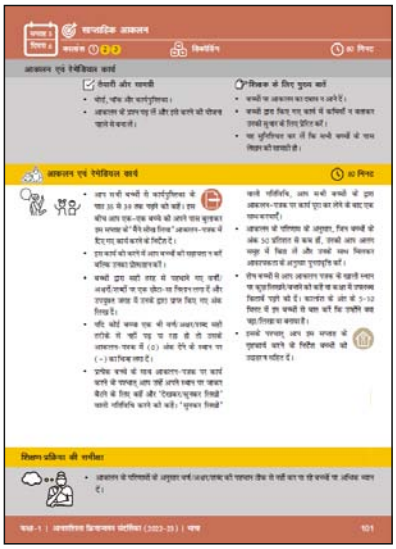

गृहकार्य

- प्रत्येक सप्ताह के छठे दिन के दूसरे कालांश की शिक्षण योजना में गृहकार्य से संबंधित निर्देश दिए गए हैं।
- कार्यपुस्तिका में कुल 20 पाठ गृहकार्य के लिए हैं।
- सावधिक आकलन 1 एवं 2 के दौरान गृहकार्य के लिए कोई भी पाठ नहीं दिया गया है।
- प्रत्येक सप्ताह के पहले दिन की शिक्षण योजना पर कार्य करने से पूर्व बच्चों से गृहकार्य संबंधी बातचीत करें।
- दिन समाप्त होने तक सभी बच्चों के गृहकार्य की जाँच करें और आवश्यक सुझाव भी दें।
- इसके बारे में अभिभावकों से भी बातचीत करें। इस पर हमने अध्याय 'अभिभावकों की भूमिका' में चर्चा की है।

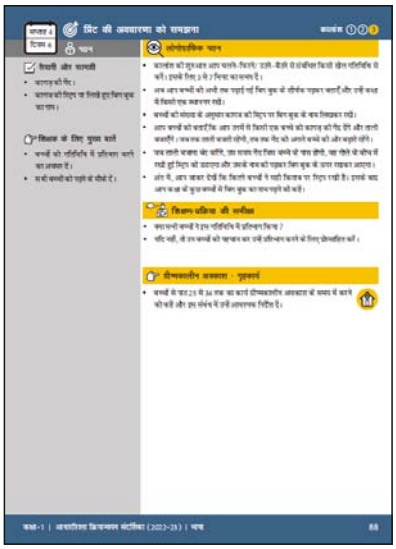

ग्रीष्म अवकाश

- सप्ताह 4 के छठें दिन के तीसरे कालांश की शिक्षण योजना में ग्रीष्म अवकाश से संबंधित निर्देश दिए गए हैं।
- कार्यपुस्तिका में कुल 10 पाठ ग्रीष्म अवकाश के कार्य के लिए हैं।
- सप्ताह 5 की शिक्षण योजना पर कार्य करने से पूर्व बच्चों से ग्रीष्म अवकाश के कार्य से संबंधित बातचीत करें।
- दिन समाप्त होने तक सभी बच्चों के ग्रीष्म अवकाश के कार्य की जांच करें और आवश्यक सुझाव भी दें।
- इसके बारे में अभिभावकों से भी बातचीत करें। इस पर हमने अध्याय 'अभिभावकों की भूमिका' में चर्चा की है।

सप्ताह 1
दिवस 1

बच्चों को एक दूसरे के नामों से परिचित करवाना

कालांश 1 2 3 | मौखिक भाषा | 40 मिनट

क्रिया के साथ परिचय देना

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता, चार्ट पेपर।
- स्थानीय कविता का चयन पहले से कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- बच्चों को अपनी भाषा में आपस में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

20–25 मिनट

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- इसके बाद बच्चों को अपना परिचय दें और अभिवादन के तौर पर कोई क्रिया करें। जैसे- नमस्ते करना, ताली बजाना, तितली की तरह हाथ हिलाना आदि। बच्चों को भी वह क्रिया दोहराने के लिए कहें।
- अब बच्चों से कहें कि वे भी एक-एक करके अपना नाम बताएँ और साथ में कोई (नई) क्रिया करें। जैसे- कमर पर हाथ रखकर हिलना, अपनी सभी उँगलियाँ हिलाना आदि।
- जब कोई बच्चा अपना नाम बताते हुए कोई क्रिया करे तो दूसरे बच्चों से भी उस क्रिया को दोहराने के लिए कहें।
- जब बच्चे अपना नाम बता रहे हों, तब आप चार्ट पेपर पर उनका नाम लिखते जाएँ। बच्चों के नामों को इतने बड़े-बड़े अक्षरों में लिखें कि इन्हें कक्षा में सभी जगह से पढ़ा जा सके।
- यह सुनिश्चित करें कि इस गतिविधि के अंत तक सभी बच्चों ने अपना नाम और एक नई क्रिया साझा कर ली हो।
- बच्चों के नाम वाला चार्ट कक्षा-कक्ष में बच्चों की ऊँचाई के अनुसार ऐसी जगह चिपकाएँ, जिसको बच्चे आसानी से देख सकें।

लेखन कार्य

10–15 मिनट

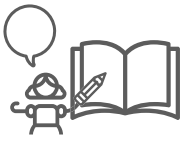

- आप सभी बच्चों को अपनी पसंद का कोई भी चित्र बनाने को कहें।
- आप बच्चों को जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए 3-5 मिनट का समय दें।
- फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों को अपने चित्र को सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।
- बच्चों के द्वारा जैसा भी चित्र बनाया गया हो, उसकी प्रशंसा करें। कक्षा की किसी दीवार पर बच्चों के कार्य को चिपका/लटका दें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले कालांश में उन्हें अधिक मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

अलग-अलग ध्वनियों की पहचान

कालांश ① ② ③ | डिकोडिंग | 40 मिनट

जानवरों की आवाज को पहचानना

तैयारी और सामग्री

- कागज की एक गेंद, कार्यपुस्तिका।
- परिवेशीय एवं परिचित जानवरों के नामों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के मौके दें और प्रोत्साहित करें।

ध्वनि जागरूकता

20–25 मिनट

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर, आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- बच्चों को बताएँ कि आप उनमें से किसी एक को एक गेंद देंगे और ताली बजाएँगे। जब तक ताली बजती रहेगी, तब तक बच्चे गेंद को अगले बच्चे की ओर बढ़ाते रहेंगे।
- आप जब ताली बजाना बंद करेंगे, उस वक्त गेंद जिस बच्चे के हाथ में होगी, आप उन्हें किसी जानवर का नाम बोलेंगे।
- उन्हें उस जानवर की आवाज निकालनी होगी। बाकी सभी बच्चे भी वो आवाज निकालेंगे।
- ध्यान दें कि आप जिन जानवरों के नामों का चयन करें, वह परिवेशीय हों या वह हों, जिनके बारे में बच्चे जानते हों। शुरुआत में, आप भी 1–2 जानवरों की आवाज निकालकर बताएँ।
- इसी प्रकार इस प्रक्रिया को करते रहें जब तक कि सभी बच्चों को मौका न मिल जाए।
- अंत में सभी बच्चों से सामान्य बातचीत करें। जैसे-
  - बच्चों ने उस जानवर को कहाँ देखा है?
  - वह क्या खाता है?
  - किस रंग का होता है? आदि।

लेखन कार्य

10–15 मिनट

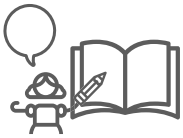

- सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के पाठ-1 पर कार्य करने को कहें।
- बच्चों को कार्यपुस्तिका पर कार्य करने से संबंधित निर्देश दें। हो सकता है कि आपको एक से अधिक बार भी निर्देश देने पड़ें।
- जब बच्चे कार्यपुस्तिका पर कार्य कर रहें हो तो कक्षा में घूम-घूम कर उनके कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।
- बच्चों द्वारा किए कार्य को दिखाने को कहें और उनकी प्रशंसा करें।

पाठ-1

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 1
दिवस 1

प्रिंट से परिचय

कालांश ① ② ③ | पठन | 40 मिनट

बिग बुक से पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक: 'माँ और बच्चे'।
- बिग बुक की कहानी को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- सभी बच्चों की बातों को ध्यान से सुनें और सकारात्मक प्रतिक्रिया दें।

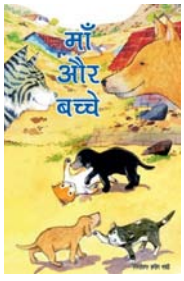

बिग बुक से पठन

40 मिनट

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर, आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- इसके बाद बिग बुक 'माँ और बच्चे' का मुख्य पृष्ठ सभी बच्चों को दिखाएँ। आप इस प्रकार से खड़े हों कि बिग बुक का मुख्य पृष्ठ बच्चों की ओर हो।
- अब आप बच्चों से बिग बुक के मुख्य पृष्ठ में दिख रहे चित्र के बारे में बातचीत करने को कहें। आप प्रश्न कर सकते हैं-
  - आपको यहाँ क्या-क्या दिख रहा है?
  - क्या आपने इन जानवरों को पहले भी कहीं देखा है? कहाँ? आदि।
- इसी प्रकार बिग बुक के सभी पृष्ठों को एक-एक करके पलटते जाएँ और पृष्ठों पर बने चित्रों के आधार पर बच्चों से कहानी का अनुमान लगाने को कहें।
- फिर, आप कहानी को बिग बुक से उचित हाव-भाव, उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ पढ़ें। पढ़ते समय प्रत्येक पृष्ठ के शब्दों पर बाईं से दाईं ओर उँगली रखें।
- बिग बुक से पूरी कहानी को इसी प्रकार पढ़कर सुनाएँ। आप सभी पृष्ठों को धीरे से पलटें और बच्चों को यह समझने का मौका दें कि किताब को बाईं से दाईं ओर पढ़ते हैं और आगे पढ़ने के लिए पृष्ठ को पलटते हैं।
- आप बिग बुक का आदर्श रूप से पठन कम-से-कम 2-3 बार करें।
- इस दौरान बच्चों को यह भी समझने का मौका दें कि इस किताब के हर पृष्ठ पर जो चित्र बने हैं, वे कहानी से संबंधित हैं।
- अंत में, बच्चों ने चित्रों को देखकर जो अनुमान लगाए गए थे, उन पर बातचीत करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी समझी है?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3 | मौखिक भाषा | 40 मिनट

अपने परिवार के बारे में चर्चा करना

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता।
- चर्चा में उपयोग में लिए जाने वाले बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अनुभव पर चर्चा के अपने उदाहरण को सरल रखें।
- बच्चों की बातों को ध्यान से सुनें और यदि कोई बच्चा नहीं बोल पा रहा हो तो उसे बोलने के लिए प्रेरित करें।

बच्चों के अनुभव पर चर्चा

20–25 मिनट

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- सभी बच्चों को एक गोल घेरे में बिठा लें ताकि वे एक-दूसरे को आसानी से देख सकें।
- आप सभी बच्चों को बताएँ कि आज हम सभी अपने परिवार के बारे में बातचीत करेंगे।
- बच्चों के अपने परिवार से जुड़े अनुभव सुनने से पहले आप उदाहरण के लिए अपने अनुभव बताएँ। जैसे- आपके घर में कौन-कौन है वे क्या काम करते हैं कितनी उम्र है? घर के सदस्यों की पसंद-नापसंद क्या है? आपको अपने परिवार में कौन-सा सदस्य सबसे अच्छा लगता/लगती है और क्यों, आदि।
- इसके बाद एक-एक करके सभी बच्चों से परिवार के सदस्यों के बारे में बताने को कहें और अन्य बच्चों से ध्यान से सुनने को कहें।
- अनुभव सुनाने के दौरान अगर बच्चे अपनी तरफ से नए बिंदुओं को जोड़ते हैं, तो उनका प्रोत्साहन करें। सभी बच्चों को कम-से-कम 2 से 3 वाक्य बोलने के लिए प्रेरित करें।

लेखन कार्य

10–15 मिनट

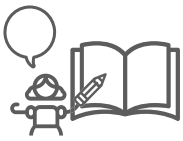

- सभी बच्चों को अपने परिवार के किसी भी सदस्य का चित्र बनाने के लिए कहें। यहाँ चित्र बनाने का उद्देश्य आढ़ी-टेढ़ी रेखाओं को खींचकर/बनाकर अपने मन की बात को अभिव्यक्त कर पाना है।
- बच्चों को उनके द्वारा बनाए गए चित्र को अपने साथी को दिखाने को कहें और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। इस दौरान आप घूम-घूम कर उनकी आपस की बातचीत को सुनें।
- फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों को सभी के साथ अपने चित्र पर बातचीत करने को कहें।
- बच्चों के द्वारा जैसा भी चित्र बनाया गया हो, उसकी प्रशंसा करें। कक्षा की किसी दीवार पर बच्चों के कार्य को चिपका/लटका दें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में समान रूप से भाग लिया?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

अलग-अलग तरह की ध्वनियों की पहचान

कालांश ① ② ③ | डिकोडिंग | 40 मिनट

पक्षियों की आवाज को पहचानना

तैयारी और सामग्री

- कागज की एक गेंद, कार्यपुस्तिका।
- परिवेशीय एवं परिचित पक्षियों के नामों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के लिये बच्चों को उदाहरण सहित निर्देश दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के मौके दें और प्रोत्साहित करें।

ध्वनि जागरूकता

20–25 मिनट

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर, आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- बच्चों को बताएँ कि आप उनमें से किसी एक को एक गेंद देंगे और ताली बजाएँगे। जब तक ताली बजती रहेगी, तब तक बच्चे गेंद को अगले बच्चे की ओर बढ़ाते रहेंगे।
- आप जब ताली बजाना बंद करेंगे, उस समय गेंद जिस बच्चे के हाथ में होगी, उसे आप किसी पक्षी का नाम देंगे। बच्चों को उस पक्षी की आवाज निकालनी होगी। बाकी सभी बच्चे भी वह आवाज निकालेंगे।
- ध्यान दें कि आप जिन पक्षियों के नामों का चयन करें, वे परिवेशीय हों या वे हों, जिनके बारे में बच्चे जानते हों। शुरुआत में, आप भी 1–2 पक्षियों की आवाज निकालकर बताएँ।
- इसी प्रकार इस प्रक्रिया को करते रहें, जब तक कि सभी बच्चों को मौका न मिल जाए।
- अंत में सभी बच्चों से सामान्य बातचीत भी करें, जैसे–
  - बच्चों ने उस पक्षी को कहाँ देखा है?
  - वे क्या खाते हैं?
  - किस रंग के होते हैं? आदि।

लेखन कार्य

15–20 मिनट

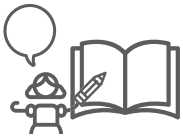

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ–2 पर कार्य करने को कहें।
- बच्चों को कार्यपुस्तिका पर कार्य करने से संबंधित निर्देश दें। हो सकता है कि आपको एक से अधिक बार भी निर्देश देने पड़ें।
- जब बच्चे कार्यपुस्तिका पर कार्य कर रहें हो तो कक्षा में घूम-घूम कर उनके कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।
- बच्चों द्वारा किए कार्य को दिखाने को कहें और उनकी प्रशंसा करें।

पाठ–2

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

बिग बुक से पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक: 'माँ और बच्चे'।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- साझा पठन के लिए सभी बच्चों को प्रोत्साहित करें।

बिग बुक से पठन

40 मिनट

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर, आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराव कुछ प्रश्नों को पूछकर करें। जैसे-
  - कल हमने कौन-सी कहानी पढ़ी थी?
  - कहानी में क्या हुआ था?
  - कहानी का क्या नाम था? आदि।
- फिर, आप कहानी को कम-से-कम 2 बार आदर्श रूप से पूरे हाव-भाव, उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ पढ़ें। पढ़ते समय प्रत्येक पृष्ठ के शब्दों पर बाईं से दाईं ओर उंगली रखें।
- कहानी पढ़ने के दौरान आए कठिन या अपरिचित शब्दों का अर्थ बच्चों के परिवेश एवं संदर्भ से जोड़कर बताएँ। इन शब्दों का उदाहरण सरल वाक्यों में दें और बच्चों को भी इन शब्दों से वाक्य बनाने को कहें।
- फिर, आप दोबारा से कहानी पढ़ें। इस बार बच्चों को आपके साथ-साथ कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगह पर रुकें, जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराएँ।
- अंत में, आप कहानी के कुछ मुख्य शब्दों जैसे- माँ, बच्चे, काला, भूरा आदि को बोर्ड पर लिखें और इन्हें 3-4 बार पढ़ें और बच्चों से भी इन शब्दों के पठन का अभ्यास करवाएँ।
- आप चार्ट पेपर पर इन शब्दों को बड़े-बड़े अक्षरों में लिख दें और कक्षा की किसी दीवार पर चिपका/लटका दें। यह चार्ट पेपर ऐसी जगह चिपका/लटका हो कि सारे बच्चे इसे देख सकें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे आपके साथ-साथ पढ़ पा रहे थे?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 1
दिवस 3

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3 | मौखिक भाषा | 40 मिनट

बच्चों के खेल से जुड़े अनुभव

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता।
- चर्चा में उपयोग में लिए जाने वाले बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अनुभव पर चर्चा के अपने उदाहरण को सरल रखें।
- बच्चों की बातों को ध्यान से सुनें और यदि कोई बच्चा नहीं बोल पा रहा हो तो उसे बोलने के लिए प्रेरित करें।

अनुभव पर चर्चा

20–25 मिनट

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- सभी बच्चों को एक गोल घेरे में बिठा लें ताकि वे एक-दूसरे को आसानी से देख सकें।
- आप सभी बच्चों को बताएँ कि आज हम सभी अपने पसंद के खेल के बारे में बातचीत करेंगे।
- बच्चों से आप उनके पसंदीदा खेल से जुड़े अनुभव सुनने से पहले उदाहरण के लिए अपने अनुभव बताएँ। जैसे-
  - आपको कौन-सा खेल पसंद है और क्यों?
  - यह खेल आप किसके साथ खेलते हैं? आदि।
- अनुभव सुनाने के दौरान यदि बच्चे अपनी ओर से नए बिन्दुओं को जोड़ते हैं, तो उनका प्रोत्साहन करें। सभी बच्चों को कम-से-कम 2 से 3 वाक्य बोलने के लिए प्रेरित करें।

लेखन कार्य

10–15 मिनट

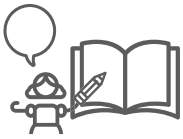

- सभी बच्चों को अपनी पसंद के किसी भी खेल या खेल सामग्री का चित्र बनाने के लिए कहें। यहाँ चित्र बनाने का उद्देश्य आढ़ी-टेढ़ी रेखाओं को खींचकर/बनाकर अपने मन की बात को अभिव्यक्त कर पाना है।
- बच्चों को उनके द्वारा बनाए गए चित्र को अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। इस दौरान आप घूम-घूम कर उनकी आपस की बातचीत को सुनें।
- फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों को सभी के साथ अपने चित्र पर बातचीत करने को कहें।
- बच्चों के द्वारा जैसा भी चित्र बनाया गया हो उसकी प्रशंसा करें। कक्षा की किसी दीवार पर बच्चों के कार्य को चिपका/लटका दें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में समान रूप से भाग लिया?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए तो उनकी पहचान कर लें और आगे की चर्चा/कार्य में उन्हें अधिक मौके देने का प्रयास करें।

अलग-अलग तरह की ध्वनियों की पहचान

कालांश ① ② ③ | डिकोडिंग | 40 मिनट

वाहनों की आवाज को पहचानना

तैयारी और सामग्री

- कागज की एक गेंद, कार्यपुस्तिका।
- साधारण वाहनों के नामों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के लिये बच्चों को उदाहरण सहित निर्देश दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के मौके दें और प्रोत्साहित करें।

ध्वनि जागरूकता

20–25 मिनट

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर, आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- बच्चों को बताएँ कि आप उनमें से किसी एक को एक गेंद देंगे और ताली बजाएँगे। जब तक ताली बजती रहेगी, तब तक बच्चे गेंद को अगले बच्चे की ओर बढ़ाते रहेंगे।
- आप जब ताली बजाना बंद करेंगे, उस समय गेंद जिस बच्चे के हाथ में होगी, आप उसे किसी वाहन का नाम देंगे। बच्चे को उस वाहन की आवाज निकालनी होगी। बाकी सभी बच्चे भी वो आवाज निकालेंगे।
- ध्यान दें कि आप जिन वाहनों के नामों का चयन करें, वे साधारण हों और ऐसे हों, जिनके बारे में बच्चे जानते हों। शुरुआत में आप भी 1–2 वाहनों की आवाज निकालकर बताएँ।
- इसी प्रकार इस प्रक्रिया को करते रहें जब तक कि सभी बच्चों को मौके न मिल जाएँ।
- अंत में सभी बच्चों से सामान्य बातचीत भी करें। जैसे–
  - बच्चों ने उस वाहन को कहाँ देखा है?
  - क्या उन्होंने इन वाहनों से कभी यात्रा की है और कब? आदि।

लेखन कार्य

10–15 मिनट

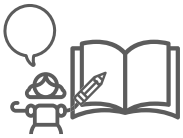

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ–3 पर कार्य करने को कहें।
- बच्चों को कार्यपुस्तिका पर कार्य करने से संबंधित निर्देश दें। हो सकता है कि आपको एक से अधिक बार भी निर्देश देने पड़ें।
- जब बच्चे कार्यपुस्तिका पर कार्य कर रहें हो तो कक्षा में घूम-घूम कर उनके कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।
- बच्चों द्वारा किए कार्य को दिखाने को कहें और उनकी प्रशंसा करें।

पाठ–3

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

साझा और लोगोग्राफिक पठन

कालांश ① ② ③ | पठन | 40 मिनट

बिग बुक से पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक– 'माँ और बच्चे'।
- बिग बुक की कहानी को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- साझा पठन के लिए सभी बच्चों को प्रोत्साहित करें।

बिग बुक से पठन

40 मिनट

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर, आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराव कुछ प्रश्नों को पूछकर करें। जैसे–

सुरीली के कितने बच्चे थे ?

सुरीली किसको पकड़ने के लिए दौड़ी ?

- फिर, आप कहानी को 1 बार आदर्श रूप से पूरे हाव-भाव, उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ पढ़ें। पढ़ते समय प्रत्येक पृष्ठ के शब्दों पर बाईं से दाईं ओर उँगली रखें।
- इसके बाद बच्चों को आपके साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगहों पर रुकें, जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराएँ।
- आप बच्चों से कहानी पर बातचीत करें और खुले छोर के प्रश्न पूछें। बातचीत के लिए प्रश्न कुछ इस तरह से हो सकते हैं। जैसे–

इस कहानी में आगे क्या हुआ होगा ?

आपको क्या लगता है सुरीली और मोनी दोस्त बन गए थे ?

- अंत में, पिछले दिन जो शब्द चार्ट पेपर पर आपने लिखे थे, बच्चों को उन्हें पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। आप इन शब्दों को बोर्ड पर भी लिख सकते हैं और कक्षा के 6-7 बच्चों से इन्हें पढ़ने को कह सकते हैं।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे आपके साथ-साथ पढ़ पा रहे थे ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 1
दिवस 4

बच्चों को एक-दूसरे की पसंद को जानने के मौके मिलना

कालांश 1 2 3 | मौखिक भाषा | 40 मिनट

गतिविधि: क्या-क्या अच्छा लगता है?

तैयारी और सामग्री

- कागज की गेंद।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

20–25 मिनट

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- सभी बच्चों को एक गोल घेरे में बिठा लें ताकि वे एक-दूसरे को आसानी से देख सकें।
- बच्चों को बताएँ कि जिसके पास भी कागज की गेंद होगी, उनको अपने मनपसंद खाने की चीज के बारे में बताना होगा और फिर गेंद अगले साथी की ओर बढ़ानी होगी।
- अपने मनपसंद खाने की चीज के बारे में बात करने के दौरान वे इन बिन्दुओं पर बात कर सकते हैं:
  - मनपसंद खाने की चीज का नाम
  - कब-कब और कहाँ खाते हैं?
  - कौन बनाता है?
  - किसके साथ मिलकर खाते हैं?
  - इसे बनाने का तरीका क्या है?
  - इससे जुड़ी कोई याद, आदि।
- गतिविधि की शुरुआत आप स्वयं से करें और अपने मनपसंद खाने की चीज के बारे में उपरोक्त बिन्दुओं पर बात करें। इससे बच्चों को पता चलेगा कि इस विषय पर वे क्या-क्या बोल सकते हैं।
- सभी बच्चों को बारी-बारी से अपनी बात कहने का मौका दें और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें अपनी बात कहने में सहायता करें।

लेखन कार्य

10–15 मिनट

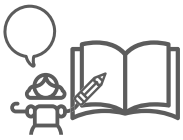

- सभी बच्चों को अपनी पसंद की किसी खाने की चीज का चित्र बनाने के लिए कहें।
- बच्चों को उनके द्वारा बनाए गए चित्र को अपने साथी को दिखाने को कहें और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। इस दौरान आप घूम-घूम कर उनकी आपस की बातचीत को सुनें।
- फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों को सभी के साथ अपने चित्र पर बातचीत करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे अपने मन की बात सहजता से कह पा रहे हैं?
- यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और उनसे अलग से थोड़ी बातचीत करें। आप समझने का प्रयास करें कि उन्हें क्या असुविधा हो रही है।

अलग-अलग तरह की ध्वनियों की पहचान

कालांश ① ② ③ | डिकोडिंग | 40 मिनट

गतिविधि - 'बोलो तुमने क्या देखा?'

तैयारी और सामग्री

- कागज की एक गेंद, कार्यपुस्तिका।
- तुकांत वाली छोटी-छोटी कविताओं का चयन कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के लिये बच्चों को उदाहरण सहित निर्देश दें।
- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के मौके दें और प्रोत्साहित करें।

ध्वनि जागरूकता — 20-25 मिनट

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी तुकांत वाली कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने- बैठने का मौका दें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर, आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- बच्चों को बताएँ कि आप उनमें से किसी एक को एक गेंद देंगे और ताली बजाएँगे। जब तक ताली बजती रहेगी, तब तक बच्चे गेंद को अगले बच्चे की ओर बढ़ाते रहेंगे।
- आप जब ताली बजाना बंद करेंगे, उस वक्त गेंद जिस बच्चे के हाथ में होगी, उसे आप बोलेंगे:

बोलो तुमने क्या देखा? बच्चे को किसी भी चीज (सजीव/निर्जीव) का नाम लेने को कहें। बच्चा जिस भी चीज का नाम लेगा, आप उसे उसकी आवाज निकालने को कहें। जैसे-

बोलो टेबल कैसे बोला?

- कक्षा के सभी बच्चों को इस आवाज को 2 बार दोहराने को कहें।
- इस गतिविधि को इसी तरह आगे बढ़ाएँ और यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को कम-से-कम एक मौका अवश्य मिले।

लेखन कार्य — 10-15 मिनट

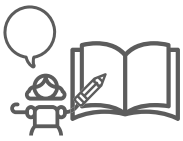

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-4 पर कार्य करने को कहें।
- बच्चों को कार्यपुस्तिका पर कार्य करने से संबंधित निर्देश दें। हो सकता है कि आपको एक से अधिक बार भी निर्देश देने पड़ें।
- जब बच्चे कार्यपुस्तिका पर कार्य कर रहें हो तो कक्षा में घूम-घूम कर उनके कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।
- बच्चों द्वारा किए कार्य को दिखाने को कहें और उनकी प्रशंसा करें।

पाठ- 4

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

बिग बुक से पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक– 'माँ और बच्चे'
- बिग बुक की कहानी को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- बच्चों द्वारा बिग बुक को पढ़ने की नकल करने के दौरान आप उनका प्रोत्साहन और प्रशंसा करें।

बिग बुक से पठन

40 मिनट

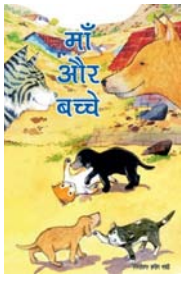

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर, आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराव कुछ प्रश्नों को पूछकर करें।
- फिर आप बच्चों को आपके साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगह पर रुकें, जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें। इस प्रक्रिया को 2–3 बार दोहराएँ।
- आप बच्चों से कहानी पर बातचीत करें और कुछ नए खुले छोर के प्रश्न पूछें।
- जिन कठिन/अपरिचित शब्दों पर आपने पिछले दिन कार्य किया था, उन पर आप फिर से बात करें। कुछ नए बच्चों को इन शब्दों से वाक्य बनाने का मौका दें।
- बाद में, कक्षा के 5–6 बच्चों को बुलाकर बिग बुक पढ़ने को कहें। यहाँ उद्देश्य बच्चों द्वारा सही-सही बिग बुक को पढ़ना नहीं है, बल्कि प्रिंट को समझ पाना, किताब को सही तरह से पलटना, बाएँ से दाएँ पढ़ने की नकल करना है। बच्चे अपने मन से कुछ भी पढ़ सकते हैं, उन्हें टोकें नहीं।
- अंत में, चार्ट पेपर पर लिखे हुए शब्द बच्चों से पढ़ने को कहें। कहानी के चयनित मुख्य शब्दों को बोर्ड पर लिखकर भी बच्चों से पढ़ने का अभ्यास करवा सकते हैं।
- कोशिश करें कि नए बच्चों को इस पर कार्य करने का मौका मिले।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे साझा पठन में हिस्सा ले पा रहे थे?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें, उनसे अलग से बात करें और समझने का प्रयास करें कि उन्हें क्या परेशानी हो रही है?

सामान्य निर्देशों को समझना

कालांश 1 2 3 | मौखिक भाषा | 40 मिनट

गतिविधि : 'जो मैं कहूँ'

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कहानी।
- कहानी का चयन पहले से कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे खेल गतिविधि में हिस्सा लें।

सामान्य निर्देशों को समझना

20–25 मिनट

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी कहानी से करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर, आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम 'जो मैं कहूँ' का खेल खेलेंगे। इस खेल में आप बच्चों को कुछ निर्देश देंगे और सभी को उसके अनुसार प्रतिक्रिया देना /कार्य करना होगा।
- आप बच्चों को निर्देश दें–

जब मैं 1 बोलूँ तो आपको अपने स्थान पर खड़े रहकर 1 ताली बजानी है। बच्चों को ऐसा करने के लिए थोड़ा समय दें।

- कुछ समय बाद आप बोलें:

जब मैं बोलूँ 2, तो आप अपनी जगह पर धीरे से कूदें।

- इसी तरह आप आगे नए-नए निर्देश जोड़ें और बच्चों को उसके अनुसार प्रतिक्रिया देने/क्रिया करने को कहें।
- अंत में, बच्चों से थोड़ी बातचीत करें कि उन्हें यह गतिविधि कैसी लगी। जो बच्चे प्राय: कम बोलते हैं, उन्हें बोलने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य

10–15 मिनट

- बच्चों को अपनी पसंद का कोई भी चित्र बनाने के लिए कहें।
- बच्चों को उनके द्वारा बनाए गए चित्र को अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। इस दौरान आप घूम-घूम कर उनकी आपस की बातचीत को सुनें।
- फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों को सभी के साथ अपने चित्र पर बातचीत करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे आपका निर्देश समझ पा रहे थे ?
- यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें। इन पर ध्यान दें और समझने का प्रयास करें कि उन्हें कोई परेशानी तो नहीं हो रही।

अलग-अलग तरह की ध्वनियों की पहचान

कालांश ① ② ③ | डिकोडिंग | 40 मिनट

गतिविधि : 'चली-चली'

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कहानी, कागज की गेंद, कार्यपुस्तिका।
- कहानी का चयन पहले से कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे खेल गतिविधि में हिस्सा लें।
- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के लिये बच्चों को उदाहरण सहित निर्देश दें।

ध्वनि जागरूकता

20–25 मिनट

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी स्थानीय कहानी से करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर, आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- बच्चों को बताएँ कि आप उनमें से किसी एक को एक गेंद देंगे और ताली बजाएँगे। जब तक ताली बजती रहेगी, तब तक बच्चे गेंद को अगले बच्चे की ओर बढ़ाते रहेंगे।
- आप जब ताली बजाना बंद करेंगे, उस वक्त गेंद जिस बच्चे के हाथ में होगी, उसे आप बोलेंगे:

"रेल चली, रेल चली" (बच्चे पीछे-पीछे दोहराएँगे- "रेल चली, रेल चली।")

- आप फिर बोलें-

"कैसे चली, कैसे चली?" (इसके बाद बच्चें को रेल की आवाज़ निकालते हुए कहना है, "छुक-छुक छुक-छुक")

- इसी प्रकार से आप अन्य/परिचित यातायात के साधनों का नाम बोलें और इस गतिविधि को आगे बढ़ाएँ।
- आगे आप मोटर, बाइक, बस, हवाई जहाज आदि की आवाज से इस अभ्यास को करवाएँ।

लेखन कार्य

10–15 मिनट

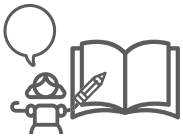

- सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के पाठ-5 पर कार्य करने को कहें।
- बच्चों को कार्यपुस्तिका पर कार्य करने से संबंधित निर्देश दें। हो सकता है कि आपको एक से अधिक बार भी निर्देश देने पड़ें।
- जब बच्चे कार्यपुस्तिका पर कार्य कर रहें हो तो कक्षा में घूम-घूम कर उनके कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।
- बच्चों द्वारा किए कार्य को दिखाने को कहें और उनकी प्रशंसा करें।

पाठ-5

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

शब्दों को आकृति के रूप में पढ़ना

कालांश ① ② ③ | पठन | 40 मिनट

गतिविधि : मेरा नाम

तैयारी और सामग्री

- चार्ट पेपर।
- एक चार्ट पेपर पर बच्चों के नाम बड़े-बड़े अक्षरों में लिखकर पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में हिस्सा लेने का मौका दें।
- सभी बच्चों को अपना नाम पहचानने के लिए मदद करें और प्रोत्साहन दें।

लोगोग्राफिक पठन

40 मिनट

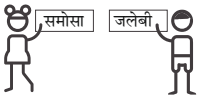

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर, आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- आप एक-एक कर सभी बच्चों का नाम बुलाएँ, और उन्हें खाने में क्या पसंद है, ऐसी किसी एक चीज़ का नाम बताने को कहें और क्यों पसंद है, उन्हें यह भी बोलने को कहें।
- इस दौरान आप बच्चों का नाम बोर्ड पर लिखें और उनके पसंदीदा खाने का चित्र बनाएँ।
- यह प्रक्रिया आप एक-एक कर सभी बच्चों के साथ करें।
- फिर, किसी भी बच्चे का नाम लें और उन्हें उनका नाम बोर्ड पर कहाँ लिखा है, यह पहचानने को कहें। यह प्रक्रिया सभी बच्चों के साथ किसी भी क्रम में करें।
- अंत में, जिस चार्ट पेपर पर आपने पहले से बच्चों का नाम लिखा है, उसे कक्षा में चिपका/लटका दें। इसे ऐसी जगह पर लगाएँ कि सभी बच्चे इसे देख सकें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 1
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3 | मौखिक भाषा | 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना

तैयारी और सामग्री

- कलरव–1 से पाठ–9 'बत्तख और चूजा'।
- कलरव–1 से पाठ–9 'बत्तख और चूजा' को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक–से–अधिक बच्चों से पूछे गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) के उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

कहानी सुनकर समझना

20–25 मिनट

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत पूरे हाव–भाव के साथ गाएँ। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- सभी बच्चों को एक गोल घेरे में बिठा लें ताकि वे एक–दूसरे को आसानी से देख सकें।
- कलरव–1 से पाठ–9 'बत्तख और चूजा' की कहानी को अपने शब्दों में बच्चों को सुनाएँ। आप अपनी तरफ से भी कहानी में कुछ पात्र या घटना जोड़ या घटा सकते हैं।
- आप बच्चों को पूरे हाव–भाव और आवाज में उतार–चढ़ाव के साथ स्थानीय भाषा में कहानी सुनाएँ। बीच–बीच में आप बच्चों से कहानी से संबंधित सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। जैसे–
  - अंडे में से क्या निकला?
  - 'बचाओ' कौन चिल्लाया? आदि
- इन प्रश्नों की संख्या पूरी कहानी में 3–4 ही रखें।
- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर वाले (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क, आधारित) प्रश्न भी पूछें। जैसे–
  - चूजा, बत्तख के बच्चे की नकल क्यों कर रहा था?
  - अगर तुम बत्तख के बच्चे की जगह होते और चूजा पानी में डूब रहा होता, तब तुम क्या करते? आदि।
- खुले छोर के प्रश्नों का उद्देश्य बच्चों के चिंतन कौशल को विकसित करना है, इसलिए बच्चों के जवाबों को सही और गलत में बाँटकर देखने से बचें और उनके हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

लेखन कार्य

10–15 मिनट

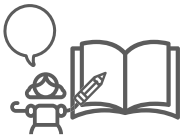

- इस कहानी के आधार पर बच्चों को कोई चित्र बनाने के लिए कहें।
- बच्चों को उनके द्वारा बनाए गए चित्र को अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। इस दौरान आप घूम–घूम कर उनकी आपस की बातचीत को सुनें।
- फिर, किन्हीं 3–4 बच्चों को सभी के साथ अपने चित्र पर बातचीत करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे सहजता से चर्चा में भाग ले पा रहे थे?
- यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है?

अलग-अलग तरह की ध्वनियों की पहचान

कालांश ① ② ③ | डिकोडिंग | 40 मिनट

गतिविधि : 'सुनो-सुनो अब ये बताओ'

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कहानी, कागज की गेंद, कार्यपुस्तिका।
- कहानी का चयन पहले से कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर सभी बच्चों के कार्य का अवलोकन करें।
- अगर सुधार के बिन्दु हों तो उन पर सकारात्मक रूप से सुझाव दें और उनका प्रोत्साहन करें।

ध्वनि जागरूकता — 20-25 मिनट

- कालांश की शुरुआत आप किसी कहानी को स्थानीय/बच्चों की भाषा में सुनाकर करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर, आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- बच्चों को बताएँ कि आप उनमें से किसी एक को एक गेंद देंगे और ताली बजाएँगे। जब तक ताली बजती रहेगी, तब तक बच्चे गेंद को अगले बच्चे की ओर बढ़ाते रहेंगे।
- आप जब ताली बजाना बंद करेंगे, उस समय गेंद जिस बच्चे के हाथ में होगी, उसे आप बोलेंगे- ''सुनो सुनो अब ये बताओ, चीं-चीं-चीं-चीं कौन है करता?'' (बच्चे बोलेंगे- ''चीं-चीं-चीं-चीं चिड़िया करती।'')
- आप बच्चों को 1-2 उदाहरण द्वारा समझाएँ कि उन्हें कैसे जवाब देना है।
- आप अलग-अलग चीजों (सजीव/निर्जीव) द्वारा इस गतिविधि को आगे बढ़ाएँ। जैसे- टर्र-टर्र-टर्र-टर्र, खटपट-खटपट, चर-चर-चर-चर, आदि।
- इस गतिविधि के लिए आप किसी भी आवाज को केन्द्र में रखकर कार्य कर सकते हैं और बच्चे भी अपनी कल्पना से किसी भी चीज (सजीव/निर्जीव) का नाम ले सकते हैं।
- आप इस सप्ताह के गृहकार्य को करने के निर्देश उदाहरण सहित बच्चों को दें।

लेखन कार्य — 10-15 मिनट

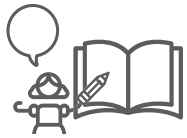

- सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के पाठ-6 पर कार्य करने को कहें।
- बच्चों को कार्यपुस्तिका पर कार्य करने से संबंधित निर्देश दें। हो सकता है कि आपको एक से अधिक बार भी निर्देश देने पड़ें।
- जब बच्चे कार्यपुस्तिका पर कार्य कर रहें हो तो कक्षा में घूम-घूम कर उनके कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।
- बच्चों द्वारा किए कार्य को दिखाने को कहें और उनकी प्रशंसा करें।

पाठ-6

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। सप्ताह भर के कार्य को देखें और उन्हें हो रही असुविधा को समझने और उन्हें आवश्यक सहायता देने की योजना बनाएँ।

शब्दों को आकृति के रूप में पढ़ना

कालांश ① ② ③ | पठन | 40 मिनट

गतिविधि : मेरा नाम

तैयारी और सामग्री

- कागज, मार्कर।
- कागज की बहुत सारी स्ट्रिप बनाएँ, हर स्ट्रिप पर अलग-अलग बच्चों के नाम मोटे-मोटे अक्षरों में लिखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में हिस्सा लेने का मौका दें।
- सभी बच्चों को अपना नाम पहचानने में सहायता करें और प्रोत्साहन दें।

कक्षा-कक्ष के संसाधन की पहचान

40 मिनट

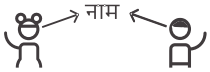

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर, आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- आप जमीन पर उन कागज की स्ट्रिप को फैला दें, जिन पर बच्चों के नाम लिखे हैं।
- अब आप एक-एक कर सभी बच्चों का नाम बुलाएँ और उन्हें अपने नाम वाली स्ट्रिप को ढूँढने को कहें और साथ ही अपने किसी दोस्त का नाम बताने को कहें। इस दौरान सभी बच्चों को एक-दूसरे की बात सुनने को कहें।
- यदि बच्चों को अपने नाम के स्ट्रिप को ढूँढने में परेशानी हो रही है तो उनकी सहायता करें।
- आप बच्चों से अपनी स्ट्रिप अपने साथ लेकर अपने स्थान पर बैठने को कहें।
- अंत में, सभी बच्चों को अपना चित्र अपनी कॉपी में बनाने को कहें और स्ट्रिप से देखकर अपना नाम भी लिखने को कहें।
- यहाँ बच्चे किसी भी तरह से (आढ़े-टेढ़े) लिख सकते हैं। बच्चों ने जो भी चित्र बनाया हो और जैसे भी अपना नाम लिखा है, उसे स्वीकार करें और उनका प्रोत्साहन करें।
- आप बच्चों को अपने नाम की स्ट्रिप अपने साथ घर पर ले जाने के लिये दे सकते हैं।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे अपना नाम पहचान पाए थे ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले 1-2 दिन में उन्हें अपने नाम की पहचान करने के मौके देने का प्रयास करें।

कक्षा में बोलने या अपनी बात कहने के सलीके को समझना

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- अखबार, पेंट/रंग, इंक (स्याही), स्टैम्प, चार्ट पेपर पर पेड़ की आकृति बनी हुई।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को अपनी बात कहने के मौके दें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चे अपने कपड़ों और कक्षा को गंदा न करें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- गतिविधि की शुरुआत किसी कविता/ बालगीत/कहानी या खेल गतिविधि से करें। इस पर बच्चों के साथ 5-7 मिनट तक कार्य करें।
- बच्चों को घेरे में आराम से बिठा लें।
- बच्चों से अनौपचारिक तौर पर चर्चा करें कि जब हम सब साथ में काम करते हैं तो क्या कर सकते हैं, जिससे सभी की बातों को बराबर रूप से सुना जाए, सुरक्षित तरीके से कक्षा में व्यवहार किया जाए और किसी भी दूसरे को हमारी बातों से बुरा ना लगे। सारी बातचीत इन तीनों बातों के इर्द-गिर्द बुनी जाए। बच्चों को अपने पीछे-पीछे निम्नलिखित वादों को दोहराने के लिए कहें:-
  - मैं वादा करता/करती हूँ कि जब दूसरे बोल रहे होंगे तो मैं ध्यान से सुनूँगा/सुनुँगी।
  - मैं वादा करता/करती हूँ कि किसी भी गतिविधि के दौरान मैं अपनी बारी आने का इंतजार करूँगा/करूँगी।
  - मैं वादा करता/करती हूँ कि जब मुझे कुछ बोलना होगा तो पहले मैं अपना हाथ उठाऊँगा/उठाऊँगी।
- अब बच्चों से अपने वादों की निशानी के रूप में पेड़ पर बारी-बारी से अपने अँगूठे के छाप बनाने को कहें।
- बच्चों को पेंट/इंक स्टैम्प में अपने अँगूठों को डुबोकर/डालकर उन्हें पेड़ की आकृति वाले चार्ट पर छाप बनाने में सहायता दें। थोड़ी ही देर में उनके फिंगर प्रिंट्स पेड़ की पत्तियों जैसे दिखने लगेंगे। चार्ट को कक्षा में चिपका/लटका दें।
- इस गतिविधि में आप भी हिस्सा लें और पेड़ पर अपने वादों की छाप छोड़ें। आप वो वादा करें, जो आप निभाएँगे।
- जब भी बच्चे इन वादों से हटकर कार्य करें, तो उन्हें अपने द्वारा किए गए वादों को याद कराते हुए, सुरक्षित एवं सौम्य तरीके से व्यवहार करने के लिए प्रेरित करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से उनकी पसंद का एक चित्र बनाने को कहें।
- बच्चों से उनके द्वारा बनाए गए चित्र को अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। इस दौरान आप घूम-घूम कर उनकी आपस की बातचीत को सुनें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचानकर अगले कालांश में उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 2
दिवस 1

तुकांत शब्दों पर कार्य

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविताएँ (तुकबंदी वाली, जैसे: मछली जल की रानी है।)
- कविताओं में आ रहे तुकबंदी वाले शब्दों की सूची पहले से तैयार कर लें।
- आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका-1 (2020-21)

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- शब्दों को धीरे-धीरे और स्पष्ट रूप से उच्चारित करें।
- बच्चों को तुकांत शब्द बनाने के भरपूर मौके दें।

तुकांत शब्द पहचानना एवं बनाना

- कालांश की शुरुआत आप चलने-फिरने/ उठने-बैठने से संबंधित किसी खेल गतिविधि से करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- बच्चों को एक छोटी-सी स्थानीय एवं प्रचलित कविता (4-6 पंक्ति) पूरे हाव-भाव और उतार-चढ़ाव के साथ सुनाएँ और उनका ध्यान कविता में आ रहे मिलते जुलते शब्दों/तुकांत शब्दों (जैसे: रानी-पानी) पर केन्द्रित करें।
- इसी प्रकार से आप 3-4 और छोटी-छोटी कविताएँ आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका, कक्षा-1, पाठ-25 से ले सकते हैं। आप इन कविताओं में से एक-एक कर कुछ शब्द बोलें और बच्चों को कविता से ही इसके तुकांत शब्दों की पहचान कर बताने को कहें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-7 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ -7

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका पर पूरी तरह से कार्य किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

प्रिंट से परिचय

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'मुर्गी के तीन चूजे'।
- बिग बुक से कहानी पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को कहानी के चित्र दिख रहे हों।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- बिग बुक का मुख्य पृष्ठ सभी बच्चों को दिखाएँ और मुख्य पृष्ठ में दिख रहे चित्र और कहानी के शीर्षक के बारे में बातचीत एवं अनुमान लगाने को कहें।
- बिग बुक के सभी पृष्ठों को एक-एक करके पलटते जाएँ और बच्चों से पृष्ठों पर बने चित्रों के आधार पर कहानी का अनुमान लगाने को कहें।
- अंत में, बच्चों द्वारा चित्रों की मदद से जो अनुमान लगाए गए थे, उन पर बातचीत करें।
- कहानी से कुछ चयनित शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें पढ़ने का अभ्यास कराएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी समझी है?
- यदि नहीं, तो उनकी पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 2
दिवस 2

चित्र के बारे में अपनी भाषा में बात करना

कालांश 1 2 3 | मौखिक भाषा | 40 मिनट

चित्र पर चर्चा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता, चित्र चार्ट: खेत।
- चित्र चार्ट को पहले से देखकर समझना और चर्चा के लिए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है, जो अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

चित्र पर चर्चा (चित्र चार्ट खेत)

20–25 मिनट

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- इसके बाद आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न पूछें। जैसे:
  - यह चित्र कहाँ का है?
  - चित्र में क्या हो रहा है?
- आप ऐसे 8–10 सवाल पूछ सकते हैं और हर प्रश्न पर 3–4 बच्चों की प्रतिक्रियाएँ ले सकते हैं। आप यह भी सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को कम-से-कम 2 बार बोलने के मौके अवश्य मिलें।
- आप प्रश्न पूछें और बच्चों को जोड़ों में उस प्रश्न पर बातचीत करने के लिए कहें। आप बच्चों को यह निर्देश दें कि जोड़ों में दोनों ही बच्चों को (प्रश्न का उत्तर) क्या लगता है, इस पर बात करनी है।
- जब बच्चों ने जोड़ों में बात कर ली हो, तब आप किन्हीं 2–3 बच्चों को अपना उत्तर सभी के साथ साझा करने के लिए कहें।
- कोशिश करें कि हर बच्चे को 1–2 बार पूरी कक्षा में अपने उत्तर को साझा करने के मौके मिले हों।

लेखन कार्य

10–15 मिनट

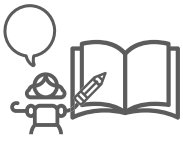

- आप बच्चों से चित्र चार्ट पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें।
- बच्चों से उनके द्वारा बनाए गए चित्र को अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। इस दौरान आप घूम-घूम कर उनकी आपस की बातचीत को सुनें।
- फिर, किन्हीं 3–4 बच्चों को सभी के साथ अपने चित्र पर बातचीत करने को कहें।
- बच्चों के द्वारा जैसा भी चित्र बनाया गया हो, उसकी प्रशंसा करें। कक्षा की किसी दीवार में बच्चों के कार्य को लटका/चिपका दें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में समान रूप से भाग लिया?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस चर्चा में प्रतिभाग नहीं कर पाए तो उनकी पहचान कर लें। उन्हें हो रही परेशानी को समझने और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करने की योजना बनाएँ।

सप्ताह 2
दिवस 2

तुकांत शब्दों पर कार्य

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविताएँ (तुकबंदी वाली, जैसे: हरा समंदर गोपी चंदर)
- तुकबंदी वाले शब्दों की सूची पहले से तैयार कर लें।
- आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका-1 (2020-21)

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- शब्दों का धीरे-धीरे और स्पष्ट रूप से उच्चारण करें।
- बच्चों को तुकांत शब्द बनाने के भरपूर मौके दें।

तुकांत शब्दों को पहचानना एवं बनाना

- कालांश की शुरुआत आप चलने-फिरने/ उठने-बैठने से संबंधित किसी खेल गतिविधि से करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- बच्चों को एक छोटी-सी स्थानीय एवं प्रचलित कविता (4-6 पंक्ति) को पूरे हाव-भाव और उतार-चढ़ाव के साथ सुनाएँ और उनका ध्यान कविता में आ रहे मिलते-जुलते शब्दों/तुकांत शब्दों (जैसे- समंदर-चंदर) पर केन्द्रित करें।
- आप कविता की लाइनों में अलग-अलग तुकांत शब्द रखकर, कविता के लिए नई लाइनें भी बनवा सकते हैं। जैसे- हरा समंदर की जगह, बच्चे अगली बार भरा समंदर बोलें।
- इसी प्रकार से आप 3-4 और छोटी-छोटी कविताएँ आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका, कक्षा-1, पाठ-25 से ले सकते हैं। आप इन कविताओं में से एक-एक कर कुछ शब्द बोलें और बच्चों को कविता से ही इसके तुकांत शब्दों की पहचान करके बताने को कहें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-8 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-8

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका में पूरी तरह से कार्य किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

आदर्श वाचन एवं लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'मुर्गी के तीन चूजे'।
- बिग बुक से कहानी पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को कहानी के चित्र दिख रहे हों।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने / उठने-बैठने का मौका दें।
- कल हुई चर्चा का दोहराव कुछ प्रश्नों को पूछकर और सरल चर्चा के द्वारा करें और फिर कहानी को 1 बार आदर्श रूप से पढ़ें।
- इसके बाद बच्चों को आपके साथ-साथ साझा पठन करते हुए कहानी को 2-3 बार पढ़ने को कहें।
- आप बच्चों से कहानी पर थोड़ी और बातचीत करें और खुले छोर के प्रश्न पूछें।
- अंत में, पिछले दिन जो शब्द चार्ट पेपर पर आपने लिखे थे, बच्चों को उन्हें पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे आपके साथ-साथ पढ़ पा रहे थे?
- यदि नहीं, तो उनकी पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 2
दिवस 3

चित्र के बारे में अपनी भाषा में बात करना

कालांश 1 2 3 | मौखिक भाषा | 40 मिनट

चित्र पर चर्चा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता, चित्र चार्ट: खेत।
- चित्र चार्ट को पहले से देखकर समझना और चर्चा के लिए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है, जो अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

चित्र पर चर्चा (चित्र चार्ट खेत)

20–25 मिनट

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- सभी बच्चों को एक गोल घेरे में बिठा लें ताकि वे एक-दूसरे को आसानी से देख सकें। पिछले दिन की गई चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और कुछ खुले छोर के प्रश्न पूछें।
- चित्र चार्ट पर दूसरे दिन कार्य करने के दौरान आप यह सुनिश्चित करें कि आप अधिक-से-अधिक खुले छोर के प्रश्न पूछ रहे हैं।
- आप प्रश्न पूछें और बच्चों को जोड़ों में उस प्रश्न पर बातचीत करने के लिए कहें। आप बच्चों को यह निर्देश दें कि जोड़ों में दोनों ही बच्चों को (प्रश्न का उत्तर) क्या लगता है, इस पर बात करनी है।
- जब बच्चों ने जोड़ों में बात कर ली हो, तब आप किन्हीं 2-3 बच्चों को अपना उत्तर सभी के साथ साझा करने के लिए कहें।
- कोशिश करें कि हर बच्चे को 1-2 बार पूरी कक्षा में अपने उत्तर को साझा करने के मौके मिले हों।

लेखन कार्य

10–15 मिनट

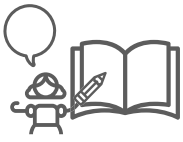

- आप बच्चों से चित्र चार्ट पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें।
- बच्चों से उनके द्वारा बनाए गए चित्र को अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। इस दौरान आप घूम-घूम कर उनकी आपस की बातचीत को सुनें।
- फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों को सभी के साथ अपने चित्र पर बातचीत करने को कहें।
- बच्चों के द्वारा जैसा भी चित्र बनाया गया हो उसकी प्रशंसा करें। कक्षा की किसी दीवार में बच्चों के कार्य को लटका/चिपका दें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में समान रूप से भाग लिया?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस चर्चा में प्रतिभाग नहीं कर पाए तो उनकी पहचान कर लें। उन्हें हो रही परेशानी को समझने और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करने की योजना बनाएँ।

सप्ताह 2
दिवस 3

तुकांत शब्दों पर कार्य

कालांश ① ② ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कागज की गेंद।
- तुकबंदी वाले शब्दों की सूची पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- शब्दों का धीरे-धीरे और स्पष्ट रूप से उच्चारण करें।
- बच्चों को तुकांत शब्द बनाने के भरपूर मौके दें।

गतिविधि: बोलो-बोलो, कौन है मिलता?

- कालांश की शुरुआत आप चलने-फिरने/ उठने-बैठने से संबंधित किसी खेल गतिविधि से करें।
- सभी बच्चों को गोल घेरे में बिठाएँ और बताएँ कि आप उनमें से किसी एक बच्चे को एक गेंद देंगे और ताली बजाएँगे। जब तक ताली बजती रहेगी, तब तक बच्चे गेंद को अगले बच्चे की ओर बढ़ाते रहेंगे।
- आप जब ताली बजाना बंद करेंगे, उस वक्त गेंद जिस बच्चे के हाथ में होगी, उसे आप बोलेंगे: बोलो-बोलो कौन है मिलता, गुब्बारे से कौन है मिलता? बच्चे को गुब्बारे से कोई भी मिलता-जुलता शब्द (अर्थपूर्ण या अर्थहीन) बनाने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप 1-2 उदाहरण भी दे सकते हैं।
- हर एक शब्द पर 2-3 बच्चों से प्रतिक्रिया लें और इस गतिविधि को 20-30 शब्दों के साथ करवाएँ। यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को कम से कम 2-3 बार बोलने का मौका मिले।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-9 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-9

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका पर पूरी तरह से कार्य किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचानकर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

साझा और लोगोग्राफिक पठन

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'मुर्गी के तीन चूजे'।
- बिग बुक से कहानी पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को कहानी के चित्र दिख रहे हों।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- कल हुई चर्चा का दोहराव कुछ प्रश्नों को पूछकर और सरल चर्चा के द्वारा करें और फिर कहानी को 1 बार आदर्श रूप से पढ़ें।
- इसके बाद बच्चों को आपके साथ-साथ साझा पठन करते हुए कहानी को 2-3 बार पढ़ने को कहें।
- आप बच्चों से कहानी पर थोड़ी और बातचीत करें और खुले छोर के प्रश्न पूछें।
- अंत में, पिछले दिन जो शब्द चार्ट पेपर में आपने लिखे थे, बच्चों को उन्हें पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे आपके साथ-साथ पढ़ पा रहे थे?
- यदि नहीं, तो उनकी पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 2
दिवस 4

मौखिक शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- झोला/बैग, कक्षा-कक्ष में उपलब्ध अलग- अलग सामग्री।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।

गतिविधि: झोले में वस्तुएँ निकालकर उसके बारे में बताना

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप किसी झोले/बैग से अलग-अलग वस्तुएँ डाल लें। ये आस-पास, कक्षा में या घर में उपलब्ध वस्तुएँ हो सकती हैं। जैसे- गिलास, पेन, मोबाइल, पेंसिल, शार्पनर, किताब, कोई उपलब्ध सब्जी आदि। झोले में कम-से-कम उतनी वस्तुएँ हों, जितनी कक्षा में उपस्थित बच्चों की संख्या हो।
- अब एक-एक बच्चे को बुलाएँ और उनसे झोले में से एक वस्तु निकालने को कहें। फिर वह बच्चा उस वस्तु के बारे में 2-3 वाक्य बोलेगा। ये वाक्य उस वस्तु के बारे में हो सकते हैं, उससे जुड़े हुए उनके या किसी और के अनुभवों के बारे में हो सकते हैं।

लेखन कार्य

- हर बच्चे ने जो भी वस्तु निकाली हो, उसका चित्र बनाने को कहें और उसके बारे में कक्षा में सभी को बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर अगले कालांश में उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

तुकांत शब्दों पर कार्य

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कागज की गेंद, कार्यपुस्तिका।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चो को आपस में मिलकर कार्य करने के मौके दें और प्रोत्साहित करें।
- गतिविधि के अंत तक यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को कम-से-कम 1-2 बार बोलने का मौका मिले।

गतिविधि: मेरे जैसा किसका नाम?

- कालांश की शुरुआत आप चलने-फिरने/ उठने-बैठने से संबंधित किसी खेल गतिविधि से करें।
- सभी बच्चों को गोल घेरे में बिठा लें और बताएँ कि यदि मैं बोलूँ-
- मेरा नाम मोहन, मेरे जैसा किसका नाम? (उदाहरण- कक्षा में इस नाम से मिलता-जुलता किसी बच्चे का नाम होगा तो उसे हाथ उठाकर कहना होगा: 'मेरा नाम सोहन, आपके जैसा मेरा नाम।')
- अब आप कागज़ की गेंद को बच्चों के बीच घुमाएँ और ताली बजाएँ। जब तक ताली बजती रहेगी, तब तक बच्चे गेंद को अगले बच्चे की ओर बढ़ाते रहेंगे। जब ताली बजाना बंद करेंगे, उस समय गेंद जिस बच्चे के हाथ में होगी, उसे कहना होगा, (उदाहरण): 'मेरा नाम रीना, मेरे जैसा किसका नाम?' प्रक्रिया के अनुसार गतिविधि को आगे बढ़ाएँ।
- यदि किसी नाम से मिलता-जुलता नाम कक्षा के किसी बच्चे का न हो तो उन्हें किसी दूसरे मिलते-जुलते नाम (अर्थपूर्ण या अर्थहीन) को बताने को कहें।

सप्ताह 2
दिवस 4

तुकांत शब्दों पर चर्चा

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-10 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-10

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका पर पूरी तरह से कार्य किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

साझा पठन और पढ़ने का अभिनय

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'मुर्गी के तीन चूजे'।
- बिग बुक से कहानी पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को कहानी के चित्र दिख रहे हों।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- कल हुई चर्चा का दोहराव कुछ प्रश्नों को पूछकर करें और फिर बच्चों को 2-3 बार साझा पठन द्वारा कहानी पढ़ने को कहें।
- आप बच्चों से कहानी पर बातचीत करें और कुछ नए खुले छोर के प्रश्न पूछें।
- जिन कठिन/अपरिचित शब्दों पर आपने पिछले दिन कार्य किया था, उन पर कुछ नए बच्चों को इन शब्दों से वाक्य बनाने का मौका दें।
- बाद में, कक्षा के 5-6 बच्चों को बुलाकर बिग बुक पढ़ने को कहें।
- अंत में, चार्ट पेपर/बोर्ड पर लिखे हुए शब्दों को बच्चों को पढ़ने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे साझा पठन में हिस्सा ले पा रहे थे?
- यदि नहीं, तो उनकी पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3 | मौखिक भाषा | 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कहानी : कछुआ और खरगोश।
- चर्चा के लिए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है, जो अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

मौखिक कहानी सुनाना

20–25 मिनट

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- स्थानीय कहानी 'कछुआ और खरगोश' को अपने शब्दों में स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें, जैसे-
  - रेस कौन जीता ?
  - खरगोश रेस क्यों हार गया ?
- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों ?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें, जैसे-
  - यदि अगली बार फिर से रेस होगी तो कौन जीतेगा और क्यों ?
- खुले छोर के प्रश्नों का उद्देश्य बच्चों के चिंतन कौशल को विकसित करना है, इसलिए बच्चों के जवाबों को सही और गलत में बाँटकर देखने से बचें और उनके हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

लेखन कार्य

10–15 मिनट

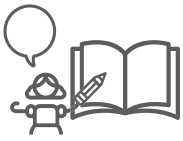

- बच्चों से इस कहानी के आधार पर कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।
- फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों को सभी के साथ अपने चित्र पर बातचीत करने को कहें।
- बच्चों के द्वारा जैसा भी चित्र बनाया गया हो, उसकी प्रशंसा करें। कक्षा की किसी दीवार में बच्चों के कार्य को लटका/चिपका दें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में समान रूप से भाग लिया ?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस चर्चा में प्रतिभाग नहीं कर पाए तो उनकी पहचान कर लें। उन्हें हो रही परेशानी को समझने और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करने की योजना बनाएँ।

तुकांत शब्दों पर कार्य

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में हिस्सा लेने के मौके दें।

गतिविधि: लड़ी बनाओ

- कालांश की शुरुआत छोटी तुकांत वाली कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने / उठने-बैठने का मौका दें।
- बच्चों को छोटे-छोटे समूह में (5-10 बच्चे) बाँटें और बच्चों को निर्देश दें कि हर समूह से एक-एक बच्चा बारी-बारी से आएगा और एक शब्द बोलेगा। सभी समूहों के बच्चों को अपने-अपने समूहों में इस शब्द से मिलते-जुलते शब्द बोलने हैं। आप इसके लिए बच्चों को एक उदाहरण भी दे सकते हैं।
- किसी बच्चे द्वारा एक शब्द बोलने के बाद आप बच्चों को समूह कार्य के लिए 1-2 मिनट दें। इस दौरान आप बारी-बारी से समूह कार्य का अवलोकन भी करें। अगर किसी समूह या कुछ बच्चों को सहायता की आवश्यकता हो, तो आप उनकी सहायता भी करें।
- बच्चों के समूहों के द्वारा बनाए गए शब्दों को बताने को कहें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-11 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-11

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर अगले कालांश में उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 2
दिवस 5

शब्दों को आकृति के रूप में पढ़ना

कालांश ① ② ③   पठन   40 मिनट

मेरी कक्षा

तैयारी और सामग्री

- चार्ट पेपर।
- एक चार्ट पेपर पर कक्षा-कक्ष के सामान्य संसाधन के नाम को बड़े-बड़े अक्षरों में लिखकर तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में हिस्सा लेने के मौके दें।
- सभी बच्चों को कक्षा के संसाधनों के नाम पहचानने में सहायता करें और प्रोत्साहन दें।

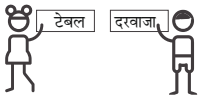

लोगोग्राफिक पठन

40 मिनट

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर, आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- आप एक-एक कर कक्षा में 10-15 बच्चों का नाम बुलाएँ और उन्हें कक्षा में क्या-क्या दिख रहा है, जैसे (बोर्ड, टेबल, कुर्सी, दरवाज़ा आदि) का नाम बोलने को कहें।
- इस दौरान आप बच्चों ने जिन चीज़ों के नाम बोले हैं, उन्हें बोर्ड पर लिखें।
- फिर, किसी भी बच्चे का नाम लें और उसे बोर्ड पर लिखें। कक्षा-कक्ष के संसाधनों के नाम में से किसी भी एक चीज़ का नाम बोलें और वह बोर्ड पर कहाँ लिखा है, उसे पहचानने को कहें। यह प्रक्रिया सभी बच्चों के साथ किसी भी क्रम में करें।
- अंत में, जिस चार्ट पेपर पर आपने कक्षा-कक्ष के सामान्य संसाधनों के नाम को लिखा है, उसे कक्षा में चिपका/लटका दें। इसे ऐसी जगह पर लगाएँ कि सभी बच्चे इसे देख सकें। आप खाली समय में बच्चों को इस चार्ट पेपर पर लिखे नामों की पहचान करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे कक्षा-कक्ष के संसाधन के नामों को पहचान पाए थे?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले 1-2 दिन में उन्हें इन नामों को पहचान करने के मौके देने का प्रयास करें।

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3 | मौखिक भाषा | 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना

तैयारी और सामग्री

- कहानी: 'अनोखी दोस्ती', आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका-1 (2020-21)
- चर्चा के लिए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है, जो अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

मौखिक कहानी सुनाना

20-25 मिनट

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों में/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न पूछें।
- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें। खुले छोर के प्रश्नों का उद्देश्य बच्चों के चिंतन कौशल को विकसित करना है, इसलिए बच्चों के जवाबों को सही और गलत में बाँटकर देखने से बचें और उनके हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

लेखन कार्य

10-15 मिनट

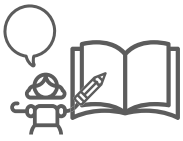

- इस कहानी के आधार पर बच्चों से कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।
- फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों को सभी के साथ अपने चित्र पर बातचीत करने को कहें।
- बच्चों के द्वारा जैसा भी चित्र बनाया गया हो उसकी प्रशंसा करें। कक्षा की किसी दीवार में बच्चों के कार्य को लटका/चिपका दें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में समान रूप से भाग लिया?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए तो उनकी पहचान कर लें। उन्हें हो रही परेशानी को समझने और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करने की योजना बनाएँ।

तुकांत शब्दों पर कार्य

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के मौके दें और प्रोत्साहित करें।
- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के लिए बच्चों को स्पष्ट निर्देश उदाहरण सहित दें।

तुकांत शब्दों को पहचानना एवं बनाना

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी तुकांत वाली कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- दिवस 1 से 5 तक में की गई किसी भी गतिविधि को बच्चों के साथ फिर करवाएँ। आप अपने मन से भी तुकांत शब्दों को केंद्र में रखकर कोई गतिविधि करवा सकते हैं।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-12 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।
- इसके पश्चात् आप इस सप्ताह के गृहकार्य को करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

पाठ-12

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचानकर उन्हें कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

शब्दों को आकृति के रूप में पढ़ना

कालांश ① ② ③ | पठन | 40 मिनट

मेरी कक्षा

तैयारी और सामग्री

- कागज, मार्कर।
- कागज की बहुत सारे स्ट्रिप बनाएँ, हर स्ट्रिप पर कक्षा-कक्ष के सामान्य संसाधनों के नाम को बड़े-बड़े अक्षरों में लिखकर पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में हिस्सा लेने के मौके दें।
- सभी बच्चों को कक्षा के संसाधनों के नाम पहचानने में सहायता करें और प्रोत्साहन दें।

लोगोग्राफिक पठन

40 मिनट

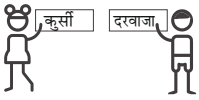

- कालांश की शुरुआत आप किसी छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर, आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- आप जमीन पर उन कागज की स्ट्रिप को फैला दें, जिन पर कक्षा-कक्ष के संसाधनों के नाम लिखे हैं।
- अब आप एक-एक कर सभी बच्चों के नाम बुलाएँ और उन्हें कोई भी एक स्ट्रिप उठाने को कहें और उसमें हुए लिखे हुए नाम को पहचानने के लिये कहें।
- अगर बच्चों को स्ट्रिप पर लिखे हुए नाम को पढ़ने में परेशानी हो रही हो तो उनकी सहायता करें।
- अंत में, सभी बच्चों को कक्षा-कक्ष में उपलब्ध किन्हीं 3 चीजों का चित्र बनाने को कहें और दीवार पर चिपके/लटके इनके नामों को पहचानकर, इन्हें लिखने की नकल करने को कहें।
- यहाँ बच्चे किसी भी तरह से (आढ़े-टेढ़े) लिख सकते हैं। बच्चों ने जो भी चित्र बनाया हो और जैसे भी लिखा है, उसे स्वीकार करें और उनका प्रोत्साहन करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे कक्षा-कक्ष के संसाधन के नामों को पहचान पाए थे?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले 1-2 दिन में उन्हें इन नामों को पहचान करने के मौके देने का प्रयास करें।

सप्ताह 3
दिवस 1

मौखिक शब्दावली विकास

कालांश **1** 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- हाथी- कविता पोस्टर।
- कविता पोस्टर से कविता पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- जब बच्चे कविता सुना रहे हों तो उनकी कमियाँ ना बताते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

कविता पोस्टर पर कार्य

- कालांश की शुरुआत आप चलने-फिरने/ उठने-बैठने से संबंधित किसी खेल गतिविधि से करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- अब आप बच्चों को कविता पोस्टर दिखाते हुए कविता के शीर्षक का अनुमान लगाने और चित्रों के माध्यम से कविता के बारे में अनुमान लगाने के लिए कहें।
- अब आप बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 2-3 बार सुनाएँ। इसके बाद कविता पोस्टर दिखाते हुए, कविता के प्रत्येक शब्द पर उँगली रखते हुए पढ़ें।
- अब आप कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव के साथ 1-2 बार गाएँ।
- इसके बाद कविता के बारे में उनकी राय पूछें। उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों अच्छा लगा ?
- इसके बाद कक्षा के 1-2 बच्चों से कविता सुनाने को कहें।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें। बच्चों के हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

लेखन कार्य

- बच्चों को कविता से संबंधित कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। बच्चों द्वारा बनाया गया चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया ?
- जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

वाक्यों में शब्दों को पहचानना

कालांश 1 **2** 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कविता-हुआ सबेरा: कलरव-1 पाठ-4
- आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका-1 (2020-21)

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- शब्दों को धीरे-धीरे और स्पष्ट रूप से उच्चारण करें।

शब्दावली विकास

- कालांश की शुरुआत आप चलने-फिरने/ उठने-बैठने से संबंधित किसी खेल गतिविधि से करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- इसके बाद किताब को इस तरह से पकड़ें कि सभी बच्चे कविता को देख सकें। सभी बच्चों को कविता दिखाते हुए कविता की लाइनों के प्रत्येक शब्द पर उँगली रखते हुए कविता का 2 बार आदर्श वाचन करें और फिर साझा पठन करवाएँ, ताकि बच्चों को कविता के शब्द याद हो जाएँ।
- अब बच्चों से किसी वाक्यों में आए हुए शब्दों के बारे में पूछें, जैसे- कविता की पहली लाईन में (कविता की लाईन दिखाते हुए) कितने शब्द हैं? इसमें पहला शब्द और अंतिम शब्द कौन-सा है?
- इसी प्रकार से आप 3-4 और छोटी-छोटी कविताएँ आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका, कक्षा-1, पाठ-25 से ले सकते हैं। आप इन कविताओं में से एक-एक कर कुछ शब्द बोलें और बच्चों को कविता की लाइनों में उन्हें खोजकर पढ़ने के लिए कहें।

सप्ताह 3
दिवस 1

वाक्यों में शब्दों को पहचानना

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-13 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें। कविता के कुछ चयनित शब्दों को चार्ट पेपर पर लिखकर कक्षा-कक्ष में उचित स्थान पर चिपकाएँ/लटकाएँ।

पाठ-13

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

प्रिंट से परिचय

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'चिड़िया'।
- बिग बुक से कहानी पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को कहानी के चित्र दिख रहे हों।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- बिग बुक का मुख्य पृष्ठ सभी बच्चों को दिखाएँ और बिग बुक के मुख्य पृष्ठ में दिख रहे चित्र और कहानी के शीर्षक के बारे में बातचीत करने एवं अनुमान लगाने को कहें।
- बिग बुक के सभी पृष्ठों को एक-एक करके पलटते जाएँ और बच्चों से पृष्ठों पर बने चित्रों के आधार पर कहानी का अनुमान लगाने को कहें। बिग बुक का आदर्श रूप से पठन कम से कम 2-3 बार करें।
- बच्चों को यह भी समझने का मौका दें कि इस किताब के प्रत्येक पृष्ठ पर जो चित्र बने हैं, वे कहानी में क्या हो रहा है, उससे संबंधित हैं। अंत में, बच्चों ने चित्रों को देखकर जो अनुमान लगाए गए थे, उन पर बातचीत करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी समझी है?
- यदि नहीं, तो उनकी पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन बच्चों पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 3
दिवस 2

चित्र के बारे में अपनी भाषा में बात करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- चित्र चार्ट: खेल।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत को पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- अब आप बच्चों से चित्र में घट रही घटनाओं के बारे में सरल प्रश्न पूछें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और कुछ खुले छोर और बंद छोर के प्रश्न पूछें।

सप्ताह 3
दिवस 2

चित्र के बारे में अपनी भाषा में बात करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें ।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है जो अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

चित्र पर चर्चा

- आप प्रश्न पूछें और बच्चों को जोड़ों में उस प्रश्न पर बातचीत करने के लिए कहें।
- जब बच्चों ने जोड़ों में बात कर ली हो, तब आप किन्हीं 2-3 बच्चों को अपना उत्तर सभी के साथ साझा करने के लिए कहें।
- कोशिश करें कि हर बच्चे को 1-2 बार पूरी कक्षा में अपने उत्तर को साझा करने के मौके मिले हों।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चित्र चार्ट पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें।
- बच्चों से उनके द्वारा बनाए गए चित्र को अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचानकर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वाक्यों में शब्दों को पहचानना

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव-1 पाठ-20:'चंदा मामा'।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के मौके दें।
- कविता के शब्दों को धीरे-धीरे और स्पष्ट रूप से उच्चारित करें।

शब्दावली विकास

- कालांश की शुरुआत आप चलने-फिरने/ उठने-बैठने से संबंधित किसी खेल गतिविधि से करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- बच्चों को 'चंदा मामा' कविता को पूरे हाव-भाव और उतार-चढ़ाव के साथ सुनाएँ। कविता को बच्चों के साथ मिलकर हाव-भाव सहित गाएँ।
- इसके बाद आप बच्चों को कलरव से पाठ-20 'चन्दा मामा' निकालने को कहें।
- आप बच्चों को पाठ का चित्र दिखाते हुए बातचीत करें और उनसे प्रश्न पूछें, जैसे- यह चित्र किस समय का है, सुबह, दोपहर, शाम या रात का ? चित्र में क्या हो रहा है ? आदि।
- किताब को इस तरह से पकड़ें कि सभी बच्चे कविता को देख सकें। कविता के प्रत्येक शब्द पर उँगली रखते हुए कविता का वाचन करवाएँ, ताकि बच्चों को कविता के शब्द याद हो जाएँ।
- अब बच्चों से किसी एक वाक्य में आए हुए शब्दों के बारे में पूछें, जैसे- कविता की पहली लाईन में (कविता की लाइन दिखाते हुए) कितने शब्द हैं ? इसमें पहला शब्द और अंतिम शब्द कौन-सा है ? आदि।
- शुरू में आप उनकी मदद करें, फिर बच्चों को स्वयं से शब्द ढूँढ़ने के मौके दें।
- इसी प्रकार से आप 3-4 और छोटी-छोटी कविताएँ आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका, कक्षा-1, पाठ-25 से ले सकते हैं। आप इन कविताओं में से एक-एक कर कुछ शब्द बोलें और बच्चों को कविता की लाइनों में उन्हें खोजकर पढ़ने के लिए कहें।

सप्ताह 3
दिवस 2

वाक्यों में शब्दों को पहचानना

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-14 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-14

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

आदर्श वाचन एवं लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'चिड़िया'।
- बिग बुक से कहानी पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को अपनी बात रखने के मौके दें।
- सभी बच्चों को पढ़ने के भरपूर मौके दें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराव कुछ प्रश्नों को पूछकर करें और कहानी को कम-से-कम 2 बार आदर्श रूप से और पूरे हाव-भाव, उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ शब्दों पर उँगली रखते हुए पढ़ें।
- एक बार फिर से कहानी पढ़ें। इस बार बच्चों को आपके साथ-साथ कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगह पर रुकें, जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराएँ और कहानी पर आधारित खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- अंत में, आप कहानी के कुछ मुख्य शब्दों को बोर्ड पर लिखें और इन्हें 3-4 बार पढ़ें और बच्चों को भी इन शब्दों के पठन का अभ्यास करवाएँ। इन शब्दों को बड़े-बड़े अक्षरों में लिख दें और कक्षा के किसी दीवार पर उचित ऊँचाई पर चिपका/लटका दें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे आपके साथ-साथ पढ़ पा रहे थे?
- यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन बच्चों पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 3
दिवस 3

चित्र के बारे में अपनी भाषा में बात करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- खेल चित्र चार्ट।

चित्र पर चर्चा

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी स्थानीय कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाएँ।
- पिछले दिन की गई चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और नए बंद छोर और खुले छोर के प्रश्न पूछें।

सप्ताह 3
दिवस 3

चित्र के बारे में अपनी भाषा में बात करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

चित्र पर चर्चा

- चित्र चार्ट पर दूसरे दिन कार्य करने के दौरान आप यह सुनिश्चित करें कि आप अधिक-से-अधिक खुले छोर के प्रश्न पूछ रहे हैं।
- आप प्रश्न पूछें और बच्चों को जोड़ों में उस प्रश्न पर बातचीत करने के लिए कहें। 2-3 बच्चों को अपना उत्तर सभी के साथ साझा करने के लिए कहें।
- कोशिश करें हर बच्चे को 1-2 बार पूरी कक्षा में अपने उत्तर को साझा करने के मौके मिले हों।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चित्र चार्ट पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें।
- बच्चों से उनके द्वारा बनाए गए चित्र को अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर अगले कालांश में उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वाक्यों में शब्दों को पहचानना

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कविता चूहा -आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका-1 (2020-21)

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के मौके दें।
- कविता के शब्दों को धीरे-धीरे और स्पष्ट रूप से उच्चारित करें।

शब्दावली विकास

- कालांश की शुरुआत आप चलने-फिरने/ उठने-बैठने से संबंधित किसी खेल गतिविधि से करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- बच्चों को कविता 'चूहा' पूरे हाव-भाव और उतार-चढ़ाव के साथ सुनाएँ।
- इसके बाद किताब के पृष्ठ को इस तरह से बच्चों की ओर रखें कि सभी बच्चे कविता को देख सकें। सभी बच्चों को कविता दिखाते हुए कविता की लाइनों के प्रत्येक शब्द पर उँगली रखते हुए कविता का वाचन करवाएँ, ताकि बच्चों को कविता के शब्द याद हो जाएँ।
- अब बच्चों से किसी एक वाक्य में आए हुए शब्दों के बारे में पूछें, जैसे- कविता की पहली लाईन में (कविता की लाईन दिखाते हुए) कितने शब्द हैं? इसमें पहला शब्द और अंतिम शब्द कौन-सा है? चूहा शब्द कहाँ-कहाँ आया है?
- शुरू में आप उनकी सहायता करें, फिर बच्चों को स्वयं से शब्द ढूँढ़ने के मौके दें।
- इसी प्रकार से आप 3-4 और छोटी-छोटी कविताएँ आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका, कक्षा-1, पाठ-25 से ले सकते हैं। आप इन कविताओं में से एक-एक कर कुछ शब्द बोलें और बच्चों को कविता की लाइनों में उन्हें खोजकर पढ़ने के लिए कहें।
- कविता के 2-3 चयनित शब्दों को चार्ट पेपर पर लिखकर कक्षा-कक्ष में उचित स्थान पर चिपकाएँ।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-15 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-15

सप्ताह 3
दिवस 3

वाक्यों में शब्दों को पहचानना

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचानकर उन्हें कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

साझा और लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'चिड़िया'।
- बिग बुक से कहानी पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को अपनी बात रखने के मौके दें।
- सभों बच्चों को कहानी पढ़ने के भरपूर मौके दें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराव कुछ प्रश्नों को पूछकर और सरल चर्चा के द्वारा करें और फिर कहानी को 1 बार आदर्श रूप से पढ़ें।
- इसके बाद बच्चों को आपके साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगह पर रूकें, जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराएँ।
- आप बच्चों से कहानी पर थोड़ी और बातचीत करें और खुले छोर के प्रश्न पूछें।
- अंत में, पिछले दिन जो शब्द चार्ट पेपर पर आपने लिखे थे, बच्चों को उन्हें पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे आपके साथ-साथ पढ़ पा रहे थे?
- यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन बच्चों पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 3
दिवस 4

दोस्तों की अच्छी आदतों पर बातचीत करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कागज़ की गेंद।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- गतिविधि की शुरुआत किसी कविता/ बालगीत/कहानी या खेल गतिविधि से करें। इस पर बच्चों के साथ 5-7 मिनट तक कार्य करें।
- बच्चों को बताएँ कि इस गतिविधि में सभी बच्चे अपने किसी एक दोस्त की एक अच्छी बात सभी को बताएँगे।
- बच्चों को यह भी बताएँ कि कागज़ की गेंद उस बच्चे के हाथ में रहेगी, जो बच्चा अपने किसी दोस्त के बारे में अच्छी बात बता रहा है। फिर वो किसी भी दूसरे बच्चे की तरफ गेंद फेंक देगा और उस बच्चे को अपने किसी दोस्त की अच्छी बातों को साझा करना होगा।
- इसके लिए सबसे पहले आप सभी बच्चों के बारे में (एक समूह की तरह, व्यक्तिगत रूप से नहीं) कुछ अच्छी बातें करें। जैसे- मुझे आप लोगों के बारे में यह एक बात सबसे अच्छी लगती है कि आप सब अपना काम समय से पूरा करते हो, आदि।

सप्ताह 3
दिवस 4

दोस्तों की अच्छी आदतों पर बातचीत करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कागज की गेंद।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- यह बातचीत तब तक चलेगी, जब तक सभी बच्चों को अपनी बात कहने का मौका नहीं मिल जाता। आप इस बात का विशेष ध्यान रखें कि इस गतिविधि में अगर किसी या कुछ बच्चों के बारे में बातचीत नहीं हुई है तो अंत में उनके बारे में अवश्य ही बातचीत करें।

लेखन कार्य

- जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को आगे प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वाक्यों में शब्दों को पहचानना

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कविता– 'मनीराम' – आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका–1 (2020–21)

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का माहौल रोचक बनाए रखें।

शब्दावली विकास

- कालांश की शुरुआत आप चलने-फिरने/ उठने-बैठने से संबंधित किसी खेल गतिविधि से करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- बच्चों को कविता दिखाते हुए कविता की लाइनों के प्रत्येक शब्द पर उँगली रखते हुए कविता का वाचन करवाएँ, ताकि बच्चों को कविता के शब्द याद हो जाएँ।
- अब बच्चों से किसी एक वाक्य में आए हुए शब्दों के बारे में पूछें, जैसे– कविता की पहली लाईन में (कविता की लाईन दिखाते हुए) कितने शब्द हैं? इसमें पहला शब्द और अंतिम शब्द कौन-सा है?
- इसी प्रकार से आप 3–4 और छोटी–छोटी कविताएँ आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका कक्षा–1, पाठ–25 से ले सकते हैं। आप इन कविताओं में से एक–एक कर कुछ शब्द बोलें और बच्चों को कविता की लाइनों में उन्हें खोजकर पढ़ने के लिए कहें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ–16 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ–16

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 3
दिवस 4

साझा पठन और पढ़ने का अभिनय

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : 'चिड़िया'।
- पठन के लिए शब्दों का चयन करके रखना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक-से-अधिक बच्चों को पूछे गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराव कुछ प्रश्नों को पूछकर करें और फिर बच्चों को आपके साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगह पर रुकें, जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराएँ।
- आप बच्चों से कहानी पर बातचीत करें और कुछ नए खुले छोर के प्रश्न पूछें। जिन कठिन/अपरिचित शब्दों पर आपने पिछले दिन कार्य किया था, उन पर आप फिर से बात करें। कुछ नए बच्चों को इन शब्दों से वाक्य बनाने का मौका दें।
- बाद में, कक्षा के 5-6 बच्चों को बुलाकर बिग बुक पढ़ने को कहें। यहाँ उद्देश्य बच्चों द्वारा बिग बुक को सही-सही पढ़ना नहीं है, बल्कि प्रिंट को समझ पाना, किताब को सही तरह से पलटना, बाएँ से दाएँ पढ़ने की नकल करना है। बच्चे अपने मन से कुछ भी पढ़ सकते हैं, उन्हें टोकें नहीं।
- आखिर में चार्ट पेपर/बोर्ड पर लिखे हुए शब्दों को बच्चों से पढ़ने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे साझा पठन में हिस्सा ले पा रहे थे?
- यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन बच्चों पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 3
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कहानी।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का माहौल रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों में/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी सुनाने के बाद कहानी के बारे में उनकी राय पूछें, उन्हें कहानी में क्या अच्छा लगा और क्यों अच्छा लगा।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें। बच्चों के हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी के आधार पर बच्चों से कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

सप्ताह 3
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया ?
- जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

वाक्यों में शब्दों को पहचानना

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कविता- मामा मटरू: आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका-1 (2020-21)

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का माहौल रोचक बनाए रखें।

शब्दावली विकास

- कालांश की शुरुआत आप चलने-फिरने/ उठने-बैठने से संबंधित किसी खेल गतिविधि से करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- किताब के मुख्य पृष्ठ को इस तरह से बच्चों की ओर रखें कि सभी बच्चे कविता को देख सकें। सभी बच्चों को कविता दिखाते हुए कविता की लाइनों के प्रत्येक शब्द पर उँगली रखते हुए कविता का वाचन करवाएँ, ताकि बच्चों को कविता के शब्द याद हो जाएँ।
- अब बच्चों से किसी एक वाक्य में आए हुए शब्दों के बारे में पूछें, जैसे- कविता की पहली लाईन में (कविता की लाईन दिखाते हुए) कितने शब्द हैं ? इसमें पहला शब्द और अंतिम शब्द कौन-सा है ?
- इसी प्रकार से आप 3-4 और छोटी-छोटी कविताएँ आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका कक्षा-1, पाठ-25 से ले सकते हैं। आप इन कविताओं में से एक-एक कर कुछ शब्द बोलें और बच्चों को कविता की लाइनों में उन्हें खोजकर पढ़ने के लिए कहें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-17 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-17

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत कर प्रोत्साहन करें।

शब्दों को आकृति के रूप में पढ़ना

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- मार्कर, चाक।

लोगोग्राफिक पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर, आप सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें।
- आप एक-एक कर कक्षा के बच्चों से उनका नाम बोलने को कहें। बच्चों के नाम बोर्ड और चार्ट पर लिखें।

सप्ताह 3
दिवस 5

शब्दों को आकृति के रूप में पढ़ना

कालांश ① ② ③

पठन

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में प्रतिभाग करने के अवसर दें।
- सभी बच्चों को पठन सामग्री पढ़ने का मौका मिले।

लोगोग्राफिक पठन

- फिर, किसी भी बच्चे का नाम लें और उन्हें बोर्ड पर नामों की सूची में से अपने नाम को पहचानने को कहें। यह प्रक्रिया सभी बच्चों के साथ किसी भी क्रम में करें।
- आखिर में जिस चार्ट पेपर पर आपने बच्चों के नामों को लिखा है, उसे कक्षा में चिपका/लटका दें। इसे ऐसी जगह पर लगाएँ कि सभी बच्चे इसे देख सकें।
- आप खाली समय में बच्चों को इस चार्ट पेपर पर लिखे नामों की पहचान करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया?
- जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें, उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 3
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-1 से 'हाथी आया गाँव में' (अतिरिक्त पाठ पेज-32)।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का माहौल रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों में स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें। खुले छोर के प्रश्नों का उद्देश्य बच्चों के चिंतन कौशल को विकसित करना है, इसलिए बच्चों के जवाबों को सही और गलत में बाँटकर देखने से बचें और उनके हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।
- कक्षा में 1-2 बच्चों से पूरी कक्षा को कहानी अपने शब्दों में सुनाने के लिए कहें।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस कहानी के आधार पर कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचानकर अगले कालांश में उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 3
दिवस 6

वाक्यों में शब्दों को पहचानना

कालांश ① ② ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- पाठ्यपुस्तक कलरव–1

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का माहौल रोचक बनाए रखें।

शब्दावली विकास

- कालांश की शुरुआत आप चलने–फिरने/ उठने–बैठने से संबंधित किसी खेल गतिविधि से करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- इस सप्ताह सिखाई गई किसी कविता को बोर्ड पर लिखें और कविता की लाइनों के प्रत्येक शब्द पर उँगली रखते हुए उसका वाचन करें।
- अब बच्चों से किसी एक वाक्य में आए हुए शब्दों के बारे में पूछें, जैसे– कविता की पहली लाईन में (कविता की लाईन दिखाते हुए) कितने शब्द हैं? इसमें पहला शब्द और अंतिम शब्द कौन–सा है?
- इसी प्रकार से आप 3–4 और छोटी–छोटी कविताएँ आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका, कक्षा–1, पाठ–25 से ले सकते हैं। आप इन कविताओं में से एक–एक कर कुछ शब्द बोलें और बच्चों को कविता की लाइनों में उन्हें खोजकर पढ़ने के लिए कहें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ–18 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।
- इसके पश्चात् आप इस सप्ताह के गृहकार्य को करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

पाठ–18

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

शब्दों को आकृति के रूप में पढ़ना

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- चार्ट, मार्कर, कागज़ की गेंद।
- बच्चों के नाम का चार्ट।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में प्रतिभाग करने का अवसर मिले।

लोगोग्राफिक पठन

- कालांश की शुरुआत आप चलने–फिरने/उठने–बैठने से संबंधित किसी खेल गतिविधि से करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- आप बच्चों को बताएँ कि आप उनमें से किसी एक बच्चे को कागज़ की गेंद देंगे और ताली बजाएँगे। जब तक ताली बजती रहेगी, तब तक गेंद को अगले बच्चे की ओर बढ़ाते रहेंगे।
- जब ताली बजाना बंद करेंगे, उस समय गेंद जिस बच्चे के पास होगी, वह कक्षा में चिपकाए गए नाम–चार्ट में से अपना नाम खोजकर बताएगा और उसे पढ़ेगा।
- अगर कोई बच्चा अपना नाम नहीं पढ़ पाता है तो आप उसका नाम पढ़कर बताएँ।
- इसी प्रकार यह गतिविधि आगे बढ़ेगी। बच्चों से एक–दूसरे का नाम पढ़ने का अभ्यास भी

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया? जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें, उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 4
दिवस 1

मौखिक शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता।
- अलग-अलग श्रेणियों (थीम) से जुड़े नामों का चयन पहले से करें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- बच्चों को अपनी भाषा में अलग-अलग श्रेणियों से जुड़े नामों को बताने के लिए प्रोत्साहित करें।

गतिविधि: ओला-ओला बम का गोला

- स्थानीय कविता को पूरे हाव-भाव और उतार-चढ़ाव के साथ करवाएँ।
- बच्चों को गोले में बैठने को कहें और आप बच्चों को **'ओला-ओला'** बोलें और बच्चे आपके बाद **'बम का गोला'** बोलेंगे। फिर, आप **'मैंने बोला- सब्जियाँ'** बोलें। इसके बाद बच्चों को बारी-बारी से सब्जियों के नाम बोलने को कहें।
- यह गतिविधि आप अलग-अलग श्रेणियों के शब्दों के साथ करें। जैसे- फलों/जानवरों/पक्षियों के नाम, लाल/नीले रंगों की चीजें, रसोई/बाजार/खेत की चीजें आदि।

लेखन कार्य

- आप सभी बच्चों को अपने पसंद की किसी भी सब्जी का चित्र बनाने को कहें। आप बच्चों को जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें। किन्हीं 3-4 बच्चों को अपने चित्र को सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर अगले कालांश में उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

ध्वनि चेतना/शब्दों में शामिल ध्वनियों को पहचानना

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- 'क' वर्ण से शुरू होने वाले सरल शब्दों की सूची तैयार करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- शब्दों को धीरे-धीरे और स्पष्ट रूप से उच्चारण करें।
- बच्चों को नए-नए शब्द बोलने के भरपूर मौके दें।

ध्वनि जागरूकता

- कालांश की शुरुआत आप चलने-फिरने/ उठने-बैठने से संबंधित किसी खेल गतिविधि से करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- आप 'क' से शुरु होने वाला कोई एक शब्द बोलें और बोले गए शब्द को ताली बजाते हुए सार्थक ध्वनियों में तोड़ें, जैसे- कमल को तीन ताली बजाते हुए क / म / ल की सार्थक ध्वनियों में तोड़ें।
- बच्चों से बारी-बारी 'क' से शुरू होने वाला कोई एक शब्द बोलने को कहें, जैसे- कमल, कलम, कटहल, कलश, करवट और उन्हें भी ताली बजाते हुए शब्द को सार्थक ध्वनियों में तोड़ने का निर्देश दें।
- बच्चों द्वारा बताए 3-4 शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें पढ़ने का अभ्यास कराएँ। बच्चों द्वारा बताए गए शब्दों को एक चार्ट पेपर पर सुस्पष्ट शब्दों में लिखकर ऐसे स्थान पर लटकाएँ, जहाँ बच्चे उसे पढ़ सकें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-19 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-19

सप्ताह 4
दिवस 1

ध्वनि चेतना/शब्दों में शामिल ध्वनियों को पहचानना

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर अगले कालांश में उन्हें थोड़े और मौके दें और उनसे बातचीत करें और उन्हें प्रोत्साहन दें।

प्रिंट से परिचय

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक: शेर की गुफा।
- कहानी को कक्षा में जाने से पूर्व पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को कहानी के चित्र दिख रहे हों।
- कहानी पर हो रही चर्चा में सभी बच्चे प्रतिभाग कर रहे हों।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- बिग बुक का मुख्य पृष्ठ सभी बच्चों को दिखाएँ और बिग बुक के मुख्य पृष्ठ में दिख रहे चित्र और कहानी के शीर्षक के बारे में बातचीत एवं अनुमान लगाने को कहें।
- बिग बुक के सभी पृष्ठों को एक-एक करके पलटते जाएँ और बच्चों से पृष्ठों पर बने चित्रों के आधार पर कहानी का अनुमान लगाने को कहें। बिग बुक का आदर्श रूप से पठन कम से कम 2-3 बार करें।
- बच्चों को यह भी समझने का मौका दें कि इस किताब के हर पृष्ठ पर जो चित्र बने हैं, वे कहानी में क्या हो रहा है, उससे संबंधित है। अंत में, बच्चों ने चित्रों को देखकर जो अनुमान लगाए गए थे, उन पर बातचीत करें।
- कहानी से 3-4 चयनित शब्दों को पढ़ने का अभ्यास कराएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी समझी है?
- यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 4
दिवस 2

चित्र के बारे में अपनी भाषा में सरल बातचीत

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- बरसात - चित्र चार्ट।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव सहित गाएँ।
- आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/ घटनाओं/ गतिविधियों के बारे में बंद छोर के प्रश्न पूछें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और बच्चों से कुछ खुले छोर वाले प्रश्न करें।
- बच्चों को अपने घर (क्षेत्रीय/मातृभाषा) की भाषा में बोलने के पर्याप्त मौके दें।

सप्ताह 4
दिवस 2

चित्र के बारे में अपनी भाषा में सरल बातचीत

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है जो अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चित्र चार्ट पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें।
- बच्चों से उनके द्वारा बनाए गए चित्र को अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर अगले कालांश में उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

ध्वनि चेतना/शब्दों में शामिल ध्वनियों को पहचानना

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कागज़ की गेंद।
- खेल गतिविधि के लिए कुछ शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के मौके दें।
- कविता के शब्दों को धीरे-धीरे और स्पष्ट रूप से उच्चारित करें।

अपना साथी ढूँढ लो

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलते-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- बच्चों को गोले घेरे में बिठाएँ। गोले में बैठे किसी एक बच्चे को कागज़ की गेंद देते हुए बताएँ कि आप एक कविता बोलेंगे और बच्चों को कागज़ की गेंद घुमानी है। कविता खत्म होने पर जिसके पास गेंद होगी, वह अपने मित्र का नाम सार्थक ध्वनियों में तोड़ते हुए बोलेगा।
- पहले आप स्वयं बच्चों को 1-2 उदाहरण दें। अब आप इस कविता की लाइनें बोलें- एक अकेली/अकेला धूप में बैठा रो रहा/रही थी, उसका साथी कोई नहीं, उठो रे साथी मुँह धो लो और अपना साथी ढूँढ लो।
- कविता खत्म होने पर जिसके पास गेंद होगी, वह अपने किसी दोस्त/सहेली का नाम सार्थक ध्वनियों में तोड़कर बताएगा।
- इसी क्रम में खेल जारी रहेगा। सभी बच्चों को उनके दोस्त के नाम बोलने का अवसर दें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-20 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-20

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर अगले कालांश में उन्हें थोड़े और मौके दें और उनसे बातचीत कर प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 4
दिवस 2

आदर्श वाचन एवं साझा पठन

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : शेर की गुफा ।
- शिक्षक बिग बुक की कहानी को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- सभी बच्चों की बातों को ध्यान से सुनें और सकारात्मक प्रतिक्रिया दें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराव कुछ प्रश्नों को पूछकर करें। कहानी को 2 बार आदर्श रूप से और पूरे हाव-भाव, उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ शब्दों पर उँगली रखते हुए पढ़ें।
- एक बार फिर से कहानी पढ़ें। इस बार बच्चों को आपके साथ-साथ कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगह पर रुकें, जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराएँ और कहानी पर आधारित खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- अंत में, आप कहानी के कुछ मुख्य शब्दों को बोर्ड पर लिखें और इन्हें 3-4 बार पढ़ें और बच्चों को भी इन शब्दों के पठन का अभ्यास करवाएँ। इन शब्दों को बड़े-बड़े अक्षरों में लिख दें और कक्षा के किसी दीवार पर उचित ऊँचाई पर चिपका/लटका दें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी समझी है?
- यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 4
दिवस 3

चित्र के बारे में अपनी भाषा में समृद्ध बातचीत

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- बरसात - चित्र चार्ट।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव सहित गाएँ।
- पिछले दिन की गई चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें। चर्चा को आगे बढ़ाएँ और नए बंद छोर और खुले छोर के प्रश्नों को पूछें।
- चित्र चार्ट पर दूसरे दिन कार्य करने के दौरान आप यह सुनिश्चित करें कि आप अधिक-से-अधिक खुले छोर के प्रश्न पूछ रहे हैं।
- आप प्रश्न पूछें और बच्चों को जोड़ों में उस प्रश्न पर बातचीत करने के लिए कहें। आप बच्चों को यह निर्देश दें कि जोड़ों में दोनों ही बच्चों को (प्रश्न का उत्तर) क्या लगता है, इस पर बात करनी है।
- जब बच्चों ने जोड़ों में बात कर ली हो, तब आप किसी 2-3 बच्चों को अपना उत्तर सभी के साथ साझा करने के लिए कहें। कोशिश करें कि हर बच्चे को 1-2 बार पूरी कक्षा में अपने उत्तर को साझा करने के मौके मिले हों।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चित्र चार्ट पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें।
- बच्चों से उनके द्वारा बनाए गए चित्र को अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

सप्ताह 4
दिवस 3

चित्र के बारे में अपनी भाषा में समृद्ध बातचीत

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

ध्वनि चेतना/शब्दों में शामिल ध्वनियों को पहचानना

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- चार्ट पेपर और मार्कर।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में मिलकर कार्य करने के मौके दें।

गतिविधि: बोलो बोलो कुछ तो बोलो

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव सहित गाएँ।
- अब आप बच्चों को गोल घेरे में बिठाकर गतिविधि के निर्देश देते हुए बताएँ कि उन्हें एक लाइन बोलनी है- **'बोलो बोलो कुछ तो बोलो।'** इसके बाद आप इसमें एक लाईन जोड़ते हुए बोलेंगे- **सब्जियों के नाम तो बोलो** और आप एक सब्जी का नाम पहले सार्थक ध्वनियों में तोड़ते हुए बोलें और फिर पूरे शब्द को बोलेंगे। इसके बाद अगला बच्चा किसी सब्जी के नाम को सार्थक ध्वनि में तोड़ते हुए पूरे शब्द को बोलेगा।
- अब आप खेल शुरू करते हुए, बच्चे लाईनें बोलें- **'बोलो बोलो कुछ तो बोलो'**, अब आप बोलें -सब्जियों के नाम तो बोलो (सब्जी के नाम को सार्थक ध्वनियों में तोड़ते हुए सब्जी का नाम बोलें) जैसे- म/ट/र इसके बाद पूरा शब्द 'मटर' बोलें।
- इसी क्रम में गतिविधि को तब तक जारी रखें, जब तक सभी बच्चों को 2-3 बार बोलने का मौका ना मिल जाए।
- गतिविधि में आए शब्दों को चार्ट पेपर पर बड़े और सुस्पष्ट अक्षरों में लिखकर कक्षा में उचित स्थान पर चिपकाएँ/लटकाएँ।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-21 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-21

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर अगले कालांश में उन्हें थोड़े और मौके दें और उनसे बातचीत कर प्रोत्साहन दें।

साझा और लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : शेर की गुफा।
- शिक्षक बिग बुक की कहानी को पहले से पढ़ लें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराव कुछ प्रश्नों को पूछकर और सरल चर्चा के द्वारा करें और कहानी को 1 बार आदर्श रूप से पूरे हाव-भाव, उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ पढ़ें।

सप्ताह 4
दिवस 3

साझा और लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- सभी बच्चों की बातों को ध्यान से सुनें और सकारात्मक प्रतिक्रिया दें।

बिगबुक से पठन

- इसके बाद बच्चों को आपके साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगह पर रुकें, जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराएँ।
- आप बच्चों से कहानी के ऊपर थोड़ी और बातचीत करें और खुले छोर के प्रश्न पूछें। अंत में, पिछले दिन जो शब्द चार्ट पेपर में आपने लिखे थे, बच्चों को उन्हें पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी समझी है?
- यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 4
दिवस 4

मौखिक शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- बरसात- कविता पोस्टर।
- कविता पोस्टर से कविता पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- जब बच्चे कविता सुना रहे हों तो उनकी कमियाँ ना बताते हुए, उनका प्रोत्साहन करें।

कविता पोस्टर पर कार्य

- कालांश की शुरुआत आप चलने-फिरने/ उठने-बैठने से संबंधित किसी खेल गतिविधि से करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- अब आप बच्चों को कविता पोस्टर दिखाते हुए कविता के शीर्षक का अनुमान लगाने और चित्रों के माध्यम से कविता के बारे में अनुमान लगाने के लिए कहें।
- अब आप बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 2-3 बार सुनाएँ। इसके बाद कविता पोस्टर दिखाते हुए, कविता के प्रत्येक शब्द पर उँगली रखते हुए पढ़ें।
- अब आप कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव के साथ 1-2 बार गाएँ।
- इसके बाद कविता के बारे में उनकी राय पूछें, उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों अच्छा लगा?
- इसके बाद कक्षा के 1-2 बच्चों से कविता सुनाने को कहें।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें। बच्चों के हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

लेखन कार्य

- बच्चों को कविता से संबंधित कोई चित्र बनाने एवं रंग भरने को कहें। बच्चों द्वारा बनाया गया चित्र सभी को दिखाने के लिए कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया?
- जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें, उनसे बातचीत कर प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 4
दिवस 4

ध्वनि चेतना/शब्दों में शामिल ध्वनियों को पहचानना

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- चार्ट पेपर, मार्कर।
- कुछ फलों के नाम चार्ट पेपर पर लिख लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- गतिविधि में यदि किसी ऐसे फल का नाम आता है, जो पहले से चार्ट पर नहीं लिखा था तो उसे भी चार्ट में लिखें।

गतिविधि: बोलो बोलो कुछ तो बोलो

- आप **बोलो बोलो कुछ तो बोलो** गतिविधि के माध्यम से बच्चों को फलों के नाम बोलने और उन्हें सार्थक ध्वनियों में तोड़ने की गतिविधि कराएँ।
- इसके बाद बच्चों से चार्ट पेपर पर लिखे हुए फलों के नाम की प्रथम ध्वनि बच्चों से पूछें जैसे–आम की पहली ध्वनि है 'आ'।
- इसके बाद बच्चों को चार्ट में लिखे हुए फलों के नाम पढ़ने का अभ्यास कराएँ।
- गतिविधि में आए शब्दों को चार्ट पेपर पर बड़े और सुस्पष्ट अक्षरों में लिखकर कक्षा में उचित स्थान पर चिपकाएँ/लटकाएँ।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ–22 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ–22

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 4
दिवस 4

साझा पठन और पढ़ने का अभिनय

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : शेर की गुफा।
- पठन के लिए शब्दों का चयन करके रखना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- आप सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को कहानी के शब्दों को पढ़ने का मौका मिले।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने–फिरने/ उठने–बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराव कुछ प्रश्नों को पूछकर करें और फिर बच्चों को आपके साथ–साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगह पर रुकें, जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें। इस प्रक्रिया को 2–3 बार दोहराएँ।
- आप बच्चों से कहानी पर बातचीत करें और कुछ नए खुले छोर के प्रश्न पूछें। जिन कठिन/अपरिचित शब्दों पर आपने पिछले दिन कार्य किया था, उन पर आप फिर से बात करें। कुछ नए बच्चों को इन शब्दों से वाक्य बनाने का मौका दें।
- बाद में, कक्षा के 5–6 बच्चों को बुलाकर बिग बुक पढ़ने को कहें।
- अंत में, चार्ट पेपर/बोर्ड पर लिखे हुए शब्दों को बच्चों को अपने मन से पढ़ने को कहें। शिक्षक बच्चों को किताब के वाक्यों को दिखाते हुए कुछ शब्द पढ़ें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें और उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 4
दिवस 5

कहानी पर चर्चा और मौखिक बातचीत

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कहानी पोस्टर- दो चींटी।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का माहौल रोचक बनाए रखें।

कहानी पोस्टर पर कार्य

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- बच्चों को कहानी पोस्टर के चित्र दिखाते हुए कहानी के शीर्षक और कहानी के बारे में अनुमान लगाने को कहें।
- कहानी को अपने शब्दों में स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी सुनाने के बाद कहानी के बारे में उनकी राय पूछें, उन्हें कहानी में क्या अच्छा लगा और क्यों अच्छा लगा।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, बच्चों के हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

लेखन कार्य

- सुनी गई कहानी पर बच्चों को चित्र बनाने को कहें।
- बच्चों द्वारा बनाए गए चित्र सभी को दिखाने के लिए कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

ध्वनि चेतना/शब्दों में शामिल ध्वनियों को पहचानना

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय वस्तुओं के नाम की सूची तैयार करना।

गतिविधि: सोचो और बताओ

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप कुछ स्थानीय परिवेश में घर के अंदर प्रयोग होने वाली वस्तुओं जैसे- चटाई, घड़ी, गिलास इत्यादि और घर के बाहर प्रयोग होने वाली वस्तुओं जैसे- मोटर साइकिल, हल इत्यादि के नाम बच्चों से पूछकर बोर्ड पर लिखें।
- अब आप बोर्ड पर लिखी गई वस्तुओं में से किसी एक वस्तु का नाम सोचें। उदाहरण के लिये- आपने चटाई सोचा है। आप बोलें-
  - वह वस्तु 'च' से शुरू होती है। इसके आगे बोलें-
  - वह वस्तु ज्यादातर घर के अंदर प्रयोग होती है।
  - वह वस्तु कभी-कभी घर के बाहर भी प्रयोग होती है।
  - वह वस्तु बैठने के काम आती है।
- वस्तु का नाम बताने के लिए अधिकतम 3 मौकें दे, यदि बच्चे वस्तु का नाम नहीं बता पाते तो आप उस वस्तु का नाम बताएँ और वस्तु के नाम को सार्थक ध्वनि में तोड़कर बताएँ।
- इसके बाद बच्चों को वस्तु का नाम सार्थक ध्वनियों में तोड़कर शब्द की प्रथम ध्वनि बताने को कहें।

सप्ताह 4
दिवस 5

ध्वनि चेतना/शब्दों में शामिल ध्वनियों को पहचानना

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-23 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-23

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचानकर उनसे बातचीत करें और कार्य करने के लिए उन्हें प्रोत्साहन दें।

शब्दों को आकृति के रूप में पढ़ना

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- चार्ट पेपर और मार्कर।
- कक्षा में मौजूद संसाधनों के नाम दो अलग रंगों के चार्ट, चार्ट के टुकड़ों जैसे- नीले और गुलाबी पर लिखें। संसाधनों के नाम समान रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कक्षा की सामग्री जैसे-कुर्सी, टेबल पर उनके नाम की पर्चियाँ पहले से चिपकाकर रखें।
- सभी बच्चों को पढ़ने के मौके दें।

लोगोग्राफिक पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- कक्षा के कुछ संसाधनों के नाम बोर्ड पर लिखकर 2-3 बार बच्चों को पढ़कर बताएँ।
- कक्षा के बच्चों को 2 टीम में बाँटें- गुलाबी और नीली।
- दोनों टीमों को अलग-अलग लाइनों में खड़ा करें। बीच में कार्डों को रंग के अनुसार अलग-अलग ढ़ेरी में रखें। शिक्षक के इशारा करने पर गुलाबी रंग की टीम के बच्चे गुलाबी कार्ड को उठाएँगे और नीली टीम के बच्चे नीले रंग के कार्ड को उठाएँगे।
- दोनों टीम में से एक-एक बच्चा कार्ड में लिखे संसाधन के नाम को पढ़कर उसे संसाधन के पास रखकर आएगा।
- अंत में, बच्चों के साथ जाकर देखें कि कौन-कौन से कार्ड सही जगह पर रखे गए हैं और कौन-से नहीं। जिस टीम ने सबसे ज्यादा कार्ड सही रखे होंगे, वह टीम जीत जाएगी।
- शिक्षक उपलब्ध संसाधनों में से कुछ चयनित शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें पढ़ने का अभ्यास कराएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचानकर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 4
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कहानी- दर्जी और हाथी: आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका-1 (2020-21)
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का माहौल रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप कोई कविता या गीत को पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- कहानी सुनाने से पहले बच्चों को कहानी का नाम बताएँ और कहानी के बारे अनुमान लगवाएँ।
- बच्चों को उचित प्रवाह के साथ मौखिक रूप से कहानी सुनाएँ।
- बीच-बीच में 1-2 प्रश्नों को पूछकर यह सुनिश्चित करें कि बच्चों का पूरा ध्यान कहानी सुनने पर है।
- कहानी सुनाने के बाद बच्चों से चर्चा करें। इसके लिए बंद छोर और खुले छोर दोनों तरह के प्रश्न पूछें और 1-2 बच्चों से मौखिक रूप से कहानी सुनें।

लेखन कार्य

- सुनी गई कहानी पर बच्चों को चित्र बनाने को कहें।
- बच्चों द्वारा बनाए गए चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

ध्वनि चेतना/शब्दों में शामिल ध्वनियों को पहचानना

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- बोर्ड, चॉक, कार्यपुस्तिका।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को गतिविधि में प्रतिभाग करने का मौका दें।
- कक्षा का माहौल रोचक बनाए रखें।

शब्दों को सार्थक ध्वनियों में तोड़ना

- कालांश की शुरुआत आप चलने-फिरने/ उठने-बैठने से संबंधित किसी खेल गतिविधि से करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- इस सप्ताह कराई गतिविधियों का प्रयोग करते हुए आप बच्चों को अलग-अलग शब्दों को ध्वनियों में तोड़ते हुए प्रथम ध्वनि पहचान की गतिविधि कराएँ।
- इसी प्रकार से आप 3-4 छोटी-छोटी कविताएँ आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका कक्षा-1, पाठ-25 से ले सकते हैं। आप इन कविताओं में से एक-एक कर कुछ शब्द बोलें और बच्चों को कविता की लाइनों में उन्हें खोजकर पढ़ने के लिए कहें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-24 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-24

- इसके पश्चात् आप इस सप्ताह के गृहकार्य को करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

पठन

तैयारी और सामग्री

- कागज़ की गेंद।
- कागज की स्ट्रिप पर लिखे हुए बिग बुक का नाम।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को गतिविधि में प्रतिभाग करने का अवसर दें।
- सभी बच्चों को पढ़ने के मौके दें।

लोगोग्राफिक पठन

- कालांश की शुरुआत आप चलने-फिरने/ उठने-बैठने से संबंधित किसी खेल गतिविधि से करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- अब आप बच्चों को अभी तक पढ़ाई गई बिग बुक के शीर्षक पढ़कर बताएँ और उन्हें कक्षा में किसी एक स्थान पर रखें।
- बच्चों की संख्या के अनुसार कागज की स्ट्रिप पर बिग बुक के नाम लिखकर रखें।
- आप बच्चों को बताएँ कि आप उनमें से किसी एक बच्चे को कागज़ की गेंद देंगे और ताली बजाएँगे। जब तक ताली बजती रहेगी, तब तक गेंद को अगले बच्चे की ओर बढ़ाते रहेंगे।
- जब ताली बजाना बंद करेंगे, उस समय गेंद जिस बच्चे के पास होगी, वह गोले के बीच में रखी हुई स्ट्रिप को उठाएगा और उसके नाम को पढ़कर बिग बुक के ऊपर रखकर आएगा।
- अंत में, आप जाकर देखें कि कितने बच्चों ने सही किताब पर स्ट्रिप रखी है। इसके बाद आप कक्षा के कुछ बच्चों से बिग बुक का नाम पढ़ने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

ग्रीष्मकालीन अवकाश - गृहकार्य

- बच्चों से पाठ 25 से 34 तक का कार्य ग्रीष्मकालीन अवकाश के समय में करने को कहें और इस संबंध में उन्हें आवश्यक निर्देश दें।

तैयारी और सामग्री

- कागज़ की गेंद।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा बताए जा रहे अनुभवों को अन्य बच्चे सुन रहे हों।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- गतिविधि की शुरुआत किसी कविता/ बालगीत/कहानी या खेल गतिविधि से करें। इस पर बच्चों के साथ 5–7 मिनट तक कार्य करें।
- बच्चों को बताएँ कि आप किसी बच्चे को कागज की एक गेंद देंगे, जिसके पास भी कागज की गेंद होगी, उसको तीन से पाँच वाक्यों में अपने बारे में बताना होगा और फिर गेंद को अगले साथी को देना होगा।
- अपने बारे में बात करने के दौरान वे इन बिन्दुओं पर बात कर सकते हैं– अपने परिवार, अपने दोस्तों, पसंदीदा गाना, खेल, टीवी सीरियल, खाली समय में उन्हें क्या–क्या करना पसंद है, आदि।
- बाकी बच्चों को ध्यान से सुनने के लिए कहें। अगर किसी अन्य बच्चे की पसंद–नापसंद भी वैसी ही है तो उन्हें कहें कि वे अपना हाथ उठाएँ और जोर से कहें 'बिल्कुल मेरी तरह'।
- आप उदाहरण के तौर पर, अपने बारे में बात करें और जो चीजें उन्हें पसंद या नापसंद हों, उसमें वे 'बिल्कुल मेरी तरह' बोलें। इससे बच्चों को इस गतिविधि को कैसे करना है, यह समझ में आएगा।
- सभी बच्चों को बारी–बारी से मौका दें और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें अपनी बात कहने में सहायता करें।

लेखन कार्य

- इस गतिविधि से संबंधित कोई भी चित्र बनाने के लिए बच्चों से कहें और चित्र के बारे में आपस में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण पहचान

कालांश ① ② ③ | डिकोडिंग | 60 मिनट

'क' वर्ण की पहचान

तैयारी और सामग्री

- बोर्ड, चॉक, कलरव-1, पाठ-7 'पतंग', कार्यपुस्तिका।
- 'क' से शुरू होने वाले कुछ सरल शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को कक्षा में हो रही गतिविधि में प्रतिभाग करने के भरपूर मौके दें।
- लेखन कार्य से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चों के पास लेखन की सामग्री हो।
- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के लिए निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

'क' वर्ण की पहचान

35-40 मिनट

- कालांश की शुरुआत आप एक छोटी स्थानीय कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव के साथ गाकर करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- आप कक्षा के सभी बच्चों को एक घेरे में बैठाएँ और स्वयं भी बैठें।
- आप किसी परिचित शब्द (जैसे-कल) की आवाजों को तोड़कर-जोड़कर बोलें। जैसे (/क/ /ल/) - कल; कल - (/क/ /ल/) और पहली आवाज /क/ को अलग करें। इस प्रक्रिया को 3-4 सरल एवं परिचित शब्दों के साथ करें।
- आप 'कल' को बोर्ड पर लिखें और उसकी पहली आवाज के प्रतीक पर घेरा लगाएँ।
- फिर 'क' को अलग से बोर्ड पर बड़े आकार में लिखें और 3-4 बार इसका उच्चारण करें। 6-7 बच्चों से उनके 'क' से शुरू होने वाले किसी एक दोस्त का नाम बोलने को कहें और इन नामों को बारी-बारी से बोर्ड पर लिखें। फिर कुछ बच्चों को बुलाकर इन शब्दों में से 'क' वर्ण पर गोला लगवाएँ।
- आप भी 'क' से शुरू होने वाले कुछ नामों को ध्वनियों में तोड़कर बताएँ।
- कुछ अन्य बच्चों को बुलाएँ और कक्षा में प्रदर्शित प्रिंट सामग्रियों में 'क' वर्ण ढूँढ़ने को कहें।
- फिर, 5-7 बच्चों के छोटे-छोटे समूह बना दें और कलरव-1 पाठ-7 'पतंग' के शब्दों में 'क' वर्ण को गोला लगाने को कहें। सभी बच्चे अपनी-अपनी किताब में यह कार्य करेंगे। जब बच्चे यह कार्य कर रहें हों, तब आप घूमकर उनके कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।
- अब अलग-अलग तरीकों से बच्चों द्वारा 'क' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ (कार्यपुस्तिका में कार्य करने से पहले।) जैसे- अपनी उँगली से हवा में लिखना, जमीन या रेत पर लिखना, आदि।

लेखन कार्य

15-20 मिनट

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-35 पर कार्य करने को कहें और आवश्यक सहायता दें।
- आप बच्चों के कार्य का अवलोकन घूम-घूमकर करें।

पाठ-35

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और उन्हें कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 5
दिवस 1

प्रिंट से परिचय

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक: हाथी और बकरी।
- शिक्षक बिग बुक की कहानी को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- सभी बच्चों को बातों को ध्यान से सुनें और सकारात्मक प्रतिक्रिया दें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- बिग बुक का मुख्य पृष्ठ सभी बच्चों को दिखाएँ और बिग बुक के मुख्य पृष्ठ में दिख रहे चित्र और कहानी के शीर्षक के बारे में बातचीत करने एवं अनुमान लगाने को कहें।
- बिग बुक के सभी पृष्ठों को एक-एक करके पलटते जाएँ और बच्चों से पृष्ठों पर बने चित्रों के आधार पर कहानी का अनुमान लगाने को कहें। बिग बुक का आदर्श रूप से पठन कम से कम 2-3 बार करें।
- बच्चों को यह भी समझने का मौका दें कि इस किताब के हर पृष्ठ पर जो चित्र बने हैं, वे कहानी में क्या हो रहा है, उससे संबंधित हैं। अंत में, बच्चों ने चित्रों को देखकर जो अनुमान लगाए गए थे, उन पर बातचीत करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी समझी है?
- यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 5
दिवस 2

चित्र के बारे में अपनी भाषा में सरल बातचीत

कालांश: 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता, चित्र चार्ट: कलरव-1 पाठ-2 'बाग'।
- चित्र चार्ट को पहले से देखकर समझना और चर्चा के लिए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बातचीत में यदि कोई ऐसा शब्द आता है, जो अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

चित्र पर चर्चा

- कालांश की शुरुआत आप एक छोटी स्थानीय कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव के साथ गाकर करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- बच्चों को चित्र दिखाते हुए चित्र में दिख रही चीजों/घटनाओं के बारे में सरल प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें।
- चर्चा को आगे बढ़ाएँ, बंद छोर और खुले छोर के प्रश्नों को पूछें।
- कक्षा की बातचीत में सभी बच्चों को बोलने और अपनी बात रखने का मौका दें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चित्र पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। बच्चों को जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र को सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में समान रूप से भाग लिया?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस चर्चा में प्रतिभाग नहीं कर पाए तो उनकी पहचान कर लें। उन्हें हो रही परेशानी को समझने और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करने की योजना बनाएँ।

'क' वर्ण की पहचान

तैयारी और सामग्री

- बोर्ड, चॉक, बच्चों का नाम चार्ट, कलरव-1 पाठ-9 'बत्तख और चूजा'।
- 'क' से शुरू होने वाले कुछ सरल शब्दों की सूची बनाकर रख लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के लिए बच्चों को उदाहरण सहित निर्देश दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

'क' वर्ण की पहचान — 35-40 मिनट

- कालांश की शुरुआत आप एक छोटी से स्थानीय कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव के साथ गाकर करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- आप कक्षा के सभी बच्चों को एक घेरे में बिठाएँ और स्वयं भी बैठें।
- आप किसी परिचित शब्द (जैसे-कलश) की आवाजों को तोड़कर-जोड़कर बोलें। जैसे (/क /ल/ /श/) - कलश - (क/ल/श) और पहली आवाज /क/ को अलग करें। इस प्रक्रिया को 3-4 सरल एवं परिचित शब्दों के साथ करें।
- आप 'कलश' को बोर्ड पर लिखें और उसकी पहली आवाज के प्रतीक पर घेरा लगाएँ।
- फिर 'क' को अलग से बोर्ड पर बड़े आकार में लिखें और 3-4 बार इसका उच्चारण करें। 6-7 बच्चों से 'क' से शुरू होने वाले उनके किसी एक दोस्त का नाम बोलने को कहें और इन नामों को बारी-बारी से बोर्ड पर लिखें। फिर कुछ बच्चों को बुलाकर इन शब्दों के 'क' वर्ण पर गोला लगवाएँ।
- आप भी 'क' से शुरू होने वाले कुछ नामों को ध्वनियों में तोड़कर बताएँ।
- कुछ अन्य बच्चों को बुलाएँ और कक्षा में प्रदर्शित प्रिंट सामग्रियों में 'क' वर्ण ढूँढ़ने को कहें।
- फिर, 5-7 बच्चों के छोटे-छोटे समूह बना दें और कलरव-1 पाठ-9 'बत्तख और चूजा' के शब्दों में 'क' वर्ण को गोला लगाने को कहें। सभी बच्चे अपनी-अपनी किताब में यह कार्य करेंगे। जब बच्चे यह कार्य कर रहे हों, तब आप घूम-घूम कर उनके कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।
- अब अलग-अलग तरीकों से बच्चों द्वारा 'क' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ (कार्यपुस्तिका में कार्य करने से पहले।) जैसे- अपनी उँगली से हवा में लिखना, जमीन या रेत पर लिखना, आदि।

लेखन कार्य — 15-20 मिनट

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-36 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।
- आप बच्चों के कार्य का अवलोकन घूम-घूमकर करें।

पाठ-36

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और कार्य पूरा करने के लिए प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 5
दिवस 2

आदर्श वाचन एवं साझा पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक: हाथी और बकरी।
- कहानी से बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों का चयन एवं मुख्य शब्दों का चयन करें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- साझा पठन के लिए सभी बच्चों को प्रोत्साहित करें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराव कुछ प्रश्नों को पूछकर करें और कहानी को कम-से-कम 2 बार आदर्श रूप से और पूरे हाव-भाव, उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ शब्दों पर उँगली रखते हुए पढ़ें।
- एक बार फिर से कहानी पढ़ें। इस बार बच्चों को आपके साथ-साथ कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगह पर रुकें, जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराएँ और कहानी पर आधारित खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- अंत में, आप कहानी के कुछ मुख्य शब्दों को बोर्ड पर लिखें और इन्हें 3-4 बार पढ़ें और बच्चों को भी इन शब्दों के पठन का अभ्यास करवाएँ। इन शब्दों को बड़े-बड़े अक्षरों में लिख दें और कक्षा के किसी दीवार पर उचित ऊँचाई पर चिपका/लटका दें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने साझा पठन किया?
- यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 5
दिवस 3

चित्र के बारे में अपनी भाषा में समृद्ध बातचीत

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता, चित्र चार्ट: कलरव-1 पाठ-2: बाग।
- चित्र चार्ट को पहले से देखकर समझना और चर्चा के लिए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बातचीत में यदि कोई ऐसा शब्द आता है, जो अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव सहित गाएँ।
- सभी बच्चों को एक गोल घेरे में बिठा लें और पिछले दिन की गई चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें। चर्चा को आगे बढ़ाएँ और नए बंद और खुले छोर के प्रश्नों को पूछें।
- चित्र चार्ट पर दूसरे दिन कार्य करने के दौरान आप यह सुनिश्चित करें कि आप अधिक-से-अधिक खुले छोर के प्रश्न पूछ रहे हों।
- आप प्रश्न पूछें और बच्चों को जोड़ों में उस प्रश्न पर बातचीत करने के लिए कहें। आप बच्चों को यह निर्देश दें कि जोड़ों में दोनों ही बच्चों को (प्रश्न का उत्तर) क्या लगता है, इस पर बात करनी है।
- जब बच्चों ने जोड़ों में बात कर ली हो, तब आप किसी 2-3 बच्चों को अपना उत्तर सभी के साथ साझा करने के लिए कहें। कोशिश करें कि हर बच्चे को 1-2 बार पूरी कक्षा में अपने उत्तर को साझा करने के मौके मिले हों।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चित्र पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। बच्चों को जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3–4 बच्चों से अपने चित्र को सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में समान रूप से भाग लिया ?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस चर्चा में प्रतिभाग नहीं कर पाए तो उनकी पहचान कर लें। उन्हें हो रही परेशानी को समझने और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करने की योजना बनाएँ।

'र' वर्ण पहचान

तैयारी और सामग्री

- बोर्ड, चाक, कलरव पाठ-7 'पतंग', कार्यपुस्तिका।
- 'र' से शुरू होने वाले कुछ सरल शब्दों की सूची बनाकर रख लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के लिए बच्चों को उदाहरण सहित निर्देश दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

'र' वर्ण पहचान — 35-40 मिनट

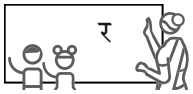

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी-सी स्थानीय कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव से गाएँ। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- 'र' से शुरू होने वाले किसी परिचित शब्द (जैसे- रजनी) की आवाजों को तोड़कर-जोड़कर बोलें। उदाहरण: (रजनी - /र/ /ज/ /नी/), /र/ /ज/ /नी/ - रजनी) और बच्चों का ध्यान पहली आवाज पर केन्द्रित करें। 2-3 अन्य शब्द के साथ भी इसे दोहराएँ।
- 'रजनी' को बोर्ड पर लिखें और उसकी पहली आवाज के प्रतीक पर गोला लगाएँ।
- फिर 'र' को अलग से बोर्ड पर बड़े आकार में लिखें और 3-4 बार इसका उच्चारण करें। बच्चों से 'र' की आवाज से शुरू होने वाले कुछ और शब्दों को पूछें। इसके लिए आप कक्षा के उन बच्चों को हाथ उठाने को भी कह सकते हैं, जिनका नाम 'र' से शुरू होता है। इन शब्दों को बोर्ड पर बारी-बारी से लिखें। कुछ दूसरे बच्चों को बुलाकर इन शब्दों के 'र' वर्ण पर गोला लगवाएँ।
- कुछ नए बच्चों को बुलाएँ और कक्षा में प्रदर्शित प्रिंट सामग्रियों में 'र' वर्ण ढूँढ़ने को कहें।
- फिर, 5-7 बच्चों के छोटे-छोटे समूह बना दें और कलरव पाठ-7 'पतंग' पर 'र' वर्ण को गोला लगाने को कहें। सभी बच्चे अपनी-अपनी किताब में यह कार्य करेंगे। जब बच्चे यह कार्य कर रहें हों, तब आप घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन करें।
- अब अलग-अलग तरीकों से बच्चों द्वारा 'र' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ (कार्यपुस्तिका में कार्य करने से पहले), जैसे- अपनी उँगली से हवा में लिखना, जमीन या रेत पर लिखना आदि।

लेखन कार्य — 15-20 मिनट

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-37 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।
- आप बच्चों के कार्य का अवलोकन घूम-घूमकर करें।

पाठ-37

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और कार्य करने के लिए उन्हें प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 5
दिवस 3

साझा और लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक: हाथी और बकरी।
- साझा पठन के लिए कहानी के उन बिंदुओं का चयन करें, जहाँ बच्चे शब्द जोड़ पाएँगे।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- साझा पठन के लिए सभी बच्चों को प्रोत्साहित करें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराव कुछ प्रश्नों को पूछकर करें और सरल चर्चा के द्वारा करें और कहानी को एक बार आदर्श रूप से पूरे हाव-भाव, उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ पढ़ें।
- इसके बाद बच्चों को आपके साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगह पर रुकें, जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराएँ।
- आप बच्चों से कहानी पर थोड़ी और बातचीत करें और खुले छोर के प्रश्न पूछें। अंत में,

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने साझा पठन किया? यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 5
दिवस 4

विद्यालय और साथियों से जुड़ाव

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- गतिविधि के लिए उचित स्थान का चयन करें, जहाँ बच्चे आसानी से चल-फिर सकें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को गतिविधि में प्रतिभाग करने का मौका मिले।
- खेल के दौरान आप इस बात का ध्यान रखें कि बच्चों को चोट न लगे तथा दूसरे कक्षा के बच्चे प्रभावित न हों। इसके लिए आप गतिविधि की शुरुआत में और आवश्यकता के अनुसार बच्चों द्वारा किए गए वादों को याद करने और उसके अनुसार व्यवहार करने को कहें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- गतिविधि की शुरुआत किसी कविता/ बालगीत/कहानी या खेल गतिविधि से करें। इस पर बच्चों के साथ 5-7 मिनट तक कार्य करें।
- इस घेरे में से किसी एक बच्चे को उठने को कहें और घेरे के बाहर खड़े होने को बोलें।
- जो बच्चा घेरे के बाहर खड़ा है, वह बच्चा तेज-तेज चलेगा और किसी बच्चे के सिर पर हाथ रख देगा। जिस बच्चे के सिर पर हाथ रखा होगा, वह बच्चा तुरंत उठकर विपरीत दिशा में तेज-तेज चलेगा।
- चलते-चलते दोनों जहाँ मिलेंगे, वहाँ हाथ जोड़कर एक-दूसरे को नमस्ते कहते हुए घेरे में खाली जगह (ये खाली जगह वही है, जहाँ पर दूसरे बच्चे के सिर पर हाथ रखा गया था) पर पहले पहुँचने का प्रयास करेंगे।
- जो बच्चा पहले पहुँचेगा, वह जीत जाएगा। जो बच्चा खाली जगह पर बैठ नहीं पाएगा, वो इस पूरी प्रक्रिया को फिर से करेगा। इसी प्रकार से यह खेल आगे खेला जाएगा।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस गतिविधि के आधार पर कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 5
दिवस 4

वर्ण पहचान

कालांश ① **②** ③ | डिकोडिंग | 60 मिनट

‘र’ वर्ण पहचान

तैयारी और सामग्री

- बोर्ड, चाक, सहज-1: पाठ -11 ‘बड़ा गुब्बारा’।
- ‘र’ से शुरू होने वाले कुछ सरल शब्दों की सूची बनाकर रख लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के लिए बच्चों को उदाहरण सहित निर्देश दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

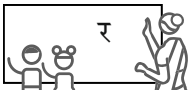

‘र’ वर्ण पहचान — 35-40 मिनट

- कालांश की शुरुआत आप एक छोटी स्थानीय कहानी को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित सुनाकर करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- आप कक्षा के सभी बच्चों को एक घेरे में बिठाएँ और स्वयं भी बैठें। आप किसी परिचित शब्द (जैसे- रतन) की आवाजों को तोड़कर-जोड़कर बोलें। जैसे (/र/ /त/ /न/) - रतन; रतन - (/र/ /त/ /न/) और पहली आवाज /र/ को अलग करें। इस प्रक्रिया को 3-4 सरल एवं परिचित शब्दों के साथ करें।
- आप ‘रतन’ को बोर्ड पर लिखें और उसकी पहली आवाज के प्रतीक पर घेरा लगाएँ।
- फिर ‘र’ को अलग से बोर्ड पर बड़े आकार में लिखें और 3-4 बार इसका उच्चारण करें। 6-7 बच्चों को ‘र’ से शुरू होने वाला कोई शब्द बोलने को कहें और इन शब्दों को बारी-बारी से बोर्ड पर लिखें। फिर कुछ बच्चों को बुलाकर इन शब्दों के ‘र’ वर्ण पर गोला लगवाएँ।
- कुछ अन्य बच्चों को बुलाएँ और कक्षा में प्रदर्शित प्रिंट सामग्रियों में ‘र’ वर्ण ढूँढ़ने को कहें।
- फिर, 5-7 बच्चों के छोटे-छोटे समूह बना दें और ‘सहज-1’ पाठ-11 ‘बड़ा गुब्बारा’ पर ‘र’ वर्ण को गोला लगाने को कहें। सभी बच्चे अपनी- अपनी किताब में यह कार्य करेंगे। जब बच्चे यह कार्य कर रहें हों, तब आप घूम-घूम कर उनके कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।
- अब अलग-अलग तरीकों से बच्चों द्वारा ‘र’ वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ (कार्यपुस्तिका में कार्य करने से पहले।) जैसे- अपनी उँगली से हवा में लिखना, जमीन या रेत पर लिखना, आदि।

लेखन कार्य — 15-20 मिनट

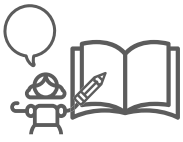

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-38 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।
- आप बच्चों के कार्य का अवलोकन घूम-घूमकर करें।

पाठ-38

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और उन्हें कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 5
दिवस 4

साझा पठन और पढ़ने का अभिनय

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक: हाथी और बकरी।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- बच्चों द्वारा बिग बुक को पढ़ने की नकल करने के दौरान आप उनका प्रोत्साहन और प्रशंसा करें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराव कुछ प्रश्नों को पूछकर करें, फिर बच्चों को आपके साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगह पर रुकें, जहाँ बच्चे कहानी/चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें। इस प्रक्रिया को 2-3 बार दोहराएँ।
- आप बच्चों से कहानी पर बातचीत करें और कुछ नए खुले छोर के प्रश्न पूछें। जिन कठिन/अपरिचित शब्दों पर आपने पिछले दिन कार्य किया था, उन पर आप फिर से बात करें। कुछ नए बच्चों को इन शब्दों से वाक्य बनाने का मौका दें।
- बाद में, कक्षा के 5-6 बच्चों को बुलाकर बिग बुक पढ़ने को कहें। अंत में, चार्ट पेपर/बोर्ड पर लिखे हुए शब्दों को बच्चों को अपने मन से पढ़ने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी पढ़ने का प्रयास किया?
- यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें, उनसे बातचीत करें, उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 5
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ-22 'जया, जगत और जुगनू'।
- कहानी को पहले से पढ़ लें। चर्चा के लिए बंद और खुले छोर के प्रश्नों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक-से-अधिक बच्चों को पूछे गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- कलरव पाठ-22 'जया, जगत और जुगनू' कहानी को अपने शब्दों में/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें, उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान, तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें। खुले छोर के प्रश्नों का उद्देश्य बच्चों के चिंतन कौशल को विकसित करना है, इसलिए बच्चों के जवाबों को सही और गलत में बाँटकर देखने से बचें और उनके हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

लेखन कार्य

- इस कहानी के आधार पर बच्चों से कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचानकर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

'क' और 'र' वर्ण की पुनरावृत्ति

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, 'क' और 'र' वर्ण लिखे 6-6 अक्षर कार्ड और 20-25 अन्य वर्ण लिखे हुए अक्षर कार्ड।
- 'क' और 'र' वर्ण से शुरू होने वाले अक्षर कार्ड और अन्य वर्णों के 20-25 अक्षर कार्ड बनाकर रख लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के लिए बच्चों को उदाहरण सहित निर्देश दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त अवसर दें।

'क' और 'र' वर्ण पहचान

35-40 मिनट

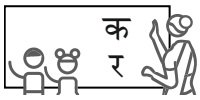

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी स्थानीय कहानी बच्चों को हाव-भाव सहित सुनाएँ। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- सबसे पहले आप कक्षा के बोर्ड पर एक ओर बड़ा-सा 'क' और 'र' वर्ण लिख दें।
- बच्चों को उनके पूर्व ज्ञान से जोड़ते हुए 'क' और 'र' ध्वनि से शुरू होने वाले कुछ शब्द बताने को कहें।
- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम एक गतिविधि करेंगे, जिसमें सभी बच्चों को 2 टीमों में बाँटा जाएगा। दोनों टीमें एक-दूसरे के सामने खड़ी हो जाएँगी और बीच में कुछ अक्षर कार्ड उल्टे करके रखे होंगे, जिन पर 'क' और 'र' वर्ण लिखे होंगे।
- जब आप इशारा करेंगे, तब दोनों टीमों में से 1-1 बच्चा अक्षर कार्ड के ढ़ेर के पास आकर गोल चक्कर लगाने लगेगा।
- कुछ देर बाद आप बोलेंगे, मुझे चाहिए 'क' - तब दोनों बच्चे अक्षर कार्ड के ढेर में से 'क' का अक्षर कार्ड खोजकर आपको लाकर देंगे। जो बच्चा पहले लेकर आएगा, उसकी टीम को 1 अंक दिया जाएगा।
- बच्चे सही वर्ण लाए हैं या नहीं, इसकी जाँच आप बाकी के बच्चों से ही करवाएँ।
- इसी प्रकार 'र' वर्ण के साथ भी ये काम होगा और यह प्रक्रिया तब तक चलती रहेगी, जब तक सभी बच्चों को मौका न मिल जाए।
- गतिविधि के दौरान दोनों ही बच्चों के लिए ताली बजवाएँ, लेकिन अंक पहले सही लाने वाले बच्चे की टीम को दें।
- इस दौरान आप उन बच्चों की पहचान कर लें, जिनको अभी तक 'क' और 'र' वर्ण की पहचान न हुई हो और अगले कालांश में उनके साथ मिलकर वर्ण पहचान पर काम करें।

लेखन कार्य

15-20 मिनट

- सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के पाठ-39 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।
- आप बच्चों के कार्य का अवलोकन घूम-घूमकर करें।

पाठ-39

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को कार्य करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और कार्य पूरा करने के लिए प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 5
दिवस 5

शब्दों को आकृति के रूप में पढ़ना

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- चार्ट पेपर और मार्कर।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में हिस्सा लेने का मौका दें।
- सभी बच्चों को कक्षा-कक्ष के संसाधनों के नाम को पहचानने में सहायता करें और प्रोत्साहन दें।

लोगोग्राफिक पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और एक-एक कर कक्षा में 10-15 बच्चों का नाम बुलाएँ और उन्हें कक्षा में क्या-क्या दिख रहा है, जैसे (बोर्ड, टेबल, कुर्सी, दरवाज़ा आदि) का नाम बोलने को कहें। इस दौरान बच्चों ने जिन चीज़ों के नाम बोले हैं, उन्हें आप बोर्ड पर लिखें।
- फिर किसी भी बच्चे का नाम लें और उसे बोर्ड पर लिखें। कक्षा-कक्ष के संसाधनों के नाम में से किसी भी एक चीज़ का नाम बोलें और वह बोर्ड पर कहाँ लिखा है, उसे पहचानने को कहें। यह प्रक्रिया सभी बच्चों के साथ किसी भी क्रम में करें।
- अंत में, जिस चार्ट पेपर पर आपने कक्षा-कक्ष के सामान्य संसाधनों के नाम को लिखा है, उसे कक्षा में चिपका/लटका दें। इसे ऐसी जगह पर लगाएँ, जहाँ से सभी बच्चे इसे आसानी से देख सकें। आप समय निकालकर या खाली समय में बच्चों को इस चार्ट पेपर पर लिखे नामों की पहचान करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने गतिविधि में प्रतिभाग किया? यदि नहीं, तो इन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है?

सप्ताह 5
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कहानी: बुद्धिमान खरगोश/शेर और खरगोश।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक-से-अधिक बच्चों को पूछे गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को अपने शब्दों में/स्थानीय भाषा में कहानी सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें। खुले छोर के प्रश्नों का उद्देश्य बच्चों के चिंतन कौशल को विकसित करना है, इसलिए बच्चों के जवाबों को सही और गलत में बाँटकर ना देखें और उनके हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन

लेखन कार्य

- इस कहानी के आधार पर बच्चों से कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

आकलन एवं रेमेडियल कार्य

तैयारी और सामग्री

- बोर्ड, चॉक और कार्यपुस्तिका।
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चों के पास लेखन की सामग्री हो।

आकलन एवं रेमेडियल कार्य

80 मिनट

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 35 से 39 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीखा लिया' आकलन-पत्रक में दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- इस कार्य को करने में आप बच्चों की सहायता न करें बल्कि उनका प्रोत्साहन करें।
- बच्चों द्वारा सही तरह से पहचाने गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों पर एक छोटा-सा निशान लगा दें और उपयुक्त जगह में उनके द्वारा प्राप्त किए गए अंक लिख दें।
- यदि कोई बच्चा एक भी वर्ण/अक्षर/शब्द सही तरीके से नहीं पढ़ पा रहा हो तो उसके आकलन-पत्रक में (0) अंक देने के स्थान पर (-) का चिन्ह लगा दें।
- प्रत्येक बच्चे के साथ आकलन-पत्रक पर कार्य करने के पश्चात् आप उन्हें अपने स्थान पर जाकर बैठने के लिए कहें और 'देखकर/सुनकर लिखो' वाली गतिविधि करने को कहें। 'सुनकर लिखो' वाली गतिविधि, आप सभी बच्चों के द्वारा आकलन-पत्रक पर कार्य पूरा कर लेने के बाद एक साथ करवाएँ।
- आकलन के परिणाम के अनुसार, जिन बच्चों के अंक 50 प्रतिशत से कम हों, उनको आप अलग समूह में बिठा लें और उनके साथ मिलकर आवश्यकता के अनुसार पुनरावृत्ति करें।
- शेष बच्चों से आप आकलन पत्रक के खाली स्थान पर कुछ लिखने/बनाने को कहें या कक्षा में उपलब्ध किताबें पढ़ने को दें। कालांश के अंत के 5-10 मिनट में इन बच्चों से बात करें कि उन्होंने क्या पढ़ा/लिखा या बनाया है।
- इसके पश्चात् आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार वर्ण/अक्षर/शब्द की पहचान ठीक से नहीं कर पा रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 6
दिवस 1

बच्चों को एक-दूसरे के साथ का मौका मिलना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- बच्चों को गतिविधि के लिए पर्याप्त जगह रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- आप इस बात का विशेष ध्यान रखें कि किसी भी बच्चे को चोट न लगे, बच्चों को भी इस बात का ध्यान रखने का निर्देश दें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- दिवस की शुरुआत किसी कविता/बालगीत/कहानी या खेल गतिविधि से करें। इस पर बच्चों के साथ 10-15 मिनट तक कार्य करें। आप बच्चों को बड़े से गोले में खड़ा करें।
- अब आप गाएँ- **'पहाड़ों में आग लगी, भागो भागो भागो!'** इस लाईन को दोहराते जाएँ और बच्चों को गोले में धीरे-धीरे दौड़ने को कहें। बच्चों को गोले में थोड़ी देर दौड़ने का मौका दें और फिर बोलें, **'दो-दो में खड़े हो जाओ'।**
- सभी बच्चों को दो-दो की संख्या में खड़े होने के लिए पर्याप्त समय दें। सभी बच्चों को दो-दो की संख्या में खड़े हो जाने तक इंतजार करें। इसके बाद भी अगर कोई बच्चा दो-दो की संख्या में खड़ा नहीं हो पाता है तो वह खेल से बाहर हो जाएगा।
- फिर, इस गतिविधि को दूसरी बार अलग संख्या से करवाएँ, जैसे तीन-तीन की संख्या, चार-चार की संख्या आदि।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से गतिविधि से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। बच्चों को जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र को सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचानकर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण पहचान

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ-9 'बत्तख और चूजा', वर्ण/अक्षर कार्ड।
- 'न' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

'न' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- 'न' से बनने वाले 3-4 परिचित शब्दों की आवाजों को तोड़कर-जोड़कर बोलें और बच्चों का ध्यान पहली ध्वनि पर केन्द्रित करें। फिर 'न' को बोर्ड पर लिखें और 3-4 बार इसका उच्चारण करें। बच्चों से 'न' की आवाज से शुरू होने वाले कुछ और शब्दों को पूछें, बोर्ड पर लिखें और कुछ दूसरे बच्चों को बुलाकर इन शब्दों के 'न' वर्ण पर गोला लगवाएँ।
- कुछ नए बच्चों को बुलाएँ और कक्षा में प्रदर्शित प्रिंट सामग्रियों में 'न' वर्ण ढूँढ़ने को कहें। फिर बच्चों के छोटे समूह बना दें और कलरव पाठ-9 में 'न' वर्ण को खोजकर गोला लगाने को कहें।
- अलग-अलग तरीकों से 'न वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-40 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-40

सप्ताह 6
दिवस 1

वर्ण पहचान

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

आदर्श वाचन और बच्चों के अनुभव पर बातचीत

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक: माँ और बच्चे।
- आप बिग बुक की कहानी को पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- सभी बच्चों की बातों को ध्यान से सुनें और सकारात्मक प्रतिक्रिया दें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बिग बुक के मुख्य पृष्ठ को दिखाते हुए बच्चों के पूर्वज्ञान को सक्रिय करें, जिसके लिए आप उनसे उस कहानी से संबंधित 1-2 प्रश्न करें।
- फिर आप बिग बुक की कहानी का आदर्श वाचन करें।
- फिर आप बिग बुक के शीर्षक और चित्रों के आधार पर कहानी पर पुन: चर्चा करें और कहानी से जुड़े बच्चों के अनुभवों पर चर्चा करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने चर्चा में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 6
दिवस 2

चित्र के बारे में अपनी भाषा में सरल बातचीत

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता, चित्र चार्ट: बाजार।
- चित्र चार्ट को पहले से देखकर समझना और चर्चा के लिए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बातचीत में यदि कोई ऐसा शब्द आता है जो अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव सहित गाएँ।
- बच्चों से चित्र में दिख रही चीजों/घटनाओं पर बातचीत करें और बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछते हुए बातचीत करें।
- चर्चा को आगे बढ़ाएँ और बंद छोर और खुले छोर के प्रश्नों को पूछें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चित्र पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। बच्चों को जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र को सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

सप्ताह 6
दिवस 2

चित्र के बारे में अपनी भाषा में सरल बातचीत

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में समान रूप से भाग लिया ?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस चर्चा में प्रतिभाग नहीं कर पाए तो उनकी पहचान करें, उन्हें हो रही परेशानी को समझने और आवश्यकता के अनुसार सहायता करने की योजना बनाएँ।

वर्ण पहचान

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, कलरव पाठ-9, वर्ण/अक्षर कार्ड।
- 'न' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

'न' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- 'न' से बनने वाले 3-4 परिचित शब्दों की आवाजों को तोड़कर-जोड़कर बोलें और बच्चों का ध्यान पहली ध्वनि पर केन्द्रित करें। फिर 'न' को बोर्ड पर लिखें और 3-4 बार इसका उच्चारण करें। बच्चों से 'न' की आवाज से शुरू होने वाले कुछ और शब्दों को पूछें, बोर्ड पर लिखें और कुछ दूसरे बच्चों को बुलाकर इन शब्दों के 'न' वर्ण पर गोला लगवाएँ।
- कुछ नए बच्चों को बुलाएँ और कक्षा में प्रदर्शित प्रिंट सामग्रियों में 'न' वर्ण ढूँढ़ने को कहें। फिर बच्चों के छोटे समूह बना दें और कलरव पाठ-9 में 'न' वर्ण को खोजकर गोला लगाने को कहें तथा अलग-अलग तरीकों से 'न' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-41 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-41

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ? जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

साझा और लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक : माँ और बच्चे।
- कहानी से बंद और खुले छोर के प्रश्नों का चयन तथा मुख्य शब्दों का चयन करें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- साझा पठन के लिए सभी बच्चों को प्रोत्साहित करें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- फिर आप पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराव कुछ प्रश्नों को पूछकर करें।
- फिर आप बिग बुक की कहानी का 2 बार साझा पठन करें और कहानी में आए मुख्य शब्दों को बोर्ड पर लिखें और 2-3 बार पढ़ें।
- इसके बाद एक-एक करके बच्चों को बोर्ड के पास बुलाएँ और इन शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी पढ़ने का प्रयास किया ? यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 6
दिवस 3

चित्र के बारे में अपनी भाषा में समृद्ध बातचीत

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता, चित्र चार्ट: बाजार।
- चित्र चार्ट को पहले से देखकर समझना और चर्चा के लिए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बातचीत में यदि कोई ऐसा शब्द आता है जो अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव सहित गाएँ।
- कल हुई चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें। चर्चा को आगे बढ़ाएँ और नए बंद छोर और खुले छोर के प्रश्नों को पूछें।
- चित्र चार्ट पर दूसरे दिन कार्य करने के दौरान आप यह सुनिश्चित करें कि आप अधिक-से-अधिक खुले छोर के प्रश्न पूछ रहे हैं।
- आप प्रश्न पूछें और बच्चों को जोड़ों में उस प्रश्न पर बातचीत करने के लिए कहें।
- जब बच्चों ने जोड़ों में बात कर ली हो, तब आप किसी 2-3 बच्चों को अपना उत्तर सभी के साथ साझा करने के लिए कहें। कोशिश करें कि हर बच्चे को 1-2 बार पूरी कक्षा में अपने उत्तर को साझा करने के मौके मिले हों।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चित्र पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। बच्चों को जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र को सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में समान रूप से भाग लिया?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस चर्चा में प्रतिभाग नहीं कर पाए तो उनकी पहचान करें। उन्हें हो रही परेशानी को समझने और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करने की योजना बनाएँ।

वर्ण पहचान

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, कलरव पाठ-18, वर्ण/अक्षर कार्ड।
- 'म' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

'म' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- 'म' से बनने वाले 3-4 परिचित शब्दों की आवाजों को तोड़कर-जोड़कर बोलें और बच्चों का ध्यान पहली ध्वनि पर केन्द्रित करें। फिर 'म' को बोर्ड पर लिखें और 3-4 बार इसका उच्चारण करें। बच्चों से 'म' की आवाज से शुरू होने वाले कुछ और शब्दों को पूछें, बोर्ड पर लिखें और कुछ दूसरे बच्चों को बुलाकर इन शब्दों के 'म' वर्ण पर गोला लगवाएँ।
- कुछ नए बच्चों को बुलाएँ और कक्षा में प्रदर्शित प्रिंट सामग्रियों में 'म' वर्ण ढूँढ़ने को कहें। फिर बच्चों के छोटे समूह बना दें और कलरव पाठ-18 में 'म' वर्ण को खोजकर गोला लगाने को कहें तथा अलग-अलग तरीकों से 'म' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-42 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-42

सप्ताह 6
दिवस 3

वर्ण पहचान

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

साझा पठन और समृद्ध बातचीत

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक: माँ और बच्चे।
- साझा पठन के लिए कहानी के उन बिंदुओं का चयन करें, जहाँ बच्चे शब्द जोड़ पाएँगे।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- साझा पठन के लिए सभी बच्चों को प्रोत्साहित करें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराव कुछ प्रश्नों को पूछकर और सरल चर्चा के द्वारा करें।
- इसके बाद बच्चों को आपके साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगह पर रूकें, जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें।
- फिर आप मौखिक अभिव्यक्ति से जुड़े प्रश्न बच्चों से करें। जैसे ये कहानी आपको क्यों अच्छी लगी? कहानी में क्या अच्छा लगा? आदि।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने साझा पठन करने का प्रयास किया?
- यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 6
दिवस 4

अपनी पसंद का चित्र बनाना और रंग भरना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कागज या कॉपी, रंग, पेंसिल, रबड़।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- गतिविधि की शुरुआत किसी कविता/ बालगीत/कहानी या खेल गतिविधि से करें। इस पर बच्चों के साथ 5-7 मिनट तक कार्य करें।
- बच्चों को गोल घेरे में बिठा लें और आप स्वयं भी बैठ जाएँ।
- फिर कला सामग्री बच्चों के बीच बाँट दें।
- बच्चों को कहें कि अपने पसंद की किसी भी चीज का चित्र बनाएँ और उसमें रंग भरें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 6
दिवस 4

वर्ण पहचान

कालांश ① ② ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, कलरव पाठ–18, वर्ण/अक्षर कार्ड।
- 'म' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

'म' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने–फिरने के मौके दें।
- 'म' से बनने वाले 3–4 परिचित शब्दों की आवाजों को तोड़कर–जोड़कर बोलें और बच्चों का ध्यान पहली ध्वनि पर केन्द्रित करें। फिर 'म' को बोर्ड पर लिखें और 3–4 बार इसका उच्चारण करें। बच्चों से 'म' की आवाज से शुरू होने वाले कुछ और शब्दों को पूछें, बोर्ड पर लिखें और कुछ दूसरे बच्चों को बुलाकर इन शब्दों के 'म' वर्ण पर गोला लगवाएँ।
- कुछ नए बच्चों को बुलाएँ और कक्षा में प्रदर्शित प्रिंट सामग्रियों में 'म' वर्ण ढूँढ़ने को कहें। फिर बच्चों के छोटे समूह बना दें और कलरव पाठ–18 में 'म' वर्ण को खोजकर गोला लगाने को कहें।
- अलग–अलग तरीकों से 'म' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ–43 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ–43

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण–प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

समृद्ध चर्चा और रोल प्ले

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक: माँ और बच्चे।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- बच्चों द्वारा बिग बुक को पढ़ने की नकल करने के दौरान आप उनका प्रोत्साहन और प्रशंसा करें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने–फिरने/उठने–बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराव कुछ प्रश्नों को पूछकर करें।
- इसके बाद आप बच्चों को छोटे समूह में बाँट दें और कहानी पर आधारित रोल प्ले करने को कहें।
- यहाँ कहानी के पात्रों की नकल करना, उनकी आवाज निकालना, अभिनय करना, अपने शब्दों में डायलॉग बोलना आदि 'रोल प्ले' के दायरे में आएगा।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे रोल प्ले में हिस्सा ले पा रहे थे?
- यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें। उनसे बातचीत कर उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 6
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कहानी: दो बिल्ली और बंदर/रोटी का बँटवारा/बंदर बाँट।
- चर्चा के लिए बंद और खुले छोर के प्रश्नों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक-से-अधिक बच्चों को पूछे गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों में स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य

- इस कहानी के आधार पर बच्चों से कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर अगले कालांश में उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, कलरव पाठ-18, वर्ण/अक्षर कार्ड।
- 'म' और 'न' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।
- वर्ण पहचान।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

'न' और 'म' वर्ण की पहचान- पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- 'म' और 'न' से बनने वाले 3-4 परिचित शब्दों की आवाजों को तोड़कर-जोड़कर बोलें और बच्चों का ध्यान पहली ध्वनि पर केन्द्रित करें। फिर 'म' को बोर्ड पर लिखें और 3-4 बार इसका उच्चारण करें। बच्चों से 'म और 'न' की आवाज से शुरू होने वाले कुछ और शब्दों को पूछें, बोर्ड पर लिखें और कुछ दूसरे बच्चों को बुलाकर इन शब्दों के 'म' वर्ण पर गोला लगवाएँ।
- फिर आप 'म' और 'न' वर्ण की पहचान के लिए कोई खेल गतिविधि करवाएँ, जैसे कि- पहले लाओ टीम जिताओ। अब आप बच्चों से कक्षा में प्रदर्शित सामग्रियों में से 'म' और 'न' वर्णों को खोजकर पढ़ने के लिए कहें।
- अलग-अलग तरीकों से 'म' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-44 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-44

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है? जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 6
दिवस 5

शब्दों को आकृति के रूप में पढ़ना

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- चार्ट पेपर, मार्कर।
- एक चार्ट पेपर पर स्कूल से जुड़े सरल एवं सामान्य शब्द जैसे- कक्षा, बस्ता, किताब आदि लिखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- सभी बच्चों की बातों को ध्यान से सुनें और सकारात्मक प्रतिक्रिया दें।

लोगोग्राफिक पठन

20 मिनट

- कालांश की शुरुआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और बच्चों से स्कूल से जुड़े कुछ शब्द एक-एक करके पूछें, बच्चों के द्वारा बताए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखते जाएँ।
- फिर, किसी भी बच्चे का नाम लें और उसे बोर्ड पर लिखे शब्दों में से कोई एक शब्द बोलें और वह बोर्ड पर कहाँ लिखा है, उसे पहचानने को कहें। यह प्रक्रिया सभी बच्चों के साथ किसी भी क्रम में करें।
- अंत में, जिस चार्ट पेपर पर आपने स्कूल से जुड़े शब्दों को लिखा है, उसे कक्षा में चिपका/लटका दें। इसे ऐसी जगह पर लगाएँ, जहाँ सभी बच्चे इसे आसानी से देख सकें। आप खाली समय में बच्चों को चार्ट पेपर पर लिखे नामों की पहचान करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे गतिविधि में भाग ले पा रहे थे?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और जानने का प्रयास करें कि इन्हें कहाँ परेशानी हो रही है?

सप्ताह 6
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कहानी पोस्टर: रामसहाय की साइकिल।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में अपनी बात कहने के भरपूर मौके दें।
- अधिक-से-अधिक बच्चों को पूछे गए प्रश्नों (बंद एवं खुले छोर) का उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- बच्चों को कहानी पोस्टर के चित्र दिखाते हुए शीर्षक और कहानी के बारे में अनुमान लगाने को कहें।
- आप बच्चों को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में कहानी पोस्टर की कहानी सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य

- इस कहानी के आधार पर बच्चों से कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

आकलन और रेमेडियल कार्य

तैयारी और सामग्री

- बोर्ड, चॉक और कार्यपुस्तिका।
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चों के पास लेखन की सामग्री हो।

आकलन और रेमेडियल कार्य

80 मिनट

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 40 से 44 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक में दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- इस कार्य को करने में आप बच्चों की सहायता न करें बल्कि उनका प्रोत्साहन करें।
- बच्चों द्वारा सही तरह से पहचाने गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों पर एक छोटा-सा निशान लगा दें और उपयुक्त जगह में उनके द्वारा प्राप्त किए गए अंक लिख दें।
- यदि कोई बच्चा एक भी वर्ण/अक्षर/शब्द सही तरीके से नहीं पढ़ पा रहा हो तो उसके आकलन-पत्रक में (0) अंक देने के स्थान पर (–) का चिन्ह लगा दें।
- प्रत्येक बच्चे के साथ आकलन-पत्रक पर कार्य करने के पश्चात् आप उन्हें अपने स्थान पर जाकर बैठने के लिए कहें और 'देखकर/सुनकर लिखो' वाली गतिविधि करने को कहें। 'सुनकर लिखो' वाली गतिविधि, आप सभी बच्चों के द्वारा आकलन-पत्रक पर कार्य पूरा कर लेने के बाद एक साथ करवाएँ।
- आकलन के परिणाम के अनुसार, जिन बच्चों के अंक 50 प्रतिशत से कम हों, उनको आप अलग समूह में बिठा लें और उनके साथ मिलकर आवश्यकता के अनुसार पुनरावृत्ति करें।
- शेष बच्चों से आप आकलन पत्रक के खाली स्थान पर कुछ लिखने/बनाने को कहें या कक्षा में उपलब्ध किताबें पढ़ने को दें। कालांश के अंत के 5-10 मिनट में इन बच्चों से बात करें कि उन्होंने क्या पढ़ा/लिखा या बनाया है।
- इसके पश्चात् आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार वर्ण/अक्षर/शब्द की पहचान ठीक से नहीं कर पा रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें।

तैयारी और सामग्री

- कागज की एक गेंद या खिलौना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- दिन की शुरुआत किसी कविता/ बालगीत/ कहानी या खेल गतिविधि से करें। इस पर बच्चों के साथ 5–7 मिनट तक कार्य करें।
- बच्चों को गोल घेरे में बिठाएँ।
- बच्चों को बताएँ कि आप कागज़ की गेंद घेरे में घुमाएँगे। गेंद जिसके पास भी पहुँचेगी, उसे बताना होगा कि आज उन्हें स्कूल तक आने में किस-किसने सहायता की और सुबह से लेकर स्कूल आने तक उन्होंने क्या-क्या किया ? (उनके आज के अनुभव क्या और कैसे रहे)।
- इस गतिविधि में सभी बारी-बारी से अपनी बात कहेंगे।
- सबसे पहले आप आज दिन भर के अनुभव बच्चों के साथ साझा करें। इससे बच्चों को पता चलेगा कि अपनी बातों (अनुभव) को किस तरह से साझा करना है। इसके बाद बच्चों को अपने अनुभव सुनाने के लिए कहें।
- सुनिश्चित करें कि गतिविधि के अंत तक सभी बच्चों ने अपने अनुभव/बातें साझा कर ली हों।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से किसी भी एक चीज़ का चित्र बनाने को कह सकते हैं, जो उन्हें स्कूल आते समय दिखी हो। बच्चों को जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3–4 बच्चों से अपने चित्र को सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

'आ' मात्रा की पहचान

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, पर्चियाँ।
- बच्चों की संख्या के अनुसार पर्चियाँ तैयार कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के स्पष्ट निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'आ' मात्रा पर कार्य

35–40 मिनट

- कालांश की शुरुआत एक छोटी कविता बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- आप बोर्ड पर किसी वर्ण को लिखें और इसका उच्चारण करें। फिर उस वर्ण में लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। जैसे- 'न', 'ना'। (ध्यान दें कि अभी हम बच्चों से 'आ की मात्रा' की अवधारणा पर बात नहीं करेंगे, जैसे- 'क' और आ की मात्रा 'ा' - 'का'। बल्कि हम केवल मात्रा के लगने से ध्वनि में होने वाले परिवर्तन पर बच्चों का ध्यान आकर्षित करेंगे। मात्रा की अवधारणा पर हम 13 वें सप्ताह में बातचीत करेंगे।)

क	का
र	रा
न	ना
म	मा
स	सा

(क्रमिक ग्रिड)

क	का	स
मा	र	रा
न	ना	सा
सा	रा	म
का	म	ना

(अनुक्रमिक ग्रिड)

- कुछ अन्य वर्ण लिखकर उसमें लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। जैसे - क, का, र, रा।
- सिखाए गए वर्णों और लक्षित मात्रा से क्रमिक (Sequence) ग्रिड बोर्ड पर बनाएँ और 4–5 बार उच्चारण करें।
- इसी प्रकार एक अनुक्रमिक (Random) ग्रिड बोर्ड पर बनाकर बच्चों से वर्ण एवं अक्षर की पहचान करने को कहें।

- अक्षर पहचान की गतिविधि 'मिलकर खोजें' करवाएँ। इसके लिए आप अभी तक सिखाए वर्णों और अक्षरों (वर्णों और मात्रा से मिलकर बने) की 2–2 पर्चियाँ बना लें, बच्चों को गोल घेरे में खड़ा करें और पर्चियाँ बीच में रख दें।
- बच्चों से 1–1 पर्ची उठाने कों कहें और अपने साथी को खोजने को कहें, जिसके पास उसी अक्षर की पर्ची हो। जोड़ीदार मिलने के बाद बच्चे उस अक्षर को कक्षा-कक्ष में प्रदर्शित सामग्री में खोजने को कहें।
- **ब्लेंडिंग:** अब तक बनाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाला कोई शब्द बोर्ड पर बॉक्स में तोड़कर लिखें। जैसे - का + र → कार
- सभी वर्णों/अक्षरों को मिलाकर एक साथ एक शब्द/इकाई के रूप में पहले 3–4 बार पढ़ें । जैसे - 'कार', 'नाम', 'काका' और उसके बाद बच्चों से दोहराने को कहें।
- इसी प्रकार अब तक सिखाए गए वर्णों/मात्राओं से मिलकर बनने वाले कुछ और सरल शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। इसके लिए कार्यपुस्तिका में आज के पाठ से भी कुछ उदाहरण लिए जा सकते हैं।
- फिर बच्चों को 4–5 छोटे समूहों में बाँट दें और अब तक सिखाए गए वर्ण/अक्षर के कुछ कार्ड दें और उनको मिलाकर नए शब्द बनाने और पढ़ने को कहें। यहाँ निरर्थक शब्द भी स्वीकार किए जा सकते हैं।

लेखन कार्य

15–20 मिनट

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-45 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।
- आप बच्चों के कार्य का अवलोकन घूम-घूमकर करें।

पाठ 45

सप्ताह 7
दिवस 1

वर्ण/अक्षर की पहचान

कालांश ① ② ③ | डिकोडिंग | 60 मिनट

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

आदर्श वाचन और बच्चों के अनुभव पर बातचीत

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक: मुर्गी के तीन चूजे।
- कहानी को कक्षा में जाने से पूर्व पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- सभी बच्चों की बातों को ध्यान से सुनें और सकारात्मक प्रतिक्रिया दें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बिग बुक के मुख्य पृष्ठ को दिखाते हुए बच्चों के पूर्वज्ञान को सक्रिय करें, जिसके लिए आप उनसे उस कहानी से संबंधित 1-2 प्रश्न करें।
- फिर आप बिग बुक की कहानी का आदर्श वाचन करें।
- फिर आप बिग बुक के शीर्षक और चित्रों के आधार पर कहानी पर पुन: चर्चा करें और कहानी से जुड़े बच्चों के अनुभवों पर चर्चा करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी से जुड़े अपने अनुभव साझा किए?
- यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 7
दिवस 2

चित्र के बारे में सरल बातचीत

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- चित्र चार्ट: घर परिवार।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बातचीत में यदि कोई ऐसा शब्द आता है जो अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे

चित्र पर चर्चा

- सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए दिन की शुरुआत स्थानीय कविता या गीत को हाव-भाव के साथ गाकर करें।
- बच्चों को एक घेरे में बिठाएँ और चित्र चार्ट को गौर से देखने के लिए कहें। सभी बच्चे चित्र को देख पाएँ, इसके लिए आप घूमकर सबको चित्र एक बार पुन: दिखाएँ।
- इसके बाद बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों के बारे में सीधे एवं सरल प्रश्न पूछें।
- इसके बाद चर्चा को आगे बढ़ाते हुए चित्र चार्ट से संबंधित बच्चों के अनुभवों को चर्चा में शामिल करें।
- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का समय दें और सबको चर्चा में शामिल करें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। बच्चों को जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3–4 बच्चों से अपने चित्र को सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर अगले कालांश में उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

'आ' मात्रा की पहचान

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, पर्चियाँ।
- बच्चों की संख्या के अनुसार पर्चियाँ तैयार कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के स्पष्ट निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'आ' मात्रा पर कार्य

35-40 मिनट

- कालांश की शुरुआत एक छोटी कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।

- आप बोर्ड पर किसी वर्ण को लिखें और इसका उच्चारण करें। फिर उस वर्ण में लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। जैसे- 'न', 'ना'। (ध्यान दें कि अभी हम बच्चों से 'आ की मात्रा' की अवधारणा पर बात नहीं करेंगे, जैसे 'क' और आ की मात्रा 'ा' -'का'। बल्कि हम केवल मात्रा के लगने से ध्वनि में होने वाले परिवर्तन पर बच्चों का ध्यान आकर्षित करेंगे। मात्रा की अवधारणा पर हम 13 वें सप्ताह में बातचीत करेंगे।)

क	का
र	रा
न	ना
म	मा
स	सा

(क्रमिक ग्रिड)

- कुछ अन्य वर्ण लिखकर उसमें लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। जैसे - क, का, र, रा।
- सिखाए गए वर्णों और लक्षित मात्रा से क्रमिक (Sequence) ग्रिड बोर्ड पर बनाएँ और 4-5 बार उच्चारण करें।

क	का	स
मा	र	रा
न	ना	सा
सा	रा	म
का	म	ना

(अनुक्रमिक ग्रिड)

- इसी प्रकार एक अनुक्रमिक (Random) ग्रिड बोर्ड पर बनाकर बच्चों से वर्ण एवं अक्षर की पहचान करने को कहें।
- अक्षर पहचान की गतिविधि 'मिलकर खोजें' करवाएँ। इसके लिए आप अभी तक सिखाए वर्णों और अक्षरों (वर्णों और मात्रा से मिलकर बने) की 2-2 पर्चियाँ बना लें, बच्चों को गोल घेरे में खड़ा करें और पर्चियाँ बीच में रख दें।

- बच्चों से 1-1 पर्ची उठाने कों कहें और अपने साथी को खोजने को कहें, जिसके पास उसी अक्षर की पर्ची हो। जोड़ीदार मिलने के बाद बच्चे उस अक्षर को कक्षा-कक्ष में प्रदर्शित सामग्री में खोजने को कहें।
- **ब्लेंडिंग:** अब तक बनाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाला कोई शब्द बोर्ड पर बॉक्स में तोड़कर लिखें। जैसे- का + र → कार
- सभी वर्णों/अक्षरों को मिलाकर एक साथ एक शब्द/इकाई के रूप में पहले 3-4 बार पढ़ें । जैसे - 'काका', 'मामा', 'नाना' और उसके बाद बच्चों से दोहराने को कहें।
- इसी प्रकार अब तक सिखाए गए वर्णों/मात्राओं से मिलकर बनने वाले कुछ और सरल शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। इसके लिए कार्यपुस्तिका में आज के पाठ से भी कुछ उदाहरण लिए जा सकते हैं।
- फिर बच्चों को 4-5 छोटे समूहों में बाँट दें और अब तक सिखाए गए वर्ण/अक्षर के कुछ कार्ड दें और उनको मिलाकर नए शब्द बनाने और पढ़ने को कहें। यहाँ निरर्थक शब्द भी स्वीकार किए जा सकते हैं।
- **शब्द पठन:** पूर्व की कक्षाओं में पठन-पाठन की प्रक्रिया के दौरान चार्ट पर/शब्द दीवार पर लिखे गए शब्दों की तरफ बच्चों का ध्यान आकर्षित करवाएँ और कुछ शब्दों को उच्चारित करें/पढ़ें।
- इसके पश्चात्, अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले 4-5 परिचित सरल शब्दों को बोर्ड पर लिखें और इनको एक साथ पढ़ें और फिर बच्चों को दोहराने को कहें। (ध्यान दें कि यहाँ हम वर्णों/अक्षरों को मिलाकर नहीं, बल्कि एक साथ एक शब्द/इकाई के रूप में पढ़ेंगे।) इसके लिए कार्यपुस्तिका में आज के पाठ से भी कुछ उदाहरण लिए जा सकते हैं।

सप्ताह 7
दिवस 2

वर्ण/अक्षर की पहचान

कालांश ① ② ③ | डिकोडिंग | 60 मिनट

लेखन कार्य

15-20 मिनट

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका से पाठ-46 पर कार्य करने को कहें और बच्चों के कार्य का अवलोकन करें।

पाठ 46

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

साझा और लोगोग्राफिक पठन

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक: मुर्गी के तीन चूजे।
- कहानी को कक्षा में जाने से पूर्व पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को कहानी के अनुसार अपनी बात रखने के मौके दें।
- सभी बच्चों को पढ़ने के भरपूर मौके दें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- फिर आप पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराव कुछ प्रश्नों को पूछकर करें।
- फिर आप बिग बुक की कहानी का 2 बार साझा पठन करें और कहानी में आए मुख्य शब्दों को बोर्ड पर लिखें और 2-3 बार पढ़ें।
- इसके बाद एक-एक करके बच्चों को बोर्ड के पास बुलाएँ और इन शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 7
दिवस 3

चित्र के बारे में समृद्ध बातचीत

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- चित्र चार्ट: घर परिवार, कलरव।
- चर्चा के लिये खुले छोर के प्रश्न तैयार करना।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कलरव-1 पाठ्यपुस्तक में दी गई कोई कविता पूरे हाव-भाव सहित गाएँ।
- पिछले दिन की गई चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें। चर्चा को आगे बढ़ाएँ और नए बंद छोर और खुले छोर के प्रश्नों को पूछें।
- चित्र चार्ट पर दूसरे दिन कार्य करने के दौरान आप यह सुनिश्चित करें कि आप

सप्ताह 7
दिवस 3

चित्र के बारे में समृद्ध बातचीत

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

चित्र पर चर्चा

अधिक-से-अधिक खुले छोर के प्रश्न पूछ रहे हैं।

- आप प्रश्न पूछें और बच्चों को जोड़ों में उस प्रश्न पर बातचीत करने के लिए कहें। आप बच्चों को यह निर्देश दें कि जोड़ों में दोनों ही बच्चों को (प्रश्न का उत्तर) क्या लगता है, इस पर बात करनी है।
- जब बच्चों ने जोड़ों में बात कर ली हो, तब आप किसी 2-3 बच्चों को अपना उत्तर सभी के साथ साझा करने के लिए कहें। कोशिश करें कि हर बच्चे को 1-2 बार पूरी कक्षा में अपने उत्तर को साझा करने के मौके मिले हों।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चर्चा से जुड़ा चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। बच्चों को जोड़ों में आकर बनाए चित्र पर बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से चित्र सभी को दिखाने और बात करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण/अक्षर की पहचान

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक, कलरव पाठ्यपुस्तक।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर करने के स्पष्ट निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

'आ-मात्रा' पर कार्य

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- फिर आप वर्ण मात्रा से लक्षित क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड क्रमशः बनाएँ और 4-5 बार उच्चारण करके दिखाएँ। वर्ण-मात्रा से बने इस ग्रिड से पहले आप वर्ण अक्षर पढ़ें और बच्चों को अपने बाद बोलने को कहें। (ध्यान दें कि अभी हम बच्चों से 'आ की मात्रा' की अवधारणा पर बात नहीं करेंगे, जैसे- 'क' और आ की मात्रा 'ा' - 'का'। बल्कि हम केवल मात्रा के लगने से ध्वनि में होने वाले परिवर्तन पर बच्चों का ध्यान आकर्षित करेंगे। मात्रा की अवधारणा पर हम 13 वें सप्ताह में बातचीत करेंगे।)
- कुछ बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और बोर्ड पर बनी ग्रिड में से आपके द्वारा बताए गए वर्ण/अक्षर को पहचान कर बताने को कहें।
- फिर आप बोर्ड पर 'मा' और 'ना' लिख दें और बच्चों से कलरव पाठ्यपुस्तक के पाठ-20 'चन्दा मामा' में इनको खोजकर गोला लगाने को कहें।
- **ब्लेंडिंग:** आप बोर्ड पर बाक्स बनाएँ और उनमें अब तक सिखाए गए वर्णों और अक्षरों से बनने वाला शब्द तोड़कर लिखें। जैसे -
- आप दोनों वर्णों को मिलाकर एक साथ एक शब्द/इकाई के रूप में पहले 3-4 बार पढ़ें और उसके बाद बच्चों से दोहराने को कहें।
- इसी प्रकार आप अब तक सिखाए गए वर्णों में 'आ' की मात्रा लगाकर सरल शब्द जैसे- कान,

डिकोडिंग

'आ-मात्रा' पर कार्य

नाम, काम आदि को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

- **शब्द पठन:** पूर्व की कक्षाओं में पठन-पाठन की प्रक्रिया के दौरान चार्ट पर / शब्द दीवार पर लिखे गए शब्दों की तरफ बच्चों का ध्यान आकर्षित करवाएँ और कुछ शब्दों को उच्चारित करें/पढ़ें।
- इसके पश्चात्, अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले 4-5 परिचित सरल शब्दों को बोर्ड पर लिखें और इनको एक-साथ पढ़ें और फिर बच्चों को दोहराने को कहें। (ध्यान दें कि यहाँ हम वर्णों/अक्षरों को मिलाकर नहीं, बल्कि एक-साथ एक शब्द/इकाई के रूप मे पढ़ेंगे।) इसके लिए कार्यपुस्तिका में आज के पाठ से भी कुछ उदाहरण लिए जा सकते हैं।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-47 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-47

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 7
दिवस 3

साझा पठन और समृद्ध बातचीत

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक: मुर्गी के तीन चूजे।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को अपनी बात रखने के मौके दें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराव कुछ प्रश्नों को पूछकर और सरल चर्चा के द्वारा करें।
- इसके बाद बच्चों को आपके साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगहों पर रूकें, जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें।
- फिर आप मौखिक अभिव्यक्ति से जुड़े प्रश्न बच्चों से करें। जैसे ये कहानी आपको क्यों अच्छी लगी? कहानी में क्या अच्छा लगा? आदि।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने साझा पठन करने का प्रयास किया?
- यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 7
दिवस 4

शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय संदर्भ से जुड़ी कविताएँ/गीत।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को गतिविधि में प्रतिभाग करने का मौका मिले।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- दिवस की शुरुआत किसी खेल गतिविधि से करें। इसमें 5–7 मिनट का समय दें।
- इस गतिविधि के लिए आप कोई भी कविता या गीत का चुनाव करें।
- यदि, बच्चे उस गीत या कविता को नहीं जानते हैं तो पहले आप उसकी एक-एक पंक्ति गाएँ और फिर बच्चों से हर पंक्ति के बाद उसे दोहराने के लिए कहें। जब बच्चों की पकड़ गीत पर बन जाए तो आप उन्हें अपने साथ गाने के लिए कहें।
- आप 2–3 कविताओं या बालगीत पर काम करें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से कविता से संबंधित कोई भी चित्र बनाने को कहें। बच्चों को जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3–4 बच्चों से अपने चित्र को सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचानकर आगे मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक, कलरव पाठ्यपुस्तक।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के स्पष्ट निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- फिर आप वर्ण मात्रा से लक्षित क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड क्रमशः बनाएँ और 4–5 बार उच्चारण करके दिखाएँ। वर्ण-मात्रा से बने इस ग्रिड से पहले आप वर्ण अक्षर पढ़ें और बच्चों को अपने बाद बोलने को कहें। (ध्यान दें कि अभी हम बच्चों से 'आ की मात्रा' की अवधारणा पर बात नहीं करेंगे, जैसे- 'क' और आ की मात्रा 'ा' - 'का'। बल्कि हम केवल मात्रा के लगने से ध्वनि में होने वाले परिवर्तन पर बच्चों का ध्यान आकर्षित करेंगे। मात्रा की अवधारणा पर हम 13वें सप्ताह में बातचीत करेंगे।)
- कुछ बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और बोर्ड पर बनी ग्रिड में से आपके द्वारा बताए गए वर्ण/अक्षर को पहचान कर बताने को कहें।
- फिर आप बोर्ड पर 'मा' और 'ना' लिख दें और बच्चों से कलरव पाठ्यपुस्तक के पाठ-20 'चन्दा मामा' में इनको खोजकर गोला लगाने को कहें।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व की कक्षाओं में पठन-पाठन की प्रक्रिया के दौरान चार्ट पर / शब्द दीवार पर लिखे गए शब्दों की तरफ बच्चों का ध्यान आकर्षित करवाएँ और कुछ शब्दों को उच्चारित करें/पढ़ें।
- इसके पश्चात्, अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले 4–5 परिचित सरल शब्दों को

डिकोडिंग

पुनरावृत्ति

बोर्ड पर लिखें और इनको एक-साथ पढ़ें और फिर बच्चों को दोहराने को कहें। (ध्यान दें कि यहाँ हम वर्णों/अक्षरों को मिलाकर नहीं बल्कि एक-साथ एक शब्द/इकाई के रूप में पढ़ेंगे।) इसके लिए कार्यपुस्तिका में आज के पाठ से भी कुछ उदाहरण लिए जा सकते हैं।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-48 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-48

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें, उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

समृद्ध चर्चा और रोल प्ले

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक: मुर्गी के तीन चूजे।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को रोल प्ले में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित करें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराव कुछ प्रश्नों को पूछकर करें।
- इसके बाद आप बच्चों को छोटे समूह में बाँट दें और कहानी पर आधारित रोल प्ले करने को कहें।
- यहाँ कहानी के पात्रों की नकल करना, उनकी आवाज निकालना, अभिनय करना, अपने शब्दों में डायलॉग बोलना आदि 'रोल प्ले' के दायरे में आएगा।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने रोल प्ले में प्रतिभागिता की?
- यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें, उनसे बात करें, उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 7
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- भालू का बच्चा और बाघ के बच्चे – आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका–1 (2020–21)
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का वातावरण रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने–फिरने/उठने–बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों में स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच–बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3–4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों ?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य

- इस कहानी के आधार पर बच्चों से कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में प्रतिभाग किया ? यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचानकर आगे उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक, पाठ्यपुस्तक/सहज, अक्षर कार्ड।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के स्पष्ट निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- पढ़ने में बच्चों की सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी स्थानीय कविता को बच्चों के साथ हाव–भाव सहित गाएँ।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक/सहज में खोजने और अलग–अलग तरीकों से इन्हें लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** वर्णों/अक्षरों और शब्दों को मिलाकर पढ़ना (ब्लेंडिंग) सिखाने के लिए, अब तक उपयोग किए गए तरीकों से आप बच्चों को पुनरावृत्ति कार्य करवाएँ। इसके लिए आप **'शब्द बनाओ – पढ़कर सुनाओ'** गतिविधि का भी प्रयोग कर सकते हैं। इसके लिए शिक्षक बच्चों को छोटे समूहों में बाँट दें और प्रत्येक समूह को 20–25 अक्षर कार्ड दे दें।
- हर बच्चे को दो–दो वर्ण/अक्षर कार्ड जोड़कर शब्द बनाने और पढ़ने को कहें। उदाहरण के लिए, यदि किसी बच्चे ने दो अक्षर कार्ड जोड़कर रखे हैं– 'का' और 'म', तो वह बच्चा उसको जोड़कर बोलने का अभ्यास करे, जैसे 'का'.. 'म '.. 'काम'। हर बच्चा जितना हो सके, नए–नए शब्द बनाए और पढ़े। यहाँ निरर्थक शब्द भी स्वीकार किए जा सकते हैं।
- **शब्द पठन:** पिछले दिनों के कालांश की तरह ही पूर्व की कक्षाओं में पठन–पाठन की प्रक्रिया के दौरान चार्ट पर /शब्द दीवार पर लिखे गए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास कराएँ।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ–49 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ–49

सप्ताह 7
दिवस 5

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचानकर उनसे बातचीत करें और उन्हें प्रोत्साहन दें।

स्वतंत्र पठन और सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने का मौका दें।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी को समझने को कहें।
- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, स्वीकार करें।
- बच्चों को कहानी बताने में सहयोग करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें, उनसे बातचीत करें और उन्हें प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 7
दिवस 6

मौखिक सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कहानी: शेर और चूहा।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का वातावरण रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- अब आप बच्चों को अपने शब्दों में/स्थानीय भाषा में कहानी सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें। जैसे- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?

लेखन कार्य

- इस कहानी के आधार पर बच्चों से कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने चर्चा में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें। उनसे बातचीत करें और उन्हें प्रोत्साहन दें।

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।
- आकलन के प्रश्न पहले से पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चों के पास लेखन की सामग्री हो।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 45 से 49 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक में दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- इस कार्य को करने में आप बच्चों की सहायता न करें बल्कि उनका प्रोत्साहन करें।
- बच्चों द्वारा सही तरह से पहचाने गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों पर एक छोटा-सा निशान लगा दें और उपयुक्त जगह में उनके द्वारा प्राप्त किए गए अंक लिख दें।
- यदि कोई बच्चा एक भी वर्ण/अक्षर/शब्द सही तरीके से नहीं पढ़ पा रहा हो तो उसके आकलन-पत्रक में (0) अंक देने के स्थान पर (-) का चिन्ह लगा दें।
- प्रत्येक बच्चे के साथ आकलन-पत्रक पर कार्य करने के पश्चात् आप उन्हें अपने स्थान पर जाकर बैठने के लिए कहें और 'देखकर/सुनकर लिखो' वाली गतिविधि करने को कहें। 'सुनकर लिखो' वाली गतिविधि, आप सभी बच्चों के द्वारा आकलन-पत्रक पर कार्य पूरा कर लेने के बाद एक साथ करवाएँ।
- आकलन के परिणाम के अनुसार, जिन बच्चों के अंक 50 प्रतिशत से कम हों, उनको आप अलग समूह में बिठा लें और उनके साथ मिलकर आवश्यकता के अनुसार पुनरावृत्ति करें।
- शेष बच्चों से आप आकलन पत्रक के खाली स्थान पर कुछ लिखने/बनाने को कहें या कक्षा में उपलब्ध किताबें पढ़ने को दें। कालांश के अंत के 5-10 मिनट में इन बच्चों से बात करें कि उन्होंने क्या पढ़ा/लिखा या बनाया है।
- इसके पश्चात् आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार वर्ण/अक्षर/शब्द की पहचान ठीक से नहीं कर पा रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 8
दिवस 1

कविता पर चर्चा और शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- चींटी – कविता पोस्टर।
- कविता पोस्टर से कविता पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- जब बच्चे कविता सुना रहे हों तो उनकी कमियाँ ना बताते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

कविता पोस्टर पर कार्य

- कालांश की शुरुआत आप चलने-फिरने/उठने-बैठने से संबंधित किसी खेल गतिविधि से करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- अब आप बच्चों को कविता पोस्टर दिखाते हुए कविता के शीर्षक का अनुमान लगाने और चित्रों के माध्यम से कविता के बारे में अनुमान लगाने के लिए कहें।
- अब आप बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 2-3 बार सुनाएँ। इसके बाद कविता पोस्टर दिखाते हुए, कविता के प्रत्येक शब्द पर उंगली रखते हुए पढ़ें।
- अब आप कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव के साथ 1-2 बार गाएँ।
- इसके बाद कविता के बारे में उनकी राय पूछें, उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों अच्छा लगा ?
- इसके बाद कक्षा के 1-2 बच्चों से कविता सुनाने को कहें।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें। बच्चों के हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

लेखन कार्य

- बच्चों को कविता से संबंधित कोई चित्र बनाने एवं उसमें रंग भरने को कहें। बच्चों द्वारा बनाया गया चित्र सभी को दिखाने के लिए कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग व शब्द पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, कलरव पाठ-7 पतंग।
- 'स' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'स' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'स' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और कलरव के पाठ-7 'पतंग' में 'स' वर्ण को खोजने और अलग-अलग तरीकों से 'स' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- इसके बाद बच्चों को 3-4 सरल शब्द देखकर/सुनकर लिखने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-50 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-50

सप्ताह 8
दिवस 1

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग व शब्द पठन

कालांश ① ② ③

डिकोडिंग

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

आदर्श वाचन और बच्चों के अनुभव पर बातचीत

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक: चिड़िया।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों की बातों को ध्यान से सुनें और सकारात्मक प्रतिक्रिया दें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बिग बुक के मुख्य पृष्ठ को दिखाते हुए बच्चों के पूर्वज्ञान को सक्रिय करें, जिसके लिए आप उनसे उस कहानी से संबंधित 1-2 प्रश्न करें।
- बिग बुक की कहानी का आदर्श वाचन करें।
- बिग बुक के शीर्षक और चित्रों के आधार पर कहानी पर पुन: चर्चा करें और कहानी से जुड़े बच्चों के अनुभवों पर चर्चा करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया?
- यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 8
दिवस 2

चित्र के बारे में सरल बातचीत

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कलरव-1 पाठ-8: रसोई।
- चर्चा के लिए खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को एक घेरे में बिठाएँ और चित्र चार्ट देखने के लिए कहें। आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/ घटनाओं/ गतिविधियों के बारे में बंद छोर के प्रश्न पूछें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और बच्चों के खुले छोर वाले कुछ प्रश्न करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से चित्र और हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें।
- बनाए हुए चित्र को सभी को दिखाने और उन्होंने क्या बनाया है, यह बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर अगले कालांश में उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 8
दिवस 2

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग व शब्द पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ –9: बत्तख और चूजा।
- 'त' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'त' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने–फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'त' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और कलरव के पाठ–9 'बत्तख और चूजा' में 'त' वर्ण को खोजने और अलग–अलग तरीकों से 'त' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए–नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- इसके बाद बच्चों को 3–4 सरल शब्द देखकर/सुनकर लिखने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ–51 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ–51

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण–प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

साझा और लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक: चिड़िया।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने–फिरने/उठने–बैठने का मौका दें।
- फिर आप पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराव कुछ प्रश्नों को पूछकर करें।
- फिर आप बिग बुक की कहानी का 2 बार साझा पठन करें और कहानी में आए मुख्य शब्दों को बोर्ड पर लिखें और 2–3 बार पढ़ें।
- इसके बाद एक–एक करके बच्चों को बोर्ड के पास बुलाएँ और इन शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे साझा पठन में भागीदारी कर रहे हैं?
- यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें और उनके साथ थोड़ा और अभ्यास करें।

सप्ताह 8
दिवस 3

चित्र के बारे में समृद्ध बातचीत

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कलरव–1 पाठ–8: रसोई।
- चर्चा के लिए खुले छोर के प्रश्न तैयार करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कलरव–1 पाठ्यपुस्तक में दी गई कोई कविता पूरे हाव–भाव सहित गाएँ।
- पिछले दिन की गई चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ सरल प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें। चर्चा को आगे बढ़ाएँ और नए बंद छोर और खुले छोर के प्रश्नों को पूछें?
- चित्र चार्ट पर दूसरे दिन कार्य करने के दौरान आप यह सुनिश्चित करें कि आप अधिक–से–अधिक खुले छोर के प्रश्न पूछ रहे हैं।
- आप प्रश्न पूछें और बच्चों को जोड़ों में उस प्रश्न पर बातचीत करने के लिए कहें। आप बच्चों को यह निर्देश दें कि जोड़ों में दोनों ही बच्चों को (प्रश्न का उत्तर) क्या लगता है, इस पर बात करनी है।
- जब बच्चों ने जोड़ों में बात कर ली हो, तब आप किसी 2–3 बच्चों को अपना उत्तर सभी के साथ साझा करने के लिए कहें। कोशिश करें कि हर बच्चे को 1–2 बार पूरी कक्षा में अपने उत्तर को साझा करने के मौके मिले हों।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चित्र चार्ट और चर्चा से संबंधित चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। बच्चों को जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3–4 बच्चों से अपने चित्र को सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- पाठ्यपुस्तक/सहज।
- 'स' और 'त' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी स्थानीय कविता को बच्चों के साथ हाव–भाव सहित गाएँ।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और 'पाठ्यपुस्तक/सहज' में खोजने और अलग–अलग तरीकों से इन्हें लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** बच्चों को सिखाने के लिए अब तक उपयोग किए गए तरीकों से आप बच्चों की पुनरावृत्ति करवाएँ।
- पुनरावृत्ति करवाने के लिए आप **'शब्द बनाओ – पढ़कर सुनाओ'** गतिविधि का भी उपयोग कर सकते हैं।
- हर बच्चे को दो/तीन वर्ण/अक्षर कार्ड जोड़कर शब्द बनाने और पढ़ने को कहें। उदाहरण के लिए, यदि किसी बच्चे ने दो अक्षर कार्ड जोड़कर रखे हैं– 'ता' और 'रा ', तो वह बच्चा उसको जोड़कर बोलने का अभ्यास करे, जैसे– 'ता'.. 'रा'.. तारा

डिकोडिंग

पुनरावृत्ति

- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- इसके बाद बच्चों को 3-4 सरल शब्द देखकर/सुनकर लिखने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-52 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-52

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 8
दिवस 3

साझा पठन और समृद्ध बातचीत

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक: चिड़िया।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को अपनी बात रखने के मौके दें।
- साझा पठन के लिए सभी बच्चों को प्रोत्साहित करें।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराव कुछ प्रश्नों को पूछकर और सरल चर्चा के द्वारा करें।
- इसके बाद बच्चों को आपके साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उन जगह पर रूकें, जहाँ बच्चे कहानी या चित्रों के आधार पर खुद से कुछ शब्द जोड़ सकें।
- फिर आप मौखिक अभिव्यक्ति से जुड़े प्रश्न बच्चों से करें। जैसे- यह कहानी आपको क्यों अच्छी लगी? कहानी में क्या अच्छा लगा? आदि।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चे आपके साथ-साथ पढ़ पा रहे थे?
- यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें। अगले दिन जब बिग बुक पर कार्य करें, तब उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 8
दिवस 4

अभिनय के द्वारा बच्चों को बातचीत करने के मौके देना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कुछ क्रिया और संज्ञा शब्दों को पहले से सोचकर रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में प्रतिभाग करने के मौके दें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- दिन की शुरुआत किसी कविता/ बालगीत/कहानी या खेल गतिविधि से करें। इस पर बच्चों के साथ 5–7 मिनट तक कार्य करें।
- कक्षा को 2–3 समूहों में बाँटें। सभी समूहों से अभिनय करने के लिए बारी–बारी से एक–एक सदस्य आएगा। आप उस सदस्य के कान में एक शब्द कहेंगे और वह बच्चा अभिनय द्वारा उस शब्द को बताने की कोशिश करेगा। इसे आप एक उदाहरण देकर समझाएँ।
- बनाए गए समूहों को वह शब्द पहचानना है, जो समूह शब्द को पहले पहचानेगा, उन्हें 1 अंक मिलेंगे।
- अभिनय करने वाले प्रत्येक बच्चे को आप एक शब्द (संज्ञा या क्रिया) दें। ध्यान दें कि ये परिचित एवं परिवेशीय शब्द हों। जैसे– पीने का पानी, दौड़ना, नाचना, गाना गाना, फूल, हाथी, कलम आदि।

लेखन कार्य

- बच्चों को अभिनय से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें। बच्चों को जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3–4 बच्चों से अपने चित्र को सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग और शब्द पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, कलरव पाठ–9: बत्तख और चूजा।
- 'ब' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'ब' वर्ण पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने–फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'ब' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और कलरव के पाठ–9 'बत्तख और चूजा' में 'ब' वर्ण को खोजने और अलग–अलग तरीकों से 'ब' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए–नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ–53 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ–53

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है? यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें अधिक मौके दें। उनसे बातचीत करें और उन्हें प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 8
दिवस 4

समृद्ध चर्चा और रोल प्ले

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक: चिड़िया।
- पठन के लिए शब्दों का चयन करके रखना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को कहानी के शब्दों को पढ़ने का मौका मिले।

बिग बुक से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराव कुछ प्रश्नों को पूछकर करें।
- इसके बाद आप बच्चों को छोटे समूह में बाँट दें और कहानी पर आधारित रोल प्ले करने को कहें।
- यहाँ कहानी के पात्रों की नकल करना, उनकी आवाज निकालना, अभिनय करना, अपने शब्दों में डायलॉग बोलना आदि 'रोल प्ले' के दायरे में आएगा।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने रोल प्ले में भागीदारी की?
- यदि नहीं, तो ऐसे बच्चों की पहचान करें, उनसे बातचीत करें और उन पर थोड़ा अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 8
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कहानी: बंदर और मगरमच्छ।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का वातावरण रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों में/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य

- इस कहानी के आधार पर बच्चों से कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी स्थानीय कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाएँ।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और 'पाठ्यपुस्तक/सहज' में खोजने और अलग-अलग तरीकों से इन्हें लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** वर्णों/अक्षरों और शब्दों को मिलकर पढ़ना (ब्लेंडिंग) सिखाने के लिए अब तक उपयोग किए गए तरीकों से आप ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- पुनरावृत्ति करवाने के लिए आप **'शब्द बनाओ – पढ़कर सुनाओ'** गतिविधि का उपयोग भी कर सकते हैं।
- **शब्द पठन:** पिछले दिनों के कालांश की तरह ही पूर्व की कक्षाओं में पठन-पाठन की प्रक्रिया के दौरान चार्ट पर /शब्द दीवार पर लिखे गए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास कराएँ।
- इसके बाद बच्चों को 3-4 सरल शब्द देखकर/सुनकर लिखने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-54 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-54

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

स्वतंत्र पठन और सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- बिग बुक और चित्रों वाली कहानियों की किताबें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- सभी बच्चों को पठन सामग्री पढ़ने का मौका मिले।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कार्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी को समझने को कहें।
- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसको स्वीकार करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान कर लें और उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित करें।

सप्ताह 8
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका-1: रेडियो और चुहिया (2020-2021)
- चर्चा के लिए खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का वातावरण रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता को हाव-भाव सहित गाकर करें।
- कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य

- इस कहानी के आधार पर बच्चों से कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

साप्ताहिक आकलन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चों के पास लेखन की सामग्री हो।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 50 से 54 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक में दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- इस कार्य को करने में आप बच्चों की सहायता न करें बल्कि उनका प्रोत्साहन करें।
- बच्चों द्वारा सही तरह से पहचाने गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों पर एक छोटा-सा निशान लगा दें और उपयुक्त जगह में उनके द्वारा प्राप्त किए गए अंक लिख दें।
- यदि कोई बच्चा एक भी वर्ण/अक्षर/शब्द सही तरीके से नहीं पढ़ पा रहा हो तो उसके आकलन-पत्रक में (0) अंक देने के स्थान पर (-) का चिन्ह लगा दें।
- प्रत्येक बच्चे के साथ आकलन-पत्रक पर कार्य करने के पश्चात् आप उन्हें अपने स्थान पर जाकर बैठने के लिए कहें और 'देखकर/सुनकर लिखो' वाली गतिविधि करने को कहें। 'सुनकर लिखो' वाली गतिविधि, आप सभी बच्चों के द्वारा आकलन-पत्रक पर कार्य पूरा कर लेने के बाद एक साथ करवाएँ।
- आकलन के परिणाम के अनुसार, जिन बच्चों के अंक 50 प्रतिशत से कम हों, उनको आप अलग समूह में बिठा लें और उनके साथ मिलकर आवश्यकता के अनुसार पुनरावृत्ति करें।
- शेष बच्चों से आप आकलन पत्रक के खाली स्थान पर कुछ लिखने/बनाने को कहें या कक्षा में उपलब्ध किताबें पढ़ने को दें। कालांश के अंत के 5-10 मिनट में इन बच्चों से बात करें कि उन्होंने क्या पढ़ा/लिखा या बनाया है।
- इसके पश्चात् आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार वर्ण/अक्षर/शब्द की पहचान ठीक से नहीं कर पा रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें।

सप्ताह 9

सावधिक आकलन

बच्चों के सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में अब हम सावधिक आकलन करेंगे। इसके द्वारा हम यह पता लगाएँगे कि बच्चों को सीखने में कहाँ और किस प्रकार की कठिनाइयाँ हो रही हैं। इनका पता लगने के बाद हम आवश्यकता के अनुसार शिक्षण रणनीतियाँ बनाएँगे और बच्चों को लक्षित दक्षताएँ प्राप्त करने के अवसर देंगे।

इस सप्ताह हम डिकोडिंग से संबंधित आकलन करेंगे और मौखिक भाषा से संबंधित अवलोकन। अध्याय 'आकलन एवं पुनरावृत्ति' में इस पर विस्तार से चर्चा की गई है। आइए देखें कि डिकोडिंग एवं मौखिक भाषा विकास में इस सप्ताह किन दक्षताओं पर बच्चों के साथ कार्य किया जाना है।

डिकोडिंग

- कार्यपुस्तिका के सावधिक आकलन (सप्ताह 9) के आकलन प्रपत्र पर कार्य कर पाना।

आकलन और पुनरावृत्ति के चरण

- 'सावधिक आकलन' प्रपत्र का उपयोग करते हुए बच्चों के साथ आकलन पर कार्य करें। इस हेतु आप सप्ताह के पहले दो दिनों के तीनों कलांशों का उपयोग आवश्यकता के अनुसार करें।
- आकलन के परिणामों को संदर्शिका के 'सावधिक आकलन ट्रैकर-1 ' के 'डिकोडिंग' वाले कॉलम में भरें और समूह का निर्धारण करें। समूह-1 के बच्चों के नाम पर गोला लगाएँ।
- समूह-1: जिन बच्चों को आकलन में 50% तक अंक मिले हैं।
- समूह-2: जिन बच्चों को आकलन में 50% से अधिक अंक मिले हैं।
- बच्चों के स्तर के अनुसार पुनरावृत्ति की योजना बनाएँ। पुनरावृत्ति का यह कार्य आवश्यकता के अनुसार 8-10 दिनों तक दूसरे और तीसरे कालांश में करें।
- सावधिक आकलन के बाद 'सावधिक पुनरावृत्ति' के पाठ 55 से 59 पर बच्चों के साथ कार्य करें। आप उन्हें कॉपी एवं अन्य शिक्षण सामग्री पर भी कार्य दे सकते हैं।
- समूह-1 के बच्चों पर विशेष ध्यान दें, उनकी अतिरिक्त सहायता करें।

मौखिक भाषा विकास

- किसी विषय पर अपने अनुभवों को अपनी भाषा में 2-3 वाक्यों में बता पाना।
- किसी चित्र को देखकर 1-2 वाक्य में अपनी बात कह पाना।

आकलन और पुनरावृत्ति के चरण

- डिकोडिंग से संबधित पुनरावृत्ति का कार्य करने के दिनों में प्रथम कालांश में मौखिक भाषा की दक्षता का आकलन करें। इसके लिए ऊपर दी गई दक्षताओं का अवलोकन अब तक शिक्षण में उपयोग की गई सामग्री/विधियों द्वारा अपने नियमित शिक्षण प्रक्रिया के दौरान करें।
- अवलोकन के परिणामों को संदर्शिका के 'सावधिक आकलन ट्रैकर-1' के 'मौखिक भाषा' वाले कॉलम में भरें।
- उचित दक्षता प्राप्त कर लेने वाले बच्चों के नाम के आगे सही का निशान लगाएँ और जिन बच्चों ने दक्षता प्राप्त नहीं की है, उनके नाम के आगे रिक्त (-) का निशान लगाएँ।
- सभी बच्चों के लिए उचित टिप्पणी लिखें, जो आपको आगे इनके साथ काम करने में मदद करेगी।

सावधिक आकलन एवं अवलोकन समाप्त होने तक यह सुनिश्चित कर लें कि आपने ट्रैकर के सभी बिन्दुओं को भर लिया है।

सप्ताह 10
दिवस 1

कविता पर चर्चा एवं शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कविता पोस्टर – अलमारी।
- चर्चा में उपयोग में लिए जाने वाले प्रश्नों का चयन करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है जो ज्यादातर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

कविता पोस्टर पर कार्य

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए दिन की शुरुआत आप स्थानीय खेल से करें।
- फिर आप बच्चों को कविता पोस्टर 'अलमारी' दिखाएँ और उस पर बातचीत करें और बच्चों से अनुमान लगाने को कहें कि कविता किसके बारे में है, कविता में क्या हो रहा होगा? आदि।
- अब आप कविता को 2 बार हाव-भाव के साथ गाएँ। इसके बाद बच्चों को अपने पीछे-पीछे दोहराने को कहें।
- फिर आप कविता से जुड़े कुछ खुले छोर के प्रश्न पूछें।
- फिर आप बोर्ड पर कविता में आए मुख्य शब्दों को लिख दें और बच्चों को शब्द दिखाते हुए पढ़ने और बच्चों से दोहराने को कहें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों को जोड़े में बिठाकर कविता से संबंधित कोई भी चित्र बनाने और उसके बारे में सभी को बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग और शब्द पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ – 15 दादा जी।
- 'ल' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'ल' वर्ण पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'ल' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और कलरव के पाठ-15 'दादा जी' में 'ल' वर्ण को खोजने और अलग-अलग तरीकों से 'ल' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-60 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-60

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें, उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

कहानी सुनकर समझना और लोगोग्राफिक पठन

कालांश ① ② ③ | पठन | 20 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना

तैयारी और सामग्री

- सहज-2, पाठ-4 बंदर का चश्मा।
- कहानी को पहले से पढ़ना और चर्चा के लिए प्रश्नों की सूची तैयार करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें ।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है, जो अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

मौखिक कहानी सुनाना

20 मिनट

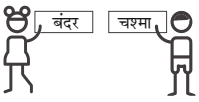

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को आज के पाठ की कहानी के चित्र दिखाएँ और दिख रहे चित्रों के आधार पर कहानी के शीर्षक और कहानी का अनुमान लगाने को कहें। आप इस तरह के प्रश्न कर सकते हैं-
  - यह कहानी किसके बारे में है ?
  - इस कहानी का क्या नाम हो सकता है ?
- अब आप कहानी का मौखिक रूप से उचित हाव-भाव, आवाज में उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ 2 बार आदर्श वाचन करें।
- कहानी सुनने के बाद कहानी से जुड़े कुछ तथ्यात्मक प्रश्न भी करें, जैसे- बंदर कहाँ बैठा था ? बंदर को क्या मिला था ?
- कहानी के चयनित शब्दों जैसी- बंदर, चश्मा, बादल, आसमान आदि को बोर्ड पर लिखें और पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। इन शब्दों को चार्ट पर लिखकर कक्षा-कक्ष में चिपकाएँ/लटकाएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी समझी है और लोगोग्राफिक पठन किया ?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए हैं तो उनकी पहचान कर लें। उन्हें हो रही परेशानी को समझने और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करने की योजना बनाएँ।

सप्ताह 10
दिवस 2

चित्र के बारे में सरल बातचीत

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कलरव-1, पाठ-12: स्टेशन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को एक घेरे में बिठाएँ और चित्र चार्ट देखने के लिए कहें। आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/ घटनाओं/ गतिविधियों के बारे में बंद छोर के प्रश्न पूछें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और बच्चों से खुले छोर वाले कुछ और प्रश्न पूछें।

लेखन कार्य

- बच्चों से चित्र और हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें।
- बनाए हुए चित्र को सभी को दिखाने को कहें और उस पर थोड़ी बातचीत करें ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर अगले कालांश में उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग और शब्द पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ-15: दादा जी।
- 'द' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'द' वर्ण पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'द' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और कलरव के पाठ-15 'दादा जी' में 'द' वर्ण को खोजने और अलग-अलग तरीकों से 'द' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के पाठ-61 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-61

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

कहानी पर समृद्ध चर्चा और लोगोग्राफिक पठन

कालांश ① ② ③ | पठन | 20 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना

तैयारी और सामग्री

- सहज-2, पाठ-4 बंदर का चश्मा।
- कहानी को पहले से पढ़ना और चर्चा के लिए प्रश्नों की सूची तैयार करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है, जो अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

मौखिक कहानी सुनाना — 20 मिनट

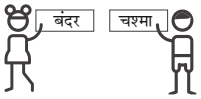

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों से कल पढ़े गए पाठ से संबंधित प्रश्न/चर्चा करें, जिससे कि उनको कहानी याद आ सके। आप बच्चों से कुछ इस तरह के प्रश्न पूछ सकते हैं-
  - कल हमने कौन-सी कहानी पढ़ी थी?
  - कहानी में कौन-कौन था?
- आप पुनः कहानी का मौखिक रूप से उचित हाव-भाव, आवाज में उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ 1 बार आदर्श वाचन करें।
- बच्चों से कहानी से जुड़े कुछ खुले छोर के प्रश्न पूछें। जैसे-
  - बंदर को चश्मा लगाने के बाद सब उल्टा क्यों दिख रहा था?
  - चश्मा टूटने के बाद बंदर ने क्या सोचा होगा?
  - कहानी में आगे क्या हुआ होगा?
- कुछ बच्चों से कहानी को अपनी भाषा में मौखिक रूप से सुनाने को कहें। कहानी सुनाने में बच्चों का सहयोग करें।
- कल कक्षा में पाठ से संबंधित लिखे गए शब्दों को पुनः पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने चर्चा में भाग लिया और लोगोग्राफिक पठन किया?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए तो उनकी पहचान कर लें। उन्हें हो रही परेशानी को समझने और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करने की योजना बनाएँ।

सप्ताह 10
दिवस 3

चित्र के बारे में समृद्ध बातचीत

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कलरव-1, पाठ-12 : स्टेशन।
- चर्चा के लिये खुले छोर के प्रश्न तैयार करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को एक घेरे में बिठाएँ और चित्र चार्ट देखने के लिए कहें। आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/घटनाओं/ गतिविधियों के बारे में बंद छोर के प्रश्न पूछें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और बच्चों के खुले छोर वाले कुछ और प्रश्न करें।
- बच्चों को जोड़ो में बाँटकर चर्चा के दौरान आए प्रश्नों पर बातचीत करने के लिए कहें और कुछ बच्चों की बातचीत को पूरी कक्षा में बच्चों के साथ साझा करने को कहें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का समय दें और सबको चर्चा में शामिल करें। बच्चों से चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने चर्चा में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- पाठ्यपुस्तक/सहज।
- 'ल और द' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और पाठ्यपुस्तक सहज में खोजने और अलग-अलग तरीकों से इन्हें लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्यांश पठन:** अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों और शब्दों से बनने वाले सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से दोहराने को कहें।
- कुछ नए सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और कुछ बच्चों से बोर्ड के पास आकर पढ़ने को कहें।
- बच्चों को छोटे समूहों में बाँट दें और उन्हें कार्यपुस्तिका में दिए वाक्यांशों को पढ़ने को कहें और आप घूम-घूम कर सभी बच्चों का अवलोकन करें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-62 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-62

सप्ताह 10
दिवस 3

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

कहानी सुनकर समझना और लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-2, पाठ-7: चीकू और मीकू।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है जो अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को आज के पाठ की कहानी के चित्र दिखाएँ और दिख रहे चित्रों के आधार पर कहानी के शीर्षक और कहानी का अनुमान लगाने को कहें।
- अब आप कहानी का मौखिक रूप से उचित हाव-भाव, आवाज में उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ 2 बार आदर्श वाचन करें।
- कहानी सुनने के बाद कहानी से जुड़े कुछ तथ्यात्मक प्रश्न भी करें।
- कहानी के चयनित शब्दों को बोर्ड पर लिखें और पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। इन शब्दों को चार्ट पर लिखकर कक्षा-कक्ष में चिपकाएँ/लटकाएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी समझी है और लोगोग्राफिक पठन किया?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए तो उनकी पहचान कर लें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

सप्ताह 10
दिवस 4

बच्चों को कक्षा के माहौल में सहज करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- बच्चों के चलने-फिरने के लिए पर्याप्त जगह हो।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में प्रतिभाग करने के मौके दें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- दिवस की शुरुआत किसी कविता/ बालगीत/कहानी या खेल गतिविधि से करें। इसके लिए 5-7 मिनट का समय दें।
- बच्चों को बताएँ कि आज उन्हें आइना गतिविधि करनी है। उन्हें शिक्षक के द्वारा की जाने वाली सभी क्रियाओं की आईने की तरह नकल करनी होगी। यदि शिक्षक अपना दाहिना हाथ उठाते हैं तो वे अपना बायाँ हाथ उठाएँगे और यदि आप दाहिनी तरफ चलते हैं तो उन्हें अपने बाईं तरफ चलना होगा।
- बच्चों को उसी तरह शिक्षक की क्रियाओं की नकल करनी होगी, जिस तरह आईने के सामने करने पर छवियाँ दिखाई देती हैं।

सप्ताह 10
दिवस 4

बच्चों को कक्षा के माहौल में सहज करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- बच्चों के चलने-फिरने के लिए पर्याप्त जगह हो।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में प्रतिभाग करने के मौके दें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- पहले कुछ समय अभ्यास कराएँ। इसके लिए बच्चों के सामने कुछ सरल क्रियाएँ करें और उन्हें नकल करने के लिए कहें।
- आप अपने स्थान पर किसी दूसरे बच्चे को बुला सकते हैं। कक्षा के बाकी बच्चों को इस बच्चे के आईने की तरह नकल करनी होगी।

लेखन कार्य

- बच्चों से इस गतिविधि के आधार पर कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्यांश पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ-7: पतंग।
- 'प' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'प' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'प' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और कलरव के पाठ-7 'पतंग' में 'प' वर्ण को खोजने और अलग-अलग तरीकों से 'प' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्यांश पठन:** अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों और शब्दों से बनने वाले सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से दोहराने को कहें।
- कुछ नए सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और कुछ बच्चों से बोर्ड के पास आकर पढ़ने को कहें।
- बच्चों को छोटे समूहों में बाँट दें और उन्हें कार्यपुस्तिका में दिए वाक्यांशों को पढ़ने को कहें और आप सभी बच्चों का घूम-घूमकर अवलोकन करें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-63 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-63

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है? जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 10
दिवस 4

कहानी पर समृद्ध चर्चा और लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-2, पाठ-7: चीकू और मीकू।
- पठन के लिए शब्दों का चयन करके रखना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है जो अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों से कल पढ़े गए पाठ से संबंधित प्रश्न/चर्चा करें, जिससे कि उनको कहानी याद आ सके।
- आप पुन: कहानी का मौखिक रूप से उचित हाव-भाव, आवाज में उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ 1 बार आदर्श वाचन करें।
- बच्चों से कहानी से जुड़े कुछ खुले छोर के प्रश्न पूछें।
- कुछ बच्चों से कहानी को अपनी भाषा में मौखिक रूप से सुनाने को कहें। कहानी सुनाने में बच्चों का सहयोग करें।
- कल कक्षा में पाठ से संबंधित लिखे गए शब्दों को पुन: पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी समझी है और लोगोग्राफिक पठन किया?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए तो उनकी पहचान कर लें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

सप्ताह 10
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कलरव-1, पाठ-15 : दादाजी (एकांकी)।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का वातावरण रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें। खुले छोर के प्रश्नों का उद्देश्य बच्चों के चिंतन कौशल को विकसित करना है।
- बच्चों को समूहों में बाँटकर एकांकी को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। बच्चों को उनकी तरह से संवाद बोलने और नाटक को प्रस्तुत करने की आजादी दें।

लेखन कार्य

- इस कहानी के आधार पर बच्चों से कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 10
दिवस 5

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के स्पष्ट निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी स्थानीय कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाएँ।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और 'पाठ्यपुस्तक सहज' में खोजने और अलग-अलग तरीकों से इन्हें लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्यांश पठन:** अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों और शब्दों से बनने वाले सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से दोहराने को कहें।
- कुछ नए सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और कुछ बच्चों से बोर्ड के पास आकर पढ़ने को कहें।
- बच्चों को छोटे समूहों में बाँट दें और उन्हें कार्यपुस्तिका में दिए वाक्यांशों को पढ़ने को कहें और आप सभी बच्चों का घूम-घूमकर अवलोकन करें।

लेखन कार्य

- सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ-64 पर कार्य करने को कहें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

पाठ-64

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

स्वतंत्र पठन एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसको स्वीकार करें।
- बच्चों को कहानी बताने में सहयोग करें।

सप्ताह 10
दिवस 5

प्रिंट की अवधारणा को समझना

कालांश 1 2 3

पठन

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया ? यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और आगे उन्हें अधिक मौके दें तथा प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित करें।

सप्ताह 10
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कलरव-1, पाठ-22 : जूही का जन्मदिन।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का वातावरण रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों ?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- बच्चों को समूहों में बाँटकर एकांकी को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। बच्चों को उनकी तरह से संवाद बोलने और नाटक को प्रस्तुत करने की आजादी दें।

लेखन कार्य

- सुनी गई कहानी पर बच्चों को चित्र बनाने को कहें।
- बच्चों द्वारा बनाए गए चित्र सभी को दिखाने के लिए कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

साप्ताहिक आकलन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चों के पास लेखन की सामग्री हो।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 60 से 64 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक पर दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- पूर्व के सप्ताहों में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों का आकलन करें और परिणामों को नोट करें और आवश्यकता के अनुसार पुनरावृत्ति का कार्य करवाएँ।
- इसके पश्चात् आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार पिछड़ रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें। उनकी समस्याओं को पहचानें और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।

सप्ताह 11
दिवस 1

निर्देशों को समझकर उसके अनुरूप क्रिया करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- बच्चों को चलने-फिरने की पर्याप्त जगह हो।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में प्रतिभाग करने का मौका दें।
- आप यह सुनिश्चित करें कि किसी को भी चोट न लगे या बच्चों की आपस में टक्कर न हो।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- दिवस की शुरुआत किसी कविता/ बालगीत/ कहानी या खेल गतिविधि से करें। इसके लिए 5-7 मिनट का समय दें।
- बच्चों को बताएँ कि आप एक इशारा करेंगे, जिसको देखकर बच्चों को एक खास ढंग से चलना होगा।
- बच्चों को धीरे-धीरे और स्पष्ट रूप से निम्नलिखित संकेत दें। गतिविधि की शुरुआत में आप भी इन संकेतों को करके दिखाएँ-
  - कछुए की तरह धीरे-धीरे चलें। कक्षा के सारे हिस्सों को जा-जाकर देखें।
  - खरगोश की तरह उछल-कूद करें। कक्षा के दूर वाले छोर तक जाकर वापस आएँ।
  - हाथी की तरह चलें। इसका मतलब है कि आप बहुत बड़े हैं और आपको काफी सारी जगह की आवश्यकता होनी चाहिए।
- इस गतिविधि को अलग-अलग क्रियाओं से जारी रखें।

लेखन कार्य

- गतिविधि में जो जानवरों के नाम दिए गए हैं, बच्चों को उनके चित्र बनाने को कहें। बच्चे आपस में चित्र पर चर्चा करें। चित्र के बारे में अपनी भाषा में 1-2 वाक्य भी बताएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं. तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण/अक्षर पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्यांश पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के स्पष्ट निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

'ई-मात्रा' की पहचान

- कालांश की शुरुआत एक छोटी कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें।
- आप बोर्ड पर किसी वर्ण को लिखें और इसका उच्चारण करें। फिर उस वर्ण में लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें, जैसे- 'न', 'नी'। (ध्यान दें कि अभी हम बच्चों से मात्रा की अवधारणा पर बात नहीं करेंगे, जैसे- 'क' और 'ई की मात्रा' (ी)- 'की'। बल्कि हम केवल मात्रा के लगने से ध्वनि में होने वाले परिवर्तन पर बच्चों का ध्यान आकर्षित करेंगे। मात्रा की अवधारणा पर हम 13 वें सप्ताह में बातचीत करेंगे।)
- कुछ अन्य वर्ण लिखकर उसमें लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें, जैसे- क, की, र, री।
- सिखाए गए वर्णों और लक्षित मात्रा से क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड बोर्ड पर बनाएँ और 4-5 बार उच्चारण करें और बच्चों से पहचान करवाएँ।
- अक्षर पहचान की गतिविधि 'मिलकर खोजें' करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

सप्ताह 11
दिवस 1

वर्ण/अक्षर पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्यांश पठन

कालांश ① ② ③

डिकोडिंग

'ई-मात्रा' की पहचान

- **वाक्यांश पठन:** कुछ सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2–3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं से पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ–65

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण–प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

कहानी सुनकर समझना और लोगोग्राफिक पठन

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज–2, पाठ–10: गुड़िया की बिल्ली।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है, जो ज्यादातर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने–फिरने/उठने–बैठने के मौके दें।
- बच्चों को आज के पाठ की कहानी के चित्र दिखाएँ और दिख रहे चित्रों के आधार पर कहानी के शीर्षक और कहानी का अनुमान लगाने को कहें।
- अब आप कहानी का मौखिक रूप से उचित हाव–भाव, आवाज में उतार–चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ 2 बार आदर्श वाचन करें।
- कहानी सुनने के बाद कहानी से जुड़े कुछ तथ्यात्मक प्रश्न भी करें।
- कहानी के चयनित शब्दों को बोर्ड पर लिखें और पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। इन शब्दों को चार्ट पर लिखकर कक्षा–कक्ष में चिपकाएँ/लटकाएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी समझी और लोगोग्राफिक पठन किया है?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए तो उनकी पहचान कर लें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

सप्ताह 11
दिवस 2

चित्र के बारे में सरल बातचीत

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- चित्र चार्ट- होली।
- चर्चा के लिए खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को एक घेरे में बिठाएँ और चित्र चार्ट देखने के लिए कहें। आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/ घटनाओं/ गतिविधियों के बारे में बंद छोर के प्रश्न पूछें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और बच्चों से खुले छोर वाले कुछ और प्रश्न करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से चित्र और हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें।
- बनाए हुए चित्र को सभी को दिखाने को कहें और उस पर थोड़ी बातचीत करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में प्रतिभाग किया? यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर अगले दिन उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण/अक्षर पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्यांश पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, सहज-1, बोर्ड, चॉक।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के स्पष्ट निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

'ई-मात्रा' की पहचान

- कालांश की शुरुआत एक छोटी कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें।
- फिर आप वर्ण मात्रा से लक्षित क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड क्रमशः बनाएँ और 4-5 बार उच्चारण करके दिखाएँ। वर्ण-मात्रा से बने इस ग्रिड से पहले आप वर्ण/अक्षर पढ़ें और बच्चों को अपने बाद बोलने को कहें। (ध्यान दें कि अभी हम बच्चों से मात्रा की अवधारणा पर बात नहीं करेंगे, जैसे- 'क' और 'ई की मात्रा' (ी) - 'की'। बल्कि हम केवल मात्रा के लगने से ध्वनि में होने वाले परिवर्तन पर बच्चों का ध्यान आकर्षित करेंगे। मात्रा की अवधारणा पर हम 13वें सप्ताह में बातचीत करेंगे।)
- कुछ बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और बोर्ड पर बनी ग्रिड में से आपके द्वारा बताए गए वर्ण/अक्षर को पहचान कर बताने को कहें।
- फिर आप बोर्ड पर 'री' और 'पी' लिख दें और बच्चों से 'सहज-1' पाठ-9 'पतंग और बकरी' में इनको खोजकर गोला लगाने को कहें।
- **ब्लेंडिंगः** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठनः** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्यांश पठनः** कुछ सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं से पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-66

सप्ताह 11
दिवस 2

वर्ण/अक्षर पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्यांश पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

कहानी पर समृद्ध चर्चा और लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-2, पाठ-10: गुड़िया की बिल्ली।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है, जो अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों से कल पढ़े गए पाठ से संबंधित प्रश्न/चर्चा करें, जिससे कि उनको कहानी याद आ सके।
- आप पुन: कहानी का मौखिक रूप से उचित हाव-भाव, आवाज में उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ 1 बार आदर्श वाचन करें।
- बच्चों से कहानी से जुड़े कुछ खुले छोर के प्रश्न पूछें।
- कुछ बच्चों से कहानी को अपनी भाषा में मौखिक रूप से सुनाने को कहें। कहानी सुनाने में बच्चों का सहयोग करें।
- कल, कक्षा में पाठ से संबंधित लिखे गए शब्दों को पुन: पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी समझी है और लोगोग्राफिक पठन किया?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए तो उनकी पहचान कर लें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

सप्ताह 11
दिवस 3

चित्र के बारे में समृद्ध बातचीत

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- चित्र चार्ट- होली।
- चर्चा के लिए खुले छोर के प्रश्न तैयार करना।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को एक घेरे में बिठाएँ और चित्र चार्ट देखने के लिए कहें। आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/ घटनाओं/ गतिविधियों के बारे में बंद छोर के प्रश्न पूछें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और बच्चों से नए खुले छोर वाले कुछ और प्रश्न करें।
- आप प्रश्न पूछें और बच्चों को जोड़ों में उस प्रश्न पर बातचीत करने के लिए कहें। जब बच्चों ने जोड़ों में बात कर ली हो, तब आप किसी 2-3 बच्चों को अपना उत्तर सभी के साथ साझा करने के लिए कहें।

सप्ताह 11
दिवस 3

चित्र के बारे में समृद्ध बातचीत

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

लेखन कार्य

- बच्चों से चित्र और हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- अगर नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर अगले कालांश में उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक, पाठ्यपुस्तक/सहज।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर करने के स्पष्ट निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी स्थानीय कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाएँ।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और 'पाठ्यपुस्तक/सहज' में खोजने और अलग-अलग तरीकों से इन्हें लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** वर्णों/अक्षरों और शब्दों को मिलकर पढ़ने (ब्लेंडिंग) को सिखाने के लिए अब तक उपयोग किए गए तरीकों से आप बच्चों की पुनरावृत्ति करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पिछले दिनों के कालांश की तरह ही पूर्व की कक्षाओं में पठन-पाठन की प्रक्रिया के दौरान चार्ट पर/शब्द दीवार पर लिखे गए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास कराएँ।
- **वाक्यांश पठन:** कुछ सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं से पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-67

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 11
दिवस 3

कहानी सुनकर समझना और लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-2 पाठ-11 : दशहरा का मेला।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है, जो अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को आज के पाठ की कहानी के चित्र दिखाएँ और दिख रहे चित्रों के आधार पर कहानी के शीर्षक और कहानी का अनुमान लगाने को कहें।
- अब आप कहानी का मौखिक रूप से उचित हाव-भाव, आवाज में उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ 2 बार आदर्श वाचन करें।
- कहानी सुनने के बाद कहानी से जुड़े कुछ तथ्यात्मक प्रश्न भी करें।
- कहानी के चयनित शब्दों को बोर्ड पर लिखें और पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। इन शब्दों को चार्ट पर लिखकर कक्षा-कक्ष में चिपकाएँ/लटकाएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी समझी है और लोगोग्राफिक पठन किया ?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए तो उनकी पहचान कर लें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

सप्ताह 11
दिवस 4

अपनी भावनाओं के बारे में प्रतिक्रिया देने के अवसर देना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- गतिविधि में पूछे जाने वाले प्रश्न पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में प्रतिभाग करने का मौका दें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- दिवस की शुरुआत किसी कविता/ बालगीत/ कहानी या खेल गतिविधि से करें। इस पर बच्चों के साथ 5-7 मिनट तक कार्य करें।
- बच्चों को बताएँ कि आप उन्हें कुछ खास स्थितियाँ देंगे और उन्हें यह दिखाना है कि वे उस स्थिति में होते तो किस तरह की प्रतिक्रिया देते। इसमें चेहरे के हाव-भाव से अभिनय करके दिखाना है।
- प्रत्येक स्थिति के लिए 3-4 बच्चों को मौकें दें। यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बच्चे को कम से कम 2-3 बार अपनी भावनाओं को करके दिखाने के मौके मिलें।
- आप बच्चों को निम्नलिखित स्थिति दें :
  - मम्मी ने गुलाब-जामुन बनाए हैं और आपको दूसरों से ज्यादा गुलाब-जामुन मिले हैं।
  - आज सुबह चलते-चलते आप गिर पड़े थे।
  - आपके भाई/ बहन/ दोस्त ने आपका मनपसंद खाना खा लिया।
  - आपके किसी परिवार वाले ने आपके जन्मदिन पर कोई गिफ्ट दिया।
  - आपको बहुत सारा होमवर्क करने को मिला।
  - आपके चाचा/मामा आपके लिए एक नई साइकिल लाए हैं।
  - बारिश हो रही है और बादल गरज रहे हैं।
- गतिविधि शुरू करने के पहले आप बच्चों को उदाहरण देकर बताएँ कि उन्हें क्या करना है। यदि बच्चे स्थिति नहीं समझ पाएँ तो उन्हें समझाने के लिए कुछ संकेत और विवरण दें।

सप्ताह 11
दिवस 4

अपनी भावनाओं के बारे में प्रतिक्रिया देने के अवसर देना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

लेखन कार्य

- गतिविधि में दी गई स्थितियों से संबंधित कोई चित्र बनाने को कहें। इस चित्र पर वह आपस में चर्चा भी कर सकते हैं।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्यांश पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ–10 : सैर सपाटा।
- 'च' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'च' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने–फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'च' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और कलरव के पाठ–10 'सैर सपाटा' में 'च' वर्ण को खोजने और अलग–अलग तरीकों से 'च' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए–नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्यांश पठन:** कुछ सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2–3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं से पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ–68

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण–प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ? जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

कहानी पर समृद्ध चर्चा और लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज–2 पाठ–11 : दशहरा का मेला।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने–फिरने/उठने–बैठने के मौके दें।
- बच्चों से कल पढ़े गए पाठ से संबंधित प्रश्न/चर्चा करें, जिससे कि उनको कहानी याद आ सके।
- आप पुन: कहानी का मौखिक रूप से उचित हाव–भाव, आवाज में उतार–चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ 1 बार आदर्श वाचन करें।

सप्ताह 11
दिवस 4

कहानी पर समृद्ध चर्चा और लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है, जो अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- बच्चों से कहानी से जुड़े कुछ खुले छोर के प्रश्न पूछें।
- कुछ बच्चों से कहानी को अपनी भाषा में मौखिक रूप से सुनाने को कहें। कहानी सुनाने में बच्चों का सहयोग करें।
- कल कक्षा में पाठ से संबंधित लिखे गए शब्दों को पुन: पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी समझी है और लोगोग्राफिक पठन किया है?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए तो उनकी पहचान कर लें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

सप्ताह 11
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सियार और ऊँट-आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका-1 (2020-21)
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का वातावरण रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- बच्चों को समूहों में बाँटकर कहानी को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। बच्चों को उनकी तरह से संवाद बोलने और नाटक को प्रस्तुत करने की आजादी दें।

लेखन कार्य

- इस कहानी के आधार पर बच्चों से कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचानकर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 11
दिवस 5

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका पाठ्यपुस्तक/सहज।
- बोर्ड, चॉक।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के स्पष्ट निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी स्थानीय कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाएँ।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और 'पाठ्यपुस्तक/सहज' में खोजने और अलग-अलग तरीकों से इन्हें लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** वर्णों/अक्षरों और शब्दों को मिलाकर (ब्लेंडिंग) पढ़ना सिखाने के लिए अब तक उपयोग किए गए तरीकों से आप बच्चों की पुनरावृत्ति करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पिछले दिनों के कालांश की तरह ही पूर्व की कक्षाओं में पठन-पाठन की प्रक्रिया के दौरान चार्ट पर/शब्द दीवार पर लिखे गए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास कराएँ।
- **वाक्यांश पठन:** कुछ सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं से पढ़ने को कहें।
- अब अलग-अलग तरीकों से बच्चों द्वारा अब तक सिखाए गए वर्णों में और मात्राओं से बनने वाले वर्णों/अक्षरों और शब्दों का लेखन अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

पाठ-69

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

स्वतंत्र पठन एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ स्वीकार करें और बच्चों को कहानी बताने में सहयोग करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और आगे उन्हें अधिक मौके दें तथा प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित करें।

सप्ताह 11
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- बंदर और गिलहरी- आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका (2020-21)।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का वातावरण रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- बच्चों को समूहों में बाँटकर कहानी को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। बच्चों को उनकी तरह से संवाद बोलने और नाटक को प्रस्तुत करने की आजादी दें।

लेखन कार्य

- कहानी के आधार पर बच्चों से कोई चित्र बनाने और सभी को दिखाने के लिए कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचानकर अगले कालांश में उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

साप्ताहिक आकलन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चों के पास लेखन की सामग्री हो।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 65 से 69 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक पर दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- पूर्व के सप्ताहों में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों का आकलन करें और परिणामों को नोट करें और आवश्यकता के अनुसार पुनरावृत्ति का कार्य करवाएँ।
- इसके पश्चात् आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार पिछड़ रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें। उनकी समस्याओं को पहचानें और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।

सप्ताह 12
दिवस 1

कहानी पर चर्चा और शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कहानी पोस्टर: पतंग और बकरी।
- बंद और खुले छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार करें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- जब बच्चे कहानी सुना रहे हों तो उनकी कमियाँ ना बताते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

कहानी पोस्टर पर कार्य

- दिवस की शुरुआत आप चलने-फिरने/ उठने-बैठने से संबंधित किसी खेल गतिविधि से करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- अब आप बच्चों को कहानी पोस्टर दिखाते हुए कहानी के शीर्षक का अनुमान लगाने और चित्रों के माध्यम से कहानी के बारे में अनुमान लगाने के लिए कहें।
- अब आप बच्चों को हाव-भाव और उतार-चढ़ाव के साथ मौखिक रूप से 1-2 बार कहानी को सुनाएँ। इस दौरान बच्चों का ध्यान बनाए रखने के लिए कुछ बंद छोर के प्रश्नों को पूछें।
- इसके बाद कहानी पोस्टर दिखाते हुए, कहानी की प्रत्येक लाईन पर उँगली रखते हुए कहानी को पढ़ें। कहानी पढ़ते समय आप कुछ जगह पर रुकें और बच्चों को आगे के शब्दों का अनुमान लगाने को कहें।
- इसके बाद कहानी के बारे में उनकी राय पूछें। उन्हें कहानी में क्या अच्छा लगा और क्यों अच्छा लगा ? फिर कक्षा के 1-2 बच्चों से कहानी सुनाने को कहें।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें। बच्चों के हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

लेखन कार्य

- बच्चों को कहानी से संबंधित कोई चित्र बनाने एवं रंग भरने को कहें। बच्चों द्वारा बनाया गया चित्र सभी को दिखाने के लिये कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्यांश पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ -22 : जूही का जन्मदिन।
- 'अ' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'अ' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'अ' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और कलरव के पाठ-22 में 'अ' वर्ण को खोजने और अलग-अलग तरीकों से 'अ' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्यांश पठन:** कुछ सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं से पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-70

सप्ताह 12
दिवस 1

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्यांश पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

कहानी सुनकर समझना और लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-3, पाठ-3: वाह रे चोर।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है, जो अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को आज के पाठ की कहानी के चित्र दिखाएँ और दिख रहे चित्रों के आधार पर कहानी के शीर्षक और कहानी का अनुमान लगाने को कहें।
- अब आप कहानी का मौखिक रूप से उचित हाव-भाव, आवाज में उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ 2 बार आदर्श वाचन करें।
- कहानी सुनने के बाद कहानी से जुड़े कुछ तथ्यात्मक प्रश्न भी करें।
- कहानी के चयनित शब्दों को बोर्ड पर लिखें और पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। इन शब्दों को चार्ट पर लिखकर कक्षा-कक्ष में चिपकाएँ/लटकाएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी समझी है और लोगोग्राफिक पठन किया?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए तो उनकी पहचान कर लें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

सप्ताह 12
दिवस 2

चित्र के बारे में सरल बातचीत

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- चित्र चार्ट- दंगल/कुश्ती।
- चर्चा के लिए खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को एक घेरे में बिठाएँ और चित्र चार्ट देखने के लिए कहें। आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/ घटनाओं/ गतिविधियों के बारे में बंद छोर के प्रश्न पूछें। आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और बच्चों से खुले छोर वाले कुछ और प्रश्न करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से चित्र और हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें।
- बनाए हुए चित्र को सभी को दिखाने के लिए कहें और उस पर थोड़ी बातचीत करें।

सप्ताह 12
दिवस 2

चित्र के बारे में सरल बातचीत

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर अगले कालांश में उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्यांश पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ-14: जया, जगत और जुगनू।
- 'ह' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'ह' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'ह' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और कलरव के पाठ-14 में 'ह' वर्ण को खोजने और अलग-अलग तरीकों से 'ह' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्यांश पठन:** कुछ सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं से पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-71

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

कहानी पर समृद्ध चर्चा और लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-2, पाठ-3: वाह रे चोर।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों से कल पढ़े गए पाठ से संबंधित प्रश्न/चर्चा करें, जिससे कि उनको कहानी याद आ सके।
- आप पुन: कहानी का मौखिक रूप से उचित हाव-भाव, आवाज में उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ 1 बार आदर्श वाचन करें।
- बच्चों से कहानी से जुड़े कुछ खुले छोर के प्रश्न पूछें।

सप्ताह 12
दिवस 2

कहानी पर समृद्ध चर्चा और लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है, जो अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कुछ बच्चों से कहानी को अपनी भाषा में मौखिक रूप से सुनाने को कहें। कहानी सुनाने में बच्चों का सहयोग करें।
- कल कक्षा में पाठ से संबंधित लिखे गए शब्दों को पुन: पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी समझी है और लोगोग्राफिक पठन किया ?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए तो उनकी पहचान कर लें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

सप्ताह 12
दिवस 3

चित्र के बारे में समृद्ध बातचीत

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- चित्र चार्ट- दंगल/कुश्ती।
- चर्चा के लिए खुले छोर एवं बंद छोर के प्रश्न तैयार करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को एक घेरे में बिठाएँ और चित्र चार्ट देखने के लिए कहें। आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/ घटनाओं/ गतिविधियों के बारे में बंद छोर के प्रश्न पूछें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और बच्चों से नए खुले छोर वाले कुछ और प्रश्न करें।
- आप प्रश्न पूछें और बच्चों को जोड़ों में उस प्रश्न पर बातचीत करने के लिए कहें। जब बच्चों ने जोड़ों में बात कर ली हो तब आप किसी 2-3 बच्चों को अपना उत्तर सभी के साथ साझा करने के लिए कहें।
- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का समय दें और सबको चर्चा में शामिल करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से चित्र और पूर्व में हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्यांश पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव/सहज-1
- 'घ' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

'घ' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'घ' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और कलरव/सहज-1 के किसी भी पाठ में 'घ' वर्ण को खोजने और अलग-अलग तरीकों से 'घ' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।

सप्ताह 12
दिवस 3

वर्ण पहचान, ब्लेन्डिंग, शब्द पठन और वाक्यांश पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'घ' वर्ण की पहचान

- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्यांश पठन:** कुछ सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं से पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-72

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

कहानी सुनकर समझना और लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-3 पाठ-5: सियार और ऊँट।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है, जो अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को आज के पाठ की कहानी के चित्र दिखाएँ और दिख रहे चित्रों के आधार पर कहानी के शीर्षक और कहानी का अनुमान लगाने को कहें।
- अब आप कहानी का मौखिक रूप से उचित हाव-भाव, आवाज में उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ 2 बार आदर्श वाचन करें।
- कहानी सुनने के बाद कहानी से जुड़े कुछ तथ्यात्मक प्रश्न भी करें।
- कहानी के चयनित शब्दों को बोर्ड पर लिखें और पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। इन शब्दों को चार्ट पर लिखकर कक्षा-कक्ष में चिपकाएँ/लटकाएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी समझी है और लोगोग्राफिक पठन किया?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए तो उनकी पहचान कर लें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

सप्ताह 12
दिवस 4

कविता पर चर्चा और शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कविता पोस्टर- काशीफल।
- कविता पोस्टर से कविता पहले से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- जब बच्चे कहानी सुना रहे हों तो उनकी कमियाँ ना बताते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

कविता पोस्टर पर कार्य

- दिवस की शुरुआत आप चलने-फिरने/ उठने-बैठने से संबंधित किसी खेल गतिविधि से करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- अब आप बच्चों को कविता पोस्टर दिखाते हुए कविता के शीर्षक का अनुमान लगाने और चित्रों के माध्यम से कविता के बारे में अनुमान लगाने के लिए कहें।
- अब आप बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 2-3 बार सुनाएँ। इसके बाद कविता पोस्टर दिखाते हुए, कविता के प्रत्येक शब्द पर उँगली रखते हुए पढ़ें।
- अब आप कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव के साथ 1-2 बार गाएँ।
- इसके बाद कविता के बारे में उनकी राय पूछें। उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों अच्छा लगा?
- इसके बाद कक्षा के 1-2 बच्चों से कविता सुनाने को कहें।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें। बच्चों के हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

लेखन कार्य

- बच्चों को कविता से संबंधित कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। बच्चों द्वारा बनाया गया चित्र सभी को दिखाने के लिए कहें ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्यांश पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- सहज-1 पाठ -9 : पतंग और बकरी।
- 'ग' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'ग' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'ग' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और 'सहज-1' के पाठ-9 'पतंग और बकरी' में 'ग' वर्ण को खोजने और अलग-अलग तरीकों से 'ग' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्यांश पठन:** कुछ सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं से पढ़ने को कहें।

सप्ताह 12
दिवस 4

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्यांश पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

लेखन कार्य

पाठ-73

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

कहानी पर समृद्ध चर्चा और लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-3 पाठ-5: सियार और ऊँट।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है, जो ज्यादातर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों से कल पढ़े गए पाठ से संबंधित प्रश्न/चर्चा करें, जिससे कि उनको कहानी याद आ सके।
- आप पुन: कहानी का मौखिक रूप से उचित हाव-भाव, आवाज में उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ 1 बार आदर्श वाचन करें।
- बच्चों से कहानी से जुड़े कुछ खुले छोर के प्रश्न पूछें।
- कुछ बच्चों से कहानी को अपनी भाषा में मौखिक रूप से सुनाने को कहें। कहानी सुनाने में बच्चों का सहयोग करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी समझी है और लोगोग्राफिक पठन किया?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए तो उनकी पहचान कर लें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

सप्ताह 12
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-1, पाठ-11: बड़ा गुब्बारा।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?

सप्ताह 12
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का वातावरण रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- बच्चों को समूहों में बाँटकर कहानी को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। बच्चों को उनकी तरह से संवाद बोलने और नाटक को प्रस्तुत करने की आजादी दें।

लेखन कार्य

- इस कहानी के आधार पर बच्चों से कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान कर आगे उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ्यपुस्तक/सहज।
- वर्ण/अक्षर कार्ड।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और 'पाठ्यपुस्तक/सहज' में खोजने और अलग-अलग तरीकों से इन्हें लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्यांश पठन:** कुछ सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं से पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-74

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 12
दिवस 5

स्वतंत्र पठन एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें। बच्चें जैसी भी कहानी बताएँ, स्वीकार करें। बच्चों को कहानी बताने मे सहयोग करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और आगे उन्हें अधिक मौके देने और प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित करें।

सप्ताह 12
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-1 पाठ-12, झूला।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का वातावरण रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों ?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- बच्चों को समूहों में बाँटकर कहानी को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। बच्चों को उनकी तरह से संवाद बोलने और नाटक को प्रस्तुत करने की आजादी दें।

लेखन कार्य

- सुनी गई कहानी पर बच्चों को चित्र बनाने और चित्र सभी को दिखाने के लिए कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर अगले कालांश में उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चों के पास लेखन की सामग्री हो।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 70 से 74 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक पर दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- पूर्व के सप्ताहों में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों का आकलन करें और परिणामों को नोट करें और आवश्यकता के अनुसार पुनरावृत्ति का कार्य करवाएँ।
- इसके पश्चात् आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार पिछड़ रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें। उनकी समस्याओं को पहचानें और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।

सप्ताह 13
दिवस 1

चित्रों के माध्यम से स्वयं को अभिव्यक्त करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सामग्री: कागज या कॉपी, रंगने के लिए कोई सामग्री-स्केच, क्रेयॉन/कलर पेंसिलें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में प्रतिभाग करने के मौके दें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- गतिविधि की शुरुआत किसी कविता/ बालगीत/ कहानी या खेल गतिविधि से करें। इस पर बच्चों के साथ 5-7 मिनट तक कार्य करें।
- फिर, कला सामग्री बच्चों के बीच बाँट दें।
- बच्चों से कहें कि वह अपने पसंद की किसी भी चीज का चित्र बनाएँ और उसमें रंग भरें।
- फिर बच्चों द्वारा बनाए गए चित्र को आपस में दिखाते हुए उसके बारे में सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।

लेखन कार्य

- बच्चों से कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर बातचीत करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मात्रा पहचान

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के स्पष्ट निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

'ए-मात्रा' की पहचान

- कालांश की शुरुआत एक छोटी कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- आप बोर्ड पर किसी वर्ण को लिखें और इसका उच्चारण करें। फिर उस वर्ण में लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें, जैसे- 'न', 'ने'। (यहाँ से हम बच्चों के साथ मात्रा की अवधारणा पर बात करेंगे, जैसे 'क' और 'ए की मात्रा' (े) - 'के'। यहाँ हम बच्चों को इन मात्राओं के चिन्हों से परिचित करवाएँगे और आगे भी इसी प्रकार कार्य करेंगे।)
- कुछ अन्य वर्ण लिखकर उसमें लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें, जैसे- क, के, र, रे।
- सिखाए गए वर्णों और लक्षित मात्रा से क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड बोर्ड पर बनाएँ और 4-5 बार उच्चारण करें और बच्चों से पहचान करवाएँ।
- अक्षर पहचान की गतिविधि 'मिलकर खोजें' करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्यांश पठन:** कुछ सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं से पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-75

सप्ताह 13
दिवस 1

मात्रा पहचान

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

कहानी सुनकर समझना और लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-3, पाठ-6, गाजर और गाय।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है, जो अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को आज के पाठ की कहानी के चित्र दिखाएँ और दिख रहे चित्रों के आधार पर कहानी के शीर्षक और कहानी का अनुमान लगाने को कहें।
- अब आप कहानी का मौखिक रूप से उचित हाव-भाव, आवाज में उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ 2 बार आदर्श वाचन करें।
- कहानी सुनने के बाद कहानी से जुड़े कुछ तथ्यात्मक प्रश्न भी करें।
- कहानी के चयनित शब्दों को बोर्ड पर लिखें और पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। इन शब्दों को चार्ट पर लिखकर कक्षा-कक्ष में चिपकाएँ/लटकाएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी समझी है और लोगोग्राफिक पठन किया?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए तो उनकी पहचान कर लें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

सप्ताह 13
दिवस 2

चित्र के बारे में सरल बातचीत

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- चित्र चार्ट- यातायात।
- चर्चा के लिए खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से बना लें।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को एक घेरे में बिठाएँ और चित्र चार्ट देखने के लिए कहें।
- आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/ घटनाओं/ गतिविधियों के बारे में बंद छोर के प्रश्न पूछें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और बच्चों के खुले छोर वाले कुछ और प्रश्न करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से चित्र और हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और बनाए हुए चित्र को सभी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

सप्ताह 13
दिवस 2

चित्र के बारे में सरल बातचीत

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर अगले कालांश में उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मात्रा पहचान

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक, कलरव पाठ्यपुस्तक।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के स्पष्ट निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

'ए-मात्रा' की पहचान

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- फिर आप वर्ण मात्रा से लक्षित क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड क्रमशः बनाएँ और 4-5 बार उच्चारण करके दिखाएँ। वर्ण-मात्रा से बने इस ग्रिड से पहले आप वर्ण अक्षर पढ़ें और बच्चों को अपने बाद बोलने को कहें। (यहाँ हम बच्चों के साथ मात्रा की अवधारणा पर बात करेंगे, जैसे- 'क' और 'ए की मात्रा' (े) - 'के'। यहाँ हम बच्चों को इन मात्राओं के चिन्हों से परिचित करवाएँगे और आगे भी इसी प्रकार कार्य करेंगे।)
- कुछ बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और बोर्ड पर बनी ग्रिड में से आपके द्वारा बताए गए वर्ण/अक्षर को पहचान कर बताने को कहें।
- फिर आप बोर्ड पर 'मे' और 'दे' लिख दें और बच्चों से कलरव पाठ्यपुस्तक के पाठ-1 'मेरा देश' में इनको खोजकर गोला लगाने को कहें।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्यांश पठन:** कुछ सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं से पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-76

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 13
दिवस 2

कहानी पर समृद्ध चर्चा और लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-3, पाठ-6, गाजर और गाय।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है, जो अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों से कल पढ़े गए पाठ से संबंधित प्रश्न/चर्चा करें, जिससे उनको कहानी याद आ सके।
- आप पुन: कहानी का मौखिक रूप से उचित हाव-भाव, आवाज में उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ 1 बार आदर्श वाचन करें।
- बच्चों से कहानी से जुड़े कुछ खुले छोर के प्रश्न पूछें।
- कुछ बच्चों से कहानी को अपनी भाषा में मौखिक रूप से सुनाने को कहें। कहानी सुनाने में बच्चों का सहयोग करें।
- कल कक्षा में पाठ से संबंधित लिखे गए शब्दों को पुन: पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी समझी है और लोगोग्राफिक पठन किया ?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए तो उनकी पहचान कर लें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

सप्ताह 13
दिवस 3

चित्र के बारे में समृद्ध बातचीत

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- चित्र चार्ट- यातायात।
- चर्चा के लिए खुले छोर के प्रश्न तैयार करना।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

चित्र पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को एक घेरे में बिठाएँ और चित्र चार्ट देखने के लिए कहें। आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/ घटनाओं/ गतिविधियों के बारे में बंद छोर के प्रश्न पूछें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और बच्चों से खुले छोर वाले कुछ और प्रश्न करें।
- आप प्रश्न पूछें और बच्चों को जोड़ों में उस प्रश्न पर बातचीत करने के लिए कहें। जब बच्चों ने जोड़ों में बात कर ली हो, तब आप किन्हीं 2-3 बच्चों को अपना उत्तर सभी के साथ साझा करने के लिए कहें।

लेखन कार्य

- बच्चों से चित्र और हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 13
दिवस 3

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, पाठ्यपुस्तक/सहज, बोर्ड, चॉक।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के स्पष्ट निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी स्थानीय कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाएँ।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों में 'ए' की मात्रा लगाकर ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और 'पाठ्यपुस्तक/सहज' में खोजने और अलग-अलग तरीकों से इन्हें लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** वर्णों/अक्षरों और शब्दों को मिलकर पढ़ने (ब्लेंडिंग) को सिखाने के लिए अब तक उपयोग किए गए तरीकों से आप बच्चों द्वारा पुनरावृत्ति करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पिछले दिनों के कालांश की तरह ही पूर्व की कक्षाओं में पठन-पाठन की प्रक्रिया के दौरान चार्ट पर/शब्द दीवार पर लिखे गए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास कराएँ।
- **वाक्यांश पठन:** कुछ सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं से पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-77

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

कहानी सुनकर समझना और लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-3, पाठ-7, गौरैया फुर्र।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है, जो अधिकतर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को आज के पाठ की कहानी के चित्र दिखाएँ और दिख रहे चित्रों के आधार पर कहानी के शीर्षक और कहानी का अनुमान लगाने को कहें।
- अब आप कहानी का मौखिक रूप से उचित हाव-भाव, आवाज में उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ 2 बार आदर्श वाचन करें।
- कहानी सुनने के बाद कहानी से जुड़े कुछ तथ्यात्मक प्रश्न भी करें।
- कहानी के चयनित शब्दों को बोर्ड पर लिखें और पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। इन शब्दों को चार्ट पर लिखकर कक्षा-कक्ष में चिपकाएँ/लटकाएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी समझी है और लोगोग्राफिक पठन किया?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए तो उनकी पहचान कर लें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

सप्ताह 13
दिवस 4

मौखिक शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कागज की गेंद, बच्चों की संख्या के अनुसार वस्तुएँ, आँख पर पट्टी बाँधने के लिए कपड़ा/रुमाल।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- परिवेशीय वस्तुओं का ही चयन करें।
- बच्चों को वाक्य बनाने में मदद करें, प्रोत्साहित करें।
- ऐसे वस्तुओं का चुनाव करें, जिससे बच्चों को चोट ना लगे और उन्हें कोई हानि ना पहुँचे।

चीजों के बारे में बताना

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए दिन की शुरुआत कविता या गीत को हाव-भाव के साथ गाकर करें। इसके लिए 5-7 मिनट का समय दें।
- बच्चों को गोल घेरे में बिठा दें और कुछ चीजें जैसे- आलू, पत्थर, चाक, डस्टर, किताब इत्यादि को बच्चों को दिखाते हुए एक झोले में डाल दें।
- अब कविता गाते हुए कागज़ की गेंद को एक से दूसरे बच्चे के पास घुमाएँ।
- कविता खत्म होने पर जिस बच्चे के पास गेंद होगी, उसकी आँख में पट्टी बाँधे, वह बच्चा झोले में से कोई एक वस्तु निकालेगा और उसे छूकर बताएगा कि वह वस्तु क्या है? वस्तु को पहचानने के लिए बच्चे को एक मिनट का समय दें।
- इस दौरान कक्षा के अन्य बच्चे रंग, आकार और उपयोग के आधार पर वस्तु के बारे में कोई बात बता सकते हैं- जैसे तुम्हारे हाथ में जो वस्तु है, वह भूरे रंग की है और अपने दोस्त की सहायता कर सकते हैं।

लेखन कार्य

- बच्चों को अपने मनपसंद का चित्र बनाने और आपस में चर्चा करने के लिए कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में प्रतिभाग किया?
- जो बच्चे कम बोल रहें हों, उनकी पहचान कर लें और आगे उनको बोलने के अधिक मौके प्रदान करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्यांश पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ-20, चन्दा मामा।
- 'आ' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'आ' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'आ' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और कलरव के पाठ-20 'चन्दा मामा' में 'आ' वर्ण को खोजने और अलग-अलग तरीकों से 'आ' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्यांश पठन:** कुछ सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं से पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-78

सप्ताह 13
दिवस 4

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्यांश पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

कहानी पर समृद्ध चर्चा और लोगोग्राफिक पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-3 पाठ-7, गौरेया फुर्र।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को अपनी भाषा में और आपस में बातचीत करने के भरपूर मौके दें।
- यदि बातचीत में कोई ऐसा शब्द आता है, जो ज्यादातर बच्चे नहीं जानते हैं तो उसके स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों से कल पढ़े गए पाठ से संबंधित प्रश्न/चर्चा करें, जिससे कि उनको कहानी याद आ सके।
- आप पुन: कहानी का मौखिक रूप से उचित हाव-भाव, आवाज में उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ 1 बार आदर्श वाचन करें।
- बच्चों से कहानी से जुड़े कुछ खुले छोर के प्रश्न पूछें।
- कुछ बच्चों से कहानी को अपनी भाषा में मौखिक रूप से सुनाने को कहें। कहानी सुनाने में बच्चों का सहयोग करें।
- कल कक्षा में पाठ से संबंधित लिखे गए शब्दों को पुन: पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कहानी समझी है और लोगोग्राफिक पठन किया ?
- यदि कुछ बच्चे सक्रिय रूप से इस गतिविधि में प्रतिभाग नहीं कर पाए तो उनकी पहचान कर लें और आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें।

सप्ताह 13
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-3, पाठ-7, गौरैया फुर्र।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का वातावरण रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों ?
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- बच्चों को समूहों में बाँटकर कहानी को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। बच्चों को उनकी तरह से संवाद बोलने और नाटक को प्रस्तुत करने की आजादी दें।

सप्ताह 13
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

लेखन कार्य

- इस कहानी के आधार पर बच्चों से कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, पाठ्यपुस्तक/सहज, बोर्ड, चॉक।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के स्पष्ट निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में आप एक छोटी स्थानीय कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाएँ।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों में 'ए' की मात्रा लगाकर ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और 'पाठ्यपुस्तक/सहज' में खोजने और अलग-अलग तरीकों से इन्हें लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** वर्णों/अक्षरों और शब्दों को मिलकर पढ़ने (ब्लेंडिंग) को सिखाने के लिए अब तक उपयोग किए गए तरीकों से आप बच्चों की पुनरावृत्ति करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पिछले दिनों के कालांश की तरह ही पूर्व की कक्षाओं में पठन-पाठन की प्रक्रिया के दौरान चार्ट पर/शब्द दीवार पर लिखे गए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास कराएँ।
- **वाक्यांश पठन:** कुछ सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं से पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-79

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

स्वतंत्र पठन एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का चयन।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें

सप्ताह 13
दिवस 5

स्वतंत्र पठन एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

पठन

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

स्वतंत्र पठन

और उनसे किताब में दी गई कहानी को पढ़ने को कहें।

- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसको स्वीकार करें।
- बच्चों को कहानी बताने में सहयोग करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और उन्हें अधिक मौके देने और प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित करें।

सप्ताह 13
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं सरल चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-2 पाठ -15, कोयल का घोंसला।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का वातावरण रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- बच्चों को समूहों में बाँटकर कहानी को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। बच्चों को उनकी तरह से संवाद बोलने और नाटक को प्रस्तुत करने की आजादी दें।

लेखन कार्य

- सुनी गई कहानी पर बच्चों को चित्र बनाने और बनाए गए चित्र सभी को दिखाने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।
- सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चों के पास लेखन की सामग्री हो।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 75 से 79 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक पर दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- पूर्व के सप्ताहों में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों का आकलन करें और परिणामों को नोट करें और आवश्यकता के अनुसार पुनरावृत्ति का कार्य करवाएँ।
- इसके पश्चात् आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार पिछड़ रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें। उनकी समस्याओं को पहचानें और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।

सप्ताह 14
दिवस 1

कहानी पर चर्चा और शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कहानी पोस्टर: भालू और मदारी।
- बंद और खुले छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- जब बच्चे कहानी सुना रहे हों तो उनकी कमियाँ ना बताते हुए, उनका प्रोत्साहन करें।

कहानी पोस्टर पर कार्य

- कालांश की शुरुआत आप चलने-फिरने/ उठने-बैठने से संबंधित किसी खेल गतिविधि से करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- अब आप बच्चों को कहानी पोस्टर दिखाते हुए कहानी के शीर्षक का अनुमान लगाने और चित्रों के माध्यम से कहानी के बारे में अनुमान लगाने के लिए कहें।
- अब आप बच्चों को हाव-भाव और उतार-चढ़ाव के साथ मौखिक रूप से 1-2 बार कहानी को सुनाएँ। इस दौरान बच्चों का ध्यान बनाए रखने के लिए कुछ बंद छोर के प्रश्नों को भी पूछें।
- इसके बाद कहानी पोस्टर दिखाते हुए, कहानी की प्रत्येक लाईन पर उँगली रखते हुए कहानी को पढ़ें। कहानी पढ़ते समय आप कुछ जगह पर रुकें और बच्चों को आगे के शब्दों का अनुमान लगाने को कहें।
- इसके बाद कहानी के बारे में उनकी राय पूछें। उन्हें कहानी में क्या अच्छा लगा और क्यों अच्छा लगा ? इसके बाद कक्षा के 1-2 बच्चों से कहानी सुनाने को कहें।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, बच्चों के हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

लेखन कार्य

- बच्चों को कहानी से संबंधित कोई चित्र बनाने एवं रंग भरने को कहें। बच्चों द्वारा बनाया गया चित्र सभी को दिखाने के लिए कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्यांश पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ -14 जया, जगत और जुगनू
- 'य' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'य' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'य' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और कलरव के पाठ-14 'जया, जगत और जुगनू' में 'य' वर्ण को खोजने और अलग-अलग तरीकों से 'य' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्यांश पठन:** कुछ सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं से पढ़ने को कहें।

सप्ताह 14
दिवस 1

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्यांश पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

लेखन कार्य

पाठ-80

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 14
दिवस 1

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3 | पठन | 20 मिनट

सहज से पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1 पाठ-1: रेलगाड़ी।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी को पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

20 मिनट

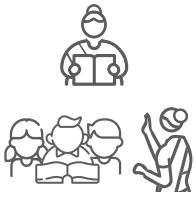

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से आज का पाठ पढ़ने को कहें।
- आज आप समूह 1 और 2 के साथ काम करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप आज के पाठ का आदर्श वाचन करें।
- इसके बाद समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें।
- इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें।
- अब इस समूह के बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 14
दिवस 2

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- अनुभव पर चर्चा– मेला।
- विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

अनुभव पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम मेला के बारे में बात करेंगे। सबसे पहले आप स्वयं किसी मेले के अनुभव के बारे में बताएँ कि कौन-सा मेला देखने गए थे? वहाँ पर क्या-क्या किया था? मेले से जुड़ा कोई खास अनुभव बच्चों को बताएँ?
- इसके बाद आप बच्चों से भी उनके अनुभव सुनें और बंद छोर के प्रश्न पूछें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से मेले से जुड़ा कोई चित्र बनाने और उसके बारे में बात करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को अगले कालांश में थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्यांश पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ-14 जया, जगत और जुगनू।
- 'ज' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'ज' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'ज' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और कलरव के पाठ-14 'जया, जगत और जुगनू' में 'ज' वर्ण को खोजने और अलग-अलग तरीकों से 'ज' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्यांश पठन:** कुछ सरल वाक्यांश बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं से पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-81

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 14
दिवस 2

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② ③ | पठन | 20 मिनट

सहज से पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1 पाठ-1: रेलगाड़ी।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी को पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

20 मिनट

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुनः बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से कल वाला पाठ पुनः पढ़ने को कहें।
- आज आप समूह 3 और 4 के साथ काम करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें।
- फिर समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें।
- इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें।
- अब इस समूह के बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने गतिविधि में सक्रिय सहभागिता की?
- जिन बच्चों को गतिविधि करने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 14
दिवस 3

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- अनुभव पर चर्चा- मेला
- विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

अनुभव पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को बताएँ कि आज भी हम मेले के बारे में बात करेंगे। कल की चर्चा को आगे ले जाते हुए कुछ नए बिन्दुओं पर चर्चा करें।
- इसके बाद आप एक-एक करके सभी बच्चों से उनके अनुभवों को बताने को कहें। बीच-बीच में आप कुछ नए खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- आप प्रयास करें कि आज उन बच्चों को अधिक बोलने के मौके मिलें, जिन्होंने कल की चर्चा में कम प्रतिभाग किया था।
- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का समय दें और सबको चर्चा में शामिल करें।

सप्ताह 14
दिवस 3

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

लेखन कार्य

- बच्चों से अनुभव पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। चर्चा में आए नए शब्दों को चार्ट पर लिखकर पढ़ने का अभ्यास कराएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को आगे थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव / सहज।
- 'ध' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'ध' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'ध' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और कलरव / 'सहज' के किसी भी पाठ में 'ध' वर्ण को खोजने और अलग-अलग तरीकों से 'ध' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों और शब्दों से बनने वाले सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से दोहराने को कहें।
- कुछ नए सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और कुछ बच्चों से बोर्ड के पास आकर पढ़ने को कहें।
- बच्चों को छोटे समूहों में बाँट दें और उन्हें कार्यपुस्तिका में दिए वाक्यों को पढ़ने को कहें और आप सभी बच्चों का घूम-घूमकर अवलोकन करें।

लेखन कार्य

पाठ-82

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 14
दिवस 3

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1, पाठ-2, जलेबी।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी को पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ काम करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें, उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 14
दिवस 4

मौखिक शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कुछ उदाहरण तैयार कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को सरल संकेत दें।
- बच्चों को वाक्य बनाने में मदद करें, प्रोत्साहित करें।

क्या-क्या होता

- कालांश की शुरुआत किसी स्थानीय कविता/गीत को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5-7 मिनट का समय दें।
- बच्चे गोल घेरे में रेलगाड़ी की तरह चलें। आप बोलें:-
  - 'क्या-क्या होता लाल-लाल', बच्चे भी आपके पीछे-पीछे दोहराएँ-
  - 'क्या-क्या होता लाल-लाल।'
- आप गोले में से किसी एक बच्चे के सर पर हाथ रखकर पूछें- 'क्या-क्या होता लाल-लाल।'
- अब वह बच्चा किसी लाल चीज का नाम बोलेगा जैसे- 'टमाटर होता लाल-लाल।' इसके बाद बच्चा टमाटर के बारे में एक वाक्य बोलेगा , जैसे- 'टमाटर एक सब्जी है।'
- इसे 3-4 बार अलग-अलग बच्चों के साथ दोहराएँ, फिर किसी अन्य विशेषता को लेकर इस गतिविधि को आगे बढ़ाएँ। जैसे- खट्टा, मीठा, तीखा, काला, पीला, लंबा, गोला, इत्यादि।

लेखन कार्य

- बच्चों को गतिविधि में शामिल किसी भी वस्तु का चित्र बनाने और रंग भरने को कहें और उसके बारे में अपने साथी को बताने को कहें। 3-4 बच्चों से कक्षा के सभी बच्चों को चित्र दिखाकर उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 14
दिवस 4

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश ① ② ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ-18, जाड़ा, गर्मी और बरसात।
- 'ट' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर किस तरह से कार्य करना है, बच्चों को इसका स्पष्ट निर्देश उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

'ट' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'ट' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और कलरव के पाठ-18 'जाड़ा, गर्मी और बरसात' में 'ट' वर्ण को खोजने और अलग-अलग तरीकों से 'ट' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों और शब्दों से बनने वाले सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से दोहराने को कहें।
- कुछ नए सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और कुछ बच्चों से बोर्ड के पास आकर पढ़ने को कहें।
- बच्चों को छोटे समूहों में बाँट दें और उन्हें कार्यपुस्तिका में दिए वाक्यों को पढ़ने को कहें और आप सभी बच्चों का घूम-घूमकर अवलोकन करें।

लेखन कार्य

पाठ-83

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 14
दिवस 4

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1, पाठ-2, जलेबी।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुन: बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से कल वाला पाठ पुन: पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ काम करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।

सप्ताह 14
दिवस 4

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी को पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया ?
- जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें, उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 14
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-1, पाठ-अतिरिक्त पाठ: चूहा और हाथी।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का वातावरण रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों ?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- बच्चों को समूहों में बाँटकर कहानी को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। बच्चों को उनकी तरह से संवाद बोलने और नाटक को प्रस्तुत करने की आजादी दें।

लेखन कार्य

- इस कहानी के आधार पर बच्चों से कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर अगले कालांश में उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 14
दिवस 5

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ्यपुस्तक /सहज।
- वर्ण/अक्षर कार्ड।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/मात्राओं की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और 'पाठ्यपुस्तक/सहज' में खोजने और अलग-अलग तरीकों से इन्हें लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए वाक्यों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

पाठ-84

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

स्वतंत्र पठन एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और उन्हें अधिक मौके देने और प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित करें।

सप्ताह 14
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-2 पाठ -13: चिड़िया के बच्चे।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का वातावरण रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- बच्चों को समूहों में बाँटकर कहानी को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता हैं। बच्चों को उनकी तरह से संवाद बोलने और नाटक को प्रस्तुत करने की आजादी दें।

लेखन कार्य

- सुनी गई कहानी पर बच्चों को चित्र बनाने और सभी को दिखाने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

साप्ताहिक आकलन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चों के पास लेखन की सामग्री हो।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 80 से 84 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक पर दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- पूर्व के सप्ताहों में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों का आकलन करें और परिणामों को नोट करें और आवश्यकता के अनुसार पुनरावृत्ति का कार्य करवाएँ।
- इसके पश्चात् आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार पिछड़ रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें। उनकी समस्याओं को पहचानें और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।

सप्ताह 15
दिवस 1

कहानी पर चर्चा एवं शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कहानी पोस्टर- मेंढ़क का गाना।
- बंद और खुले छोर के प्रश्नों की सूची से पहले से तैयार करें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- जब बच्चे कहानी सुना रहे हों तो उनकी कमियाँ ना बताते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

कहानी पोस्टर पर कार्य

- कालांश की शुरुआत आप चलने-फिरने/ उठने-बैठने से संबंधित किसी खेल गतिविधि से करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- बच्चों को कहानी पोस्टर दिखाते हुए कहानी के शीर्षक का अनुमान लगाने और चित्रों के माध्यम से कहानी के बारे में अनुमान लगाने के लिए कहें।
- अब आप बच्चों को हाव-भाव के साथ और उतार-चढ़ाव के साथ मौखिक रूप से 1-2 बार कहानी को सुनाएँ। इस दौरान बच्चों का ध्यान बनाए रखने के लिए कुछ बंद छोर के प्रश्नों को पूछें।
- इसके बाद कहानी पोस्टर दिखाते हुए, कहानी की प्रत्येक लाईन पर उँगली रखते हुए कहानी को पढ़ें। कहानी पढ़ते समय आप कुछ जगह पर रुकें और बच्चों को आगे के शब्दों का अनुमान लगाने को कहें।
- इसके बाद कहानी के बारे में उनकी राय पूछें। उन्हें कहानी में क्या अच्छा लगा और क्यों ?
- इसके बाद कक्षा के 1-2 बच्चों से कहानी सुनाने को कहें।
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें। बच्चों के हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।

लेखन कार्य

- बच्चों को कहानी से संबंधित कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। बच्चों द्वारा बनाया गया चित्र सभी को दिखाने के लिए कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के स्पष्ट निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

'ओ-मात्रा' की पहचान

- कालांश की शुरुआत एक छोटी कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- आप बोर्ड पर किसी वर्ण को लिखें और इसका उच्चारण करें। फिर उस वर्ण में लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें, जैसे- 'न', 'नो'।
- कुछ अन्य वर्ण लिखकर उसमें लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें, जैसे- क, को, ल , लो।
- सिखाए गए वर्णों और लक्षित मात्रा से क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड बोर्ड पर बनाएँ और 4-5 बार उच्चारण करें और बच्चों से पहचान करवाएँ।
- अक्षर पहचान की गतिविधि 'मिलकर खोजें' करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों

सप्ताह 15
दिवस 1

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

'ओ-मात्रा' की पहचान

से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

- **वाक्य पठन:** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं से पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-85

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1, पाठ-3: तितली।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी को पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ काम करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें, उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 15
दिवस 2

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- अनुभव पर चर्चा– त्यौहार दशहरा।
- विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

अनुभव पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम दशहरे के बारे में बात करेंगे। सबसे पहले आप स्वयं अपने अनुभव या दशहरे से संबंधित कोई खास घटना बच्चों के साथ साझा करें।
- अब आप बच्चों से उनके अनुभवों पर बातचीत करें और विषय से संबंधित बंद और एक-दो खुले छोर के प्रश्न पूछें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चर्चा से संबंधित कोई चित्र बनाने और उसके बारे में अपने साथी से बात करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों से अपने चित्र को सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक, कलरव पाठ-14: जया, जगत और जुगनू।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के स्पष्ट निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

'ओ-मात्रा' की पहचान

- कालांश की शुरुआत एक छोटी कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर आप वर्ण मात्रा से लक्षित क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड क्रमशः बनाएँ और 4-5 बार उच्चारण करके दिखाएँ। वर्ण-मात्रा से बने इस ग्रिड से पहले आप वर्ण अक्षर पढ़ें और बच्चों को अपने बाद बोलने को कहें।
- कुछ बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और बोर्ड पर बनी ग्रिड में से आपके द्वारा बताए गए वर्ण/अक्षर को पहचान कर बताने को कहें।
- फिर आप बोर्ड पर 'तो' और 'को' लिख दें और बच्चों से कलरव पाठ-14 'जया, जगत और जुगनू' में इनको खोजकर गोला लगाने को कहें।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं से पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-86

सप्ताह 15
दिवस 2

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश ① ② ③

डिकोडिंग

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1, पाठ-3: तितली।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी को पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुनः बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से कल वाला पाठ पुनः पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ काम करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें, उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 15
दिवस 3

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश ① ② ③

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- अनुभव पर चर्चा- त्यौहार दशहरा।
- विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

अनुभव पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को बताएँ कि आज भी हम दशहरा के बारे में बात करेंगे। कल की चर्चा को आगे ले जाते हुए कुछ नए बिन्दुओं पर चर्चा करें।
- इसके बाद आप एक-एक करके सभी बच्चों से उनके अनुभवों को बताने को कहें। बीच-बीच में आप कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- आप प्रयास करें कि आज उन बच्चों को अधिक बोलने के मौके मिलें, जिन्होंने कल की चर्चा में कम प्रतिभाग किया था।
- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का समय दें और सबको चर्चा में शामिल करें।

सप्ताह 15
दिवस 3

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

लेखन कार्य

- बच्चों से अनुभव पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। चर्चा में आए नए शब्दों को चार्ट पर लिखकर पढ़ने का अभ्यास कराएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ-14 जया, जगत और जुगनू।
- 'ख' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'ख' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'ख' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और कलरव के पाठ-14 'जया, जगत और जुगनू' में 'ख' वर्ण को खोजने और अलग-अलग तरीकों से 'ख' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार

लेखन कार्य

पाठ-87

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 15
दिवस 3

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज–1, पाठ–4: भालू की चालाकी।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी को पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने–फिरने/उठने–बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ काम करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी–बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें, उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 15
दिवस 4

चित्र के माध्यम से विद्यालय के बारे में बताना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कागज, रंग, पेंसिल, रबड़।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- दिवस की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने–फिरने/ उठने–बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों से संक्षिप्त में चर्चा करें कि उन्हें विद्यालय में क्या करना अच्छा लगता है।
- उनको कुछ ऐसी गतिविधियों के बारे में बताने के लिए कहें, जो उन्हें अच्छी लगती हैं।
- अब उन्हें कागज़ पर चित्र के रूप में वह चीज़ बनाने को कहें, जो उन्हें अच्छी लगती हैं।
- फिर गतिविधि से संबंधित लोगों अथवा उससे संबंधित चीज़ों के चित्र बनाने के लिए कह सकते हैं।
- गतिविधि पूरी होने पर बच्चों को पूरी कक्षा के सामने यह बताने के लिए कहें कि उन्होंने क्या बनाया है।

लेखन कार्य

- अपने चित्र पर वह जोड़ों में चर्चा करें और चित्र के बारे में 1–2 शब्द लिखें। 3–4 बच्चों से अपने चित्रों को सभी को दिखाने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर अगले कालांश में उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 15
दिवस 4

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- पाठ्यपुस्तक/सहज–1
- इ' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'इ' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने–फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'इ' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और 'पाठ्यपुस्तक/सहज–1' के किसी भी पाठ में 'इ' वर्ण को खोजने और अलग–अलग तरीकों से 'इ' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए–नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2–3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं से पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ–88

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण–प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज–1 पाठ–4: भालू की चालाकी।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी को पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने–फिरने/उठने–बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुन: बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से कल वाला पाठ पुन: पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ काम करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी–बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें, उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 15
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-3, पाठ-9: पौधों से लगाव।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का वातावरण रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें। खुले छोर के प्रश्नों का उद्देश्य बच्चों के चिंतन कौशल को विकसित करना है, इसलिए बच्चों के जवाबों को सही और गलत में बाँटकर देखने से बचें और उनके हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।
- बच्चों को समूहों में बाँटकर कहानी को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। बच्चों को उनकी तरह से संवाद बोलने और नाटक को प्रस्तुत करने की आजादी दें।

लेखन कार्य

- इस कहानी के आधार पर बच्चों से कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ्यपुस्तक / सहज।
- वर्ण/अक्षर कार्ड।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/मात्राओं की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और 'पाठ्यपुस्तक/सहज' में खोजने तथा अलग-अलग तरीकों इन्हें लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** पूर्व में उपयोग किये गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए वाक्यों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

पाठ-89

सप्ताह 15
दिवस 5

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

स्वतंत्र पठन एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें।
- बच्चों द्वारा बताए कुछ चयनित शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें पढ़ने का अभ्यास कराएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और आगे उन्हें अधिक मौके देने और प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित करें।

सप्ताह 15
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-1 पाठ -9: पतंग और बकरी।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का वातावरण रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- दिवस की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों ?
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- बच्चों को समूहों में बाँटकर कहानी को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। बच्चों को उनकी तरह से संवाद बोलने और नाटक को प्रस्तुत करने की आजादी दें।

लेखन कार्य

- सुनी गई कहानी पर बच्चों से चित्र बनाने और सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचानकर आगे उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

साप्ताहिक आकलन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चों के पास लेखन की सामग्री हो।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 85 से 89 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक पर दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- पूर्व के सप्ताहों में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों का आकलन करें और परिणामों को नोट करें और आवश्यकता के अनुसार पुनरावृत्ति का कार्य करवाएँ।
- इसके पश्चात् आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार पिछड़ रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें। उनकी समस्याओं को पहचानें और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।

सप्ताह 16
दिवस 1

अपने दोस्तों की सहायता के लिए प्रेरित करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- बच्चों में प्रचलित सुपर हीरो के नाम व उनकी शक्तियों की एक सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- एक से अधिक बच्चे एक ही सुपरहीरो चरित्र या सुपर पावर को चुन सकते हैं।
- बच्चों को उनकी बात कहने के भरपूर मौके दें।

सामाजिक या भावनात्मक जुड़ाव - सुपरहीरो की शक्ति

- दिवस की शुरुआत किसी स्थानीय कविता/गीत बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5-7 मिनट का समय दें।
- आप बच्चों से बात करना शुरू करें और बच्चों से पूछें कि यदि वे सुपरहीरो होते तो कौन-सी सुपर पावर 'विशेष शक्ति' लेना चाहते।
- फिर आप बच्चों से कहें कि कुछ समय के लिए वे खुद को सुपरहीरो मानें और यह भी मान लें कि उनके पास अपनी इच्छा की सुपर पावर आ गई है। अब उन्हें एक सुपरहीरो की तरह व्यवहार करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- बच्चों से पूछें कि वे अपनी-अपनी सुपर पावर से क्या-क्या करना चाहते हैं और किसकी सहायता करना चाहते हैं।
- बच्चों को सुपरहीरो की तरह व्यवहार करने दें। शुरुआत में, आप बच्चों को बताएँ कि आप कौन-सी सुपर पावर (विशेष शक्ति) लेना चाहते हैं। इस शक्ति से आप किसकी और क्या सहायता करना चाहते हैं, उसका उदाहरण दें।

लेखन कार्य

- बच्चे से उनकी पसंद के सुपर हीरो का चित्र बनाने को कहें। वह अपने साथियों से इस चित्र के बारे में चर्चा कर सकते हैं।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण/अक्षर पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- सहज-1 पाठ-5 दो चीटियाँ।
- 'ई' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'ई' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण/अक्षर पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'ई' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और 'सहज-1' के पाठ-5 'दो चीटियाँ' में 'ई' वर्ण को खोजने और अलग-अलग तरीकों से 'ई' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं से पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-90

सप्ताह 16
दिवस 1

वर्ण/अक्षर पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1, पाठ-5: दो चीटियाँ।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ काम करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 16
दिवस 2

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- अनुभव पर चर्चा- घटना विवरण: गाँव में घटी कोई घटना।
- विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

अनुभव पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम गाँव की किसी घटना के बारे में बात करेंगे। सबसे पहले आप स्वयं अपने अनुभवों को बच्चों के साथ साझा करें, जैसे- आप कौन-से गाँव गए थे? वहाँ पर क्या-क्या देखा? गाँव से संबंधित कोई खास घटना या अनुभव सुनाएँ?
- अब आप बच्चों से उनके अनुभवों पर बातचीत करें और विषय से संबंधित बंद और एक-दो खुले छोर के प्रश्न पूछें।

सप्ताह 16
दिवस 2

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चर्चा से संबंधित जुड़ा कोई चित्र बनाने और उसके बारे में अपने साथी से बात करने को कहें। फिर किन्हीं 3–4 बच्चों से अपने चित्र को सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर अगले कालांश में उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण/अक्षर पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- सहज–1 पाठ–12 : झूला।
- 'ए' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'ए' वर्ण पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने–फिरने/ उठने–बैठने के मौके दें।
- **वर्ण/अक्षर पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'ए' वर्ण की वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और 'सहज–1' के पाठ–12 'झूला' में 'ए' वर्ण को खोजने और अलग–अलग तरीकों से 'ए' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए–नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2–3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ–91

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण–प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 16
दिवस 2

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1, पाठ-5: दो चींटियाँ।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी को पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुन: बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से कल वाला पाठ पुन: पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ काम करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 16
दिवस 3

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- अनुभव पर चर्चा- घटना विवरण: गाँव की घटना।
- विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

अनुभव पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम गाँव में घटित किसी घटना के बारे में बात करेंगे। कल की चर्चा आगे ले जाते हुए कुछ नए बिन्दुओं पर चर्चा करें।
- इसके बाद आप एक-एक करके सभी बच्चों से उनके अनुभव बताने को कहें। बीच-बीच में आप कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- आप प्रयास करें कि आज उन बच्चों को अधिक बोलने के मौके मिलें, जिन्होंने कल की चर्चा में कम प्रतिभाग किया था।
- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का समय दें और सबको चर्चा में शामिल करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से अनुभव पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। चर्चा में आए नए शब्दों को चार्ट पर लिखकर पढ़ने का अभ्यास कराएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 16
दिवस 3

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ-18 : जाड़ा, गर्मी और बरसात।
- 'छ' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'छ' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'छ' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और कलरव के पाठ-18 'जाड़ा, गर्मी और बरसात' में 'छ' वर्ण को खोजने और अलग-अलग तरीकों से 'छ' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-92

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1, पाठ-6: मेंढक का गाना।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ काम करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 16
दिवस 4

मौखिक शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- शब्द अंत्याक्षरी के लिए कुछ शब्दों का चयन करें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में प्रतिभाग करने का मौका दें।
- परिचित/परिवेशीय शब्दों का उपयोग करें।

मौखिक शब्दावली विकास - शब्द अंत्याक्षरी

- कालांश की शुरुआत किसी स्थानीय कविता/गीत को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5-7 मिनट का समय दें।
- इसके बाद आप बच्चों को गोले घेरे में बिठाएँ और आप स्वयं भी बैठ जाएँ।
- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम शब्द-अंत्याक्षरी खेलेंगे। आप एक शब्द बोलेंगे, आपके बगल में बैठा हुआ बच्चा उस शब्द के अंतिम अक्षर से कोई नया शब्द बोलेगा। इस क्रम में बच्चे बारी-बारी से बोले गए शब्द के अंतिम अक्षर से शुरू होने वाला कोई नया शब्द बोलेंगे।
- आप बच्चों को एक-दो उदाहरण के माध्यम से गतिविधि को स्पष्ट करें।
- अब आप बच्चों को कोई शब्द बोलें, जैसे कि 'मोर'। अब आपके बगल में बैठा हुआ बच्चा 'र' से शुरू होने वाला कोई शब्द बोलेगा, जैसे कि 'रस्सी'।
- इसी क्रम में खेल तब तक जारी रखें, जब तक कि कक्षा के सभी बच्चों को 2-3 बार शब्द बोलने का मौका न मिल जाए।

लेखन कार्य

- बच्चों से गतिवधि के आधार पर किसी भी वस्तु का चित्र बनाने और अपने साथी को उसके बारे में बताने को कहें। 2-3 बच्चों से कक्षा के सभी बच्चों को अपना चित्र दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ -14 जया, जगत और जुगनू।
- 'थ' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'थ' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'थ' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और कलरव के पाठ-14 में 'थ' वर्ण को खोजने और अलग-अलग तरीकों से 'थ' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-93

सप्ताह 16
दिवस 4

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1 पाठ-6: मेंढक का गाना।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुन: बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से कल वाला पाठ पुन: पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ काम करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 16
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-3, पाठ-11: आम दिवस।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का वातावरण रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- बच्चों को समूहों में बाँटकर कहानी को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। बच्चों को उनकी तरह से संवाद बोलने और नाटक को प्रस्तुत करने की आजादी दें।

सप्ताह 16
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

लेखन कार्य

- इस कहानी के आधार पर बच्चों से कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ्यपुस्तक/सहज।
- वर्ण/अक्षर कार्ड।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण/अक्षर पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/मात्राओं की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और 'पाठ्यपुस्तक/सहज' में खोजने और अलग-अलग तरीकों से इन्हें लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए वाक्यों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

पाठ-94

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

स्वतंत्र पठन एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का चयन।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी को पढ़ने को कहें।

सप्ताह 16
दिवस 5

स्वतंत्र पठन एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

पठन

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

स्वतंत्र पठन

- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करेंऔर आगे उन्हें अधिक मौके देने और प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित करें।

सप्ताह 16
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-3 पाठ-12: गुफा।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का वातावरण रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- बच्चों को समूहों में बाँटकर कहानी को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। बच्चों को उनकी तरह से संवाद बोलने और नाटक को प्रस्तुत करने की आजादी दें।

लेखन कार्य

- कहानी के आधार पर बच्चों से चित्र बनाने और बनाए गए चित्र को सभी को दिखाने के लिए कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस चर्चा में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चों के पास लेखन की सामग्री हो।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 90 से 94 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक पर दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- पूर्व के सप्ताहों में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों का आकलन करें और परिणामों को नोट करें और आवश्यकता के अनुसार पुनरावृत्ति का कार्य करवाएँ।
- इसके पश्चात् आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार पिछड़ रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें। उनकी समस्याओं को पहचानें और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।

सप्ताह 17
दिवस 1

अपनी भावनाओं को प्रकट करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कागज, पेंसिल, रंग आदि।
- बच्चों के नामों वाली पर्चियाँ।
- एक पहले से तैयार ग्रीटिंग कार्ड।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों के साथ मिलकर आप भी एक ग्रीटिंग कार्ड बनाकर दिखाएँ।
- सभी बच्चों को गतिविधि में प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- बच्चों की सहायता करें।

शुभकामना संदेश (ग्रीटिंग्स कार्ड) बनाना

- दिवस की शुरुआत किसी स्थानीय कविता/गीत बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5-7 मिनट का समय दें।
- आप बच्चों के नाम की पर्चियाँ कक्षा में एक स्थान पर रखें। अब एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ और उन्हें एक पर्ची उठाने के लिए कहें।
- आप बच्चों को बताएँ कि पर्ची पर उनके जिस दोस्त का नाम लिखा है, उन्हें उसके लिए ग्रीटिंग कार्ड बनाना है। आप पहले से बनाकर लाए गए ग्रीटिंग कार्ड को बच्चों को दिखाएँ।
- अब ग्रीटिंग कार्ड्स बनाने के लिए जरूरी चीज़ें बाँट दें और बच्चों को ग्रीटिंग कार्ड बनाने का समय दें।
- बच्चों से ग्रीटिंग कार्ड अपने दोस्त को देने के लिए कहें। सभी बच्चों से एक-दूसरे के द्वारा बनाए गए ग्रीटिंग कार्ड को देखने के लिए कहें। बच्चों को अपने-अपने ग्रीटिंग कार्ड घर ले जाने दें।

लेखन कार्य

- बच्चे ने अपने जिस दोस्त के लिए ग्रीटिंग कार्ड बनाया है, उसका चित्र बनाने के लिए कहें और पर्ची में से देखकर उनका नाम लिखने के लिए कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के स्पष्ट निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

'उ-मात्रा' की पहचान

- कालांश की शुरुआत एक छोटी कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- आप बोर्ड पर किसी वर्ण को लिखें और इसका उच्चारण करें। फिर उस वर्ण में लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें, जैसे- 'न', 'नु'।
- कुछ अन्य वर्ण लिखकर उसमें लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें, जैसे- क, कु, ल, लु।
- सिखाए गए वर्णों और लक्षित मात्रा से क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड बोर्ड पर बनाएँ और 4-5 बार उच्चारण करें और बच्चों से पहचान करवाएँ।
- अक्षर पहचान की गतिविधि 'मिलकर खोजें' करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

सप्ताह 17
दिवस 1

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

लेखन कार्य

पाठ-95

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1, पाठ-7: भालू और मदारी।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ काम करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 17
दिवस 2

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- अनुभव पर चर्चा- स्कूल से घर तक क्या-क्या देखा।
- विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

अनुभव पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को आज की चर्चा का विषय बताएँ और सबसे पहले आप स्वयं अपने अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।
- अब आप बच्चों से उनके अनुभवों पर बातचीत करें और विषय से संबंधित बंद और एक-दो खुले छोर के प्रश्न पूछें।

सप्ताह 17
दिवस 2

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चर्चा से संबंधित जुड़ा कोई चित्र बनाने और उसके बारे में अपने साथी से बात करने को कहें। फिर किन्हीं 3–4 बच्चों से अपने चित्र को सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने चर्चा में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक, सहज–1

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के स्पष्ट निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

'उ-मात्रा' की पहचान

- कालांश की शुरुआत एक छोटी कविता को बच्चों के साथ हाव–भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- फिर आप वर्ण मात्रा से लक्षित क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड क्रमशः बनाएँ और 4–5 बार उच्चारण करके दिखाएँ। वर्ण–मात्रा से बने इस ग्रिड से पहले आप वर्ण अक्षर पढ़ें और बच्चों को अपने बाद बोलने को कहें।
- कुछ बच्चों को बारी–बारी से बुलाएँ और बोर्ड पर बनी ग्रिड में से आपके द्वारा बताए गए वर्ण/अक्षर को पहचान कर बताने को कहें।
- फिर आप बोर्ड पर 'गु' और 'कु' लिख दें और बच्चों से 'सहज–1' पाठ–10 'रीता की गुड़िया' में इनको खोजकर गोला लगाने को कहें।
- **ब्लेंडिंगः** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठनः** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए–नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठनः** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2–3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ–96

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण–प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 17
दिवस 2

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1, पाठ-7: भालू और मदारी।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुन: बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से कल वाला पाठ पुन: पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ काम करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 17
दिवस 3

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- अनुभव पर चर्चा- स्कूल से घर तक क्या-क्या देखा।
- विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

अनुभव पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को चर्चा के विषय के बारे में बताएँ। कल की चर्चा आगे ले जाते हुए कुछ नए बिन्दुओं पर चर्चा करें।
- इसके बाद आप एक-एक करके सभी बच्चों से उनके अनुभव बताने को कहें। बीच-बीच में आप कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- आप प्रयास करें कि आज उन बच्चों को अधिक बोलने के मौके मिलें, जिन्होंने कल की चर्चा में कम प्रतिभाग किया था।
- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का समय दें और सबको चर्चा में शामिल करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से अनुभव पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। चर्चा में आए नए शब्दों को चार्ट पर लिखकर पढ़ने का अभ्यास कराएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने चर्चा में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 17
दिवस 3

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- पाठ्यपुस्तक/सहज, कार्यपुस्तिका।
- 'ऐ' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'ऐ' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'ऐ' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और 'पाठ्यपुस्तक/सहज' के किसी भी पाठ में 'ऐ' वर्ण को खोजने और अलग-अलग तरीकों से 'ऐ' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-97

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1, पाठ-8: शेरु।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ काम करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 17
दिवस 4

मौखिक शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- कागज की गेंद, बच्चों की संख्या के अनुसार वस्तुएँ।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- परिवेशीय वस्तुओं का ही चयन करें।
- बच्चों को वाक्य बनाने में मदद करें और प्रोत्साहित करें।

चीज़ों के बारे में बताना

- कालांश की शुरुआत किसी स्थानीय कविता/गीत को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5-7 मिनट का समय दें।
- बच्चों को गोल घेरे में बिठा दें और कुछ वस्तुएँ घेरे के बीच में डाल दें। एक गेंद अपने पास रखें और किसी भी बच्चे को घेरे के बीच में बुलाएँ और गेंद उछालने को कहें।
- जिसकी तरफ भी गेंद जाएगी, वह बच्चा घेरे के बीच में आएगा और वहाँ रखी किसी एक वस्तु को उठाकर उसके बारे में 2-3 वाक्य बोलेगा।
- जैसे- गेंद गई सचिन के पास तो सचिन बीच में आएगा और एक वस्तु उठाएगा। उदाहरण के लिए- सचिन ने उठाई - चॉक। सचिन चॉक के बारे में 2-3 वाक्य बोलेगा, जैसे- चॉक बोर्ड पर लिखने के काम आती है। यह पतली और लंबी होती है। यह रंग-बिरंगी भी होती है। तोड़ने पर पाउडर बन जाती है। यह आसानी से टूट जाती है।
- यही बच्चा वाक्य बताने के बाद धीरे से गेंद उछालेगा और जिसकी तरफ गेंद जाएगी, वह बच्चा आगे आएगा और कोई वस्तु उठाकर उसके बारे में 2-3 वाक्य बोलेगा।

लेखन कार्य

- बच्चों से घेरे में रखी किसी भी वस्तु का चित्र बनाने, उसके बारे में अपने साथी को बताने को कहें। 3-4 बच्चों से कक्षा के सभी बच्चों को चित्र दिखाकर उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ-14 : जया, जगत और जुगनू, कार्यपुस्तिका।
- 'व' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'व' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'व' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और कलरव के पाठ-14 'जया, जगत और जुगनू' में 'व' वर्ण को खोजने और अलग-अलग तरीकों से 'व' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

सप्ताह 17
दिवस 4

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

लेखन कार्य

पाठ-98

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1 पाठ-8: शेरु।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुनः बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से कल वाला पाठ पुनः पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ काम करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 17
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-3, पाठ-13: नाव की सवारी।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?

सप्ताह 17
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का वातावरण रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- बच्चों को समूहों में बाँटकर कहानी को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। बच्चों को उनकी तरह से संवाद बोलने और नाटक को प्रस्तुत करने की आजादी दें।

लेखन कार्य

- इस कहानी के आधार पर बच्चों से कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने चर्चा में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका।
- वर्ण/अक्षर कार्ड।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण/अक्षर पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/मात्राओं की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और 'पाठ्यपुस्तक/सहज' में खोजने तथा अलग-अलग तरीकों से इन्हें लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए वाक्यों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

पाठ-99

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 17
दिवस 5

स्वतंत्र पठन एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी पढ़ने को कहें।
- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और आगे उन्हें अधिक मौके देने और प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित करें।

सप्ताह 17
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-3 पाठ-12: गुफा।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का वातावरण रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- बच्चों को समूहों में बाँटकर कहानी को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। बच्चों को उनकी तरह से संवाद बोलने और नाटक को प्रस्तुत करने की आजादी दें।

लेखन कार्य

- सुनी गई कहानी पर बच्चों से चित्र बनाने और चित्र सभी को दिखाने के लिए कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चों के पास लेखन की सामग्री हो।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 95 से 99 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक पर दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- पूर्व के सप्ताहों में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों का आकलन करें और परिणामों को नोट करें और आवश्यकता के अनुसार पुनरावृत्ति का कार्य करवाएँ।
- इसके पश्चात् आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार पिछड़ रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें। उनकी समस्याओं को पहचानें और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।

सप्ताह 18

सावधिक आकलन

बच्चों के सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में अब हम सावधिक आकलन करेंगे। इसके द्वारा हम यह पता लगाएँगे कि बच्चों को सीखने में कहाँ और किस प्रकार की कठिनाइयाँ हो रही हैं। इनका पता लगने के बाद हम आवश्यकता के अनुसार शिक्षण रणनीतियाँ बनाएँगे और बच्चों को लक्षित दक्षताएँ प्राप्त करने के अवसर देंगे।

इस सप्ताह हम डिकोडिंग से संबंधित आकलन करेंगे और मौखिक भाषा से संबंधित अवलोकन। अध्याय 'आकलन एवं पुनरावृत्ति' में इस पर विस्तार से चर्चा की गई है। आइए देखें कि डिकोडिंग एवं मौखिक भाषा विकास में इस सप्ताह किन दक्षताओं पर बच्चों के साथ कार्य किया जाना है।

डिकोडिंग

- कार्यपुस्तिका के सावधिक आकलन (सप्ताह 18) के आकलन प्रपत्र पर कार्य कर पाना।

आकलन और पुनरावृत्ति के चरण

- 'सावधिक आकलन' प्रपत्र का उपयोग करते हुए बच्चों के साथ आकलन पर कार्य करें। इस हेतु आप सप्ताह के पहले दो दिनों के तीनों कलांशों का उपयोग आवश्यकता के अनुसार करें।
- आकलन के परिणामों को संदर्शिका के 'सावधिक आकलन ट्रैकर-2 ' के 'डिकोडिंग' वाले कॉलम में भरें और समूह का निर्धारण करें। समूह-1 के बच्चों के नाम पर गोला लगाएँ।
- समूह-1: जिन बच्चों को आकलन में 50% तक अंक मिले हैं।
- समूह-2: जिन बच्चों को आकलन में 50% से अधिक अंक मिले हैं।
- बच्चों के स्तर के अनुसार पुनरावृत्ति की योजना बनाएँ। पुनरावृत्ति का यह कार्य आवश्यकता के अनुसार 8-10 दिनों तक दूसरे और तीसरे कालांश में करें।
- सावधिक आकलन के बाद 'सावधिक पुनरावृत्ति' के पाठ 100 से 104 पर बच्चों के साथ कार्य करें। आप उन्हें कॉपी एवं अन्य शिक्षण सामग्री पर भी कार्य दे सकते हैं।
- समूह-1 के बच्चों पर विशेष ध्यान दें, उनकी अतिरिक्त सहायता करें।

मौखिक भाषा विकास

- किसी विषय पर अपने अनुभवों को अपनी भाषा में 2-3 वाक्यों में बता पाना।
- किसी चित्र को देखकर 1-2 वाक्य में अपनी बात कह पाना।

आकलन और पुनरावृत्ति के चरण

- डिकोडिंग संबधित पुनरावृत्ति का कार्य करने के दिनों में प्रथम कालांश में मौखिक भाषा की दक्षता का आकलन करें। इसके लिए ऊपर दी गई दक्षताओं का अवलोकन अब तक शिक्षण में उपयोग की गई सामग्री/विधियों द्वारा अपने नियमित शिक्षण प्रक्रिया के दौरान करें।
- अवलोकन के परिणामों को संदर्शिका के 'सावधिक आकलन ट्रैकर-2' के 'मौखिक भाषा' वाले कॉलम में भरें।
- उचित दक्षता प्राप्त कर लेने वाले बच्चों के नाम के आगे सही का निशान लगाएँ और जिन बच्चों ने दक्षता प्राप्त नहीं की है, उनके नाम के आगे रिक्त (-) का निशान लगाएँ।
- सभी बच्चों के लिए उचित टिप्पणी लिखें, जो आपको आगे इनके साथ काम करने में मदद करेगी।

सावधिक आकलन एवं अवलोकन समाप्त होने तक यह सुनिश्चित कर लें कि आपने ट्रैकर के सभी बिन्दुओं को भर लिया है।

सप्ताह 19
दिवस 1

सरल निर्देशों को समझना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- शिक्षक 1–2 कविता हाव-भाव के साथ तैयार कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों की प्रतिभागिता सुनिश्चित करें।
- सभी बच्चों को गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

तोता कहता है

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए दिन की शुरुआत कविता या गीत को हाव-भाव के साथ गाकर करें। इसके लिए 5–7 मिनट का समय दें।
- फिर आप बच्चों को गोले में खड़ा करें और बच्चों को बताएँ कि आपको तोते के द्वारा दिए गए निर्देशों को मानना है, बाकी निर्देशों को नहीं। जैसे- यदि आप बोले – 'तोता कहता है – बैठो' तो सभी बच्चों को बैठ जाना है, किन्तु यदि आप बोले – 'बैठो' तो नहीं बैठना है।
- आप 1–2 बार अभ्यास करवाएँ और अलग-अलग निर्देशों जैसे- कूदो, नाचो, हँसो आदि द्वारा खेल करवाएँ, जो बच्चा सही न करें, उसको खेल संचालित करने का मौका दिया जाए।

लेखन कार्य

- बच्चों से तोते का चित्र बनाने और उसके बारे में अपने साथी को 2–3 वाक्य बताने को कहें।
- 3–4 बच्चों से कक्षा के सभी बच्चों को चित्र दिखाकर उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव/सहज।
- 'ड' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'ड' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'ड' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और 'पाठ्यपुस्तक/सहज' के किसी भी पाठ में 'ड' वर्ण को खोजने और अलग-अलग तरीकों से 'ड' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2–3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-105

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 19
दिवस 1

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज–1, पाठ–9: पतंग और बकरी।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने–फिरने/उठने–बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ काम करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी–बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 19
दिवस 2

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- अनुभव पर चर्चा– यात्रा अनुभव।
- विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

अनुभव पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव–भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम यात्रा अनुभव के बारे में बात करेंगे। सबसे पहले आप अपने अनुभव या यात्रा की कोई खास घटना बच्चों के साथ साझा करें।
- अब आप बच्चों से उनके अनुभवों पर बातचीत करें और विषय से संबंधित बंद और एक–दो खुले छोर के प्रश्न पूछें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चर्चा से संबंधित कोई चित्र बनाने व उसके बारे में अपने साथी से बात करने को कहें। फिर 3–4 बच्चों से अपना चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने चर्चा में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 19
दिवस 2

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश ① ② ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- पाठ्यपुस्तक/सहज-1
- 'उ' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'उ' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'उ' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और 'पाठ्यपुस्तक/सहज-1' के किसी भी पाठ में 'उ' वर्ण को खोजने और अलग-अलग तरीकों से 'उ' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-106

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1 पाठ-9: पतंग और बकरी।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुन: बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से कल वाला पाठ पुन: पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ काम करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 19
दिवस 3

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- अनुभव पर चर्चा– यात्रा अनुभव।
- विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

अनुभव पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को बताएँ कि आज भी हम यात्रा के बारे में बात करेंगे। कल की चर्चा आगे ले जाते हुए कुछ नए बिन्दुओं पर चर्चा करें।
- इसके बाद आप एक-एक करके सभी बच्चों से उनके अनुभव बताने को कहें। बीच-बीच में आप कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- आप प्रयास करें कि आज उन बच्चों को अधिक बोलने के मौके मिलें, जिन्होंने कल की चर्चा में कम प्रतिभाग किया था।
- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का समय दें और सबको चर्चा में शामिल करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। चर्चा में आए नए शब्दों को चार्ट पर लिखकर पढ़ने का अभ्यास कराएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने चर्चा में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ-14 जया जगत और जुगनू।
- 'झ' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'झ' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'झ' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और कलरव के पाठ-14 'जया, जगत और जुगनू' में 'झ' वर्ण को खोजने और अलग-अलग तरीकों से 'झ' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-107

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है? जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 19
दिवस 3

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1, पाठ-10: रीता की गुड़िया।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ काम करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 19
दिवस 4

मौखिक शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- थीम का चुनाव कर लें, उनकी सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को वाक्य बनाने में मदद करें और प्रोत्साहित करें।

मुझे कुछ कहना है

- दिवस की शुरुआत किसी स्थानीय कविता/गीत को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5-7 मिनट का समय दें।
- बच्चों को गोल घेरे में बिठा दें और आप गोल घेरे के बाहर घूमते हुए बोले- अक्कड़-बक्कड़ बम्बे बो, अस्सी नब्बे पूरे सौ.. .. ..
- यह बोलते हुए आप जिस बच्चे के ऊपर सौ आए, उस बच्चे को किसी थीम पर 2-3 वाक्य बोलने को कहें। इसी क्रम में गतिविधि तब तक करवाएँ, जब तक सभी बच्चों को बोलने का मौका न मिल जाए।
- आप बच्चों की रुचि के अनुसार रोचक थीम का चुनाव कर सकते हैं और किसी थीम पर क्या बोला जा सकता है, उसका उदाहरण बच्चों को दें।

लेखन कार्य

- बच्चों से किसी भी थीम से जुड़ा चित्र बनाने, उसके बारे में अपने साथी को बताने को कहें। 3-4 बच्चों से कक्षा के सभी बच्चों को चित्र दिखाकर उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 19
दिवस 4

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश ① ② ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव।
- 'ओ' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'ओ' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'ओ' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और कलरव के किसी भी पाठ में 'ओ' वर्ण को खोजने और अलग-अलग तरीकों से 'ओ' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-108

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1 पाठ-10: रीता की गुड़िया।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुन: बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से कल वाला पाठ पुन: पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ काम करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 19
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-3, पाठ-15: लोभ।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का वातावरण रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों ?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- बच्चों को समूहों में बाँटकर कहानी को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। बच्चों को उनकी तरह से संवाद बोलने और नाटक को प्रस्तुत करने की आजादी दें।

लेखन कार्य

- इस कहानी के आधार पर बच्चों से कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ्यपुस्तक/सहज।
- वर्ण/अक्षर कार्ड।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण/अक्षर पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/मात्राओं की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और 'पाठ्यपुस्तक/सहज' में खोजने और अलग-अलग तरीकों से इन्हें लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए वाक्यों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

पाठ-109

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ? जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 19
दिवस 5

स्वतंत्र पठन एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी पढ़ने को कहें।
- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और आगे उन्हें अधिक मौके देने और प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित करें।

सप्ताह 19
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-3 पाठ-16: बोलती चुटकी।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का वातावरण रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- बच्चों को समूहों में बाँटकर कहानी को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। बच्चों को उनकी तरह से संवाद बोलने और नाटक को प्रस्तुत करने की आजादी दें।

लेखन कार्य

- सुनी गई कहानी पर बच्चों से चित्र बनाने और चित्र सभी को दिखाने के लिए कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चों के पास लेखन की सामग्री हो।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 105 से 109 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक पर दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- पूर्व के सप्ताहों में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों का आकलन करें और परिणामों को नोट करें और आवश्यकता के अनुसार पुनरावृत्ति का कार्य करवाएँ।
- इसके पश्चात् आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार पिछड़ रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें। उनकी समस्याओं को पहचानें और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।

सप्ताह 20
दिवस 1

सामान्य निर्देश समझना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय/क्षेत्रीय भाषा का कोई गीत/कविता।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- ऐसा गीत/कविता का चयन करें, जिसे बच्चे पहले से जानते हों।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- कालांश की शुरुआत किसी खेल गतिविधि से करें। इसके लिए 5–7 मिनट का समय दें।
- आप बच्चों से कहें कि गीत/कविता गाते समय वह आपके हाथ को ध्यान से देखें और जब आपका हाथ ऊपर जाता है तो आवाज ऊँची करें और जब हाथ नीचे जाता है तो आवाज को नीची कर लें।
- बच्चों को गायन शुरू करने के लिए कहें। गाने के दौरान आप धीरे–धीरे अपना हाथ ऊपर ले जाएँ। यह इसका संकेत होगा कि बच्चे गाने की आवाज बढ़ाएँ। आवाज नीची करने के लिए हाथ नीचे लाएँ। अपने हाथ को दो–तीन बार बिना किसी क्रम के ऊपर–नीचे करें।
- बच्चों को यह गतिविधि अच्छी तरह समझ में आ जाए, इसके लिए पहले उन्हें संक्षेप में करके दिखाएँ।

लेखन कार्य

- बच्चों से अपनी पसंद का चित्र बनाने को कहें और उस पर अपने साथी से बात करने को कहें। 3–4 बच्चों के चित्र सभी को दिखाएँ और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका , बोर्ड, चॉक।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के स्पष्ट निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

'ऊ-मात्रा' की पहचान

- कालांश की शुरुआत एक छोटी कविता को बच्चों के साथ हाव–भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- आप बोर्ड पर किसी वर्ण को लिखें और इसका उच्चारण करें। फिर उस वर्ण में लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। जैसे– 'न', 'नू'।
- कुछ अन्य वर्ण लिखकर उसमें लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। जैसे– क, कू, प, पू।
- सिखाए गए वर्णों और लक्षित मात्रा से क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड बोर्ड पर बनाएँ और 4–5 बार उच्चारण करें और बच्चों से पहचान करवाएँ।
- अक्षर पहचान की गतिविधि 'मिलकर खोजें' करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए–नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2–3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

सप्ताह 20
दिवस 1

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

लेखन कार्य

पाठ–110

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण–प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज–1, पाठ–11: बड़ा गुब्बारा।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने–फिरने/उठने–बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ काम करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी–बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 20
दिवस 2

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

अनुभव पर चर्चा

तैयारी और सामग्री

- अनुभव पर चर्चा– बच्चों द्वारा देखे गए सपने – क्या–क्या देखा।
- विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव–भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को आज की चर्चा का विषय बताएँ और सबसे पहले अपने अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।
- अब आप बच्चों से उनके अनुभवों पर बातचीत करें और विषय से संबंधित बंद और एक–दो खुले छोर के प्रश्न पूछें।

सप्ताह 20
दिवस 2

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चर्चा से संबंधित जुड़ा कोई चित्र बनाने और उसके बारे में अपने साथी से बात करने को कहें। फिर किन्हीं 3–4 बच्चों से अपने चित्र को सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने चर्चा में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक, कलरव पाठ–22

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के स्पष्ट निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

'ऊ-मात्रा' की पहचान

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने–फिरने/उठने–बैठने का मौका दें।
- फिर आप वर्ण मात्रा से लक्षित क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड क्रमशः बनाएँ और 4–5 बार उच्चारण करके दिखाएँ। वर्ण–मात्रा से बने इस ग्रिड से पहले आप वर्ण अक्षर पढ़ें और बच्चों को अपने बाद बोलने को कहें।
- कुछ बच्चों को बारी–बारी से बुलाएँ और बोर्ड पर बनी ग्रिड में से आपके द्वारा बताए गए वर्ण/अक्षर को पहचान कर बताने को कहें।
- फिर आप बोर्ड पर 'जू' और 'कू' लिख दें और बच्चों से कलरव पाठ–22 'जूही का जन्मदिन' में इनको खोजकर गोला लगाने को कहें।
- **ब्लेंडिंगः** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठनः** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए–नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठनः** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2–3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ–111

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण–प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 20
दिवस 2

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1 पाठ-11: बड़ा गुब्बारा।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुन: बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से कल वाला पाठ पुन: पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ काम करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया ?
- जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 20
दिवस 3

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- अनुभव पर चर्चा- बच्चों द्वारा देखे गए सपने।
- विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

अनुभव पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को आज की चर्चा का विषय बताएँ। कल की चर्चा आगे ले जाते हुए कुछ नए बिन्दुओं पर चर्चा करें।
- इसके बाद आप एक-एक करके सभी बच्चों से उनके अनुभव बताने को कहें। बीच-बीच में आप कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- आप प्रयास करें कि आज उन बच्चों को अधिक बोलने के मौके मिलें, जिन्होंने कल की चर्चा में कम प्रतिभाग किया था।
- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का समय दें और सबको चर्चा में शामिल करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। चर्चा में आए नए शब्दों को चार्ट पर लिखकर पढ़ने का अभ्यास कराएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने चर्चा में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो आगे उन बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 20
दिवस 3

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- पाठ्यपुस्तक / सहज-1
- 'ढ' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'ढ' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'ढ' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और 'पाठ्यपुस्तक/सहज-1' के किसी भी पाठ में 'ढ' वर्ण को खोजने और अलग-अलग तरीकों से 'ढ' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-112

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1, पाठ-12: झूला।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ काम करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय, सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 20
दिवस 4

बच्चों को अपने आसपास के वातावरण के प्रति सजग बनाना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- उचित स्थान का चयन करें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को प्रतिभाग करने का मौका दें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- बच्चों को कहें कि वे आराम से बैठ जाएँ और अपने शरीर को ढीला छोड़ दें।
- अब उन्हें अपने आसपास की सभी आवाजों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहें।
- उन्हें सुनाई पड़ने वाली सभी आवाजों के नाम बारी-बारी से बताने के लिए कहें।
- आप अपनी बात को 1-2 उदाहरण से स्पष्ट करें।
- उनसे कहें कि धीरे-धीरे अपना ध्यान अपनी साँस पर दें। उन्हें नाक में हवा के आने और जाने पर ध्यान केंद्रित करना है। उन्हें साँस को महसूस करने और उसकी लय पर ध्यान देने के लिए कहें।

लेखन कार्य

- बच्चों से अपनी पसंद का चित्र बनाने को कहें। उस चित्र पर वह अपने साथियों के साथ भी जोड़ों में चर्चा कर सकते हैं।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव/सहज।
- 'ठ' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'ठ' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'ठ' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और 'कलरव/सहज' के किसी भी पाठ में 'ठ' वर्ण को खोजने और अलग-अलग तरीकों से 'ठ' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** कुछ सरल ववाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-113

सप्ताह 20
दिवस 4

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है? जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1 पाठ-12: झूला।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुनः बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से कल वाला पाठ पुनः पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ काम करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 20
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- सहज-3, पाठ-17: लायक कौन।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का वातावरण रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- बच्चों को समूहों में बाँटकर कहानी को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। बच्चों को उनकी तरह से संवाद बोलने और नाटक को प्रस्तुत करने की आजादी दें।

लेखन कार्य

- इस कहानी के आधार पर बच्चों से कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

सप्ताह 20
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने बातचीत में प्रतिभाग किया? यदि नहीं, तो उन बच्चों को आगे और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ्यपुस्तक/सहज।
- वर्ण/अक्षर कार्ड।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण/अक्षर पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/मात्राओं की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और 'पाठ्यपुस्तक/सहज' में खोजने और अलग-अलग तरीकों से इन्हें लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए वाक्यों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

पाठ-114

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है? जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

स्वतंत्र पठन एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी पढ़ने को कहें।
- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया? यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और आगे उन्हें अधिक मौके देने और प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित करें।

सप्ताह 20
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कहानी।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का माहौल रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों ?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- बच्चों को समूहों में बाँटकर कहानी को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। बच्चों को उनकी तरह से संवाद बोलने और नाटक को प्रस्तुत करने की आजादी दें।

लेखन कार्य

- सुनी गई कहानी पर बच्चों से चित्र बनाने और चित्र सभी को दिखाने के लिए कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

साप्ताहिक आकलन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चों के पास लेखन की सामग्री हो।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 110 से 114 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक पर दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- पूर्व के सप्ताहों में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों का आकलन करें और परिणामों को नोट करें और आवश्यकता के अनुसार पुनरावृत्ति का कार्य करवाएँ।
- इसके पश्चात् आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार पिछड़ रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें। उनकी समस्याओं को पहचानें और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।

सप्ताह 21
दिवस 1

मौखिक शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को प्रश्न पूछने में मदद करें और प्रोत्साहित करें।

बूझो मैंने क्या देखा?

- दिवस की शुरुआत किसी स्थानीय कविता/गीत बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5-7 मिनट का समय दें।
- किसी एक बच्चे को कक्षा से बाहर भेजें।
- वह बाहर से कोई एक चीज देखकर आए और उस चीज का नाम न लेते हुए उसके बारे में एक वाक्य बताए। उदाहरण के लिए, बच्चा बोला- 'मैंने एक सफेद चीज देखी।'
- बाकी बच्चे कुछ प्रश्न पूछकर अंदाजा लगाने की कोशिश करेंगे कि वह चीज क्या है? प्रश्न ऐसे हों, जिनका जवाब केवल हाँ/ नहीं में दिया जा सके।
- उदाहरण के लिए, बच्चों ने पूछा- क्या वह स्कूल के अंदर है? नहीं। क्या वह कोई जानवर है? हाँ। क्या तुमने गिलहरी देखी? नहीं। क्या वह कोई चिड़िया है? नहीं। क्या हम उस जानवर को पालते हैं? हाँ। क्या वह कुत्ता है? नहीं। क्या वह गाय है? हाँ। अब बच्चा बताए कि मैंने बाहर एक सफेद गाय देखी।
- इसी तरह अलग-अलग बच्चों को बाहर जाने और सवालों के जवाब देने का मौका दें। शुरुआत में आप स्वयं इसको करके दिखाएँ।

लेखन कार्य

- बच्चों को उनके द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर से जुड़ा चित्र बनाने और उसके बारे में अपने साथी को बताने को कहें। 3-4 बच्चों से कक्षा के सभी बच्चों को चित्र दिखाकर उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के स्पष्ट निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

'इ-मात्रा' की पहचान

- कालांश की शुरुआत एक छोटी कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- आप बोर्ड पर किसी वर्ण को लिखें और इसका उच्चारण करें। फिर उस वर्ण में लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें, जैसे- 'न', 'नि'।
- कुछ अन्य वर्ण लिखकर उसमें लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें, जैसे- क, कि, र, रि।
- सिखाए गए वर्णों और लक्षित मात्रा से क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड बोर्ड पर बनाएँ और 4-5 बार उच्चारण करें और बच्चों से पहचान करवाएँ।
- अक्षर पहचान की गतिविधि 'मिलकर खोजें' करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

सप्ताह 21
दिवस 1

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

'इ-मात्रा' की पहचान

- **वाक्य पठन :** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2–3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ–115

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण–प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज–1, अतिरिक्त पाठ–1: ऊँट पर साँप।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने–फिरने/उठने–बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ काम करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी–बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 21
दिवस 2

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- अनुभव पर चर्चा– दोस्तों के बारे में।
- विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

अनुभव पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव–भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को आज की चर्चा का विषय बताएँ और सबसे पहले आप स्वयं अपने अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।
- अब आप बच्चों से उनके अनुभवों पर बातचीत करें और विषय से संबंधित बंद और एक–दो खुले छोर के प्रश्न पूछें।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चर्चा से संबंधित जुड़ा कोई चित्र बनाने और उसके बारे में अपने साथी से बात करने को कहें। फिर किन्हीं 3–4 बच्चों से अपना चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने चर्चा में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर अगले दिन के कालांश में उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक, कलरव, पाठ–9

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के स्पष्ट निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

'इ-मात्रा' की पहचान

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने–फिरने/उठने–बैठने का मौका दें।
- फिर आप वर्ण मात्रा से लक्षित क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड क्रमशः बनाएँ और 4–5 बार उच्चारण करके दिखाएँ। वर्ण–मात्रा से बने इस ग्रिड से पहले आप वर्ण अक्षर पढ़ें और बच्चों को अपने बाद बोलने को कहें।
- कुछ बच्चों को बारी–बारी से बुलाएँ और बोर्ड पर बनी ग्रिड में से आपके द्वारा बताए गए वर्ण/अक्षर को पहचान कर बताने को कहें।
- फिर आप बोर्ड पर 'नि' और 'मि' लिख दें और बच्चों से कलरव पाठ्यपुस्तक के पाठ–9 'बत्तख और चूजा' में इनको खोजकर गोला लगाने को कहें।
- **ब्लेंडिंगः** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठनः** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए–नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठनः** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2–3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

सप्ताह 21
दिवस 2

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

लेखन कार्य

पाठ–116

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज–1, अतिरिक्त पाठ–1: ऊँट पर साँप।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुन: बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से कल वाला पाठ पुन: पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ काम करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया ?
- जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 21
दिवस 3

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- अनुभव पर चर्चा– दोस्तों के बारे में।
- विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

अनुभव पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को आज की चर्चा का विषय बताएँ। कल की चर्चा आगे ले जाते हुए कुछ नए बिन्दुओं पर चर्चा करें।
- इसके बाद आप एक-एक करके सभी बच्चों से उनके अनुभव बताने को कहें। बीच-बीच में आप कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।

सप्ताह 21
दिवस 3

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

अनुभव पर चर्चा

- आप प्रयास करें कि आज उन बच्चों को अधिक बोलने के मौके मिलें, जिन्होंने कल की चर्चा में कम प्रतिभाग किया था।
- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का समय दें और सबको चर्चा में शामिल करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें। चर्चा में आए नए शब्दों को चार्ट पर लिखकर पढ़ने का अभ्यास कराएँ।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने चर्चा में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ-1 : मेरा देश।
- 'श' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'श' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'श' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और कलरव के पाठ-1 'मेरा देश' में 'श' वर्ण को खोजने और अलग-अलग तरीकों से 'श' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-117

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 21
दिवस 3

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1, अतिरिक्त पाठ-2: हाथी आया गाँव में।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ काम करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया? जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 21
दिवस 4

अभिनय से अभिव्यक्ति

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- गतिविधि के लिए उपयुक्त स्थान का चयन करें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी को गतिविधि में प्रतिभाग करने का मौका मिले।
- बच्चों को एक सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराएँ, ताकि वे गतिविधि में सक्रिय रूप से हिस्सा ले सकें।

सामाजिक एवं भावनात्मक जुड़ाव

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- बच्चों से पूछें कि उन्हें कौन-सा व्यक्ति सबसे ज्यादा पसंद है और क्यों? बच्चे अपने परिवार, दोस्त या किसी भी व्यक्ति के बारे में बता सकते हैं।
- बच्चों को अपने पसंद के व्यक्ति की तरह व्यवहार करने के लिए प्रोत्साहित करें। उनका व्यवहार, उनकी बातचीत, चाल-ढाल और दूसरी चीजों की नकल करने को कहें। उन्हें उस व्यक्ति के व्यक्तित्व की छोटी-से-छोटी चीजों की नकल करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- इस गतिविधि की शुरुआत आप अपने पसंदीदा व्यक्ति की तरह अभिनय करके कर सकते हैं। इससे बच्चों को भी सहभागिता के लिए प्रोत्साहन और आत्मविश्वास मिलेगा।

लेखन कार्य

- बच्चों से उस व्यक्ति से जुड़ी कोई स्मृति या चीज़, जो उसे पसंद हो, उसका चित्र बनाने को कहें। इस चित्र पर वह अपने साथियों के साथ जोड़ो में भी चर्चा कर सकते हैं।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 21
दिवस 4

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश ① ② ③

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव/सहज।
- 'ड़' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'ड़' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'ड़' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और 'कलरव/सहज' के किसी भी पाठ में 'ड़' वर्ण को खोजने और अलग-अलग तरीकों से 'ड़' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-118

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश ① ② ③

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1, अतिरिक्त पाठ-2: हाथी आया गाँव में।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुन: बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से कल वाला पाठ पुन: पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ काम करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 21
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कहानी।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का वातावरण रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों में स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- बच्चों को समूहों में बाँटकर कहानी को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। बच्चों को उनकी तरह से संवाद बोलने और नाटक को प्रस्तुत करने की आजादी दें।

लेखन कार्य

- इस कहानी के आधार पर बच्चों से कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ्यपुस्तक/सहज।
- वर्ण/अक्षर कार्ड।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण/अक्षर पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/मात्राओं की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और 'पाठ्यपुस्तक/सहज' में खोजने और अलग-अलग तरीकों से इन्हें लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए वाक्यों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

पाठ-119

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है? जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 21
दिवस 5

स्वतंत्र पठन एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी पढ़ने को कहें।
- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और आगे उन्हें अधिक मौके देने और प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित करें।

सप्ताह 21
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कहानी।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का वातावरण रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों ?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- बच्चों को समूहों में बाँटकर कहानी को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। बच्चों को उनकी तरह से संवाद बोलने और नाटक को प्रस्तुत करने की आजादी दें।

लेखन कार्य

- सुनी गई कहानी पर बच्चों को चित्र बनाने को कहें।
- बच्चों द्वारा बनाए गए चित्र सभी को दिखाने के लिए कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर अगले कालांश में उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चों के पास लेखन की सामग्री हो।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 115 से 119 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक पर दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- पूर्व के सप्ताहों में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों का आकलन करें और परिणामों को नोट करें और आवश्यकता के अनुसार पुनरावृत्ति का कार्य करवाएँ।
- इसके पश्चात् आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार पिछड़ रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें। उनकी समस्याओं को पहचानें और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।

सप्ताह 22
दिवस 1

मौखिक शब्दावली विकास

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता, बोर्ड, चॉक, मार्कर आदि।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- परिवेशीय चित्र बनाएँ।
- बच्चों को चित्र पहचानने के लिए प्रोत्साहित करें।

पहचानो और बताओ?

- दिवस की शुरुआत किसी स्थानीय कविता/गीत को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5-7 मिनट का समय दें।
- आप बोर्ड पर किसी वस्तु से मिलता-जुलता कोई चित्र बनाएँ और बच्चों को अनुमान लगाकर पहचानने को कहें। चित्र घर के सामान, पक्षी, जानवर इत्यादि के हो सकते हैं।
- ध्यान दें कि चित्र इतना अस्पष्ट हो कि बच्चों को पहचानने में थोड़ी चुनौती हो।
- बच्चे चित्र पहचान कर उसके बारे में 2-3 वाक्य बताएँ। हर बच्चे को बोलने का मौका दें।

लेखन कार्य

- बच्चों को गतिविधि से जुड़ा चित्र बनाने, उसके बारे में अपने साथी को बताने को कहें। 3-4 बच्चों से कक्षा के सभी बच्चों को चित्र दिखाकर उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें थोड़े और मौके दें और प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के स्पष्ट निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

'अं-मात्रा' की पहचान

- कालांश की शुरुआत एक छोटी कविता को बच्चों के साथ हाव-भाव सहित गाकर करें। इसके लिए 5 से 7 मिनट का समय दें।
- आप बोर्ड पर किसी वर्ण को लिखें और इसका उच्चारण करें। फिर उस वर्ण में लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। जैसे- 'ह', 'हं'।
- कुछ अन्य वर्ण लिखकर उसमें लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें, जैसे- गां, चां।
- सिखाए गए वर्णों और लक्षित मात्रा से क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड बोर्ड पर बनाएँ और 4-5 बार उच्चारण करें और बच्चों से पहचान करवाएँ।
- अक्षर पहचान की गतिविधि 'मिलकर खोजें' करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2-3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

सप्ताह 22
दिवस 1

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

लेखन कार्य

पाठ–120

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण–प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है? जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज–1, अतिरिक्त पाठ–3: रामसहाय की साइकिल।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने–फिरने/उठने–बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ काम करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी–बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 22
दिवस 2

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- अनुभव पर चर्चा– आसपास के जानवर।
- विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

अनुभव पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव–भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को आज की चर्चा का विषय बताएँ और सबसे पहले आप स्वयं अपने अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।
- अब आप बच्चों से उनके अनुभवों पर बातचीत करें और विषय से संबंधित बंद और एक–दो खुले छोर के प्रश्न पूछें।

सप्ताह 22
दिवस 2

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

लेखन कार्य

- आप बच्चों से चर्चा से संबंधित जुड़ा कोई चित्र बनाने और उसके बारे में अपने साथी से बात करने को कहें। फिर किन्हीं 3–4 बच्चों से अपने चित्र को सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने चर्चा में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका, बोर्ड, चॉक।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के स्पष्ट निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।

'अं-मात्रा' की पहचान

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- फिर आप वर्ण मात्रा से लक्षित क्रमिक (Sequence) और अनुक्रमिक (Random) ग्रिड क्रमशः बनाएँ और 4–5 बार उच्चारण करके दिखाएँ। वर्ण-मात्रा से बने इस ग्रिड से पहले आप वर्ण अक्षर पढ़ें और बच्चों को अपने बाद बोलने को कहें।
- कुछ बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और बोर्ड पर बनी ग्रिड में से आपके द्वारा बताए गए वर्ण/अक्षर को पहचान कर बताने को कहें।
- फिर आप बोर्ड पर 'मां' और 'हां' लिख दें और बच्चों से कलरव पाठ्यपुस्तक के पाठ-22 'जूही का जन्मदिन' में इनको खोजकर गोला लगाने को कहें।
- **ब्लेंडिंगः** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठनः** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2–3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ-121

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 22
दिवस 2

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1, अतिरिक्त पाठ-3: रामसहाय की साइकिल।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुन: बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से कल वाला पाठ पुन: पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ काम करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया? जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 22
दिवस 3

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- अनुभव पर चर्चा- आसपास के जानवर।
- विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अपरिचित शब्दों के स्थानीय अर्थ पर चर्चा करें।
- सुनिश्चित करें कि बच्चों द्वारा चित्र के बारे में बताई जा रही बातों/संबंधित अनुभवों को सभी अन्य बच्चे सुन रहे हों।

अनुभव पर चर्चा

- कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता पूरे हाव-भाव के साथ गाएँ।
- आप बच्चों को आज की चर्चा का विषय बताएँ। कल की चर्चा आगे ले जाते हुए कुछ नए बिन्दुओं पर चर्चा करें।
- इसके बाद आप एक-एक करके सभी बच्चों से उनके अनुभव बताने को कहें। बीच-बीच में आप कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- आप प्रयास करें कि आज उन बच्चों को अधिक बोलने के मौके मिलें, जिन्होंने कल की चर्चा में कम प्रतिभाग किया था।
- सभी बच्चों को अपनी बात कहने का समय दें और सबको चर्चा में शामिल करें।

लेखन कार्य

- बच्चों से हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने और रंग भरने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने चर्चा में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 22
दिवस 3

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ–7 : पतंग।
- 'फ' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'फ' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने–फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'फ' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और कलरव के पाठ–7 'पतंग' में 'फ' वर्ण को खोजने और अलग–अलग तरीकों से 'फ' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए–नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2–3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ–122

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण–प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज–1, अतिरिक्त पाठ–4: चूहा और हाथी।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी पढ़ने का प्रयास किया है।

सहज से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने–फिरने/उठने–बैठने के मौके दें।
- बच्चों को 4 समूहों में बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से आज का पाठ पढ़ने को कहें। आज आप समूह 1 और 2 के साथ काम करें।
- पहले समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आज के पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी–बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- दूसरे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 22
दिवस 4

अभिनय के माध्यम से स्वयं को अभिव्यक्त करना

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- गतिविधि के लिए शब्दों का चयन पहले से करें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को प्रतिभाग करने का मौका दें।

सामाजिक और भावनात्मक जुड़ाव

- दिवस की शुरुआत किसी कविता/ बालगीत/ कहानी या खेल गतिविधि से करें। इस पर बच्चों के साथ 5–7 मिनट तक कार्य करें।
- कक्षा को 2–3 समूहों में बाँटें। सभी समूहों से अभिनय करने के लिए बारी-बारी से एक-एक सदस्य आएँगे। आप उस सदस्य के कान में एक शब्द कहेंगे और वह बच्चा अभिनय द्वारा उस शब्द को बताने की कोशिश करेगा।
- बनाए गए समूहों को वह शब्द पहचानना है, जो समूह शब्द को पहले पहचानेगा, उस समूह को 1 अंक मिलेगा।
- अभिनय करने वाले प्रत्येक बच्चे को आप एक शब्द (संज्ञा या क्रिया) दें। ध्यान दें कि ये परिचित एवं परिवेशीय शब्द हों, जैसे- पीने का पानी, दौड़ना, नाचना, गाना गाना, फूल, हाथी, कलम, आदि।

लेखन कार्य

- बच्चों से अभिनय से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें। बच्चों को जोड़ों में उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर आपस में बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3–4 बच्चों को अपना चित्र सभी को दिखाने और उसके बारे में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- सहज–1 पाठ–7 : भालू और मदारी।
- 'भ' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

'भ' वर्ण की पहचान

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने के मौके दें।
- **वर्ण पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को 'भ' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और 'सहज–1' के पाठ–7 'भालू और मदारी' में 'भ' वर्ण को खोजने और अलग-अलग तरीकों से 'भ' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीकों का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** कुछ सरल वाक्य बोर्ड पर लिखें और उनको प्रवाहपूर्ण तरीके से 2–3 बार पढ़ें। उसके बाद बच्चों से अपने पीछे दोहराने और फिर स्वयं पढ़ने को कहें।

लेखन कार्य

पाठ–123

सप्ताह 22
दिवस 4

वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन और वाक्य पठन

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

मार्गदर्शित एवं स्वतंत्र पठन

कालांश 1 2 3

पठन

तैयारी और सामग्री

- सहज-1, अतिरिक्त पाठ-4: चूहा और हाथी।
- पाठ को पहले से पढ़कर कठिन शब्दों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने कहानी पढ़ने का प्रयास किया है।

'सहज' से पठन

- कालांश की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने के मौके दें।
- बच्चों को कल वाले 4 समूहों में पुनः बाँटें और जोड़ियों में 'सहज' से कल वाला पाठ पुनः पढ़ने को कहें। आज आप समूह 3 और 4 के साथ काम करें।
- तीसरे समूह के साथ कार्य करते समय सबसे पहले आप पाठ के चित्रों के आधार पर कहानी में क्या होगा, इसका अनुमान लगाने को कहें।
- फिर आप पाठ का आदर्श वाचन करें और समूह के सभी बच्चों से बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों का अवलोकन करें और बच्चों को पढ़ने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। अब इस समूह के बच्चों से स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- चौथे समूह के साथ भी ऐसी प्रक्रिया अपनाकर कार्य करें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने का प्रयास किया?
- जिन बच्चों को पढ़ने में परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें और प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 22
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कहानी।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का वातावरण रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- दिवस की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- बच्चों को समूहों में बाँटकर कहानी को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। बच्चों को उनकी तरह से संवाद बोलने और नाटक को प्रस्तुत करने की आजादी दें।

सप्ताह 22
दिवस 5

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

लेखन कार्य

- इस कहानी के आधार पर बच्चों से कोई चित्र बनाने, अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया ?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

पुनरावृत्ति

कालांश 1 2 3

डिकोडिंग

तैयारी और सामग्री

- कलरव पाठ्यपुस्तक/सहज।
- वर्ण/अक्षर कार्ड।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।
- बच्चों को आपस में कार्य करने के पर्याप्त मौके दें।
- बच्चों की पढ़ने में सहायता करें।

पुनरावृत्ति

- कालांश की शुरुआत में एक कविता करवाएँ, बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने के मौके दें।
- **वर्ण/अक्षर पहचान:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/मात्राओं की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और 'पाठ्यपुस्तक/सहज' में खोजने और अलग-अलग तरीकों से इन्हें लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **ब्लेंडिंग:** पूर्व में बताए गए तरीके का उपयोग करते हुए अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्दों को मिलाकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन:** पूर्व में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों को अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले नए-नए वाक्यों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

लेखन कार्य

पाठ-124

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने शिक्षण-प्रक्रिया में प्रतिभाग किया और कार्यपुस्तिका का कार्य पूरी तरह से किया है ?
- जिन बच्चों को परेशानी हो रही है, उनकी पहचान करें। उनसे बातचीत करें, सहायता करें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहन दें।

सप्ताह 22
दिवस 5

स्वतंत्र पठन एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

तैयारी और सामग्री

- पुस्तकालय/रीडिंग कॉर्नर से चित्रात्मक कहानी वाली पुस्तकों का चयन।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आपस में बातचीत करने के मौके दें।

स्वतंत्र पठन

- कालांश की शुरुआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें।
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दी गई कहानी पढ़ने को कहें।
- बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें।
- 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने किताबों को पढ़ने का प्रयास किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और आगे उन्हें अधिक मौके दें और प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित करें।

सप्ताह 22
दिवस 6

मौखिक कहानी सुनना एवं समृद्ध चर्चा

कालांश 1 2 3

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कहानी।
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- कक्षा का वातावरण रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- दिवस की शुरुआत छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/उठने-बैठने का मौका दें।
- कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ और बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 बंद छोर के प्रश्न भी पूछें। कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों?
- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए कुछ खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- बच्चों को समूहों में बाँटकर कहानी को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। बच्चों को उनकी तरह से संवाद बोलने और नाटक को प्रस्तुत करने की आजादी दें।

लेखन कार्य

- सुनी गई कहानी पर बच्चों को चित्र बनाने और बनाये गए चित्र सभी को दिखाने के लिए कहें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर आगे उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

तैयारी और सामग्री

- कार्यपुस्तिका।
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चों के पास लेखन की सामग्री हो।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका के पाठ 120 से 124 तक पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक पर दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- पूर्व के सप्ताहों में उपयोग किए गए तरीकों से बच्चों का आकलन करें और परिणामों को नोट करें और आवश्यकता के अनुसार पुनरावृत्ति का कार्य करवाएँ।
- इसके पश्चात् आप इस सप्ताह के गृहकार्य करने के निर्देश बच्चों को उदाहरण सहित दें।

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

- आकलन के परिणामों के अनुसार पिछड़ रहे बच्चों पर अधिक ध्यान दें। उनकी समस्याओं को पहचानें और आवश्यकता के अनुसार सहायता करें।

कक्षा प्रबंधन

कक्षा प्रबंधन एक विशेष प्रकार की रणनीति एवं तकनीक है जो सभी बच्चों को सक्रिय रूप से कक्षा में हो रही गतिविधियों से जोड़कर रखती है। कक्षा प्रबंधन की एक सीमित या पारंपरिक परिभाषा 'अनुपालन' की ओर इंगित करती है, जैसे कि बच्चे अपनी जगह पर बैठे हों और शिक्षक द्वारा दिए गए दिशा–निर्दशों को सुन रहे हों आदि। परंतु एक प्रभावी कक्षा प्रबंधन इससे कहीं आगे बढ़कर होता है।

प्रभावी कक्षा प्रबंधन में वह सभी चीजें हैं जो सीखने में मदद करें जैसे शिक्षक का व्यवहार एवं कक्षा का वातावरण (बच्चों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण, उनकी बातों को कक्षा में जगह देना), वास्तविक अपेक्षाएं (बच्चों से अपेक्षित कार्य की जानकारी बच्चों को साझा करना), अधिगम शिक्षण सामग्री का उपयोग (सार्थक एवं विभिन्न शिक्षण सामग्री का उपयोग), गतिविधियों एवं शिक्षण कार्य में विविधता, समय प्रबंधन / नियोजन आदि ।

प्रभावी कक्षा प्रबंधन में जिन मुख्य बिंदुओं को शामिल किया जा सकता है, उन्हें नीचे देखा जा सकता है :

1. बैठक व्यवस्था

- बैठक की व्यवस्था, कक्षा–कक्ष में हो रही गतिविधियों के अनुसार करना उचित रहता है। सामूहिक कार्यों जैसे – कहानी सुनाने के दौरान, बच्चे शिक्षक के समीप गोल घेरे में बैठ सकते हैं। जबकि अन्य गतिविधियों के दौरान, बच्चे फैलकर, छोटे–छोटे समूहों में बैठ सकते हैं।
- बैठक की व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जिसमें सभी बच्चों को घुल–मिलकर बैठने के अवसर मिलें। लड़कियों को भी समान अवसर मिले।
- जो बच्चे शर्मीले हैं या जो बच्चे कक्षा में पीछे की तरफ बैठने की कोशिश करते हैं, आप उन्हें आगे बैठने के लिए प्रोत्साहित करें।
- शिक्षण के समय बच्चों और बोर्ड के बीच में दूरी कम हो तो बेहतर होता है।

2. बच्चों के साथ जुड़ाव

- कक्षा में शिक्षण के दौरान, आप जब भी बच्चों के साथ बातचीत करें तो उनकी भावनाओं के प्रति सचेत और संवेदनशील रहें। ऐसी बातचीत के कुछ उदाहरण यहाँ नीचे देखे जा सकते हैं :
  - आज आपको कैसा लग रहा है?
  - आज स्कूल तक आने में किन–किन लोगों ने आपकी मदद की या आपके लिए कुछ किया ?
- ऐसी बातचीत में सभी बच्चों को मौका दें, लेकिन यह संभव है कि रोज ऐसी बातचीत के लिए आपके पास पर्याप्त समय न हो। इसलिए, आप कोशिश करें कि अलग–अलग दिनों में अलग–अलग बच्चों के साथ ऐसी बातचीत करते रहें।

3. सहज वातावरण

- कक्षा के सभी बच्चों को अपनी बात रखने के भरपूर मौके दें। इसके लिए आप अलग–अलग रणनीतियों का प्रयोग कर सकते हैं। जैसे – वर्णमाला के क्रमानुसार बच्चों को बोलने के मौके देना, कागज की पर्चियों में बच्चों के नाम लिखना और पर्चियों की मदद से बच्चों को मौके देना, किसी एक बच्चे का नाम लेना और उसे कक्षा के किसी दूसरे बच्चे का नाम लेने के लिए बोलना जिन्हें अगली बार बोलने का मौका दिया जा सके और इसे आगे बढ़ाना, आदि।
- कक्षा–व्यवस्था संबंधी नियमों को आप बच्चों के साथ मिलकर तय करें, जैसे –
  - जब एक बच्चा बोल रहा हो तो सभी उसकी बातों/विचारों को ध्यान से सुनेंगे।
  - सभी बच्चे अपनी बारी का इंतेजार करेंगे और जब उनकी बारी आएगी तभी बातचीत करेंगे।
  - सभी बच्चे सीखने में एक–दूसरे की मदद करेंगे और एक–दूसरे का मजाक नहीं उड़ाएंगे आदि।
- शिक्षण कार्य के दौरान, आप बच्चों के साथ बराबरी का व्यवहार करने की कोशिश करें, जैसे –
  - अगर बच्चे दरी पर बैठे हों तो आप भी उनके साथ दरी पर ही बैठें।
  - बच्चों को अपने घर की भाषा में संवाद के पर्याप्त मौके दें।

4. समय प्रबंधन/नियोजन

- बेहतर शिक्षण के लिए यह समझना आवश्यक है कि बच्चों को 'इंतजार का समय' (wait meą) और 'काम का समय' (me` on task) कितना मिला।
- इंतजार का समय वह समय होता है जिसमें बच्चों को सोचने का समय दिया जाता है और काम के समय में बच्चे किसी गतिविधि आदि पर समय लगाते हैं।
- कक्षा में बच्चों को अभ्यास करने के भरपूर मौके दें।
- कक्षा की शुरुआत छोटी कविता/कहानी/खेल गतिविधि या चलने–फिरने/उठने–बैठने की गतिविधि के साथ करें।
- कक्षा में आप जिन गतिविधियों एवं अधिगम शिक्षण सामग्रियों को काम में लेते हुए शिक्षण कार्य करने वाले हैं, इन्हें पहले से ही इकठ्ठा कर लें।
- शिक्षण योजनाओं को कक्षा में क्रियान्वयन करने से एक दिन पहले अवश्य पढ़े एवं आवश्यक तैयारी कर लें।
- बहुकक्षीय शिक्षण की अवस्था में शिक्षक को अपने समय–संतुलन पर भी खास ध्यान देना चाहिए।

प्रिंट रिच वातावरण

पढ़ने–लिखने के शुरूआती चरणों में बच्चों को जितनी अलग–अलग तरह की शिक्षण अधिगम सामग्री और प्रिंट की चीजें मिलती हैं, उनका पढ़ना उतना ही रोचक हो जाता है। अलग–अलग प्रकार की प्रिंट सामग्री से (चित्र/कहानी/कविता पोस्टर, दीवार पत्रिका, बच्चों द्वारा बनाए चित्र, चित्र कहानी पोस्टर आदि) समृद्ध कक्षा–कक्ष बच्चों के पढ़ने–लिखने, कक्षा और अपने सहपाठियों से जुड़कर कार्य करने एवं झिझक दूर करने में काफी मददगार होता है।

प्रिंट रिच कक्षाएं जहाँ तरफ बच्चों की पढ़ने–लिखने में रूची बढ़ाती हैं, वही ऐसी कक्षाएं उन बच्चों की और ज्यादा मदद करती हैं जिनके घरों में प्रिंट सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं है।

कक्षा–कक्ष को प्रिंट रिच बनाने के लिए कुछ सामग्रियों का उपयोग किया जा सकता है, जिनका विवरण नीचे दिया गया है :

1. किताबों का कोना

- बच्चों के स्तर की किताबों को कक्षा के किसी कोने में सजाकर इस तरह रखें कि बच्चे उसे लेकर देख सकें। इसके लिए विद्यालय में उपलब्ध किताबों का उपयोग करें। दीवार में रस्सी टाँगकर भी कुछ किताबों को रखा जा सकता है।

2. चित्र चार्ट

- इनको कक्षा में इस तरह दीवारों और खिड़कियों के सहारे रखें कि ये सबको दिख जाएँ। इन्हें दीवारों पर न चिपकाएं क्योंकि चित्र पर चर्चा के लिए इन्हें बच्चों के बीच में रखकर कार्य करना पड़ता है। यह सामग्री आपकी कक्षा में पहले से ही उपलब्ध है।

2. कविता/कहानी पोस्टर

- आपके विद्यालय में पहले से ही कविता और कहानी पोस्टर भेजे गए हैं। इन्हें दीवारों पर लगाएं। जमीन से इनकी ऊँचाई ऐसी हो कि बच्चे आसानी से इन्हें देख सकें और इनके साथ कार्य कर सकें।

4. लेबलिंग

- कक्षा में मौजूद वस्तुओं के नाम कागज पर लिखकर प्रत्येक वस्तु के पास चिपकाए जा सकते हैं। जैसे–दरवाजा, खिड़की, अलमारी आदि।

5. बच्चों का कोना

- बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों को दीवार पर प्रदर्शित करने के लिए एक निश्चित जगह चुनें। उस पर उनके नाम सहित उनके द्वारा बनाए गए चित्रों को चिपकाएं या टांग दें। आगे चलकर, बच्चे अगर कुछ शब्द लिखते हैं तो उन्हें भी चिपकाया जा सकता है। बच्चों के इन कार्यों को एक निश्चित अंतराल पर बदलते रहें।

6. शब्द दीवार

- दीवारों पर कई तरह के शब्द चार्ट लगाए जा सकते हैं –
  - बच्चों के नाम और उनके पसंद की चीजें
  - बच्चों के जन्मदिन का चार्ट
  - पढ़ाई गई कहानियों के नाम
  - कहानी और कविता
  - स्थानीय कविता और कहानी
  - बोलचाल के स्थानीय शब्द
  - कहानी / बातचीत / साझा पठन में आए चित्र
  - कोई चित्र और उसका वर्णन

ऐसे चार्ट एक निश्चित अंतराल पर बदलते रहने चाहिए।

अभिभावकों की भूमिका

- शिक्षकों के साथ बातचीत
- 'गृहकार्य' को घर पर करवाना
- बच्चों के साथ बातचीत

बच्चे निरंतर रूप से सीखने की प्रक्रियाओं में शामिल हों इसके लिए जरुरी है कि कक्षा–कक्ष में जहाँ एक तरफ शिक्षक उनके साथ काम करें, वहीं दूसरी तरफ अभिभावक भी घर पर उन्हें पर्याप्त समय दें और व्यवस्थित ढंग से उनके साथ काम करें। इसलिए हम शिक्षकों को सभी बच्चों के अभिभावकों के साथ नियमित रूप से बातचीत एवं चर्चा करनी चाहिए। स्कूल में आयोजित अभिभावक एवं शिक्षकों की बैठकों (PTM) में अभिभावकों से यह बात करें कि उनके सक्रिय और सकारात्मक जुड़ाव से बच्चों के सीखने की गति बेहतर होती जाती है।

इस भाग में हम यह देखने और समझने की कोशिश करेंगे कि एक अभिभावक की पूरी शिक्षण प्रक्रिया में क्या भूमिका हो सकती है। आप अभिभावकों तक यह बात पहुँचाएं कि बच्चों के सीखने की प्रक्रिया में उनकी भूमिका को 3 मुख्य भागों में बाँटकर देखा जा सकता है। इन पर हम विस्तार से आगे बात करेंगे :

1. शिक्षकों के साथ बातचीत

आप अभिभावकों को बताएं कि उनके लिए अपने बच्चों की प्रगति पर ध्यान रखना अच्छा होगा ताकि बच्चों को समय से ज़रूरी मदद मिल सके। साथ में ही, उनसे अपेक्षा है कि वह विद्यालय के शिक्षकों से लगातार संवाद बनाएं रखें और अपने बच्चे के बारे में संवाद करते रहें। विद्यालय से जुड़े कार्यों में अभिभावकों की भूमिका को नीचे देखा जा सकता है –

- वार्षिक लक्ष्य और बच्चों की प्रगति पर बात करना।
- बच्चों को विद्यालय और सीखने में हो रही कठिनाइयों पर शिक्षक के साथ नियमित रूप से बात करना।
- बच्चों को घर में कक्षा के कार्यों को दोहराने में प्रतिदिन मदद करना।
- कक्षा में किए गए कार्य के बारे में पूछना।
- गृहकार्य के बारे में पूछना।

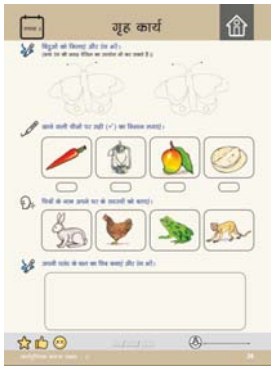

2. साप्ताहिक रूप से गृहकार्य के पत्रक को घर पर करवाना

आप अभिभावकों को बच्चों से उनके विद्यालय में बिताए गए समय और उनके सीखने के अनुभवों के बारे में बातचीत कर, गृहकार्य को पूरा करने में सहयोग के लिए प्रेरित करें। इससे संबंधित अभिभावकों की भूमिका को नीचे देखा जा सकता है –

- बच्चों से आपके द्वारा दिए गए निर्देश के बारे में पूछना।
- बच्चों के साथ बैठकर गृहकार्य को पूरा करवाना।
- बच्चों के साप्ताहिक कार्य और कार्यपुस्तिका ट्रैकर को देखना।
- बच्चों को विद्यालय और सीखने में हो रही कठिनाइयों को समझने का प्रयास करना।

3. बच्चों के साथ बातचीत

अभिभावक किन–किन सामान्य बातों का ध्यान रख सकते हैं, इसे नीचे देखा जा सकता है –

- बच्चे मजे के साथ सीख सकें, इसके लिए घर पर अनुकूल वातावरण बनाना।
- बच्चों के सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को सराहना और उन्हें प्रोत्साहित करना।
- बच्चों के साथ खेलना, समय व्यतीत करना और लगातार संवाद करना।
- बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना और उन्हें टहलने, खेलने आदि के लिए प्रोत्साहित करना।
- बच्चों के मौखिक भाषा विकास हेतु उनके साथ अलग–अलग मुद्दों पर लगातार संवाद करते रहना, दिन में एक बार कहानी या कविता सुनाने का प्रयास करना।
- कहानी या कविता के बारे में बच्चों से छोटे–छोटे सवाल करना : जैसे कि इसमें तुम्हे क्या अच्छा लगता है, इसमें से तुम क्या बनना चाहोगे, अगर ऐसा होता तो क्या होता? आदि। बच्चों को भी कहानी सुनाने के लिए प्रोत्सहित करना।
- बच्चों से चित्रकारी, रंग भरवाने, आटे, मिट्टी या कागज़ से कुछ आकृतियां या चीज बनाने को कहना।
- अपने परिवेश, घर की आवश्यक वस्तुओं के बारे में बताना कि वे कहाँ से आती हैं और उनका क्या उपयोग होता है आदि।

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर 1

हर सप्ताह
दिवस 6

प्रत्येक सप्ताह डिकोडिंग से संबंधित आकलन एवं मौखिक भाषा विकास से संबंधित अवलोकन करें।

डिकोडिंग : बच्चों द्वारा प्राप्त अंकों को दर्ज करें। समूह 1 के बच्चों द्वारा लाए गए अंक पर गोला लगाएं एवं रेमेडियल कार्य करें। समूह 2 के बच्चों के साथ पुनरावृत्ति/अभ्यास कार्य करें।

डिकोडिंग **मौखिक भाषा**

अनुक्रमांक	बच्चों के नाम	सप्ताह 1		2		3		4	
		डिकोडिंग	मौखिक भाषा	डिकोडिंग	मौखिक भाषा	डिकोडिंग	मौखिक भाषा	डिकोडिंग	मौखिक भाषा
1									
2									
3									
4									
5									
6									
7									
8									
9									
10									
11									
12									
13									
14									
15									
16									
17									
18									
19									
20									
21									

मौखिक भाषा विकास : मौखिक भाषा विकास का आकलन हम अंकों में दर्ज नहीं करेंगे। जो बच्चे लक्षित दक्षताएं प्राप्त कर पा रहे हैं, उनके नाम के आगे सही का निशान लगाएं और जो बच्चे लक्षित दक्षताएं प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं, उनके नाम के आगे '–' चिह्न लगाएं और उनके साथ अलग से कार्य करें। यह आपको अपने दैनिक शिक्षण प्रक्रिया की नियमित समीक्षा एवं अवलोकन द्वारा करना है। यह याद रखें कि कम से कम 4 सप्ताहों में प्रत्येक बच्चे का व्यक्तिगत रूप से 2 बार अवलोकन करें और इस ट्रैकर में अपने अवलोकन के अनुसार टिप्पणी लिखें। इस पर अध्याय 'आकलन एवं पुनरावृत्ति' में विस्तार से चर्चा की गई है।

सप्ताह

5		6		7		8		टिप्पणी

डिकोडिंग मौखिक भाषा

अनुक्रमांक	बच्चों के नाम	सप्ताह 1		2		3		4	
22									
23									
24									
25									
26									
27									
28									
29									
30									
31									
32									
33									
34									
35									
36									
37									
38									
39									
40									
41									
42									
43									
44									
45									
46									

सप्ताह

5		6		7		8		टिप्पणी

सप्ताह 9

सावधिक आकलन ट्रैकर 1

सावधिक आकलन करने के बाद आकलन ट्रैकर भरें और समूह का निर्धारण करें ।

डिकोडिंग : बच्चों द्वारा प्राप्त अंकों को दर्ज करें। समूह 1 के बच्चों द्वारा लाए गए अंक पर गोला लगाएं।

मौखिक भाषा विकास : अगर बच्चे लक्षित दक्षताएं प्राप्त कर पा रहे हैं, उनके नाम के आगे सही (✓) का निशान लगाएं और जो बच्चे लक्षित दक्षताएं प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं, उनके नाम के आगे '–' चिह्न लगाएं और उनके साथ अलग से कार्य करें। इस पर अध्याय 'आकलन एवं पुनरावृत्ति' में विस्तार से चर्चा की गई है।

जिला _____ ब्लॉक _____ स्कूल _____ कक्षा _____

अनुक्रमांक	बच्चों के नाम	डिकोडिंग	मौखिक भाषा	टिप्पणी
1				
2				
3				
4				
5				
6				
7				
8				
9				
10				
11				
12				
13				
14				
15				
16				
17				
18				
19				
20				
21				

जिला _____ ब्लॉक _____ स्कूल _____ कक्षा _____

अनुक्रमांक	बच्चों के नाम	डिकोडिंग	मौखिक भाषा	टिप्पणी
22				
23				
24				
25				
26				
27				
28				
29				
30				
31				
32				
33				
34				
35				
36				
37				
38				
39				
40				
41				
42				
43				
44				
45				
46				

भाषा एवं गणित की कक्षा के लिए प्रतिदिन 3–3 कालांश प्रस्तावित हैं।

22 सप्ताह

14 दक्षताएँ

- कविता/कहानी से जुड़े सरल तथ्यात्मक प्रश्नों के उत्तर दे पाना।
- कहानी से जुड़े तर्क, कल्पना और तुलना वाले प्रश्नों के उत्तर दे पाना।
- बातचीत में अपने अनुभव और विचार को घर की भाषा में स्पष्ट तरीके से व्यक्त कर पाना।
- चित्र/घटना/वस्तु के बारे में अपनी भाषा में 2–3 वाक्यों में बता पाना।
- शब्द की प्रथम और अंतिम ध्वनि को बदलकर नया शब्द बना पाना।
- 2–3 वर्ण/अक्षर वाले शब्द को प्रवाह के साथ पढ़ पाना।
- 4–5 सरल वाक्यों वाले पाठ को प्रवाह के साथ पढ़ पाना।
- 30–40 शब्द वाले पाठ को प्रवाह के साथ पढ़ पाना।
- कहानी की किताबों को देखकर पाठ के बारे अनुमान लगाना और कुछ शब्दों को पहचान पाना।
- कक्षा में उपलब्ध सामग्री से प्रिंट संबंधी अवधारणा समझ पाना।
- परिचित संदर्भ की मदद से परिचित शब्दों को चित्र की तरह पहचानना (लोगोग्रफिक शब्द) और उसपर बात कर पाना।
- 3–4 सरल वाक्यों वाले पाठ को पढ़ना और तथ्यात्मक प्रश्नों के उत्तर दे पाना।
- 2–3 अक्षर वाले शब्द (1 से अधिक मात्रा वाले) को सुनकर लिखना एवं वाक्यांश/छोटे वाक्य को चित्र देखकर पूरा कर पाना।
- किसी कहानी/बातचीत के प्रश्न का उत्तर या अपने अनुभव से जुड़ी घटना के लिए 1 शब्द लिख पाना।

अकादमिक शिक्षण योजना

1 2 3 3 कालांशों में कार्य

शिक्षण योजना

ट्रैकर

वार्षिक ट्रैकर (2022–2023)

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर

सावधिक आकलन ट्रैकर

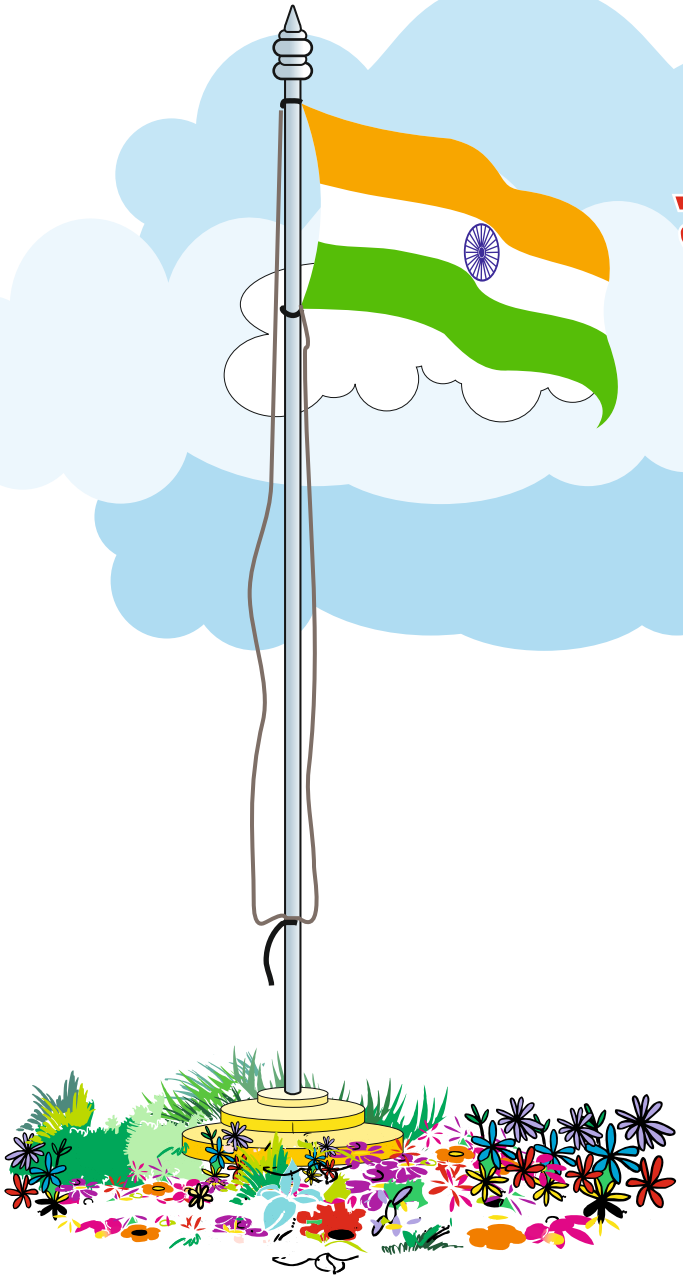

राष्ट्रगान

जन–गण–मन अधिनायक जय हे
भारत–भाग्य विधाता।
पंजाब–सिंध–गुजरात–मराठा
द्राविड़–उत्कल–बंग
विंध्य–हिमाचल–यमुना–गंगा
उच्छल–जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा
जन–गण–मंगल दायक जय हे
भारत–भाग्य विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे!

आवरण पृष्ठ के कागज का विशिष्टीकरणः प्रयुक्त कागज..... वर्जिन पल्पयुक्त 175 जी0एस0एम0 का आर्ट पेपर का प्रयोग किया गया है। जिसमें कागज का बर्स्ट इण्डेक्स–न्यूनतम 0.9, वैक्स पिक्स–नो पिक्स ऑन 5ए, ग्लास परसेंट–न्यूनतम 55, ब्राइटनेस न्यूनतम 72 प्रतिशत और सरफेस पी0एच0 5.5 से 8.0 है। कागज की अन्य विशिष्टियाँ बी0आई0एस0 कोड आई0एस0–4658–1988 के अनुसार हैं एवं कागज 53.34 सेमी x 78.74 सेमी है। आवरण पृष्ठ का बाहरी भाग चार रंगों तथा अन्दर का भाग एक रंग में मुद्रित है।

उ0प्र0, बेसिक शिक्षा परिषद्

K8K1Q1

l= 2022-2023

निःशुल्क वितरण हेतु